भारतीय जन संचार संस्थान
Indian Institute of Mass Communication

Annual Report

वार्षिक रिपोर्ट

2021-22

IIMC Campuses

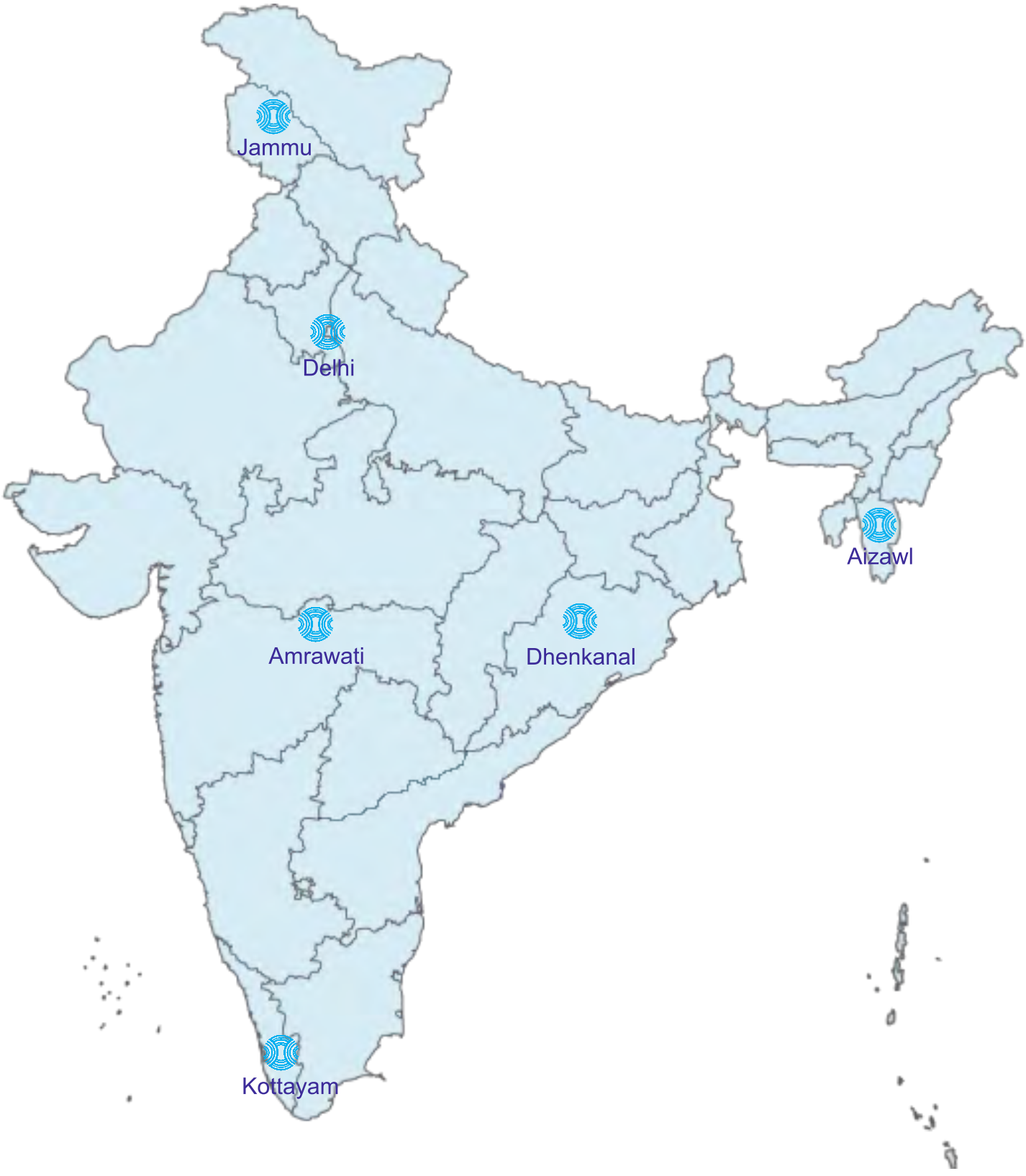

वार्षिक रिपोर्ट

2021-2022

भारतीय जन संचार संस्थान

नई दिल्ली

प्रस्तावना

सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1860 (1860 का XXI) के अंतर्गत एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) की स्थापना 17 अगस्त 1965 को हुई थी। इसे मीडिया और जन संचार के क्षेत्र में शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के मूलभूत लक्ष्यों की पूर्ति हेतु स्थापित किया गया था।

संस्थान की शुरुआत काफी कम कर्मचारी क्षमता के साथ हुई थी, जिसमें एक निदेशक के अलावा चार प्राध्यापक और यूनेस्को के एक परामर्शदाता शामिल थे। संस्थान ने कोलम्बो योजना के अंतर्गत कुछ विदेशी प्रशिक्षुओं के साथ-साथ राज्य अथवा केन्द्र सरकार के सूचना सेवा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया तथा छोटे स्तर पर शोध अध्ययन भी किए। विगत 57 वर्षों में, संस्थान ने अपनी स्थापना के मूल लक्ष्य "केन्द्र और राज्य सरकारों के कर्मियों को मीडिया प्रशिक्षण और सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के उद्योगों की सूचना एवं प्रचार संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु शोध और प्रशिक्षण की सुविधाएं उपलब्ध कराना" के अनुरूप आधुनिक युग में तेजी से विस्तृत एवं परिवर्तनशील मीडिया उद्योग की विविध एवं अनिवार्य आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु सफलतापूर्वक अनेक विशेष पाठ्यक्रम आयोजित किए हैं।

मार्च, 2022 की स्थिति के अनुसार, भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के अलावा संस्थान प्रिंट मीडिया (अंग्रेजी, हिन्दी, उड़िया, उर्दू, मराठी और मलयालम), रेडियो एवं टी.वी. और विज्ञापन और जन सम्पर्क में कई स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यकमों का संचालन कर रहा है। साथ ही संस्थान, वर्तमान में, अफ्रीकी, एशियाई, लैटिन अमेरिका और पूर्वी यूरोपीय देशों के मिड लेवल श्रमजीवी पत्रकारों के लिए भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटेक), विशेष राष्ट्रमंडल अफ्रीकी सहायता योजना (स्काप-SCAAP) तथा कोलंबो प्लान योजनाओं के अंतर्गत विकास पत्रकारिता में भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा प्रायोजित डिप्लोमा पाठ्यक्रम का भी संचालन कर रहा है। संस्थान विशेष रूप से रक्षा अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों तथा साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों के साथ-साथ केन्द्र और राज्य सरकारों के मीडिया, प्रचार और प्रचालन से जुड़े विभिन्न संगठनों में कार्यरत संचार कर्मियों की प्रशिक्षण संबंधी निरंतर बढ़ती आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु एक से चार सप्ताह तक की अवधि के विशेष अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी आयोजित करता है। संस्थान प्रशिक्षण, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं इत्यादि के आयोजन तथा संयुक्त शोध परियोजनाओं के कार्य में विविध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ भी सहयोग करता है।

हाल ही में जन संचार के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं और यह क्षेत्र निर्णय लेने की प्रक्रिया को व्यापक रूप से प्रभावित करने वाले प्रमुख क्षेत्र के रूप में उभरा है। इसने बड़ी ही तीव्रता से महत्वपूर्ण एवं उच्च प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त कर लिया है तथा विभिन्न शैक्षणिक विधाओं के विद्यार्थियों के लिए एक बड़ा आकर्षण बन गया है। सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति ने जन संचार के विस्तार और इसकी रूपरेखा में परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

साथ ही इसने इस क्षेत्र से जुड़े छात्रों, शिक्षकों और पेशेवरों के लिए बड़ी चुनौतियां भी उत्पन्न कर दी हैं। तेजी से परिवर्तित हो रही प्रौद्योगिकी इस विषय के स्वरूप को बदल रही है, जो शैक्षणिक गतिविधि के किसी भी अन्य क्षेत्र के लिए अज्ञात है। उभरती हुई चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करना और जन संचार की प्रभावशीलता को बढ़ाने के साथ-साथ नए मीडिया को शामिल करने की संभावनाओं की खोज और विस्तार निसंदेह वर्तमान समय की मांग है।

तदनुसार, संस्थान लगातार अपने पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन और समीक्षा करता है ताकि तेजी से बदलते परिवेश के कारण सामने आई समसामयिक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके। यह बदलते परिदृश्य में भी संस्थान द्वारा चलाए जाने वाले पाठयक्रमों की प्रासंगिकता को बनाए रखता है।

संस्थान विभिन्न मीडिया संस्थानों से जुड़ने की इच्छा रखने वाले युवा छात्र-छात्राओं को अपेक्षित बुनियादी कौशल और तकनीकों की जानकारी प्रदान करता है और इस क्षेत्र के विभिन्न आयामों से अवगत कराता है। सूचना और संचार के प्रसार को विकास प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण घटक मानते हुए संस्थान अपने विद्यार्थियों को समाज के उपयोगी सदस्यों के रूप में विकसित होने में मदद करता है। यही विचार इस संस्थान और इसके पूर्व छात्रों (एल्यूमनी) को एक अलग पहचान और छवि प्रदान करता है।

संस्थान सूचना संरचना के निर्माण तथा उसके सुदृढ़ीकरण में योगदान हेतु निरंतर प्रयासरत, है जो न केवल भारत अपितु सभी विकासशील देशों के लिए उपयोगी हो। आईआईएमसी केंद्र और राज्य सरकारों के विभागों और अंगों, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों, विश्वविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक निकायों से अनुरोध प्राप्त होने पर अन्य संस्थाओं को अपनी विशेषज्ञता और परामर्श सेवाएं प्रदान करता है।

संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियों की बढ़ती लोकप्रियता और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा करने की दृष्टि से, संस्थान ने 1993 में ढेंकनाल (ओडिशा) में एक क्षेत्रीय परिसर खोला, जिसके बाद अमरावती (महाराष्ट्र), कोट्टयम (केरल), आइजोल (मिजोरम) और जम्मू (जम्मू और कश्मीर) में क्षेत्रीय परिसरों की स्थापना की गई। क्षेत्रीय परिसर दो पाठ्यक्रम संचालित करते हैं, ढेंकनाल परिसर में पत्रकारिता में

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेजी और उड़िया), अमरावती परिसर में अंग्रेजी और मराठी में पत्रकारिता और कोट्टयम परिसर में अंग्रेजी और मलयालम में पत्रकारिता डिप्लोमा प्रदान किया जा रहा है। आइजोल और जम्मू के आईआईएमसी क्षेत्रीय परिसर केवल अंग्रेजी में ही पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान कर रहे हैं।

स्थापना के पचास से भी अधिक वर्षों तक निरंतर कठिन परिश्रम तथा अपने उत्कृष्ट शिक्षण तंत्र के परिणामस्वरूप ही संस्थान संचार शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध के क्षेत्र में "उत्कृष्ट केंद्र" की उल्लेखनीय प्रतिष्ठा को लगातार बनाए रखे हुए है।

भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों का प्रशिक्षण 2020 बैच का प्रारंभिक प्रशिक्षण चरण I

आईआईएस प्रशिक्षण प्रभाग ने कोविड महामारी की दूसरी लहर के दौरान भारतीय सूचना सेवा के 16 अधिकारियों (समूह क) के लिए प्रथम चरण के प्रारंभिक प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक आयोजन किया। आईआईएमसी में जनवरी, 2021 में शुरू हुआ 10 महीने का प्रारंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम 14 दिसंबर, 2021 को सम्पन्न हुआ। कोविड-19 की स्थिति के कारण, स्थिति सामान्य होने तक प्रशिक्षण मुख्य रूप से ऑनलाइन मोड में ही आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण की मुख्य विशेषताएं

- संसद की कार्यवाही और विभिन्न संबंधित प्रक्रियाओं से उन्हें परिचित कराने के लिए संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) के साथ संबद्धता।
- फिल्म एप्रिसिएशन और स्मार्टफोन फिल्म मेकिंग के 3 सप्ताह के ऑनलाइन पाठ्यक्रम हेतु भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, पुणे के साथ संबद्धता।
- सामाजिक क्षेत्र और आर्थिक क्षेत्र संचार पर तीन सप्ताह का विशेष मॉड्यूल आयोजित किया गया, ताकि अधिकारियों को सरकार की सामाजिक कल्याण की योजनाओं और विकासात्मक पहलों के

संप्रेषण में निहित चुनौतियों की भली भांति समझ प्रदान की जा सके। मॉड्यूल को वरिष्ठ नौकरशाहों और नीति संचार, व्यवहार परिवर्तन संचार क्षेत्र तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा संचालित किया गया।

- अधिकारियों के साथ संवेदनशीलता, विशेषज्ञता और व्यावसायिकता के साथ संचार चुनौतियों को हल करने की आवश्यकता पर चर्चा के साथ गृह मंत्रालय के संसाधन व्यक्तियों के सहयोग से आंतरिक सुरक्षा, आपदा संचार और मनो-ओपीएस पर एक सप्ताह का विशेष मॉड्यूल आयोजित किया गया।
- रक्षा मंत्रालय के सहयोग से रक्षा और सामरिक संचार तथा सार्वजनिक कूटनीति पर एक सप्ताह के मॉड्यूल का आयोजन किया गया।
- प्रबंधन विकास संस्थान (एमडीआई), गुरुग्राम के सहयोग से संगठनात्मक प्रबंधन सिद्धांत और नेतृत्व कौशल पर एक सप्ताह का मॉड्यूल आयोजित किया गया। इसके अलावा, नेतृत्व के सिद्धांतों, गुणों और व्यवहार पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- विभिन्न प्लेटफॉर्मों के प्रबंधन, इन्फोग्राफिक्स बनाने, डाटा विश्लेषण और फेक न्यूज की पहचान करने हेतु ऑनलाइन टूल पर ध्यान केंद्रित करते हुए सोशल मीडिया संचार पर विशेष सत्र आयोजित किए गए।
- मीडिया नैतिकता, मीडिया कानून, नियामक नीतियों तथा मीडिया और संचार से संबंधित अन्य सांविधिक प्रावधानों पर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ओटीटी और डाटा विज़ुअलाइज़ेशन सहित संचार में उभरती प्रौद्योगिकियों के संबंध में भी सत्र आयोजित किए।
- प्रशिक्षण में कार्यालय प्रशासन और प्रक्रियाओं, फाइल प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन और सिविल सेवा आचरण नियम संबंधी सत्र भी शामिल थे।
- प्रशिक्षु अधिकारियों ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले मीडिया संगठनों जैसे प्रसार भारती, भारत के समाचार पत्रों के

पंजीयक, प्रकाशन विभाग निदेशालय, पत्र सूचना कार्यालय, केंद्रीय संचार ब्यूरो, फिल्म समारोह निदेशालय, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और निगरानी केंद्र और न्यू मीडिया विंग का भी दौरा किया

- दिल्ली के बाहर के संगठनों, जैसे फिल्म डिवीजन, मुंबई और सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन संस्थान (एसआरएफटीआईआई), कोलकाता ने परिचय प्रशिक्षण के भाग के रूप में प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए विशेष ऑनलाइन सत्रों की व्यवस्था की गई।
- इसके अलावा, लैंगिक संवेदीकरण एवं संचार, प्रौद्योगिकी दूरदर्शिता पर अलग-अलग कार्यशालाओं का भी आयोजन किया गया। प्रशिक्षु अधिकारियों ने सामुदायिक रेडियो स्टेशन का भी दौरा किया और स्थानीय लोगों से बातचीत की।

- अपने ऑनलाइन क्लासरूम सत्र के समापन पर, प्रशिक्षु अधिकारी चार अलग-अलग समूहों में क्षेत्रीय संयोजन के लिए गए। 3-सप्ताह के असाइनमेंट का उद्देश्य अधिकारियों को क्षेत्रीय संचार परिप्रेक्ष्य और पद्धतियों की नज़दीकी जानकारी प्रदान करना था। उन्होंने हैदराबाद/जम्मू/भुवनेश्वर/जयपुर स्थित सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले विभिन्न संगठनों - पीआईबी, आरओबी, आरएनयू का दौरा किया। उन्होंने विभिन्न पदाधिकारियों के साथ बातचीत की और क्षेत्रों के संचार कार्यक्रमों में भाग लिया।
- एफटीआईआई के साथ ऑनलाइन संयोजन जारी रखते हुए, प्रशिक्षु अधिकारियों ने एफटीआईआई, पुणे के एक सप्ताह के ऑफ़लाइन मॉड्यूल में भी भाग लिया।
- प्रशिक्षण के दौरान, प्रशिक्षु अधिकारियों को एक विदेशी भाषा (मंदारिन/स्पेनिश) का भी ज्ञान दिया गया। उनके अंत: कार्य प्रशिक्षण के दौरान भी ऑनलाइन माध्यम से भाषा कक्षाएं जारी रहीं।
- अंत: कार्य प्रशिक्षण (ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग- ओजेटी) – क्लासरूम सत्र और क्षेत्रीय संयोजन के समापन पर, प्रशिक्षु अधिकारी सूचना और प्रसारण मंत्रालय अंतर्गत आने वाले विभिन्न मीडिया संगठनों में ओजेटी के लिए गये।
- प्रशिक्षण के सभी सत्रों का आयोजन इस दृष्टिकोण के साथ किया गया, जिससे अधिकारियों को मीडिया और जनसंचार के उभरते प्रतिमानों और दृष्टिकोणों और देश में नागरिक-कल्याण, सामाजिक एकजुटता और विकास सुनिश्चित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के व्यापक परिप्रेक्ष्य को समझने में मदद मिल सके। प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारियों में एक लोक सेवक के लिए उपयुक्त नैतिक मूल्यों और दृष्टिकोणों की सही श्रेणी स्थापित करना भी था।

2021 के बैच का प्रारंभिक प्रशिक्षण चरण।

वर्तमान में, आईआईएस प्रशिक्षण प्रभाग 21 भारतीय सूचना सेवा अधिकारियों (समूह क) के लिए प्रारंभिक प्रशिक्षण चरण I का आयोजन कर रहा है। प्रशिक्षु अधिकारी 2020 और 2021 के भर्ती बैच से हैं। वर्तमान प्रशिक्षण 21 मार्च, 2022 को शुरू हुआ है। प्रारंभिक सप्ताह में, प्रशिक्षु अधिकारियों ने वरिष्ठ लोक सेवकों, भारतीय सूचना सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिष्ठित संचार विशेषज्ञों के साथ बातचीत की ताकि उन्हें सूचना और प्रसारण मंत्रालय के जनादेश, कार्यों तथा उभरती भूमिका और भारत सरकार की ओर से प्रामाणिक जानकारी प्रदान करने के साथ नागरिकों तक पहुँच स्थापित करने में भारतीय सूचना सेवा की भूमिका की व्यापक समझ प्राप्त हो सके। प्रशिक्षु अधिकारी दिल्ली दर्शन और सूरजकुंड हस्तशिल्प मेले जैसी छोटी यात्राओं पर भी गये।

25 मार्च, 2022 को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री अपूर्व चंद्रा की अध्यक्षता में आयोजित एक समारोह में प्रशिक्षण कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत की गई। इस अवसर पर आईआईएमसी के महानिदेशक, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले विभिन्न मीडिया निदेशालयों के प्रमुख और आईआईएमसी के संकाय सदस्य तथा अधिकारी भी उपस्थित थे।

परिवीक्षा की समाप्ति

इस अवधि के दौरान, 2018 और 2019 बैच के आईआईएस समूह 'क' के 19 प्रशिक्षु अधिकारियों को सफलतापूर्वक प्रारंभिक प्रशिक्षण पूरा करने के परिणामस्वरूप उनकी नियमित पोस्टिंग प्राप्त हुई।

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

अपनी स्थापना के बाद से, संस्थान ने अपने प्रशिक्षण की विषय वस्तु और कार्यान्वयन प्रणाली में सुधार करते हुए अपने निरंतर, अथक प्रयासों से मीडिया और संचार शिक्षा के क्षेत्र में विशेष स्थान बनाया है। आज, आईआईएमसी को मीडिया और जनसंचार के क्षेत्र में शिक्षण प्रदान करने वाले संस्थानों में गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त है। यह इससे संबंधित विषयों के इच्छुक पेशेवरों को पत्रकारिता - हिंदी, अंग्रेजी, उड़िया, मराठी, मलयालम और उर्दू, विज्ञापन और जनसंपर्क और रेडियो और टीवी पत्रकारिता में विभिन्न स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

संस्थान द्वारा प्रदान किए जाने वाले पाठ्यक्रम कक्षा अध्यापन का एक

सार्थक मिश्रण प्रस्तुत करते हैं, जिसकी सम्यक रूप से सश्रम अभ्यासों, लैब जर्नल, परियोजनाओं, क्षेत्र दौरों आदि के माध्यम से व्यावहारिक अभिमुखीकरण द्वारा पूर्ति की जाती है। इसका उद्देश्य छात्रों को उनके करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु आवश्यक कौशल से युक्त करना और उन्हें प्राप्त होने वाले शिक्षण को उस परिवेश की जमीनी वास्तविकताओं जिसमें मीडिया और संचार उद्योग कार्य करता है, से जुड़ने का अवसर प्रदान करना है। ये पाठ्यक्रमों का लक्ष्य, परिप्रेक्ष्य प्रदान करने के अलावा, समाज में मीडिया पेशेवरों की भूमिका को परिभाषित करना है।

बदली परिस्थितियों में भी पाठ्यक्रमों की प्रासंगिकता को बनाए रखने के लिए तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र की उभरती प्रवृत्तियों और प्रौद्योगिकियों को शामिल करके पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्या की लगातार समीक्षा और उसमें संशोधन किया जाता है। पाठ्यक्रम तैयार करते समय, उद्योग की विविध आवश्यकताओं पर हमेशा विचार किया जाता है, ताकि छात्रों को इस क्षेत्र की वास्तविकताओं के साथ-साथ नैतिक सिद्धांतों से अवगत कराया जा सके। पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में जिम्मेदारी की भावना पैदा करना भी है, ताकि वे एक बहुभाषी, बहु-धार्मिक और बहु-जातीय समाज में प्रभावी ढंग से अपनी संबंधित भूमिकाओं का निर्वहन करने में सक्षम हो सकें।

संस्थान अपने छात्रों को इंटर्नशिप/प्लेसमेंट हासिल करने में भी सहायता प्रदान करता है, जो उन्हें सामान्यत: कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से समाचार पत्रों, टीवी चैनलों और मीडिया हाउसों के साथ-साथ विज्ञापन और जनसंपर्क एजेंसियों में लाभकारी रोजगार की ओर अग्रसर करता है।

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (हिन्दी)

हिंदी समाचार मीडिया के लिए कुशल और पेशेवर रूप से प्रशिक्षित समाचार मीडिया पेशेवरों की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने के लिए 1987-88 में हिंदी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम को शुरू किया गया था। शुरुआत में इसका ध्यान तेजी से बढ़ रहे हिंदी प्रिंट मीडिया, विशेष रूप से समाचार पत्रों और पत्रिकाओं पर था, लेकिन बाद में, हिंदी समाचार टेलीविजन और अब डिजिटल समाचार मीडिया के विस्तार के साथ इस पाठ्यक्रम में प्रसारण पत्रकारिता के साथ-साथ डिजिटल पत्रकारिता को भी शामिल किया गया। पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र के नियमित अद्यतन और संशोधन के साथ, यह पाठ्यक्रम स्वयं को उद्योग के लिए प्रासंगिक बनाने के लिए हमेशा शिक्षण/प्रशिक्षण में नए रुझानों और विषयों को शामिल करने के लिए प्रयासरत रहता है।

पाठ्यक्रम का मुख्य फोकस समाचार एकत्र करने और उसके निर्माण और प्रसार की प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक सैद्धांतिक ज्ञान और पेशेवर कौशल प्रदान करने पर है। यह प्रशिक्षुओं में नैतिक मानदंडों, उच्च पेशेवर मानकों और मीडिया कानूनों की समझ को विकसित करने पर बल देता है। वर्ष 2021-22 के दौरान, हिंदी पत्रकारिता पाठ्यक्रम में 68 प्रशिक्षु थे। महामारी के कारण विभाग ने ऑनलाइन मोड के माध्यम से प्रथम सेमेस्टर को सफलतापूर्वक आयोजित किया।

पाठ्यक्रम के प्रारंभिक चरण में संचार, भाषा और संचार, अनुसंधान पद्धतियों और पत्रकारिता के इतिहास, कानून और नैतिकता के सिद्धांत और अवधारणाओं पर जोर दिया गया। साथ ही इसमें रिपोर्टिंग और संपादन जैसे पत्रकारिता के मुख्य क्षेत्रों के सैद्धांतिक के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण को भी शामिल किया गया। दो सेमेस्टरों के दौरान सैद्धांतिक और व्यावहारिक घटकों को समान रूप से शामिल किया गया। विभाग ने छात्रों को मीडिया उद्योग में हो रहे नवीनतम घटनाक्रम से अद्यतन किए जाने को काफी महत्व दिया। डाटा जर्नलिज्म, मोबाइल जर्नलिज्म और फैक्ट-चेकिंग से संबंधित विशेष कार्यशालाएं और सत्र आयोजित किए गए।

छात्रों की परियोजनाएं

फरवरी 2022 में आर्थिक सर्वेक्षण और वित्त बजट से जुड़े मुद्दों के साथ दो सेमेस्टर में 10 से अधिक लैब जर्नल/न्यूजलैटर तैयार किए गए। छात्रों ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर एक पत्रिका भी प्रकाशित की।

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेजी)

पत्रकारिता (अंग्रेजी) में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम मीडिया उद्योग के पेशेवरों को इस क्षेत्र की विशेषताओं और रणनीतियों को सिखाकर तैयार करने के लिए है। अंग्रेजी पत्रकारिता पाठ्यक्रम ने छात्रों को कई चैनलों के माध्यम से अपने पोर्टफोलियो को विकसित करने में सहायता की है ताकि वे क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन कर सकें। इस वर्ष डिजिटल कक्षाओं ने अवधारणाओं की बेहतर समझ हेतु देश भर से और यहां तक कि भारत के बाहर से शिक्षकों को लाना संभव बना दिया। छात्र दूर बैठे भी बुद्धिजीवियों से बातचीत कर सकते थे।

प्रमुख पहल

अंतर्राष्ट्रीय

- आईआईएमसी के अंग्रेजी पत्रकारिता विभाग ने 10-11 अगस्त, 2021 को 100 विख्यात अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय वक्ताओं के साथ "भारत में पत्रकारिता शिक्षा: मुद्दे और चुनौतियां" विषय पर डब्ल्यूजेईसी (विश्व पत्रकारिता शिक्षा परिषद) -यूनेस्को-आईआईएमसी गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया। जनवरी 2022 में आईआईएमसी के महानिदेशक द्वारा एक रिपोर्ट प्रकाशित और औपचारिक रूप से जारी भी की गई।
- अंग्रेजी पत्रकारिता विभाग, आईआईएमसी और यूनिवर्सिटी ऑफ़ न्यूकैसल, ब्रिटेन द्वारा 6 जुलाई 2021 को "द एंटरप्रेन्योरियल वीमेन इन एन अनसर्टेन वर्ल्ड" पर एक सेमिनार आयोजित किया गया। ब्रिटेन के प्रो. करेनरॉस और डॉ. सुरभि दहिया ने मिलकर यह पहल की। रिसोर्स पर्सन में सुश्री आशा दुआ, सुश्री प्रीता घोषाल और सुश्री शाबिया वालिया शामिल थीं।
- विभाग ने "डिजिटल मीडिया स्टोरीटेलिंग एंड इन्वेस्टिगेटिव जर्नलिज्म" पर अमेरिकी दूतावास द्वारा प्रायोजित 17 से 21 मई, 2021 तक एक सप्ताह का आभासी पाठ्यक्रम आयोजित किया। पुरस्कार विजेता पत्रकार और विल्सन सेंटर, वाशिंगटन, डीसी के उपाध्यक्ष लिंडा रोथ रिसोर्स पर्सन थे।

अंग्रेजी पत्रकारिता की कक्षाएं

विभाग ने क्रमशः 2020-21 बैच और 2021-22 बैच के छात्रों (पहले सेमेस्टर के लिए फरवरी 2022 तक) के के लिए गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाएं संचालित कीं। इसमें कुल मिलाकर 163 छात्र (दिल्ली- 66, जम्मू-11, अमरावती-11, ढेंकनाल-53, कोट्टयम-13 और आइजोल-09) थे। पूरे बैच को सेक्शन ए (दिल्ली- 66, जम्मू-11, अमरावती-11) और सेक्शन बी (ढेंकनाल-53, कोट्टयम-13 और आइजोल-09) में बांटा गया था। कक्षाएं अलग-अलग आयोजित की गईं और अक्सर विशेष सत्रों के लिए संयुक्त रूप से आयोजित की गईं थीं। अंग्रेजी पत्रकारिता विभाग, दिल्ली कैंपस ने पहले सेमेस्टर (22 फरवरी तक) के लिए सेक्शन ए और ढेंकनाल ने सेक्शन बी को संचालित किया।

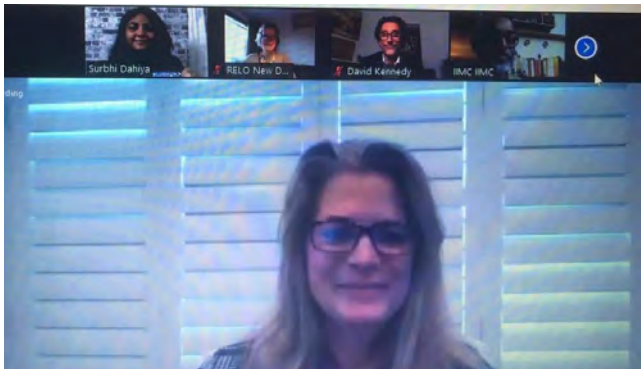

7 मार्च 22 से, आईआईएमसी ने भौतिक रूप से कक्षाओं की फिर से शुरूआत की और सभी परिसरों ने भौतिक कक्षाओं का संचालन शुरू किया। विभाग ने दिल्ली, जम्मू, अमरावती, ढेंकनाल, कोट्टयम और आइजोल के छात्रों के लिए विशेषीकृत रिपोर्टिंग पर कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, कार्यशालाएं और विशेष व्याख्यान आयोजित किए। प्रो सुरभि दहिया के चाइल्ड केयर लीव पर होने के कारण प्रोफेसर संगीता प्रणवेंद्र को 7 मार्च, 2022 से विभाग प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रमुख लैब पत्रिकाएं और मैगजीन

पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में, अंग्रेजी पत्रकारिता (बैच 2020-21) के छात्रों ने 108 लैब जर्नल तैयार किए और 2021-22 बैच (सितंबर 2021-फरवरी 2022 के बीच) के पहले सेमेस्टर के छात्रों द्वारा 50 लैब जर्नल तैयार किए गए, जिन्हें फरवरी 2022 में आईआईएमसी के महानिदेशक द्वारा जारी किया गया। छात्रों ने अप्रैल 2021 में विभागीय पत्रिका ओडिसी के लिए लगभग 150 रेडियो जॉकी का साक्षात्कार भी लिया। विभाग द्वारा विभिन्न बीट (स्वास्थ्य, पर्यावरण, राजनीतिक, शहर रिपोर्टिंग, आदि) पर विशेष सत्र आयोजित किए गए।

कार्यशालाएं

- 18 जून 2021 को ड्रोन पत्रकारिता पर एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। संसाधन व्यक्ति ग्रुप कैप्टन एमजे ऑगस्टाइन विनोद वीएसएम (सेवानिवृत्त) और स्क्वाड लीडर वर्षा कुकरेती (सेवानिवृत्त) थे। नए बैच के लिए 15 और 29 दिसंबर 2021 को ड्रोन पत्रकारिता (डीओजेओ) पर दो और कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
- उद्योग के वर्तमान रुझानों को ध्यान में रखते हुए, ईजे ने भी 2

जुलाई, 2021 और 14 दिसंबर, 2021 को श्री विशाल अरोड़ा (संपादक, न्यूज़रील एशिया) द्वारा आयोजित मोबाइल पत्रकारिता (एमओजेओ) पर दो कार्यशालाओं का आयोजन किया।

- दिसंबर, 2021 में श्री शरद शर्मा (संस्थापक: वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया) द्वारा आयोजित दो दिवसीय कॉमिक पत्रकारिता कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- फरवरी 2022 में विजुअल स्टोरीटेलिंग और फोटो जर्नलिज्म (भाग 1 और 2) पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका संचालन डॉ. तबीना अंजुम कुरैशी (वरिष्ठ पत्रकार/विजुअल स्टोरीटेलर) ने किया।
- 7 जून से 19 जून, 2021 तक दो सप्ताह की कार्यशालाओं की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया जिसमें ग्राफिक डिजाइनिंग के कई व्यावहारिक पहलुओं और इनडिजाइन, क्वार्क एक्सप्रेस, फोटोशॉप और इलस्ट्रेटर के व्यावहारिक अभ्यास को शामिल किया गया। इन कार्यशालाओं का आयोजन श्री सुरेश चौधरी द्वारा किया गया।
- 16 नवंबर, 2021 को प्रो. (डॉ.) उमेश आर्य (अध्यक्ष, फैकल्टी ऑफ मीडिया स्टडीज, जीजेयूएसटी) द्वारा शोध पद्धति पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।
- पॉडकास्ट के उभरते चलन पर व्यावहारिक अनुभव देने के लिए सावित्री बाई फुले पुणे विश्वविद्यालय की प्रो. (डॉ.) उज्ज्वला बर्वे द्वारा 20 दिसंबर, 2021 को पॉडकास्ट पत्रकारिता पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।
- उद्योग पर स्वचालन का प्रभाव और वर्तमान समय के रोबोटिक रुझान को ध्यान में रखते हुए, ईजे ने 21 दिसंबर, 2021 को उभरती प्रौद्योगिकी: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लॉकचैन और बीओटीएस पर एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसे श्री रोहित गांधी (एडिटर इन चीफ: डेमोक्रेसी न्यूज लाइफ) द्वारा आयोजित किया गया।
- पाठ्यक्रम के सभी प्रमुख क्षेत्रों को एक अनोखे तरीके से कवर करने के प्रयास के तहत, ईजे ने 27 दिसंबर, 2021 को साइबर सुरक्षा और डेटा विज्ञान पर एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसका संचालन श्री कनिष्क करण (साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ: ट्विटर) और डॉ. अभय चावला (डिजिटल सुरक्षा विशेषज्ञ) द्वारा किया गया।

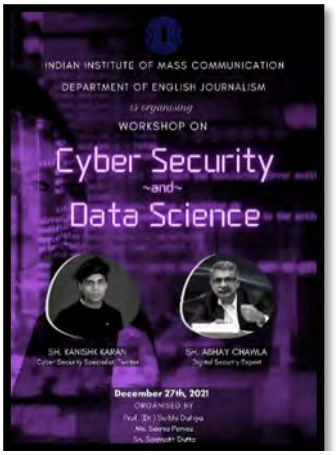

- डेटा जर्नलिज्म (भाग 1 और 2) पर 12 और 17 जनवरी, 2022 को एक विस्तृत और सूचनाप्रद दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका संचालन श्री हरिकिशन शर्मा (सहायक संपादक, इंडियन एक्सप्रेस) और डॉ उमा शंकर पांडे (सहायक प्रोफेसर, सुरेंद्रनाथ महिला कॉलेज) द्वारा किया गया।

सहभागिता और पुरस्कार

अंग्रेजी पत्रकारिता विभाग ने स्वच्छता पखवाड़ा प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। विभाग ने एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें आईआईएमसी के सभी पांच परिसरों के छात्रों ने भाग लिया। अंग्रेजी पत्रकारिता के छात्रों ने "बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष,1971" की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर 15 दिसंबर, 2021 को भारतीय सेना द्वारा इंडिया गेट पर आयोजित गौरवशाली 'विजय पर्व' में सक्रिय रूप से भाग लिया।

विज्ञापन और जनसंपर्क में स्नाकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

विज्ञापन और जनसंपर्क विभाग, आईआईएमसी के सबसे लोकप्रिय विभागों मे से एक है। लंबे समय से विभाग ने विज्ञापन और जनसम्पर्क उद्योग को बेहतरीन पेशेवर प्रदान किए हैं। पाठ्यक्रम को छात्रों में सर्वश्रेष्ठता लाने के लिए तैयार किया गया है। प्रत्येक पेपर में विज्ञापन और जनसंपर्क क्षेत्र के विभिन्न आयामों को शामिल किया गया है और साथ ही यह छात्रों को उद्योग संबंधी आवश्यकता और परिवर्तनों से भी अवगत कराता है। विभाग के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि व्यावसायिक दुनिया की कौशल संबंधी आवश्यकताओं और विद्यार्थियों के सीखने में कोई कमी न रहे।

छात्रों को विज्ञापन, जनसंपर्क, विपणन, कॉर्पोरेट संचार, सरकारी संचार, डिजिटल विपणन, उपभोक्ता व्यवहार, डिजाइनिंग, कार्यनीतिक

योजना, न्यू मीडिया, मीडिया योजना, उत्पादन, रचनात्मकता और अनुसंधान के बारे में विस्तार से पढ़ाया जाता है।

पाठ्यक्रम संरचना सर्वोत्तम कक्षा शिक्षण और औद्योगिक एस्पोजर का संतुलन प्रदान करती है जो पाठ्यक्रम की विशिष्ट पहचान बनी हुई है। छात्रों को नियमित रूप से उनके व्यावहारिक कौशल और ज्ञान को बढाने वाली गतिविधियों के लिए प्रेरित किया जाता है।

वर्ष 2021-2022 में विज्ञापन और जनसंपर्क के स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम में 76 विद्यार्थियों ने नामांकन कराया। पाठ्यक्रम में शामिल दस पेपरों के अंतर्गत छात्रों को सश्रम शिक्षण, प्रशिक्षण और व्यावहारिक कौशल विकास का अभ्यास प्रदान किया गया। आंतरिक संकाय के साथ-साथ शिक्षण के लिए उद्योग से सर्वश्रेष्ठ संकाय को आमंत्रित किया गया।

परियोजनाएं और कार्य

"द बैटन" (विभागीय पत्रिका): छात्रों ने इस वर्ष विभागीय पत्रिका 'द बैटन' के दो अंकों पर काम किया। प्रत्येक अंक का एक विशिष्ट विषय था। 'क्राइसिस कम्युनिकेशन: सेलिंग थ्रू द स्टॉर्म्स' विषय के प्रथम अंक को 10 मार्च, 2022 को आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी द्वारा, पाठ्यक्रम निदेशक और संस्थापक संपादक प्रो. अनुभूति यादव, डीन अकादमिक प्रो. गोविंद सिंह और डीएसडब्ल्यू और विभागाध्यक्ष-आउटरीच और प्लेसमेंट प्रो. प्रमोद कुमार की उपस्थिति में जारी किया गया। दूसरे अंक का विषय "मीडिया स्टार्टअप्स" था।

कैम्पेन प्लानिंग: कैम्पेन प्लानिंग प्रोजेक्ट के लिए छात्रों ने - शुगर कॉस्मेटिक्स, डीडी न्यूज़, क्यूएनटी स्पोर्ट्स, सीआईईटी-एनसीईआरटी और प्लान इंडिया जैसे ब्रांड्स के साथ काम किया। उन्होंने आंतरिक और बाहरी विशेषज्ञ समूह के समक्ष अपने अंतिम कार्य और प्रक्रिया के दौरान विकसित अपनी सभी रचनात्मकताओं को प्रस्तुत किया।

सरकारी संचार सप्ताह (2021-2022)

सरकारी संचार प्रणाली किस प्रकार कार्य करती है, इस बारे में छात्रों को जानकारी प्रदान करने के लिए विभाग ने 13 दिसंबर 2021 से 17 दिसंबर 2021 तक सरकारी संचार सप्ताह का आयोजन किया। सत्र के आयोजन हेतु वरिष्ठ नौकरशाहों और भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) के अधिकारियों को आमंत्रित किया गया। उन्होंने सरकारी मीडिया प्रणाली के कामकाज से संबंधित विभिन्न विषयों और पहलुओं पर बात की और साथ ही छात्रों को इन सेवाओं में शामिल होने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया।

मुख्य वक्ता रहे :

- श्री मयंक अग्रवाल, महानिदेशक, दूरदर्शन, सूचना और प्रसारण मंत्रालय।
- प्रो. जयश्री जेठवानी, पूर्व प्रोफेसर, आईआईएमसी।
- श्री बी. नारायणन, अपर महानिदेशक, पत्र सूचना कार्यालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय।
- प्रो. अनुभूति यादव, पाठ्यक्रम निदेशक, एडीपीआर।

- श्री के. सतीश नंबुदिरीपाद, अपर महानिदेशक, केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना और प्रसारण मंत्रालय।
- श्री आकाश लक्ष्मण, अपर महानिदेशक, आकाशवाणी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय।
- श्री चैतन्य प्रसाद, एडीजी, डीएफएफ, सूचना और प्रसारण मंत्रालय।
- श्री आशीष गोयल, अपर महानिदेशक, आईआईएमसी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय।
- डॉ. निमिष रुस्तगी, निदेशक, पीआईबी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय।
- सुश्री वीना जैन, पूर्व महानिदेशक, दूरदर्शन (समाचार), सूचना और प्रसारण मंत्रालय।
- श्री अक्षय राउत, पूर्व महानिदेशक, स्वच्छ भारत मिशन।
- श्री नितिन मंत्री, सीईओ, एवियनवी।
- कर्नल रोहित देव, सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी
- श्री राकेश रेणु, उप निदेशक, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय।
- श्री सिद्धार्थ मिश्रा, सहायक प्रो. और अध्यक्ष, वीआईपीएस ।
- श्री धीरज सिंह, एडीजी, पीआईबी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय।
- श्री तुषार कर्माकर, क्षेत्रीय अधिकारी, सीबीएफसी।
- श्री रजिथ चंद्रन, संयुक्त निदेशक, आईआईएमसी कोट्टयम परिसर।

ई-संवाद/कार्यशालाएं (2021-2022)

1. एड और पीआर विभाग ने 29 अक्टूबर 2021, को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सहयोग से "बिल्डिंग ए सस्टेनेबल मीडिया बिजनेस पोस्ट-कोविड" विषय पर स्टूडेंट्स मीडिया अनकन्वेंशन-2021 का आयोजन किया।
2. शांति और अहिंसा की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विभाग ने गांधी स्मृति और दर्शन समिति के सहयोग से 12 दिसंबर, 2021 को मीडिया और सूचना साक्षरता पर ई-संवाद का आयोजन किया। प्रोफेसर आर्ट सिल्वर ब्लाट, श्री फ्रैंक डब्ल्यू बेकर ने छात्रों को मीडिया और सूचना साक्षरता के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया।

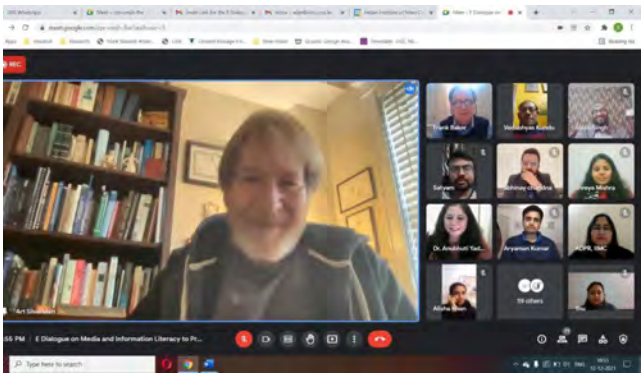

3. 10 जनवरी, 2022 को प्रतिष्ठित फोटो पत्रकार और विजुअल स्टोरी टेलर सुश्री तबीना अंजुम द्वारा विजुअल स्टोरीटेलिंग पर कार्यशाला आयोजित की गई।
4. 14 जनवरी, 2022 को अनुभवी पत्रकार, लेखक, फोटो पत्रकार और वीडियोग्राफर श्री विशाल अरोड़ा द्वारा मोबाइल संचार पर कार्यशाला आयोजित की गई।

विशेष सत्र

20 नवंबर से 28 नवंबर, 2021 तक आयोजित आईएफएफआई के दैनिक न्यूजलेटर के प्रकाशन हेतु पीआईबी ने एड और पीआर विभाग के साथ सहयोग किया। छात्रों ने सामग्री विकास, संपादन और ग्राफिक डिजाइनिंग का कार्य किया।

- एड और पीआर के छात्रों ने प्रत्येक वर्ष 16 दिसंबर को आयोजित होने वाले 50वें विजय दिवस पर इंडिया गेट पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में एंकर के रूप में भाग लिया।
- पीआरसीआई और पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी दिल्ली ने एड एंड पीआर विभाग के सहयोग से 16 मार्च, 2022 को आईआईएमसी,

दिल्ली परिसर में "नरेश कुमार मेमोरियल-ऑल इंडिया टैलेंट हंट वेबिनार" के हिस्से के रूप में "टैलेंट हंट प्रतियोगिता" का आयोजन किया।

विज्ञापन और जनसंपर्क विभाग हमेशा अपने छात्रों को उत्कृष्ट ज्ञान और कौशल प्रदान करने हेतु प्रयासरत रहता है। यह इस तथ्य से परिलक्षित होता है कि आज इसके एल्यूमनी (पूर्व छात्र) इस उद्योग जगत में उच्च स्थानों पर कार्यरत हैं।

रेडियो और टीवी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

रेडियो और टेलीविजन पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा की शुरूआत 1997 में की गई थी और तब से यह देश के दृश्य-श्रृव्य संचारकों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। विभाग ने देश को प्रसारण पत्रकारिता के कई जाने-माने चेहरे प्रदान किए हैं और जो वर्तमान आरटीवी छात्रों को उद्योग के विशेषज्ञों से जोड़ने और प्लेसमेंट प्राप्त करने के लिए एक समृद्ध एल्यूमनी के रूप में मौजूद हैं। आईआईएमसी का रेडियो और टेलीविजन पत्रकारिता (आरटीवी) स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम छात्रों को प्रसारण पत्रकारिता से संबंधित एक संतुलित दृष्टिकोण और दूरदर्शिता प्रदान करने हेतु सुदृढ़ सैद्धांतिक ज्ञान और व्यापक व्यावहारिक मॉड्यूल उपलब्ध कराता है। आरटीवी विभाग छात्रों को वर्तमान उद्योग की बारिकीयों से परिचित कराने और तदनुसार उन्हें प्रशिक्षित करने हेतु समाचार और मनोरंजन जगत की कई प्रसारण मीडिया हस्तियों को आमंत्रित करता है। विभाग हमेशा अपने पाठ्यक्रम में समाचार उद्योग के नवीन रुझानों को समायोजित करने का प्रयास करता है और इस वर्ष विभाग ने अपने पाठ्यक्रम में डेटा पत्रकारिता, उद्यमिता पत्रकारिता, मोबाइल पत्रकारिता (एमओजेओ) और यूट्यूब पत्रकारिता क्षेत्रों को शामिल किया है। विभाग के पास अलग टीवी और रेडियो स्टूडियो की सुविधा है, जहां छात्र समाचार बुलेटिन, वृत्तचित्र, टॉक शो, समाचार चर्चा कार्यक्रम बनाना सीखते हैं और कार्यक्रमों का निर्माण भी करते हैं और इन-हाउस पीसीआर की मदद से लाइव टीवी बुलेटिन का पूर्वाभ्यास करते हैं।

वर्तमान में यह पाठ्यक्रम आईआईएमसी मुख्यालय दिल्ली में प्रदान किया जा रहा है। प्रो. (डॉ.) गोविंद सिंह रेडियो और टीवी पत्रकारिता विभाग के पाठ्यक्रम निदेशक हैं। कोविड-19 महामारी के कारण, पाठ्यक्रम की शुरूआत अक्टूबर 2021 से ऑनलाइन मोड में हुई। बाद में मार्च, 2022 से सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार पाठ्यक्रम का संचालन ऑफ-लाइन मोड में किया गया।

2021-22 सत्र की मुख्य विशेषताएं

- अमेरिकी दूतावास, नई दिल्ली के सहयोग से फिलाडेल्फिया के जॉन स्टुएट्ज़ इंगलिश लैंग्युएज फेलो द्वारा आरटीवी छात्रों के लिए अंग्रेजी भाषा प्रवीणता कार्यशाला आयोजित की गई।
- अमेरिकी दूतावास, नई दिल्ली के सहयोग से अमेरिका के एक प्रमुख थिंक टैंक, विल्सन सेंटर ऑफ लिंडा रोथ द्वारा एक सप्ताह की कार्यशाला आयोजित की गई।
- इंडिया टुडे ग्रुप ऑनलाइन के पूर्व संपादक श्री सुरेश कुमार ने ऑनलाइन मीडिया और समाचार लेखन पर एक कार्यशाला संचालित की।
- विशाल अरोड़ा, वरिष्ठ टीवी पेशेवर द्वारा मोबाइल पत्रकारिता (एमओजेओ) पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।
- वरिष्ठ फिल्म निर्माता कमलेश कुमार मिश्रा द्वारा वृत्तचित्र फिल्म निर्माण पर कार्यशाला संचालित की गई।
- प्रसिद्ध यूट्यूबर सिद्धार्थ द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

- सीएनएन–न्यूज 18 के वरिष्ठ एंकर और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संपादक माहा सिद्दीकी द्वारा एंकरिंग पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।
- श्री युधवीर सिंह, चीफ वीडियो एडिटर, न्यूज नेशन टीवी चैनल द्वारा वीडियो एडिटिंग पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।
- एफएम गोल्ड और रेनबो के वरिष्ठ रेडियो जॉकी श्री ओपी राठौड़ द्वारा रेडियो जॉकिंग पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।
- अदानी डिजिटल लैब्स के वरिष्ठ प्रबंधक कुमार सौरभ द्वारा कॉपी राइटिंग पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- आरटीवी के छात्रों ने नेटवर्क 18 समूह के लिए उत्तर प्रदेश 2019 के विधानसभा चुनाव में इंटर्न के रूप में कार्य किया।
- आईआईएमसी का अपना सामुदायिक रेडियो स्टेशन है, जिसे 'अपना रेडियो' कहा जाता है, जहां आरटीवी विभाग के छात्र रेडियो स्टेशन के लिए रेडियो कार्यक्रम बनाकर अपना योगदान देते हैं और अपने कौशल को बढ़ाते हैं।
- नगमा सहर (एनडीटीवी), रेहान फ़ज़ल (बीबीसी), वरिष्ठ पत्रकार सर्जना शर्मा, उमा शंकर सिंह (एनडीटीवी), आरजे काव्या, आरजे दिव्या, रवि पराशर, हर्षेंद्र वर्धन, शिवानी रावत, संजय पांडे आभा नेगी (वन वर्ल्ड), वरुण वागीश, संजय वोहरा, अपूर्व कृष्णा, धीरेंद्र पुंडीर (न्यूज नेशन), राज कुमार भारद्वाज (सीईसी), शिशिर सिन्हा (हिंदू बिजनेसलाइन), नसीम नकवी (एआईआर), इत्यादि सहित इस उद्योग से जुड़े कई विशेषज्ञों को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

उर्दू पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

वर्ष 2013 में डिप्लोमा पाठ्यक्रम की शुरुआत के साथ भारतीय जन संचार संस्थान में उर्दू पत्रकारिता की आधारशिला रखी गई। कई वर्षों तक सफल प्रयोग के बाद वर्ष 2017 में इसे स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम में परिवर्तित कर दिया गया। आईआईएमसी के अन्य स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की तरह यह भी एक वर्षीय पाठ्यक्रम है।

उर्दू पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य उन मीडिया पेशेवरों को प्रशिक्षित करना है जो प्रौद्योगिकी आधारित उर्दू मीडिया की बदलती जरूरतों के अनुसार कार्य कर सकें। संचार पर एक व्यापक परिप्रेक्ष्य प्रदान करने, प्रभावी संचार के माध्यम से भागीदारी और सहभागिता को बढावा देने में पत्रकारों की भूमिका पर जोर देने, उन्हें व्यापक कौशल से परिचित और युक्त बनाने प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में उचित संचार कार्यनीति विकसित करने, उभरती प्रौद्योगिकियों के मद्देनजर पत्रकारों/कम्युनिकेटरों के लिए अवसरों को परिभाषित करने, और रिपोर्टिंग/संपादन/निर्माण/प्रसार की उभरती तकनीकों से संबंधित जानकारी प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम को तैयार किया गया है।

2021-22 के दौरान पाठ्यकम की विशेषताएं

- सितंबर, 2021 में उर्दू पत्रकारिता विभाग के अध्ययन बोर्ड का गठन किया गया। तदनुसार, अध्ययन बोर्ड के अनुमोदन से उर्दू मीडिया की बदलती जरूरतों के अनुसार उर्दू पत्रकारिता पाठ्यक्रम की समीक्षा की गई।

- शैक्षणिक सत्र 2021-22 के दौरान कुल 12 छात्रों को उर्दू पत्रकारिता में दाखिला मिला।
- वर्तमान बैच के दौरान उर्दू पत्रकारिता के छात्रों को पढ़ाने आने वाले प्रमुख प्रतिष्ठित पत्रकारों में 'नेटवर्क 18' से श्री तहसीन मुनव्वर, 'आलमी सहारा' से श्री लईक रिजवी, 'ईटीवी भारत' से

श्री खुर्शीद रब्बानी, 'बीबीसी' से श्री शादाब नजमी, 'एडफैक्टर्स पीआर' से श्री आनंद प्रकाश, 'ज़ी सलाम' से श्री इरफ़ान शेख, 'ज़ी सलाम' से श्री अब्बास मेहदी रिज़वी, 'ऑल इंडिया रेडियो' से श्री उमेश चतुर्वेदी, 'जनसत्ता' से श्री अमलेश राजू और 'दैनिक जागरण' के पूर्व सहायक संपादक और वरिष्ठ पत्रकार डॉ. रवींद्र अग्रवाल शामिल हैं।

- ट्रांसजेंडरों के मुद्दों पर एक दिवसीय कार्यशाला में शामिल होने के लिए बैच 2021-22 के छात्रों ने 30 मार्च, 2022 को राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान (एनआईएसडी) का दौरा किया।
- उर्दू पत्रकारिता के छात्रों ने 10 मार्च से 11 मार्च, 2022 तक 'नेटवर्क 18' में दो दिवसीय इंटर्नशिप में भाग लिया।

- उर्दू पत्रकारिता के छात्रों ने दिसंबर 2021 में क्षेत्रीय अंग्रेजी भाषा कार्यालय (आरईएलओ) के सहयोग से भारत में अमेरिकी दूतावास के पब्लिक अफेयर्स सेक्शन के अंतर्गत आयोजित एक माह की अंग्रेजी अध्ययन कक्षाओं में भाग लिया।
- उर्दू पत्रकारिता के छात्रों ने कई प्रयोगशाला पत्रिकाएँ तैयार कीं। पहले लैब जर्नल का विमोचन आईआईएमसी के महानिदशेक प्रो. संजय द्विवेदी द्वारा किया गया।

- उर्दू पत्रकारिता के छात्रों ने विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर विशेष रेडियो बुलेटिन भी तैयार किए।
- उर्दू पत्रकारिता के 2020-21 बैच के छात्रों ने 1 अप्रैल, 2021 को डीडी न्यूज के समाचार कक्ष का दौरा किया और टीवी न्यूज रूम के कामकाज के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी हासिल की। उन्हें डीडी न्यूज के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा न्यूजरूम के कामकाज के बारे में जानकारी दी गई।
- पिछले बैच (2020-21) के दस छात्रों में से सात को नौकरी हासिल हुई है। उन्हें 'जी सलाम', 'एडफैक्टर्स पीआर', 'आई-पैक' और 'एनईडब्ल्यूजे' में रखा गया है एक छात्र ने स्वयं का YouTube चैनल शुरू किया है।
- पिछले बैच के कुछ छात्रों ने 2021-22 बैच के लिए उर्दू पत्रकारिता पाठ्यक्रम में प्रवेश को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया में विशेष अभियान चलाया।

आईआईएमसी क्षेत्रीय परिसर

आईआईएमसी ढेंकनाल परिसर, ओडिशा

उड़िया पत्रकारिता (2019-2020) - द्वितीय सेमेस्टर की ऑफ़लाइन कक्षाएं 12 अप्रैल से शुरू हुईं और 19 अप्रैल, 2021 तक जारी रहीं। सक्षम प्राधिकारियों द्वारा महामारी प्रतिबंध लगाए जाने के कारण ऑफ़लाइन कक्षाएं बंद कर दी गईं। 26 अप्रैल, 2021 से ऑनलाइन कक्षाएं फिर से शुरू की गईं।

नियमित कक्षाओं के अलावा, कई वेबिनार और ऑनलाइन कार्यशालाओं का भी आयोजन किया गया।

वेबिनार

- राष्ट्रीय पीआर दिवस समारोह के अवसर पर 21 अप्रैल 2021 को पीआरएसआई, भुवनेश्वर के सहयोग से 'जन जागरूकता हेतु जनसंपर्क: कोविड-मुक्त विश्व का निर्माण' विषय पर वेबिनार का आयोजन।

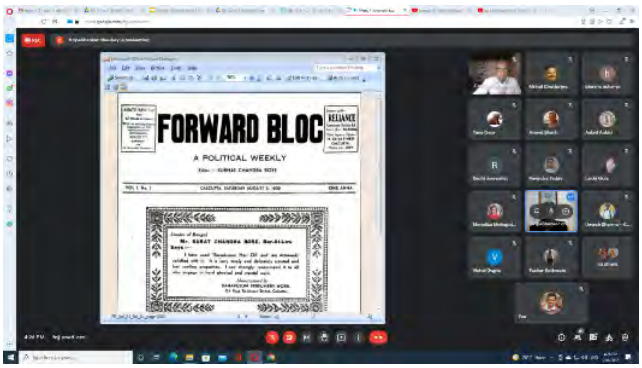

- 8 मई, 2021 को 'समाजवाद से अध्यात्मवाद: एक लेखक की यात्रा - मनोज दास' पर वेबिनार का आयोजन।
- नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती के अवसर पर, 23 जनवरी, 2022 को संबाद साहित्य घर, अंगुल के सहयोग से "नेताजी: प्रतिबिंब और विचार" पर एक वेबिनार और कम्युनिकेशन टुडे के सहयोग से "नेताजी सुभाष चंद्र बोस: ए ग्रेट कम्युनिकेटर" पर एक अन्य वेबिनार 12 फरवरी, 2022 को आयोजित किया गया।
- विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर रेडियो भुवनेश्वर (इंटरनेट रेडियो) के सहयोग से 13 फरवरी, 2022 को "रेडियो एंड ट्रस्ट" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

ऑनलाइन कार्यशालाएं

- केआईआईटी भुवनेश्वर के प्रो. एस.एन. मिश्रा द्वारा 7-9 जून, 2021 को "भारत का विकास पथ और दुविधाओं" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

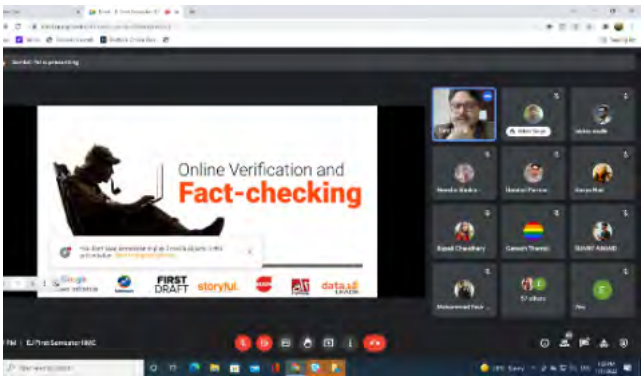

- 2021-2022 बैच के लिए गूगल न्यूज इनिशिएटिव (जीएनआई) इंडिया ट्रेनिंग नेटवर्क के सहयोग से संबित पाल, एसोसिएट प्रोफेसर, एमआईटी एडीटी यूनिवर्सिटी, पुणे द्वारा 27 जून, 2021 को और पुन: 11 जनवरी, 2022 को "फैक्ट चैकिंग एंड फेक न्यूज वेरिफिकेशन" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 5-9 फरवरी, 2022 को विजुअल स्टोरीटेलिंग और फोटो जर्नलिज्म कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का संचालन डॉ. तबीना अंजुम कुरैशी, वरिष्ठ पत्रकार; हिमांशु व्यास, सहायक प्रोफेसर, एचजेयू, जयपुर और अमित चटर्जी, सहायक प्रोफेसर, वीएसएसयूटी विश्वविद्यालय, संबलपुर द्वारा किया गया। 11 जनवरी, 2022 को एक ई-फोटो बुक और द्वितीय लैब जर्नल भी जारी किया गया।

विशेष व्याख्यान

- प्रोफेसर (डॉ.) एस.एन. मिश्रा, केआईआईटी, भुवनेश्वर द्वारा 3 जुलाई, 2021 को गोपनीयता, सुरक्षा, नीति: डाटा संरक्षण कानून से संबंधित मुद्दे पर व्याख्यान।
- 4 अगस्त, 2021 को उड़िया पत्रकारिता दिवस के अवसर पर लेखक और उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के अंग्रेजी के पूर्व प्रोफेसर प्रो. जतिंद्र नायक द्वारा पत्रकारिता और साहित्य पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- 31 अगस्त 2021 को हैदराबाद विश्वविद्यालय के संचार विभाग की डॉ. कंचन के. मलिक द्वारा "कम्युनिकेशन मीडिया: वोकल फॉर लोकल" पर छठे प्रो. के. एम. श्रीवास्तव मेमोरियल लेक्चर का आयोजन किया गया।
- 27 जनवरी, 2022 को प्रवेश आचार्य, द समाज, कटक द्वारा अंगदान पर व्याख्यान दिया गया।
- 14 मार्च, 2022 को आनंद बाजार पत्रिका द्वारा अपने प्रकाशन के 100 वर्ष पूरे किए जाने के अवसर पर, सुबीर घोष द्वारा इसके इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम के दौरान निभाई गई भूमिका पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया।

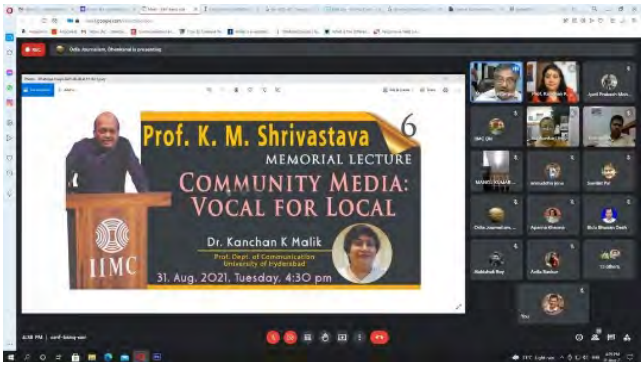

कैंपस सलेक्शन

आईआईएमसी ढेंकनाल ने 5 जुलाई से 16 जुलाई, 2021 तक कैंपस सलेक्शन प्रक्रिया का आयोजन किया। आर्गस न्यूज, कनक टीवी, उड़ीसा पोस्ट, धरित्री और ओडिशा लाइवलीहुड मिशन जैसे मीडिया संगठनों ने उड़िया और अंग्रेजी पत्रकारिता के छात्रों का चयन किया। उड़िया पत्रकारिता के छात्रों द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में 100% प्लेसमेंट रिकॉर्ड प्राप्त किया गया।

अन्य गतिविधियां

- 21 जून, 2021 को शैक्षणिक और प्रशासनिक कर्मचारियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।
- 4 अगस्त, 2021 को सुश्री जग्यानसेनी धाल (ओजे) को राधानाथ

रथ अध्येतावृत्ति और सुश्री ख्याति संगर (ईजे) को डॉ. सत्य महापात्रा मेमोरियल अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया गया।

- नाट्य चेतना के सुबोध पटनायक और अल्टरनेटिव रिदम थिएटर के दिनेश दास द्वारा 6 नवंबर, 2021 को "खुसी" नामक एक ओपन-एयर पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया।
- गणतंत्र दिवस समारोह के बाद 26 जनवरी, 2022 को रामायण की कहानियों को दर्शाने वाली मधुबनी चित्रकारी की एक भित्ति चित्र का उद्घाटन किया गया।

2021-2022

7 अक्टूबर, 2021 को तीन परिसरों (ढेंकनाल, आइजोल और कोट्टयम) के लिए अंग्रेजी पत्रकारिता स्नातकोत्तर डिप्लोमा और 2021-2022 बैच के लिए उड़िया पत्रकारिता की ऑनलाइन मोड में शुरुआत की गई। सभी क्षेत्रीय निदेशकों ने नए छात्रों का स्वागत किया और उन्हें संबोधित किया। यह पहली बार है कि ढेंकनाल क्षेत्रीय केंद्र ने तीन परिसरों के छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की हैं और पहला सेमेस्टर सफलतापूर्वक पूरा किया।

दूसरे सेमेस्टर की ऑफलाइन कक्षाएं 7 मार्च 2022 को संबंधित परिसरों में शुरू हुईं। 14 मार्च, 2022 से नियमित टीवी, रेडियो बुलेटिन और दैनिक रिपोर्ट का प्रकाशन शुरू हो गया है। राष्ट्रीय एकता दिवस और संविधान दिवस पर आईआईएमसी, ढेंकनाल के सभी कर्मचारी सदस्यों द्वारा क्रमशः 26 अक्टूबर, 29 अक्टूबर और 26 2022 को एकता शपथ ली गई।

आईआईएमसी आइजोल परिसर, मिजोरम

भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी), उत्तर-पूर्व क्षेत्रीय (एनईआर) परिसर ने मिजोरम विश्वविविद्यालय (एमजेडयू) परिसर, तनहरील, आइजोल से 8 अगस्त, 2011 को अपना संचालन शुरू

किया।। इस परिसर का खोला जाना सामान्य रूप से उत्तर पूर्व, विशेष रूप से मिजोरम में उच्चतर शिक्षा क्षेत्र और साथ ही प्रख्यात आईआईएमसी ब्रांड के विकास के लिए एक बड़ा कदम था। संस्थान एमजेडयू के अस्थायी परिसर से कार्यान्वित है। तत्पश्चात मिजोरम विश्वविद्यालय ने स्थायी परिसर हेतु आईआईएमसी को आठ एकड़ जमीन आवंटित की है। छात्रावास और संकाय आवास सहित सभी सुविधाओं से युक्त स्थायी परिसर का 2015 में शुरू हुआ निर्माण कार्य पूरा होने वाला है। परिसर के सौंदर्यीकरण और लैंडस्केपिंग के कार्य जारी हैं। 2011 में अपनी स्थापना के बाद से, संस्थान मिजोरम और समग्र रूप से उत्तर पूर्व में पिछले कुछ वर्षों में प्रिंट और टेलीविजन दोनों मीडिया के विकास में आये भारी उछाल को देखते हुए इस क्षेत्र में कुशल जनशक्ति की मांग को पूरा करने के सही मार्ग पर अग्रसर है।

देश भर में महामारी की स्थिति और सरकार द्वारा लागू एसओपी के कारण भारतीय जन संचार संथान उत्तर पूर्व क्षेत्रीय (एनईआर) परिसर ने 2021-22 सत्र की ऑनलाइन शुरूआत की। पहले सेमेस्टर में, आईआईएमसी (एनईआर) परिसर, ढेंकनाल और कोट्टयम परिसरों के साथ आयोजित होने वाले अंग्रेजी पत्रकारिता पाठ्यक्रम का हिस्सा था। अंग्रेजी पत्रकारिता की ऑनलाइन कक्षाएं और अन्य मिश्रित शैक्षणिक गतिविधियां प्रोफेसर मृणाल चटर्जी, क्षेत्रीय निदेशक और शैक्षणिक प्रमुख, ढेंकनाल परिसर के कुशल मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई।

प्रथम सेमेस्टर के दौरान, आईआईएमसी एनईआर परिसर के शिक्षक और छात्रों ने ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। देश के विभिन्न हिस्सों के छात्रों के लिए 2021-22 सत्र का दूसरा सेमेस्टर ऑफ़लाइन शुरू किय गया।

शैक्षणिक सत्र की शुरूआत के बाद से, प्रशासनिक के साथ-साथ शैक्षणिक कार्यों को ऑफ़लाइन रूप से संतोषजनक ढंग से पूरा किया गया। 25 जनवरी, 2022 को मतदाता दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय निदेशक श्री एल आर साइलो की अध्यक्षता में एनईआर परिसर के कर्मचारी और संकाय सदस्यों ने मतदान की शपथ ली।

16 से 31 जनवरी, 2022 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा गतिविधियां आयोजित की गईं। स्वच्छता अभियान के पखवाड़े के प्रांरभ में, 17 जनवरी, 2022 को आईआईएमसी, एनईआर परिसर के संकाय और कर्मचारियों ने श्री एल.आर. साइलो की अध्यक्षता में स्वच्छता शपथ ली इस दौरान एनईआर परिसर में स्वच्छता और मानक स्वच्छता प्रोटोकॉल का उचित ध्यान रखा गया। स्वच्छता पखवाड़ा गतिविधियों में छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

नए परिसर में 25 जनवरी, 2022 को विशेष वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। स्वच्छता पखवाड़ा गतिविधियों के हिस्से के रूप में, छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों द्वारा साप्ताहिक आधार पर स्वच्छता कार्य किए जाते हैं। छात्रों के लिए स्वच्छता पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। छात्रों ने अपने दैनिक रेडियो समाचार बुलेटिन कार्य के भाग के रूप में स्वच्छता पखवाड़ा से संबंधित थीम पर रेडियो जिंगल भी तैयार किया। छात्रों द्वारा तैयार किए गए मासिक लैब जर्नल में स्वच्छता पखवाड़ा थीम से संबंधित लेख भी शामिल किए।

एनईआर परिसर को 22 मार्च, 2022 को ऐलावंग फिल्म सिटी के उद्घाटन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। श्री एलआर साइलो सहित संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में सूचना और जन संपर्क विभाग और मिजोरम फिल्म फोरम के कई विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया। छात्रों ने कार्यक्रम की तस्वीरें लीं और रिपोर्ट तैयार की। उन्होंने कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण

जैसे नृत्य और गायन में भी भाग लिया; साथ ही कार्यक्रम समाप्त होने के बाद उन्हें गाँव के आसपास के दर्शनीय स्थलों के भी दर्शन कराए गए।

25 मार्च को, मिजोरम विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग ने एक फिल्म महोत्सव का आयोजन किया, जहां आईआईएमसी एनईआर कैंपस के छात्रों ने विभिन्न भाषाओं में तीन फिल्मों की स्क्रीनिंग में भाग लिया।

मिजोरम विश्वविद्यालय परिसर के भीतर आईआईएमसी एनईआर के स्थायी परिसर के कार्य को सीपीडब्ल्यूडी को 7 अप्रैल, 2022 को सौंपा गया। भवनों का निर्माण कार्य पूरा हो गया है, जबकि सौंदर्यीकरण का कार्य जारी है और चारदीवारी का निर्माण और साज-सज्जा का काम अभी किया जाना बाकी है। नए सत्र की शुरुआत नए परिसर से किए जाने की संभावना है।

इस बात का उल्लेख करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि 2017-2018 बैच के परिसर के पूर्व छात्र आदित्य गौतम अंतरराष्ट्रीय स्तर के लेखक बन गए हैं। उनका पहला उपन्यास, ए ड्रीम ऑफ़ डुप्लीसिटी, एस्थेटिक प्रेस द्वारा प्रकाशित किया गया है, और यह अमेरिका और यूरोप में पाठकों के लिए उपलब्ध है

साल दर साल, आइज़ोल परिसर के छात्र प्रतिष्ठित मीडिया संगठनों जैसे रॉयटर्स, दूरदर्शन, ऑल इंडिया रेडियो, इंडियन एक्सप्रेस, न्यू इंडियन एक्सप्रेस, इंडिया टुडे, ईटीवी और अन्य में प्लेसमेंट हासिल करके अपनी दक्षताओं को साबित कर रहे हैं। नियमित पाठ्यक्रम के अलावा, उत्तर पूर्व परिसर छात्रों को समृद्ध और जीवंत भारतीय संस्कृतियों के विविध पहलुओं से परिचित होने और अनुभव करने का अवसर प्रदान कर रहा है, जो उभरते पत्रकारों के लिए एक अध्ययन का महत्वपूर्ण अनुभव है।

आईआईएमसी जम्मू परिसर, जम्मू एवं कश्मीर

देश के अन्य हिस्सों में अपनी पहुंच का विस्तार करते हुए, आईआईएमसी ने 2012-13 के दौरान जम्मू में अपना नया क्षेत्रीय केंद्र स्थापित किया। जम्मू और कश्मीर सरकार ने अकादमिक सुविधाओं और छात्रों के छात्रावास और गेस्ट हाउस के लिए आईआईएमसी को किराया मुक्त आवास उपलब्ध कराया। राज्य सरकार द्वारा संस्थान को आवंटित 15 एकड़ भूमि पर स्थायी परिसर का निर्माण किया जा रहा है। 2022-23 सत्र की शुरुआत तक परिसर का निर्माण कार्य पूरा हो जाने की संभावना है।

भारतीय जन संचार संस्थान, जम्मू परिसर का उद्देश्य ज्ञान-आधारित सूचना समाज के निर्माण, मानव विकास, सशक्तिकरण और सहभागी लोकतंत्र में योगदान देनें, सार्वभौमिक मूल्य और नैतिकता में निहित बहुलवाद हेतु अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए मीडिया शिक्षण अनुसंधान हेतु वैश्विक मानदंड स्थापित करना है। इसका उद्देश्य एक ऐसे गतिशील अधिगम और कामकाजी माहौल का निर्माण करना है जो नए विचारों, रचनात्मकता, अनुसंधान, छात्रवृत्ति को पोषित करता हो और मीडिया और जन संचार के क्षेत्र में नेतृत्वकर्ताओं और नवप्रवर्तकों को विकसित करना है

मुख्य गतिविधियां

स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त, 2021 को जम्मू परिसर में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। क्षेत्रीय निदेशक प्रो. राकेश गोस्वामी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। कार्यक्रम में संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर अपने

संबोधन में, प्रो. गोस्वामी ने कर्मचारियों से राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए और अधिक जोश और उत्साह के साथ काम करने और राष्ट्र को सर्वप्रथम रखने का आग्रह किया।

हिन्दी पखवाड़ा समारोह

आईआईएमसी जम्मू परिसर में 14 से 28 सितंबर, 2021 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस पखवाड़े के हिस्से के रूप में, परिसर में सभी नाम पट्टिकाओं को हिंदी और अंग्रेजी में द्विभाषिक रूप में बनाया गया, और 22 सितंबर को "फ्युचर ऑफ लैंगेवज प्रेस" विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर प्रख्यात हिंदी लेखक और कवि, डॉ. अग्निशेखर मुख्य अतिथि और अनुभवी टीवी पत्रकार अश्विनी कुमार सम्मानित अतिथि थे। पखवाड़े के दौरान कर्मचारियों के लिए एक लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

गांधी जयंती समारोह

महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर, 2021 गांधी जयंती समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान, संकाय सदस्यों ने महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण किया और राष्ट्रपिता द्वारा प्रतिपादित मूल्यों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

महानिदेशक और अपर महानिदेशक का दौरा

आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी और अपर महानिदेशक श्री आशीष गोयल ने 2 दिसंबर, 2021 को जम्मू परिसर का दौरा किया और परिसर में जारी गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने केरन, बनतलाब में नए परिसर भवन के किए जा रहे निर्माण कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की और अभियंताओं को परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिये। महानिदेशक ने जम्मू केंद्र के संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की और साथ ही उन्हें इस केंद्र को देश में सर्वश्रेष्ठ बनाने की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित किया।

गणतंत्र दिवस

26 जनवरी, 2022 को जम्मू परिसर में गणतंत्र दिवस मनाया गया। क्षेत्रीय निदेशक प्रो. राकेश गोस्वामी ने इस अवसर पर तिरंगा फहराया। समारोह में कर्मचारी और संकाय सदस्य शामिल हुए।

स्वच्छता अभियान

स्वच्छता अभियान की कार्य योजना के हिस्से के रूप में, जम्मू परिसर में साल भर हर सप्ताह स्वच्छता अभियान चलाया गया।

आईआईएमसी कोट्टयम परिसर, केरल

1995 में दक्षिण भारत में भारतीय जन संचार संस्थान के क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना कोट्टयम - साहित्य, वनस्पति और झीलों की भूमि - में की गई। इसकी स्थापना पेशेवर पत्रकारों, जनसंपर्क कर्मिकों और राज्य सूचना अधिकारियों को गुणवत्तायुक्त प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए की गई थी। 2012 में, पहली बार आईआईएमसी कोट्टयम ने अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर कार्यक्रम की शुरुआत के साथ स्नातक छात्रों के प्रवेश हेतु अपने संस्थान के द्वार खोले। तब से, आईआईएमसी कोट्टयम प्रतिबद्धता, गुणवत्ता और उद्योग-तत्परता के साथ लगातार पत्रकारिता की प्रतिभाओं को संपोषित कर रहा है।

वर्ष 2017 में क्षेत्रीय परिवेश में पत्रकारिता प्रशिक्षण के नए गुणवत्ता मानक स्थापित करने के उद्देश्य से क्षेत्रीय परिसर में मलयालम पत्रकारिता में स्नातकोत्तर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। भाषा मीडिया में गुणवत्ता प्रशिक्षण प्रदान करने पर विशेष ध्यान केन्द्रित करने के साथ यह राष्ट्रीय स्तर पर मलयालम भाषा में पहला पत्रकारिता पाठ्यक्रम है। प्रमुख मीडिया संगठनों में करियर बनाने वाले अपने छात्रों के साथ इस पाठ्यक्रम ने अच्छी देश में अच्छी प्रतिष्ठा अर्जित की है।

2019 में, आईआईएमसी के नए और स्थायी दक्षिण क्षेत्रीय परिसर को कोट्टयम से लगभग 12 किमी दूर पम्पडी में 10 एकड़ के हरे-भरे, सुंदर स्थान में चालू किया गया। यह शैक्षणिक-सह-प्रशासनिक ब्लॉक, छात्रावास, अतिथि गृह, स्टाफ क्वार्टर और अन्य सुविधाओं वाला एक आवासीय परिसर है। नए परिसर के साथ, आईआईएमसी द्वारा कोट्टयम में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संचार पेशेवरों के लिए नए अल्पकालिक पाठ्यक्रमों की श्रृखंला शुरू करके अपना स्थान और ऊंचा करने की परिकल्पना की गई है। आने वाले वर्षों में, आईआईएमसी कोट्टयम की आकांक्षा दक्षिण भारत में जनसंचार और मीडिया प्रशिक्षण का मुख्य केंद्र बनने की है।

शैक्षणिक गतिविधियां

कोविड-19 महामारी के कारण, अधिकांश नए शैक्षणिक सत्र ऑनलाइन मोड में आयोजित किए गए। 7 मार्च, 2022 को ऑफलाइन कक्षाएं आयोजित करने हेतु परिसर को पुन: खोल दिया गया। पत्रकारिता और जनसंचार की बारीकियों के बारे में जानकारी देने के लिए विशेषज्ञों द्वारा उन्मुखीकरण व्याख्यान और अर्थप्रकाशक सत्र आयोजित किए गए। आंतरिक संकाय की नियमित कक्षाओं के अलावा, छात्रों को इस व्यवसाय की समग्र जानकारी प्रदान करने के लिए कार्यशालाओं और इंटरैक्टिव सत्रों की भी व्यवस्था की गई।

- **प्रथम देवजी भीमजी मेमोरियल व्याख्यान :** केरल में पत्रकारिता के क्षेत्र में देवजी भीमजी के अग्रणी योगदान के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए, आईआईएमसी कोट्टयम ने 15 जुलाई, 2021 को 'राष्ट्र, राष्ट्रीयता और मीडिया: मुद्दे और चुनौतियां' विषय पर पहले देवजी भीमजी मेमोरियल अभिभाषण की शुरूआत की। पहला व्याख्यान डॉ. सी.वी. आनंद बोस, आईएएस (सेवानिवृत्त) द्वारा ऑनलाइन दिया गया।
- **प्रथम चेंगुलथु कुंजीरामा मेनन मेमोरियल व्याख्यान:** केरल में पत्रकारिता के विकास में श्री सी कुंजीरामा मेनन के योगदान को सम्मान देने के लिए, आईआईएमसी, कोट्टयम ने श्री मेनन के नाम पर पहला व्याख्यान आयोजित किया। श्री के जयकुमार, आईएएस, पूर्व मुख्य सचिव केरल सरकार द्वारा 20 जनवरी, 2022 को व्याख्यान दिया गया।
- **वीडियोग्राफी तकनीक पर तीन दिवसीय कार्यशाला:** छात्रों को वीडियोग्राफी कौशल प्रदान करने की दृष्टि से, प्रसिद्ध चलचित्रकार श्री उन्नीमदवूर के नेतृत्व में तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- **संपादन तकनीकों पर तीन दिवसीय कार्यशाला:** एफसीपी प्रो और एडोब प्रीमियर प्रो में लीनियर और नॉन-लीनियर संपादन प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु, प्रसिद्ध फिल्म संपादक श्री शिवराम मोनी के नेतृत्व में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- छात्रों को प्रतिष्ठित व्यक्तियों - शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, वैज्ञानिकों, विद्वानों और विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों के साथ संवाद करने और उनसे जुड़ने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से स्कॉलर-इन-कैंपस कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस वर्ष कार्यक्रम के तहत 10 मार्च, 2022 को प्रो. कवियूर शिवप्रसाद, प्रमुख-फ़िल्म एप्रिसिएशन, के.आर. नारायणन, इंस्टीट्यूट ऑफ विजुअल आर्ट्स एंड साइंस, कोट्टयम, केरल ने छात्रों के साथ बातचीत की।

परिसर में समारोह

- योग प्रोटोकॉल (महामारी प्रतिबंधों के मद्देनजर) के अनुसार कर्मचारियों द्वारा 21 जून, 2021 को अपने घरों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।
- कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से अनुपालन करते हुए ओणम समारोह का आयोजन किया गया; आईआईएमसी कोट्टयम के छात्रों ने अथापुक्कलम (पारंपरिक फूलों की व्यवस्था) बनाया; क्षेत्रीय निदेशक और उप- निदेशक ने छात्रों और कर्मचारियों को ओणम संदेश दिया।
- 14 सितंबर, 2021 को हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय निदेशक और उप निदेशक ने कर्मचारियों को संबोधित किया।
- 26 अक्टूबर - 1 नवंबर, 2021 के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत क्षेत्रीय निदेशक द्वारा कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई।

- राष्ट्रीय युवा दिवस - स्वामी विवेकानंद और उनके प्रेरक संदेशों को याद करते हुए 12 जनवरी, 2022 को विवेकानंद जयंती मनायी गयी।
- गणतंत्र दिवस - 26 जनवरी, 2022 को क्षेत्रीय निदेशक द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस आयोजन में संयुक्त निदेशक और अन्य कर्मचारियों ने भी भाग लिया।
- 8 मार्च, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। आईआईएमसी कोट्टयम को सबसे लंबे समय तक अपनी सेवाएं प्रदान करने वाली महिला कर्मचारी कोचुरानी जॉय को उनके समर्पण, कड़ी मेहनत और संस्थान की सेवा के लिए सम्मानित किया गया।
- गुरुओं, जो ज्ञान की दुनिया के दर्शन कराते हैं, उनके प्रति छात्रों की श्रद्धा व्यक्त करने के उद्देश्य से गुरुवंदनम कार्यक्रम की शुरुआत की गई।
- 'हमारी भाषा को जानें' कार्यक्रम का उद्देश्य केरल से बाहर के छात्रों कों मलयालम में बुनियादी संचार कौशल प्रदान करना है।

स्वच्छ भारत पखवाड़ा

स्वच्छ भारत पखवाड़े के हिस्से के रूप में, क्षेत्रीय निदेशक द्वारा कर्मचारियों और संकाय सदस्यों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। पखवाड़े के हिस्से के रूप में, संस्थान द्वारा अंग्रेजी और मलयालम पत्रकारिता के छात्रों के लिए संबंधित विषयों पर निबंध लेखन, पोस्टर निर्माण इत्यादि विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया। इसके अतिरिक्त, परिसर में नियमित सफाई अभियान चलाया जाता है।

लैब जर्नल – आईआईएमसी वॉयस एंड एजहुथोला

अखबारों और पत्रिकाओं के लिए लेखन, संपादन और डिजाइन के प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में, आईआईएमसी कोट्टयम के छात्रों ने अंग्रेजी के साथ-साथ मलयालम में क्रमशः आईआईएमसी वॉयस और एजहुथोला लैब जर्नल का डिजाइन और प्रकाशन किया।

सोशल मीडिया

एक वेरिफाइड फेसबुक पेज, सक्रिय ट्विटर अकाउंट और एक वेरिफाइड इंस्टाग्राम अकाउंट के साथ संस्थान की सोशल मीडिया पर सक्रिय उपस्थिति है। संस्थान की सभी महत्वपूर्ण गतिविधियों का प्रचार और प्रसार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से किया जाता है। वास्तव में, आईआईएमसी कोट्टयम आईआईएमसी का पहला ऐसा क्षेत्रीय परिसर है, जिसका संचार हेतु एक वेरिफाइड सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं।

भविष्य की रूपरेखा

संस्थान अपने सहयोगात्मक नेटवर्क के विस्तार की योजना बना रहा है, जिससे अन्य शैक्षणिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ आवश्यक संबंध बनाए जा सकें। संचार क्षेत्र के विभिन्न मुद्दों, चुनौतियों और समाधानों को शामिल करने वाली एक द्विभाषी शोध पत्रिका का भी विचार किया जा रहा है। सामुदायिक रेडियो स्टेशन को सभी साधनों से युक्त रूप से स्थापित किए जाने की आवश्यकता है। आईआईएमसी कोट्टयम का उद्देश्य ज्ञान-संचालित सूचना समाज के निर्माण की दिशा में अपने दृष्टिकोण को पूरा करने और जन संचार और मीडिया प्रशिक्षण के क्षेत्र में एक उत्कृष्ट संस्थान के रूप में अपनी छवि को विस्तारित करना है।

आईआईएमसी अमरावती परिसर, महाराष्ट्र

अमरावती में आईआईएमसी के पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र ने वर्ष 2011 में अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम की शुरुआत के साथ स्नातक छात्रों के लिए अपने दरवाजे खोले। तब से, आईआईएमसी अमरावती प्रतिबद्धता और गुणवत्ता के साथ पत्रकारिता क्षेत्र की प्रतिभाओं को लगातार तैयार कर रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर भाषाई मीडिया में गुणवत्ता प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए और विशेष रूप से क्षेत्रीय परिवेश में पत्रकारिता प्रशिक्षण में नए गुणवत्ता मानकों को स्थापित करने के उद्देश्य से वर्ष 2017 में मराठी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम शुरू किया गया। इस निर्णय ने पूरे महाराष्ट्र के छात्रों के लिए सबसे प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त किया। पाठ्यक्रम ने देश के प्रमुख मीडिया संगठनों में अपने छात्रों के प्लेसमेंट के साथ अच्छी प्रतिष्ठा अर्जित की है। वर्तमान में इसका संचालन संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय परिसर से किया जा रहा है। बडनेरा (अमरावती) में एक स्थायी परिसर के निर्माण के लिए भूमि आवंटित की गई है। यह परिकल्पना की गई है कि नए परिसर के पूरा होने के बाद, विश्व स्तरीय सुविधाओं से लैस मीडिया शिक्षा और अनुसंधान केंद्र महाराष्ट्र राज्य के साथ-साथ आस-पास के राज्यों के मीडिया के विद्यार्थियों को लाभान्वित करेगा।

केंद्र में समर्पित शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी कार्यरत हैं, जो शिक्षण में नवीन दृष्टिकोणों के माध्यम से गौरव अर्जित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। शहर में होने वाले विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, शैक्षिक कार्यक्रमों में छात्रों की उपस्थिति ने संस्थान को जनता के बीच अपनी पहचान बनाने में मदद की है। सभी अकादमिक और गैर-शैक्षणिक गतिविधियों को छात्रों, विशेषज्ञ आउटसोर्स फैकल्टी और इन-हाउस फैकल्टी के सक्रिय सहयोग के साथ पेशेवर रूप से संचालित किया जा रहा है।

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

- कम्युनिकेशन रिसर्च पेपर के तहत अंग्रेजी पत्रकारिता के 11 और मराठी पत्रकारिता के 13 छात्रों ने पत्रकारिता, न्यू मीडिया, विकास

पत्रकारिता, ब्रांडिंग, विज्ञापन और पीआर जैसे विषयों पर शोध परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया।

- कोविड की स्थिति से उत्पन्न चुनौतियों के बीच, आईआईएमसी अमरावती ने उत्कृष्ट नवोदित मीडिया पेशेवरों को तैयार करने की प्रतिबद्धता बरकरार रखी। लैब जर्नल ऑनलाइन मोड में तैयार किए गए।

- आईआईएमसी अमरावती मराठी पत्रकारिता के छात्रों के लिए एक विशेष लाइव व्याख्यान 90.4 एफएम, सामुदायिक रेडियो, कृषि विज्ञान केंद्र, बांदेरा अमरावती के स्टेशन समन्वयक श्री संजय घरडे द्वारा आयोजित किया गया था। इसका मकसद छात्रों को उपकरण की स्थापना और एक रेडियो स्टेशन के प्रोडक्शन प्रोसेस से परिचित कराना था।

- 14 अप्रैल, 2021 को डॉ. बाबासाहब भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। आईआईएमसी अमरावती को शुक्रवार संवाद के तहत एक विशेष व्याख्यान की मेजबानी करने का मौका दिया गया, जो आमतौर पर आईआईएमसी दिल्ली के आउटरीच विभाग द्वारा आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध विचारक और साप्ताहिक विवेक-मुंबई के संपादक श्री रमेश पतंगे को आमंत्रित किया गया था। प्रकाशन विभाग के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) वी. के. भारती ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

- 1 मई, 2021 को महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर, महाराष्ट्र टाइम्स के प्रख्यात संपादक और राज्य सभा के पूर्व सदस्य, डॉ भरतकुमार राउत को एक विशेष व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया। एमजीएम विश्वविद्यालय औरंगाबाद और वाईसीएमओयू, नासिक के पूर्व कुलपति डॉ सुधीर गव्हाने ने इस सत्र की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में 250 से अधिक मीडिया शिक्षकों, पत्रकारों और छात्रों ने गूगल मीट और फेसबुक लाइव के माध्यम से भाग लिया।

- आईआईएमसी अमरावती ने सभी परिसरों में छात्रों के लिए दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एससीजेडसीसी) नागपुर के सहयोग से 'सांस्कृतिक रिपोर्टिंग' पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के लिए पंजीकृत कुल 128 छात्रों को एससीजेडसीसी द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

- यूनिसेफ और भारतीय जन संचार संस्थान, अमरावती ने 4 महीने (अगस्त-नवंबर 2021) के लिए ऑनलाइन ओरिएंटेशन प्रोग्राम (कुल 8 ओरिएंटेशन प्रोग्राम) के लिए मीडिया छात्रों के लिए लर्निंग क्राइसिस, क्लाइमेट एक्शन, बाल अधिकार, महिला, बाल और किशोर स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर कार्यक्रम आयोजित किए। इस कार्यक्रम के तहत निम्नलिखित वेबिनार आयोजित किए गए:

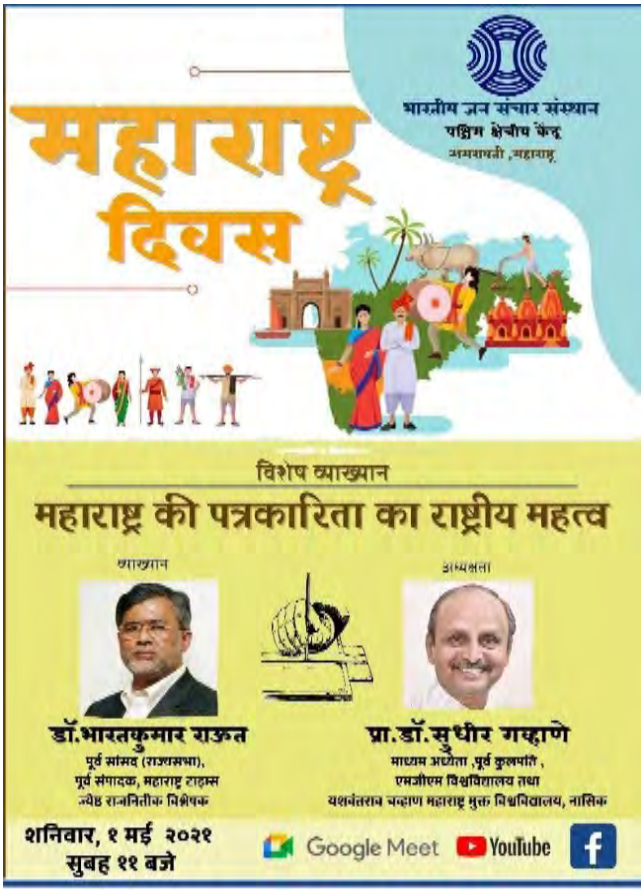

वेबिनार 1: प्राथमिक विद्यालयों को फिर से खोलना: नई संभावनाएँ और बाधाएं : यह वेबिनार मीडिया के छात्रों के लिए था। इस वेबिनार का उद्देश्य मीडिया के छात्रों को प्राथमिक शिक्षा प्रणाली पर कोविड-19 के प्रभाव और प्राथमिक शिक्षा में सीखने के संकट के बारे में शिक्षित करना था। इस वेबिनार का आयोजन दिनांक 07.09.2021 को किया गया, जिसमें श्री अनिल गुलाटी, संचार विशेषज्ञ, यूनिसेफ मध्य प्रदेश, सुश्री रेशमा अग्रवाल, शिक्षा विशेषज्ञ, यूनिसेफ महाराष्ट्र, श्री. फ्रॉघ अहमन जामी, शिक्षा विशेषज्ञ, यूनिसेफ मध्य प्रदेश और क्षेत्रीय निदेशक, आईआईएमसी पश्चिमी क्षेत्रीय परिसर, अमरावती के साथ-साथ छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

वेबिनार 2: जलवायु परिवर्तन और भारतीय परिप्रेक्ष्य : इस वेबिनार का उद्देश्य मीडिया के छात्रों को जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक जलवायु समाधानों की भूमिका के बारे में शिक्षित करना था। यह वेबिनार 22.09.2021 को आयोजित किया गया था, जिसमें श्री युसूफ कबीर, कार्यक्रम विशेषज्ञ - जल आपूर्ति और स्वच्छता, यूनिसेफ मुंबई, श्री बोधिसत्व गणेश खंडेराव, युवा पर्यावरण कार्यकर्ता यूनिसेफ

महाराष्ट्र, स्वामी विशालानंद, कार्यक्रम समन्वयक जेल सुधार - दिव्य ज्योति संस्थान, श्री यादव तर्ते पाटिल, संस्थापक और अध्यक्ष - दिशा फाउंडेशन अमरावती और क्षेत्रीय निदेशक, आईआईएमसी पश्चिमी क्षेत्रीय परिसर, अमरावती के साथ-साथ छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

वेबिनार 3: भारत में बच्चों की स्थिति पर मीडिया संवाद : वेबिनार का उद्देश्य मीडिया के छात्रों को बच्चों के अधिकारों और उनके लिए किए गए प्रयासों के बारे में शिक्षित करना था। यह वेबिनार 30.09.2021 को आयोजित किया गया था, जिसमें डॉ वृषाली जोशी, वर्धा मेडिकल कॉलेज, मुंबई, श्री अनिल गुलाटी, संचार विशेषज्ञ, यूनिसेफ मध्य प्रदेश और क्षेत्रीय निदेशक, आईआईएमसी पश्चिमी क्षेत्रीय परिसर, अमरावती सहित छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया।

वेबिनार 4: किशोरावस्था - स्वास्थ्य और सामाजिक परिप्रेक्ष्य : वेबिनार का उद्देश्य मीडिया के छात्रों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक और शिक्षित करना था। इस वेबिनार का आयोजन दिनांक 17.10.2021 को किया गया, जिसमें प्रोफेसर अंजू वर्मा, व्याख्याता गृह विज्ञान, रघु नाथ गर्ल्स इंटर कॉलेज, मेरठ, डॉ. मोना चिमोटे, विभागाध्यक्ष, मराठी एवं हिंदी, संत गाडगे बाबा अमरवती विश्वविद्यालय, डॉ. मनोज सुधीर ततवाड़ी, प्रोफेशनल कंटेंट और क्रिएटिव राइटर, प्रोफेसर अश्विनी कांबले, सहायक प्रोफेसर, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, श्रीमती नेत्रा दाव, संचार विशेषज्ञ और क्षेत्रीय निदेशक, आईआईएमसी पश्चिमी क्षेत्रीय परिसर, अमरावती के साथ-साथ छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

वेबिनार 5: प्राथमिक विद्यालयों में खेलों पर ध्यान देने का महत्व : वेबिनार का उद्देश्य मीडिया के छात्रों को उस पहलू के बारे में जागरूक करना और शिक्षित करना था, जिसे पहले उपेक्षित किया गया था, यानी प्राथमिक विद्यालयों में खेलों पर ध्यान देने का महत्व। यह वेबिनार 30.10.2021 को आयोजित किया गया था, जिसमें डॉ. तनुजा राउत, एसोसिएट प्रोफेसर एवं प्रमुख, एसजीबी अमरावती विश्वविद्यालय, डॉ. मनोज सुधीर ततवाड़ी, प्रोफेशनल कंटेंट और क्रिएटिव राइटर और क्षेत्रीय निदेशक, आईआईएमसी पश्चिमी क्षेत्रीय परिसर, अमरावती के छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया।

वेबिनार 6: शिक्षा के माध्यम से जलवायु परिवर्तन का मुकाबला : वेबिनार का उद्देश्य मीडिया के छात्रों को उस पहलू के बारे में जागरूक करना और शिक्षित करना था, जो पहले उपेक्षित था, यानी जलवायु परिवर्तन के खिलाफ मुकाबला करने के लिए स्कूली पाठ्यक्रम में जलवायु कार्रवाई शिक्षा। इस वेबिनार का आयोजन दिनांक 28.11.2021 को किया गया, जिसमें डॉ. पी.के. वर्मा, श्री किशोर रिठ और क्षेत्रीय निदेशक, आईआईएमसी पश्चिमी क्षेत्रीय परिसर, अमरावती के साथ-साथ छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

वेबिनार 7: बच्चों के खिलाफ हिंसा - समस्या और रोकथाम : वेबिनार का उद्देश्य जागरूकता पैदा करना और मीडिया के छात्रों को उस पहलू के बारे में शिक्षित करना था जिसे पहले उपेक्षित किया गया था, यानी बच्चों के खिलाफ हिंसा। यह वेबिनार 07.12.2021 को आयोजित किया गया था, जिसमें सुश्री सुचिता बर्वे, सामाजिक कार्यकर्ता-अमरावती, श्री विजय डोईफोडे, पूर्व अध्यक्ष: सीडब्ल्यूसी-मुंबई और क्षेत्रीय निदेशक, आईआईएमसी पश्चिमी क्षेत्रीय परिसर, अमरावती सहित छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया।

- प्रो. (डॉ.) वीरेंद्र कुमार भारती ने 28.02.2022 को आईआईएमसी पश्चिमी क्षेत्रीय परिसर, अमरावती के क्षेत्रीय निदेशक का अतिरिक्त प्रभार संभाला।

आयोजित किए गए अल्पावधि पाठ्यक्रम, कार्यशालाएं, सेमिनार और सम्मेलन

भारत और अन्य विकासशील देशों के संदर्भ में मीडिया और जनसंचार से संबंधित विभिन्न मुद्दों को बेहतर तरीके से समझने में योगदान देने के दृष्टिगत और उभरती प्रवृत्तियों और तकनीकों के बारे में विभिन्न क्षेत्रों के कर्मियों की जागरूकता बढ़ाने और उनके कौशल वृद्धि हेतु संस्थान द्वारा संचार से संबंधित विभिन्न विषयों पर विभिन्न प्रकार के अल्पकालिक पाठ्यक्रमों, कार्यशालाओं, सेमिनारों और सम्मेलनों का आयोजन किया जाता रहा है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय की विभिन्न मीडिया इकाइयों के कर्मियों के लिए संस्थान नियमित रूप से अल्पकालिक शैक्षणिक कार्यक्रम भी संचालित करता है।

विकास पत्रकारिता

आईआईएमसी ने समाचार कवरेज में विकृति और असंतुलन के संदर्भ में गुटनिरपेक्ष देशों की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु अफ्रीकी-एशियाई देशों के मध्य स्तर के कामकाजी पत्रकारों के लिए 1969 में एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम – पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स इन जर्नलिज्म फॉर डेवलपिंग कंट्रीज की शुरूआत की। यह भारत सरकार की आईटीईसी योजनाओं के अंतर्गत प्रमुख पाठ्यक्रमों में से एक है। यह विकास पत्रकारिता पाठ्यक्रम विशेष रूप से विकासशील दुनिया के देशों के मध्य संचार क्षेत्र के अनुभव, विशेषज्ञता और नवाचारों के आदान-प्रदान के माध्यम से विकास के एक उपकरण के रूप में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और समझ को बढ़ावा देने का एक प्रयास है। इन वर्षों में, आईआईएमसी ने वर्णानुक्रम में अफगानिस्तार से लेकर

ज़िम्बाब्वे तक 127 देशों के 1,706 से अधिक विदेशी पत्रकारों को प्रशिक्षित किया है।

2021-22 के दौरान, कोविड -19 महामारी के कारण विभिन्न प्रतिबंधों, विशेष रूप से यात्रा और वीजा प्रतिबंधों के चलते आईआईएमसी के विकास पत्रकारिता विभाग द्वारा किसी प्रकार के पाठ्यक्रम का आयोजन नहीं किया जा सका।

अल्पकालिक पाठ्यक्रम विभाग

भारतीय जन संचार संस्थान संचार और मीडिया से संबंधित विभिन्न विषयों पर आधारित विभिन्न प्रकार के अल्पकालिक पाठ्यक्रमों का आयोजन करता रहा है। एक सप्ताह से लेकर चार सप्ताह की अवधि के ये विशेष अल्पकालिक पाठ्यक्रमों को सशस्त्र बलों के अधिकारियों, विभिन्न राज्यों के पुलिस कर्मियों और साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकारों के विभिन्न मीडिया और प्रचार संगठनों में काम करने वाले कर्मिकों के व्यावसायिक प्रशिक्षण संबधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। मीडिया से संबंधित विभिन्न संगठनों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संस्थान द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग ऐसे आठ से दस पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

इन अल्पकालिक पाठ्यक्रमों में प्रतिभागियों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार अनुभव प्रदान करने हेतु शिक्षा और मीडिया उद्योग के प्रतिष्ठित वक्ताओं के विभिन्न सत्र शामिल हैं। अपनी स्थापना के बाद से, संस्थान ने लगभग ऐसे 712 पाठ्यक्रमों का आयोजन किया है, और भारत और विदेशों से लगभग 15,225 व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदान किया है।

पिछले शैक्षणिक वर्ष में महामारी के बावजूद, भारतीय जनसंचार संस्थान ने पाठ्यक्रम निदेशक प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार और प्रो. (डॉ.) गोविंद सिंह की देखरेख में 10 मीडिया और संचार पाठ्यक्रम आयोजित किए। इन पाठ्यक्रमों की रूपरेखा, समन्वय और संचालन का कार्य अल्पावधि पाठ्यक्रम विभाग की टीम द्वारा किया गया।

इन मीडिया और संचार पाठ्यक्रमों के प्रतिभागियों ने समग्र मीडिया परिदृश्य लेकर, मीडिया प्रबंधन और स्वामित्व पद्धति, सोशल मीडिया पारिस्थितिकी तंत्र, दुनिया में मीडिया के नए रुझान, डिजिटल युग में मीडिया संचालन, फैक्ट चैक, प्रभावी जनसंपर्क के साधन की समझ प्रेस विज्ञप्ति के तत्व, ऑनलाइन मॉक प्रेस वार्ता, डिजिटल मीडिया और उभरती हुई प्रौद्योगिकियां और मीडिया संचार और सामग्री निर्माण संबंधी भारतीय परिप्रेक्ष्य जैसे सत्रों में भाग लिया। इस अवधि के दौरान निम्नलिखित पाठ्यक्रम आयोजित किए गए:

- रक्षा मंत्रालय के डीपीआर अधिकारियों के लिए मीडिया और संचार पर 07 से 18 जून, 2021 तक 12 दिन के एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 37 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 12 से 16 जुलाई, 2021 तक भारतीय सशस्त्र बलों के सीआरपीएफ अधिकारियों के लिए मीडिया और संचार पर एक सप्ताह का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- भारतीय सशस्त्र बलों के तटरक्षक अधिकारियों के लिए मीडिया और संचार पर 23 से 27 अगस्त, 2021 तक एक सप्ताह के कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 10 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- भारतीय सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारियों (सामान्य रैंक) के लिए मीडिया और संचार पर एक सप्ताह का कार्यक्रम 06 से 10 सितंबर, 2021 तक आयोजित किया गया, जिसमें 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 27 सितंबर से 15 अक्टूबर 2021 तक भारतीय सशस्त्र बलों के अधिकारियों और कर्मचारियों प्रशिक्षुओं/पीआरओ/अनुदेशकों के लिए मीडिया और संचार पर तीन सप्ताह का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- भारतीय सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारियों (सामान्य रैंक) के लिए मीडिया और संचार पर 22 नवंबर से 03 दिसंबर, 2021 तक दो सप्ताह का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- भारतीय सशस्त्र बलों के मध्य स्तर के अधिकारियों और कर्मचारी प्रशिक्षु /पीआरओ/ अनुदेशकों के लिए 13 से 24 दिसंबर, 2021 तक मीडिया और संचार पर दो सप्ताह का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- भारतीय सशस्त्र बलों के अधिकारियों और कर्मचारियों के एपीपी/ पीआरओ/अनुदेशकों के लिए 10 से 28 जनवरी, 2022 तक मीडिया और संचार पर तीन सप्ताह के कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- 14 से 18 फरवरी, 2022 तक जम्मू-कश्मीर सरकार के सूचना और जनसंपर्क अधिकारियों के लिए मीडिया और संचार पर एक सप्ताह का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 42 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- मार्च 2022 में भारतीय रेल के सूचना और जनसंपर्क अधिकारियों (डब्ल्यूसीआर एवं एनडब्लयूआर) के लिए मीडिया और संचार पर एक सप्ताह का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 22 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

संचार अनुसंधान विभाग

संचार अनुसंधान विभाग का फोकस संस्थान के अनुसंधान एजेंडे के एक अभिन्न अंग के रूप में संचार और मीडिया के व्यवस्थित अध्ययन पर है। विभाग के प्रयासों को सरकार की जन संचार नीतियों और संचार कार्यक्रमों के विश्लेषण और प्रमुख विकास मुद्दों पर उनके प्रभाव के आकलन हेतु निर्देशित किया जाता है। विभाग ने पिछले 55 वर्षों में विभिन्न विषयों पर 200 से अधिक शोध अध्ययनों के साथ संचार में अनुसंधान के संबंध में एक कीर्तिमान स्थापित किया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और अन्य मंत्रालयों की मीडिया इकाइयों के मीडिया अभियानों का अध्ययन और मूल्यांकन विभाग के अनुसंधान कार्यक्रम की एक सतत विशेषता है।

विभाग पेशेवर कम्युनिकेटरों, शिक्षाविदों और विभाग के नेतृत्व में अनुसंधान पहल और प्रशिक्षण कार्यशालाओं में सहयोग करने वाले शोधकर्ताओं के सहयोग वाली एक प्रणाली के माध्यम से कार्य करता है।

उक्त अवधि के दौरान विभाग द्वारा की गई प्रमुख अनुसंधान गतिविधियां निम्नलिखित हैं:

क) राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजनाएं

1. साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल), छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार के प्रतिपालन और मांग सृजन हेतु एक उपकरण के रूप में मीडिया का उपयोग पर मूल्यांकन अध्ययन का चरण-I । *इसे साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल), छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू किया गया था।*

इस अध्ययन में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की स्वास्थ्य संबंधी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियों का मूल्यांकन किया गया। गतिविधियों का निष्पादन सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीएफएआर), एक कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा किया गया, जिसने छत्तीसगढ़ में मुख्य रूप से महिला और बाल स्वास्थ्य संबंधी एसईसीएल की सीएसआर गतिविधियां संचालित की। सीएसआर गतिविधियों का उद्देश्य और फोकस विभिन्न जिलों में सबसे कमजोर लोगों के प्रति जवाबदेही और सेवा में अनुपातिक वृद्धि को प्राप्त करने हेतु मीडिया पक्ष का उपयोग करते हुए राज्य के स्वास्थ्य विभाग के आरएमएनसीएचए+एन (प्रजनन, मातृ, नवजात, बच्चे, किशोर स्वास्थ्य और पोषण) कार्यक्रम की सार्वजनिक और नीतिगत भागीदारी को बढ़ाना था। सीएफएआर के अनुसार, इस परियोजना का चरणबद्ध तरीके से 24 महीने में कार्यान्वयन किया गया था। चरण-1, 6 माह के इस चरण की गतिविधियों का मूल्यांकन आईआईएमसी द्वारा किया गया था, जिसके दौरान सीएफएआर ने 2021-22 में 52 दिनों में विभिन्न गतिविधियां संचालित करने का प्रस्ताव किया था। इनमें से, सीएफएआर ने प्रदत्त समय-सीमा के भीतर चार गतिविधियों को पूरा किया, जिनकी रिपोर्ट/लेख/अभियान को आईआईएमसी के साथ साझा किया गया और उनका मूल्यांकन किया गया।

2. स्वास्थ्य साक्षरता संबंधी टीवी स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रभावशीलता: स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए **लोकसभा टीवी के हैल्दी इंडिया कार्यक्रम का प्रभाव मूल्यांकन**।

इस अध्ययन ने टेलीविजन पर स्वस्थ भारत कार्यक्रम की प्रभावशीलता का पता लगाया, जिसमें स्वास्थ्य संबंधी प्रचुर जानकारी प्रदान करने वाले विभिन्न प्रकार के मीडिया प्लेटफॉर्म शामिल हैं। यह अध्ययन इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि टेलीविजन पर प्रसारित स्वास्थ्य कार्यक्रमों का दर्शकों के स्वास्थ्य संबंधी ज्ञान पर कोई प्रभाव पड़ता है अथवा नहीं।

इस प्रकार अध्ययन ने इस तथ्य को समझने में मदद की, कि क्या रोकथाम, सुरक्षा और स्वास्थ्य स्थितियों में सुधार हेतु एकत्र ज्ञान का उपयोग करते हुए स्वास्थ्य स्थितियों की पहचान करने के तरीकों से संबंधी ज्ञान का स्तर, गैर-दर्शकों की तुलना में दर्शकों में अधिक है। इस अध्ययन के निष्कर्षों का उद्देश्य अधिक से अधिक उपभोग और प्रभावशीलता हेतु हैल्दी इंडिया शो की कार्यकम सामग्री और/या रूपरेखा के संबंध में आवश्यक परिवर्तन हेतु सुझाव देना था।

3. विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए सुरक्षित और विधिक प्रवासन संबंधी जन संचार अभियान का आंकलन और प्रभावशीलता मूल्यांकन।

इस अध्ययन का उद्देश्य विदेश मंत्रालय द्वारा 2009 में शुरू किए गए सुरक्षित और कानूनी प्रवासन अभियान की पहुंच और प्रभावशीलता का मूल्यांकन और विश्लेषण करना था। इस प्रयोजनार्थ प्रत्येक क्षेत्र में ईसीआर श्रेणी के प्रवासियों की उच्च दर वाले राज्यों का चयन किया गया और मूलभूत शोध किया गया। अभियान की उपयुक्तता को जानने

के लिए विदेश मंत्रालय की वेबसाइट से ईसीआर डाटा और अन्य स्रोतों जैसे इंडियन रीडरशिप सर्वे (आईआरएस), ऑडिट ब्यूरो ऑफ सर्कुलेशन (एबीसी) और जनगणना 2011 के आधार पर मीडिया योजना विश्लेषण का कार्य किया गया।

ख) जारी अनुसंधान परियोजनाएं

1. मेघालय सरकार द्वारा शुरू की गई कम आय, कम साक्षरता, दूरस्थ, मेघालय के स्वदेशी समुदाय हेतु प्रभावी संचार, समुदाय आधारित लैंडस्केप प्रबंधन परियोजना (सीएलएलएमपी), मेघालय बेसिन मैनेजमेंट एजेंसी (एमबीएमए)
2. डाकघरों के माध्यम से **जागो ग्राहक जागो अभियान के प्रभाव का आकलन**। इसे उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया है।

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश

शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए निम्नलिखित स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया जुलाई, 2021 के महीने में ऑनलाइन पोर्टल, सोशल मीडिया आदि में विज्ञापन के प्रकाशन के साथ शुरू हुई। आवेदन पत्रों की प्राप्ति की अंतिम तिथि 9 अगस्त, 2021थी। पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम हैं:

1. दिल्ली में पत्रकारिता (हिंदी) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम।
2. दिल्ली, ढेंकनाल, आइजोल, अमरावती, जम्मू और कोट्टयम में पत्रकारिता (अंग्रेजी) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम।
3. दिल्ली में विज्ञापन और जनसंपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम
4. दिल्ली में रेडियो और टीवी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम
5. ढेंकनाल में पत्रकारिता (ओडिया) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम
6. दिल्ली में उर्दू पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम
7. अमरावती में मराठी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम
8. कोट्टयम में मलयालम पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु कुल 5345 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था।

उपर्युक्त पाठ्यक्रमों के लिए अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा 29 अगस्त, 2021 को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से ऑनलाइन कंप्यूटर-आधारित परीक्षा द्वारा आयोजित की गई थी। सभी पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम का अंतिम परिणाम 10 सितंबर, 2021 को घोषित किया गया था।

छात्रों के नए बैच के लिए ओरिएंटेशन सत्र 25-29 अक्टूबर, 2021 तक जारी रहा। जनसंचार क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने ओरिएंटेशन सत्रों को संबोधित किया।

आईआईएमसी प्लेसमेंट प्रकोष्ठ

भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) ने अप्रैल, 2021 से दिसंबर, 2021 तक 2020-21 बैच के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया। दुनिया भर में कोविड-19 संकट और अलग-अलग समय पर भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों को देखते हुए प्लेसमेंट ड्राइव की लंबी अवधि रखी गई थी।

इस बार प्लेसमेंट सेल में 2019-20 बैच के ऐसे छात्र भी शामिल हैं, जिन्हें पहले प्लेसमेंट का मौका नहीं मिल सका था। अभूतपूर्व कोविड स्थिति के बावजूद, सेल ने 15 से 30 जुलाई, 2021 तक सत्र के अंत में एक ऑनलाइन प्लेसमेंट पखवाड़े का आयोजन किया।

प्लेसमेंट सेल टीम के गंभीर प्रयासों को देखते हुए, आईआईएमसी से छात्रों को भर्ती करने वाली प्रमुख मीडिया कंपनियों में काफी संख्या में प्लेसमेंट हासिल किया गया। इनमें मुख्यधारा के समाचार चैनल, सरकारी संगठन, सार्वजनिक क्षेत्र के संगठन, सार्वजनिक और निजी मीडिया कंपनियां, निजी जनसंपर्क और विज्ञापन कंपनियां, कॉर्पोरेट संगठन, अनुसंधान संगठन और गैर-सरकारी संगठन शामिल हैं।

कैम्पस प्लेसमेंट का प्रतिशत: 55%

कैंपस प्लेसमेंट का औसत प्रतिशत: 24%

कुल प्लेसमेंट: 79%

उच्चतम पैकेज की पेशकश: 8.60 लाख रुपए प्रति वर्ष

औसत पैकेज की पेशकश: 4.00 लाख रुपए प्रति वर्ष

फरवरी, 2022 तक पिछले 2019-20 बैच के 15 छात्रों सहित कुल 220 छात्रों को कैंपस के माध्यम से प्लेसमेंट दिया गया था। इसके अतिरिक्त, लगभग 100 छात्रों को उनके स्वयं के प्रयासों से कैंपस से बाहर प्लेसमेंट मिला है। नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनटीपीसी) द्वारा 8.60 **लाख रुपए प्रति वर्ष** का उच्चतम पैकेज दिया गया था। सभी पाठ्यक्रमों के लिए औसत पैकेज 4.00 **लाख रुपए प्रति वर्ष** के आसपास रहा।

प्रक्रिया को पूरा करने के लिए भर्तीकर्ताओं ने लिखित परीक्षा और साक्षात्कार की दो स्तरीय प्रणाली अपनाई। प्रक्रिया ज्यादातर ऑनलाइन आयोजित की गई थी, लेकिन कुछ कंपनियों ने देश में कोविड की स्थिति के आधार पर अपने कार्यालय में ऑफलाइन साक्षात्कार भी आयोजित किए।

महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- प्लेसमेंट सेल ने व्यापक प्लेसमेंट और इंटर्नशिप दिशानिर्देश तैयार किए।
- प्लेसमेंट के लिए कंपनियों का विस्तृत डेटा बैंक तैयार किया।
- सेल के पास अब लगभग 200 मीडिया कंपनियों का डेटा है।
- प्लेसमेंट के उद्देश्य से आईआईएमसी ब्रोशर और छात्र ब्रोशर सहित दो ई-ब्रोशर की संकल्पना की गई और डिजाइन तैयार किया गया।
- आईआईएमसी लिंक्डइन अकाउंट दो वर्षों के अंतराल के बाद प्लेसमेंट के लिए सक्रिय किया गया।
- पूर्व छात्र 2019-20 बैच के छात्रों को प्लेसमेंट दिया गया।
- अंग्रेजी पत्रकारिता के दो छात्रों का थॉमसन रॉयटर्स में प्लेसमेंट हुआ।
- कई छात्रों को टीसीएस और एक्सेंचर, एनटीपीसी और एनएमडीसी जैसे सार्वजनिक उपक्रमों और भारत के निर्वाचन आयोग जैसे अन्य राष्ट्रीय निकायों सहित बड़े कॉर्पोरेट्स में नौकरी मिली है।
- लगभग 40 छात्रों का डीडी न्यूज सहित प्रसार भारती के विभिन्न प्रभागों में प्लेसमेंट हुआ है।

प्रमुख चुनौतियाँ, जिनका सामना किया गया

कोविड के कारण एडवांस प्लानिंग के लिए समय की कमी: बहुत सारी कंपनियां जुलाई, 2021 में प्लेसमेंट पखवाड़े में शामिल नहीं हो सकीं, क्योंकि उस समय कोविड महामारी के कारण बहुत सारी जगहों पर हायरिंग रुकी हुई थी। इस प्रकार, कुछ अच्छी कंपनियां पखवाड़े के बाद काम पर रखने के लिए आईं, जिसके कारण कुछ छात्रों के लिए अवसर छूट गए, जिनका पखवाड़े से पहले या उसके दौरान कहीं और प्लेसमेंट हुआ था।

वर्ष भर प्लेसमेंट का अनुरोध : प्रत्येक कंपनी अपनी स्वयं की हायरिंग टाइमलाइन का पालन करती है और इस प्रकार, प्लेसमेंट सेल को लंबी अवधि के लिए प्लेसमेंट जारी रखना पड़ता है। इस प्रकार, इसके लिए पूरे वर्ष के परिप्रेक्ष्य का पालन किया जाना था, ताकि छात्रों को प्लेसमेंट के किसी भी अवसर से वंचित न होना पड़े।

प्रमुख कंपनियां

एबीपी न्यूज, जी मीडिया, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एनटीपीसी, एनएमडीसी, इंडिया टीवी, इनशॉर्ट्स, भारत का चुनाव आयोग, प्रसार भारती, एडफैक्टर्स पीआर, एमएसएल न्यूजेरा, मैडमेन, रूडरफिन, द न्यू इंडियन, अमर उजाला, इंडिया टुडे ग्रुप, हिंदुस्तान, ईटी मीडिया लैब्स, स्कैटर, बीसीसीएल, एडवर्थ मीडिया, हिंदुस्तान टाइम्स डिजिटल, ईएसएस सेवा भारत, द पायोनियर, द टेलीग्राफ, द हिंदू बिजनेसलाइन, नेटवर्क 18, स्टोरीटेलर्स, इंफॉर्मिस्ट मीडिया (कोजेनिस), द सोशलबूथ, कैफेम्यूचुअल, द ब्लूबीन्स, करियर 360, डेंटसु, ब्रैंडकॉम, वेबरशैंडविक, द लल्लनटॉप, जेनसिस बीसीडब्ल्यू, आई-पीएसी, द फ्री प्रेस जर्नल, एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेज, मेट्रो रेल न्यूज, टॉर्क कम्युनिकेशंस, द प्रैक्टिस, मिर्ची ब्रेवरी, पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्री, एक्सेंचर, ओला इलेक्ट्रिक, थॉमसन रॉयटर्स, एशियन न्यूज इंटरनेशनल, जेएलएल, टीवी 9 डिजिटल, दैनिक भास्कर आदि।

एनएमडीसी टीम ने 16 दिसंबर, 2021 को कैंपस प्लेसमेंट के लिए आईआईएमसी का दौरा किया।

वर्तमान बैच के लिए पहल (2021-22)

- प्लेसमेंट प्रक्रिया समझाने के लिए मार्च 2022 में वर्तमान बैच के छात्रों के साथ विशेष ऑनलाइन वार्तालाप का आयोजन किया गया था।
- प्लेसमेंट और इंटर्नशिप संबंधी दिशानिर्देशों में संशोधन किया गया है।
- प्लेसमेंट के उद्देश्य से विशेष आईआईएमसी ब्रोशर को वर्तमान बैच के लिए अपडेट किया गया है।

- मौजूदा बैच के लिए प्लेसमेंट प्रक्रिया हेतु मीडिया हाउस/कंपनियों के डेटा को अपडेट कर दिया गया है।

वार्षिक दिवस समारोह

आईआईएमसी ने दिनांक 17.08.2021 को अपना 57वां स्थापना दिवस मनाया। हिंदुस्तान टाइम्स मीडिया लिमिटेड के प्रधान संपादक श्री शशि शेखर द्वारा "मीडिया शिक्षा: आगे की राह" विषय पर स्थापना दिवस व्याख्यान दिया गया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त, 2021 को आईआईएमसी के मुख्यालय और पांच क्षेत्रीय परिसरों में 75वां स्वतंत्रता दिवस बड़े जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। महानिदेशक प्रोफेसर संजय द्विवेदी ने तिरंगा फहराया और छात्रों को समाज और राष्ट्र के प्रति अपनत्व की भावना पैदा करने के लिए प्रेरित किया।

राजभाषा विभाग

वर्ष के दौरान भारत सरकार की नीति के अनुसार सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को उत्तरोत्तर बढ़ाने के सभी प्रयास किए गए। संस्थान के कर्मचारियों को अपने दैनिक कार्यों में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया गया। हिन्दी में कार्य करने की झिझक दूर करने हेतु अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन

- डॉ. सी. जय शंकर बाबू, विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, पांडिचेरी विश्वविद्यालय को 25 जून, 2021 को ऑनलाइन आयोजित हिंदी कार्यशाला में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। इसमें 10 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- 21 सितंबर, 2021 को भारतीय सूचना सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए संस्थान में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ. सी. जय शंकर बाबू, विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, पांडिचेरी विश्वविद्यालय को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

- श्री प्रदीप अग्रवाल, डीजीएम (सेवानिवृत्त), आईडीबीआई बैंक को 16 दिसंबर, 2021 को आयोजित हिंदी कार्यशाला में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। इसमें 9 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- 8 मार्च, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संस्थान की महिला कर्मचारियों के लिए हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में सुश्री राखी बख्शी, संचार सलाहकार, आईआईपीए को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। इसमें 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

हिंदी पखवाड़ा

संस्थान में 14 से 28 सितंबर, 2021 तक हिंदी पखवाड़ा (हिंदी पखवाड़ा) मनाया गया। 14 सितंबर को हिंदी पखवाड़े के उद्घाटन समारोह में "भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता का भविष्य" विषय पर एक वेबिनार आयोजित किया गया। 28 सितंबर को समापन समारोह के दौरान, "डिजिटल दुनिया में हिंदी का भविष्य" विषय पर एक और वेबिनार आयोजित किया गया। हिन्दी पखवाड़े के दौरान निबन्ध प्रतियोगिता, हिन्दी टिप्पण और प्रारुप लेखन प्रतियोगिता, हिन्दी काव्य पाठ प्रतियोगिता, हिन्दी टंकण प्रतियोगिता आदि विभिन्न कार्यकलापों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने इन कार्यकलापों और प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लिया। पुस्तकालय में हिन्दी पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं एवं जर्नलों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। ढेंकनाल क्षेत्रीय परिसर ने 14-18 सितंबर, 2021 तक हिंदी सप्ताह मनाया। "हिंदी दिवस" 14 सितंबर, 2021 को संस्थान के अन्य क्षेत्रीय परिसरों अर्थात आइजोल, अमरावती, जम्मू और कोट्टयम में मनाया गया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) से संबंधित गतिविधियां

भारतीय जन संचार संस्थान, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति दक्षिण दिल्ली-3 का अध्यक्ष है। नराकास की अर्धवार्षिक बैठकें 21 जून, 2021 और 23 नवंबर, 2021 को आयोजित की गई। पहली बैठक में 52 सदस्य-कार्यालयों के प्रमुखों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया और दूसरी बैठक में 48 सदस्य-कार्यालयों ने भाग लिया। दोनों बैठकों का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से किया गया था।

संसदीय राजभाषा समिति द्वारा निरीक्षण

संसदीय राजभाषा समिति द्वारा 29 जून, 2021 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में निरीक्षण किया गया। इसे आयोजित करने में आईआईएमसी

ने सफलतापूर्वक समन्वय किया और तीन अन्य कार्यालयों के साथ प्रश्नावली तैयार करने और स्थान, परिवहन, जनशक्ति आदि की व्यवस्था करने में समन्वय कार्य किया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार आयोजित की जाती है। यह बैठकें संस्थान के महानिदेशक की अध्यक्षता में आयोजित की जाती हैं। संस्थान में अप्रैल 2021 से मार्च 2022 तक राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकें आयोजित की गई। कोविड-19 महामारी के कारण 28 जून, 2021 की बैठक ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की गई। जबकि 29 सितंबर, 2021 और 15 दिसंबर, 2021 को बैठकें ऑफलाइन माध्यम से आयोजित की गई। 22 मार्च की बैठक हाईब्रिड मोड से कराई गई। इन बैठकों में हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने पर सार्थक चर्चा हुई।

अवसंरचना सुदृढ़ीकरण

संस्थान अपने छात्रों को आत्मविश्वास के साथ क्षेत्र में उभरती चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त अवसंरचना के निर्माण हेतु निरंतर प्रयासरत है। आईटी क्रांति को देखते हुए तेजी से हो रहे बदलावों के कारण, इस उद्देश्य के लिए बनाए गए अवसंरचना को उन्नत और सुदृढ़ करने की निरंतर आवश्यकता है। इन विभिन्न समकालीन टूलों और सुविधाओं का उपयोग शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

क्षेत्रीय परिसरों का निर्माण

आईआईएमसी नई दिल्ली, केरल में कोट्टयम और ओडिशा में ढेंकनाल कैंपस अपने स्वयं के परिसरों से चल रहा है, जबकि जम्मू (जम्मू और कश्मीर), आइजोल (मिजोरम) और अमरावती (महाराष्ट्र) में क्षेत्रीय परिसर संबंधित राज्य सरकारों/विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान किए गए अस्थायी परिसरों से चल रहे हैं। अपनी बुनियादी अवसंरचना को मजबूत करने और सभी क्षेत्रों के लिए स्थायी परिसर निर्माण के प्रयास के साथ, संस्थान इन तीनों स्थानों पर अपने स्वयं के परिसरों का निर्माण कर रहा है।

जम्मू में उत्तरी क्षेत्रीय परिसर में निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। पूरा होने पर, परिसर को सुसज्जित करने और कक्षाओं, कंप्यूटर प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय और अन्य क्षेत्रों के लिए वांछित बुनियादी ढांचा तैयार करने का काम शुरू हो जाएगा। 2022-23 सत्र की शुरुआत नए परिसर से की जाएगी।

आइज़ोल, मिज़ोरम में उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय परिसर में मुख्य भवन का प्राथमिक निर्माण कार्य भी लगभग पूरा हो चुका है। कुछ और काम चल रहा है, इसे भी पूरा कर लिया जाएगा। 2022-23 सत्र की शुरुआत नए परिसर से की जाएगी।

अमरावती, महाराष्ट्र में, राज्य सरकार ने एक स्थायी पश्चिमी क्षेत्रीय परिसर के निर्माण के लिए छह हेक्टेयर भूमि उपलब्ध कराई है। जल्द ही भवन का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

शिक्षण सहायक सामग्री/सुविधाएं

मीडिया, जनसंचार और पत्रकारिता के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख संस्थानों में से एक होने की अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप, संस्थान के पास पूर्णतः स्पष्ट और पर्याप्त सुविधाएं हैं जो संचार शिक्षा में कक्षाओं और व्यावहारिक अभिविन्यास के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के पूरे स्पेक्ट्रम को शामिल करती हैं। इन सुविधाओं का लगातार उन्नयन किया जाता है।

वैश्विक नेटवर्क वॉयस, वीडियो और डेटा के लिए एक एकल एकीकृत मंच की ओर बढ़ रहे हैं। सूचना और संचार के क्षेत्र में तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी के विकास और शिक्षा तथा अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में इसके अनुप्रयोग के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए, संस्थान ने इंटरनेट सुविधा के साथ नवीनतम कंप्यूटरों का अधिग्रहण किया है, जो अपने छात्रों और संकाय के लिए वर्ष भर कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान करता है। यह उपकरण और कनेक्टिविटी इलेक्ट्रॉनिक समाचार संपादन, वेब पत्रकारिता, मल्टीमीडिया, डिजाइनिंग, प्रकाशन और ग्राफिक्स में छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए शैक्षिक उपकरणों और शिक्षण सहायक सामग्री की रीढ़ है। अत्याधुनिक डेस्कटॉप मशीनों का एक संयोजन मल्टीमीडिया, कंप्यूटर ग्राफिक्स, डेस्कटॉप प्रकाशन आदि के क्षेत्रों में छात्रों के प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करता है।

आईटी टूल

वर्ष 2011-12 के दौरान, आईआईएमसी देश में सभी ज्ञान से संबंधित संस्थानों के लिए एक एकीकृत उच्च गति नेटवर्क बैकबोन उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन), एक अत्याधुनिक, बहु-गीगाबाइट, अखिल भारतीय ब्रॉडबैंड नेटवर्क में शामिल हो गया। नेशनल नॉलेज नेटवर्क का हिस्सा होने के नाते, आईआईएमसी 1जीबीपीएस या उससे अधिक की गति पर ब्रॉडबैंड इंटरनेट को निर्बाध रूप से प्राप्त करता है। इस तरह के ज्ञान नेटवर्क का उद्देश्य अपेक्षित अनुसंधान सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण संस्थानों के निर्माण और उच्च प्रशिक्षित पेशेवरों का एक पूल तैयार करने संबंधी देश के अनुसंधान के मूल में जाना है। उच्च गति एनकेएन विभिन्न पृष्ठभूमि और विविध भौगोलिक क्षेत्रों के वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, संचारकों और छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान अर्जन और प्रसार के लिए गंभीर

और उभरते क्षेत्रों में मानव विकास को आगे बढ़ाने के लिए बारीकी से काम करने हेतु सक्षम बनाता है। संस्थान के पास एनआईसी के माध्यम से बैक-अप 2एमबीपीएस ब्रॉडबैंड इंटरनेट कनेक्शन भी है।

ये सुविधाएं संस्थान के छात्रों को अधिगम अवसर उपलब्ध कराती हैं और अन्य बातों के साथ-साथ एक समय में विभिन्न समूहों के लिए उपलब्ध तीन कार्यस्थल - कई कंप्यूटर लैब, मल्टीमीडिया और डीटीपी शामिल हैं। संस्थान के कार्यक्रमों और अन्य गतिविधियों से सबंधित उपयोगी सूचना के लिए संस्थान की वेबसाइट www.iimc.gov.in देख सकते हैं।

टीवी और वीडियो प्रोडक्शन

इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता के क्षेत्र में अपने छात्रों और प्रशिक्षुओं के बीच एक उच्च प्रभाव और बेहतर ज्ञान आधार विकसित करने की दृष्टि से, संस्थान के पास एक आधुनिक प्रोडक्शन स्टूडियो है, जो सिंच और विशेष प्रभाव जनरेटरों के साथ डिजिटल कैमरों से सुसज्जित है। संपादन कंसोल में आईमैक, एफसीपी मैक-प्रो डिजिटल वीडियो एडिटिंग सिस्टम और ऑन-लाइन डिजिटल वीडियो एडिटिंग शामिल हैं।

संस्थान ने अपने एनालॉग टेप-आधारित उपकरण को आंशिक रूप से आधुनिक डिजिटल तकनीक में अपग्रेड किया है। यह छात्रों को डिजिटल कैमरों और नॉन-लीनियर संपादन का अनुभव प्रदान करता है जो आज टीवी चैनलों में व्यापक रूप से प्रयोग में हैं।

संस्थान के पास उपलब्ध संरचना को सुदृढ़ करने के लिए, इसने नई दिल्ली में टीवी और प्रिंट मीडिया के लिए स्टैंड-अलोन, नॉन-लीनियर एडिट सिस्टम और एक हाई-एंड डिजिटल ग्राफिक सपोर्ट प्रणाली सहित नेटवर्क-आधारित डिजिटल नॉन-लीनियर वीडियो एडिटिंग सिस्टम के लिए हाई-एंड एफसी मैक प्रो वीडियो एडिटिंग मशीन का अधिग्रहण किया है। ऑडियो-विजुअल और प्रिंट क्षेत्रों में प्रशिक्षण को पर्याप्त रूप से सुदृढ़ करने के लिए एक्सेसरीज के साथ डिजिटल स्टिल कैमरे भी खरीदे गए हैं। आइज़ोल, अमरावती, जम्मू और कोट्टयम में क्षेत्रीय परिसरों के लिए नॉन-लीनियर एडिटिंग के लिए डिजिटल वीडियो और स्टिल कैमरा, टेलीप्रॉम्प्टर मशीन और आईमैक भी खरीदे गए हैं।

रेडियो

रेडियो प्रसारण के लिए संस्थान के पास अलग ध्वनि रिकॉर्डिंग, एफएम और वॉयस-ओवर स्टूडियो हैं, जिनका उपयोग रेडियो और टीवी प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए किया जाता है। संस्थान रेडियो न्यूज-गेदरिंग: पेशेवर टेप और डिजिटल रिकॉर्डर, माइक्रोफोन और अन्य सहायक उपकरण से संबंधित आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित है। साउंड स्टूडियो में यथोचित व्यापक सुविधाएं हैं:

- यामाहा 03 डी फुल ट्रैक कंसोल रिकॉर्डर।
- स्टैंडबाय रिकॉर्डिंग के लिए सोनी 8 चैनल ऑडियो मिक्सर एमएक्सपी-290।
- विशेषज्ञता सुविधाओं के साथ एक छह चैनल ऑन-एयर कंसोल।
- पोर्टेबल सोनी आईसी रिकॉर्डर जो सीधे एमपी3 और डब्ल्यूएवी साउंड फॉर्मेट में रिकॉर्ड होते हैं।
- श्योर माइक्रोफोन एसएम 58।
- कार्यक्रम प्रोडक्शन के लिए संपादन और रिकॉर्डिंग सुविधाओं के साथ एडोब ऑडिशन सॉफ्टवेयर इकाइयां।
- मल्टीट्रैक टीएएससीएएम जिसमें ट्रांसमिशन के लिए एक मिनी डिस्क प्लेयर, सीडी प्लेयर, कैसेट प्लेयर है।
- विशिष्ट प्रसारण उपकरण।

सामुदायिक रेडियो स्टेशन (अपना रेडियो 96.9 एफएम)

नई दिल्ली में सामुदायिक रेडियो स्टेशन (सीआरएस) 'अपना रेडियो 96.9 एफएम' को अत्याधुनिक उपकरणों से अपग्रेड किया गया है।

'अपना रेडियो 96.9 एफएम' ने वर्ष 2021 के दौरान समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण, सहायक, मनोरंजक और सूचनापरक भूमिका निभाई है। व्यापक कोविड जागरूकता कार्यक्रम, विशेष रूप से दूसरी लहर के दौरान, तैयार किए गए थे। वे उपचार, गलत सूचनाओं का भंडाफोड़ और सही जानकारी देना, टीकाकरण, आहार, कोविड योद्धाओं का प्रोत्साहन, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, योग, बच्चों की देखभाल जैसे पहलुओं से जुड़े थे। समय-समय पर सरकारी दिशानिर्देश के प्रचार-प्रसार पर विशेष ध्यान दिया गया।

टोक्यो 2020 ओलंपिक: अपना रेडियो 96.9 एफएम ने टोक्यो 2020 ओलंपिक, जो खेल भावना का जश्न मनाने के लिए दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन है, पर व्यापक कार्यक्रम तैयार किए गए। कार्यक्रमों का उद्देश्य खेल भावना का जश्न मनाना, भारतीय दल का उत्साहवर्धन करना और उनकी सफलता का जश्न मनाना था। अपना रेडियो 96.9 एफएम द्वारा टोक्यो 2020 की प्रोग्रामिंग भारतीय दस्ते के टोक्यो के लिए रवाना होने से पहले शुरू हुई और तब तक जारी रही, जब तक कि वे अब तक के सर्वाधिक पदकों के साथ गौरवपूर्वक वापस नहीं लौट आए।

- **टोक्यो ओलंपिक 2020 - 39 कार्यक्रम - 10 घंटे की प्रोग्रामिंग**
- **टोक्यो पैरालम्पिक्स 2020 - 13 कार्यक्रम - 3.5 घंटे की प्रोग्रामिंग**

इस प्रोग्रामिंग के हिस्से के रूप में, अपना रेडियो ने कई एथलीटों जैसे पूर्व ओलंपिक पदक विजेता हरविंदर सिंह और धनराज पिल्लै, नीरज चोपड़ा, मीराबाई चानू के साथ हॉकी की जीत का जश्न, खिलाड़ियों के साथ प्रधानमंत्री की बातचीत, ओलंपिक थीम सॉन्ग, ओलंपिक की तैयारी, विनेश फोगाट, सानिया मिर्जा और रानी रामपाल, शिवपाल सिंह, मीराबाई चानू, तजिंदरपाल सिंह तूर और कई अन्य का साक्षात्कार लिया।

आजादी का अमृत महोत्सव : अपना रेडियो 96.9 एफएम द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव से जुड़े कई कार्यक्रम जैसे राष्ट्रगान अपलोड, देशभक्ति लोरी, मेंटरिंग युवा योजना और देशभक्ति गीत लेखन किए गए।

अलगप्पा विश्वविद्यालय के सहयोग से विज्ञान प्रसार के लिए अपना रेडियो द्वारा 'अनुभव' शीर्षक से विशेष कार्यक्रमों की 52 कड़ियों की एक सीरीज बनाई गई थी। ये कार्यक्रम विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के लिए थे। विज्ञान प्रसार द्वारा प्रस्तुत आवश्यकताओं के अनुसार कार्यक्रम बनाए गए थे - इसमें विज्ञान, स्वास्थ्य और कल्याण में रुचि को बढ़ावा देने जैसे पहलू शामिल थे, इंटरैक्टिव कार्यक्रम जो वरिष्ठ नागरिकों की प्रतिभा और अनुभवों को प्रदर्शित करते थे और कार्यक्रमों के बारे में लक्षित समुदाय से फीडबैक एपिसोड भी थे। ये 52 एपिसोड स्पॉटिफाई पर भी हैं।

दिल्ली में वरिष्ठ नागरिकों को पॉडकास्टिंग सिखाने के लिए एक

प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाया गया। यह सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा एक राष्ट्रव्यापी परियोजना का हिस्सा था। यह सशुल्क प्रशिक्षण था।

जल संरक्षण, नदी संरक्षण, एकल उपयोग प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन जैसे विषयों पर लोगों को यह बताते हुए कि एक व्यक्ति क्या कर सकता है और कैसे प्रत्येक व्यक्ति का योगदान मायने रखता है, प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस भाषण पर आधारित कार्यक्रम, जनोन्मुख कार्यक्रम तैयार किए गए थे।

विशेष और यादगार दिन: महामारी और लॉकडाउन की स्थिति के दौरान भी विशेष दिवसों के लिए विशेष कार्यक्रम तैयार किए गए। उनमें से कुछ स्वच्छता पखवाड़ा, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, विश्व महिला दिवस, चिकित्सक दिवस, योग दिवस आदि हैं।

प्राथमिक हितधारकों के बीच आम सहमति तैयार करने के माध्यम से पर्यावरण अनुकूल, शून्य-अपशिष्ट हरित परिसर के लिए प्रयास शुरू किए गए। यह दो तरीकों से किया गया - एक, पुनर्चक्रण और कचरे को कम करने के संबंध में रेडियो कार्यक्रम बनाकर और दूसरा, जैविक अपशिष्ट पुनर्चक्रण और खाद बनाने के संबंध में मालियों और कैंटीन कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित करके। परिणामस्वरुप, आईआईएमसी ने परिसर के कचरे से जैविक खाद बनाने के लिए एक क्षेत्र का सीमांकन किया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से सीआरएस कार्यक्रमों का लगातार विस्तार किया जा रहा है। अतिरिक्त प्रवर्धन की अपेक्षा की जा सकती है क्योंकि iRadio - अपना रेडियो 96.9 एफएम कार्यक्रमों को अपने पोर्टल के माध्यम से मुफ्त में प्रसारित कर रहा है। यह अभी ट्रायल चरण में है।

इंटर्नशिप/प्रशिक्षण कार्यक्रम: जिस कार्यक्रम को कोविड की स्थिति के कारण छोड़ दिया गया था, उसे एक बार फिर शुरू किया गया।

आईआईएमसी के 5 क्षेत्रीय परिसरों में सीआरएस स्थापित करने की दिशा में प्रयास:

- सभी 5 क्षेत्रीय परिसरों में सीआरएस की स्थापना एक प्राथमिकता है जिसका पालन किया जा रहा है। 5 क्षेत्रीय परिसरों में से - आइजोल और अमरावती को एलओआई जारी किया गया था। इसे आगे बढ़ाते हुए अब हमें इन दोनों जगहों के फ्रीक्वेंसी एलोकेशन के लिए एलओआई मिल गया है।
- जम्मू, ढेंकानाल और कोट्टायम जैसे शेष 3 परिसरों के लिए सीआरएस स्थापित करने हेतु एलओआई प्राप्त करने की प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है।
- ढेंकनाल और कोट्टयम के संबंध में फ्रीक्वेंसी संबंधी मुद्दे हैं, जो आशा है कि जल्द ही सुलझा लिए जाएंगे।
- जम्मू अब अपना स्वयं का भवन बनाने के लिए तैयार है। इसलिए, वहां सीआरएस की स्थापना की जाएगी।
- सामुदायिक रेडियो अधिकारिता और संसाधन केंद्र ने हाल ही में विभिन्न स्तरों पर हितधारकों की क्षमता निर्माण के लिए एमआईबी के सीएस सेल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है।

आउटरीच गतिविधि विभाग

- वर्ष 2021-22 के दौरान, प्रतिष्ठित हस्तियों द्वारा कुल 15 'शुक्रवार संवाद' में व्याख्यान दिया गया, जिसमें प्रोफेसर रमेश सी. भारद्वाज, श्रीमती मोनिका अरोड़ा, डॉ. इंदुमती राव, डॉ. शशांक हेड़ा, श्री बालेंदु शर्मा दधीच, श्री विजय मनोहर तिवारी, प्रो. मक्खन लाल, श्री गिरीश उपाध्याय, डॉ. निवेदिता भिडे, प्रो. कृपा शंकर चौबे, डॉ. जे.के. बजाज, डॉ. सुशील त्रिवेदी, श्री विनय उपाध्याय, मेजर जनरल ध्रुव सी. कटोच और सुश्री मनीषा कपूर शामिल हैं। कोविड महामारी

के कारण अधिकांश 'शुक्रवार संवाद' का आयोजन ऑनलाइन किया गया। लेकिन चूंकि अब मार्च 2022 में परिसर खुल गया है, इसलिए ऑफलाइन गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं।

- अप्रैल 2021 से मार्च 2022 तक कुल दस विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें डॉ. बीआर अंबेडकर जयंती पर श्री रमेश पतंगे, कोविड के पश्चात की अवधि में मीडिया, हिंदी पत्रकारिता की पहली प्रतिज्ञा: देशवासियों की भलाई के लिए विशेष व्याख्यान, भारत में कोविड-19 महामारी का पश्चिमी मीडिया द्वारा कवरेज, सप्रे प्रसंग, शशि शेखर द्वारा आईआईएमसी स्थापना दिवस व्याख्यान, डिजिटल मीडिया आचार संहिता-2021 पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में संयुक्त सचिव श्री विक्रम सहाय द्वारा विशेष व्याख्यान, दीनदयाल उपाध्याय का जन्मदिन समारोह, धर्मपाल प्रसंग और प्रवासी देशो में राम शामिल हैं।

- माननीय केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने 25 सितंबर, 2021 को आईआईएमसी का दौरा किया। उन्होंने पं. दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धांजलि दी। साथ ही उन्होंने आईआईएमसी के आउटरीच गतिविधि विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) प्रमोद कुमार द्वारा लिखित पुस्तक 'दीनदयाल उपाध्याय वर्ल्ड ऑफ लिटरेचर: एनोटेटेड बिब्लियोग्राफी' का भी विमोचन किया।

- 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए।

- आउटरीच गतिविधि विभाग ने पश्चिमी मीडिया द्वारा भारत में कोविड-19 महामारी के कवरेज पर जून, 2021 में विशेष शोध अध्ययन का कार्य किया। अध्ययन के हिस्से के रूप में पश्चिम के नौ चयनित समाचार पत्रों का अध्ययन किया गया। इस विषय पर भारत के प्रतिष्ठित पत्रकारों से हुई चर्चा को शामिल करते हुए इस शोध को जनवरी 2022 में 'इंडियन मीडिया पर्सन्स ओपाइन' नामक विशेष रिपोर्ट के रूप में प्रकाशित किया गया।

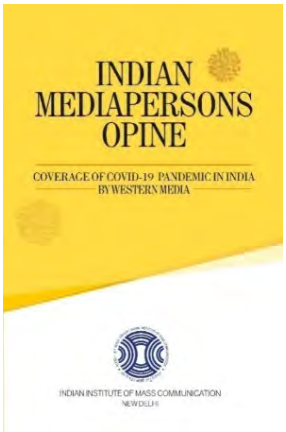

- 'शुक्रवार संवाद' के हिस्से के रूप में दिए गए व्याख्यानों को 369 पृष्ठ की एक अलग पुस्तक में संकलित किया गया है।

पं. युगल किशोर शुक्ल पुस्तकालय एवं ज्ञान संसाधन केन्द्र

संस्थान में देश का सबसे बड़ा जनसंचार का पुस्तकालय है। इसमें जनसंचार और इसके संबंधित विषयों जैसे प्रिंट मीडिया, प्रसारण, विज्ञापन, संचार, संचार अनुसंधान, जनसंपर्क, रेडियो और टेलीविजन,

फिल्म, सूचना प्रौद्योगिकी और पारंपरिक मीडिया के विभिन्न आयामों से संबंधित अंग्रेजी और हिन्दी भाषा में लगभग 37948 पुस्तकें और सजिल्द पत्रिकाओं का संकलन है।

पुस्तकालय ने 111 से अधिक जर्नलों/पत्रिकाओं और 33 प्रमुख समाचार पत्रों की सदस्यता ले रखी है। यह अपने उपयोगकर्ताओं को एक समाचार-पत्र-क्लिपिंग सेवा भी प्रदान कर रहा है, जिसमें जन संचार पर विभिन्न प्रमुख व्यावसायिक जर्नलों और पत्रिकाओं में प्रकाशित लेखों और समाचारों का सम्पूर्ण रिकॉर्ड शामिल होता हैं।

पुस्तकालय पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है और इसने पुस्तकालय सॉफ्टवेयर लिबसिस 10, ऑन-लाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) और ऑनलाइन पत्रिकाओं के नवीनतम संस्करण के माध्यम से अपने हाउसकीपिंग और सेवा संचालनों का स्वत: संचालित किया है, जो कि छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए उपलब्ध है।

पुस्तकालय द्वारा छात्रों, शिक्षकों और शोधार्थियों के लिए एक अत्याधुनिक मल्टीमीडिया और संदर्भ अनुभाग भी विकसित किया गया है।

वर्ष 2021-22 के दौरान पुस्तकालय द्वारा निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया

- दिल्ली मुख्यालय स्थित आईआईएमसी पुस्तकालय का नाम "पं. युगल किशोर शुक्ल पुस्तकालय एवं ज्ञान संसाधन केंद्र" रखा गया।
- मीडिया, संचार और साहित्य की हिंदी/अंग्रेजी में लगभग 335 नई पुस्तकों की खरीद की गई।
- हिन्दी पखवाड़े के दौरान हिन्दी पुस्तकों और पत्रिकाओं की प्रदर्शनी आयोजित की गई।
- वर्ष का स्वच्छता पुरस्कार जीता। पुस्तकों के चयन एवं पत्र-पत्रिकाओं/पत्रिकाओं/समाचार पत्रों की सदस्यता के नवीनीकरण हेतु नवम्बर, 2021 एवं फरवरी, 2022 में पुस्तकालय समिति की बैठकें आयोजित की गयीं।

प्रकाशन विभाग

भारतीय जन संचार संस्थान का प्रकाशन विभाग भारत और दक्षिण एशिया में संचार व्याख्यानों में वृद्धि करने और वर्तमान मीडिया बहस में अपना योगदान देने का प्रयास करता है। विभाग विभिन्न मीडिया संबंधी मुद्दों, नवाचारों और विचारों के बारे में सूचना के प्रसार और जागरूकता पैदा करके जनसंचार और पत्रकारिता के शिक्षण को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। विभाग भारत और विदेशों में विभिन्न ग्राहकों, शोधार्थियों और मीडिया संस्थानों को किफायती शुल्क पर पत्रिकाओं, मैगजीन और पुस्तकों का प्रकाशन और विक्रय करता है। विभाग अंग्रेजी और हिंदी में जनसंचार और पत्रकारिता से संबंधित विभिन्न पुस्तकें प्रकाशित करता रहा है। प्रकाशन विभाग के मुख्य उद्देश्य हैं:

- शिक्षाविदों, मीडिया पेशेवरों और नीति निर्माताओं के बीच संवाद को प्रोत्साहित करना।
- शैक्षणिक और औद्योगिक उपयोग हेमु समृद्ध और प्रामाणिक संसाधन उपलब्ध कराना।
- देश में समकालीन मीडिया अनुसंधान के कल्याण हेतु भारतीय शोधार्थियों को बढ़ावा देना।
- अध्ययन क्षेत्र के रूप में मीडिया के महत्व को प्रचारित करने हेतु व्यापक लोगों को इस तक पहुंच प्रदान करना।

प्रमुख गतिविधियां

1. शोध पत्रिकाएं

कम्युनिकेटर

1965 में शुरू हुआ, 'कम्युनिकेटर' भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) की एक विद्धत समीक्षित पत्रिका है, जो जन संचार से संबंधित मूल शोध प्रकाशित करती है। इसका प्रकाशन आईआईएमसी

के प्रकाशन विभाग द्वारा किया जाता है। आईआईएमसी की यह प्रमुख पत्रिका विद्वानों, पेशेवरों और नीति निर्माताओं को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने हेतु संचार और इससे संबंधित विषयों में उपलब्ध सर्वोत्तम साहित्य को प्रकाशित करने के लिए प्रयासरत है। यह भारत में प्रकाशित होने वाली सबसे पुरानी संचार पत्रिका है। विद्वतापूर्ण प्रकाशनों के अपने उच्च स्तर को बनाए रखने के लिए, कम्युनिकेटर द्वारा ब्लाइंड रिव्यू प्रक्रिया का सख्त अनुपालन किया जाता है। कम्युनिकेटर एक यूजीसी-केयर सूचीबद्ध पत्रिका है, जो प्रामाणिक और मानक शोध अध्ययनों को प्रकाशित करती है।

2021-22 के दौरान कम्युनिकेटर के चार अंक ; खंड एलवीआई (2) अप्रैल-जून 2021, खंड एलवीआई (3) जुलाई-सितंबर 2021, खंड एलवीआई (4) अक्टूबर-दिसंबर 2021 और खंड एलवीआई (1) जनवरी-मार्च 2022 प्रकाशित किए गए थे। इन अंकों में कुल 61 शोध लेखों का प्रकाशन किया गया है।

संचार माध्यम

'संचार माध्यम' मीडिया और इससे संबंधित मुद्दों को प्रकाशित करने वाली एक प्रमुख समीक्षित शोध पत्रिका है। यह संचार, मीडिया और पत्रकारिता से संबंधित विषयों पर विभिन्न प्रकार के विचारों, टिप्पणियों और शोध पत्रों की अभिव्यक्ति और प्रकाशन का एक प्रमुख मंच है। संचार माध्यम एक यूजीसी-केयर सूचीबद्ध पत्रिका है, जो हिंदी भाषा में प्रामाणिक और मानक शोध अध्ययन को प्रकाशित करती है।

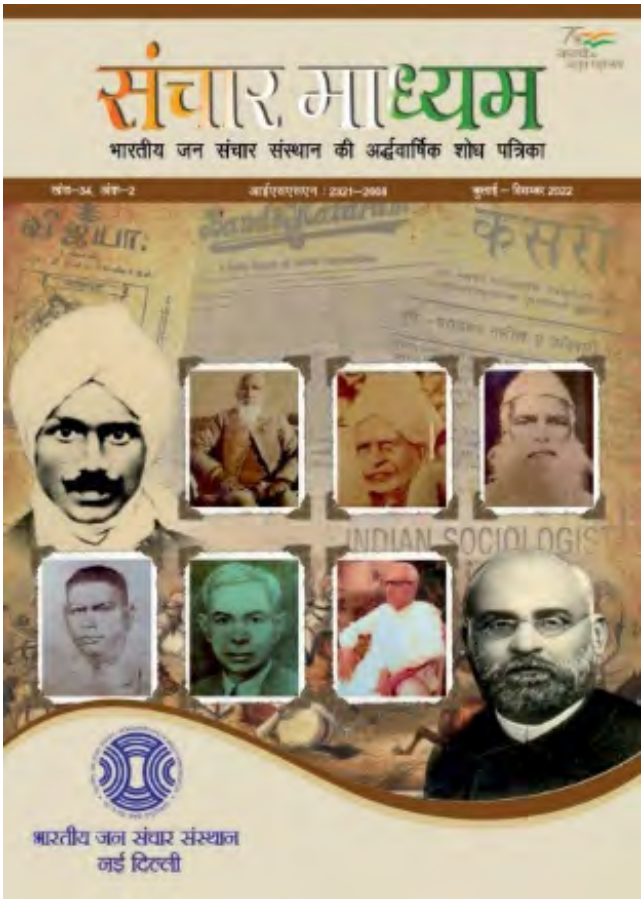

2021-22 के दौरान संचार माध्यम के दो अंक – खंड 33(1) जनवरी-जून 2021 और खंड 33 (2) जुलाई-दिसम्बर 2021 का प्रकाशन किया गया। दोनों अंकों में कुल 36 शोध लेख प्रकाशित किए गए।

2. पत्रिकाएं

संचार सृजन

प्रकाशन विभाग ने दिसंबर, 2021 को 'संचार सृजन' खंड 1 अंक 1 (त्रैमासिक) के पहले अंक का प्रकाशन किया है। समकालीन मीडिया मुद्दों पर केन्द्रित, इस पत्रिका में भारत और विदेशों की मुख्य मीडिया से संबंधित गतिविधियां, पुस्तक समीक्षा, फोटो फीचर इत्यादि शामिल हैं।

राजभाषा विमर्श

प्रकाशन विभाग ने माह दिसंबर, 2021 को राजभाषा विमर्श खंड 1 अंक 1 (त्रैमासिक) का पहला अंक जारी किया है। यह पत्रिका राजभाषा हिंदी को समर्पित है, जिसमें केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी भाषा और इसके कार्यान्वयन, हिंदी साहित्य पर लेख, प्रसिद्ध कहानियाँ, पुस्तक समीक्षाएँ आदि शामिल हैं।

आईआईएमसी न्यूजलैटर

प्रकाशन विभाग द्वारा जुलाई 2021 में 'आईआईएमसी न्यूज' का पहला अंक प्रकाशित किया गया। आईआईएमसी न्यूज में

आईआईएमसी मुख्यालय के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों में घटित होने वाली सभी गतिविधियों की जानकारी शामिल रहती है। कार्यशालाओं/ बैठकों/सम्मेलनों/संगोष्ठियों/ संगोष्ठियों /शुक्रवार संवाद के आयोजन, समझौता ज्ञापनों, क्षमता निर्माण कार्यक्रम, नई पहल, आईआईएमसी क्षेत्रीय केंद्रों की रूपरेखा, समारोह, आईआईएमसी संकाय और कर्मचारियों की उल्लेखनीय व्यक्तिगत उपलब्धियां जैसे प्रकाशित पुस्तकें, पुरस्कार, पीएच.डी. सम्मान, दौरे, प्रशिक्षण, /पाठ्यक्रम/लघु कार्यक्रम, नियुक्तियां/स्थानांतरण/सेवानिवृत्ति/ पदोन्नति, आईआईएमसी पुस्तकालय और नए प्रकाशन (पुस्तकें/ पत्रिकाएं), पूर्व छात्र संवाद आदि का तिमाही आधार पर नियमित रूप से प्रकाशन किया जा रहा है।

नई पहलें

आईआईएमसी पत्रिकाओं में प्रभावशाली परिवर्तन

पत्रिकाओं के रूप और डिजाइन के स्वरूप, मास्टहेड, गुणवत्ता इत्यादि सहित कई सौंदर्यपरक परिवर्तन किए गए हैं। मानकीकृत घटकों सहित दिखने में आकर्षक डिजाइन वाली पत्रिका के संबंध में पत्रिकाओं की वर्धित दृश्यता ने मुद्रण स्थान को सुरक्षित किया है और विभिन्न गुणवत्ता वाले पेपर को समायोजित करने हेतु दूरगामी अवसर उपलब्ध कराया है। पत्रिका में किए गए इन सुधारों से सर्वोत्तम लाभ प्राप्त करने हेतु, टिप्पणियों के साथ- साथ अधिक अभ्यास-आधारित लेखों, अत्याधुनिक सामग्री और महत्वपूर्ण समीक्षा लेखों को प्रकाशित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इन परिवर्तनों का मुख्य उद्देश्य प्रदर्शन आंकड़ों में उच्च अंक प्राप्त करना और पत्रिका रैंकिंग सूचियों में शीर्ष पर पहुंचना है।

पाठ्य पुस्तक कार्यक्रम

पत्रकारिता और जनसंचार के क्षेत्र में हमेशा से ही गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकों की मांग रही है, लेकिन मानक पाठ्यपुस्तकों की मांग और आपूर्ति में भारी अंतर देखा गया है। वर्तमान में, भारतीय प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित पत्रकारिता और जनसंचार से संबंधित कई पाठ्यपुस्तकें मौजूद हैं, लेकिन विषय विशेषज्ञों, पेशेवरों और शिक्षाविदों द्वारा हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में लिखित गुणवत्तायुक्त पाठ्यपुस्तकों की कमी है। इसे दृष्टिगत रखते हुए, विभिन्न हितधारकों को हिन्दी सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं में गुणवत्तापूर्ण मानक पाठ्य-पुस्तकें उपलब्ध कराने के प्रयोजनार्थ भारतीय जन संचार संस्थान के प्रकाशन विभाग ने हिंदी, मराठी, मलयालम, उड़िया और उर्दू भाषाओं में पत्रकारिता और जनसंचार की गुणवत्तापूर्ण पाठ्य पुस्तकों के प्रकाशन हेतु 'पाठ्य पुस्तक प्रकाशन कार्यक्रम' तैयार किया है। इस कार्यक्रम की शुरुआत हिंदी भाषा में किताबों से की जा रही है, इसके बाद अन्य भारतीय भाषाओं में किताबें लिखी जा रही हैं। इन पाठ्य पुस्तकों के प्रकाशन का उद्देश्य जनसंचार के सभी छात्रों के पाठ्यक्रम को एकरूप बनाना है। इस प्रकार, भारतीय जन संचार संस्थान द्वारा प्रकाशित पुस्तकें जनसंचार और मीडिया के छात्रों और अन्य मीडिया कर्मियों के ज्ञान वर्धन में सहायक होंगी। मीडिया अध्ययन के विभिन्न विषयों पर हिंदी भाषा में पुस्तक प्रस्ताव आमंत्रित करते हुए पाठ्यपुस्तक कार्यक्रम की शुरूआत की गई है।

कम्युनिकेटर और संचार माध्यम संबंधी मापदंडों की निगरानी

कम्युनिकेटर और संचार माध्यम के संबंध में लेखकों के विस्तृत दिशानिर्देश प्रकाशित किए गए हैं। लेखकों के दिशा-निर्देशों का उद्देश्य विश्व स्तर पर पत्रिकाओं की मौजूदगी को सुदृढ़ करने के साथ-साथ भावी लेखकों को स्पष्ट दिशा-निर्देश उपलब्ध कराना है। बदलती प्रौद्योगिकियों ने मंचों को उभार दिया है, इसलिए लेखकों के लिए सु-व्यवस्थित दिशा-निर्देश होने आवश्यक है। इन दिशा-निर्देशों को संबंधित पेशेवरों से इनपुट लेने के बाद तैयार किया गया है।

संपादकों, प्रूफ-रीडरों, अनुवादकों और ऑफसेट प्रिंटरों को पैनलीकरण

आईआईएमसी का प्रकाशन विभाग वर्तमान में दो शोध पत्रिकाओं 'कम्युनिकेटर' और 'संचार माध्यम' जो कि विशेषज्ञ समीक्षित है और यूजीसी-केयर सूचीबद्ध पत्रिकाओं का क्रमशः त्रैमासिक और छमाही आधार पर प्रकाशन कर रहा है। इन पत्रिकाओं के अलावा, अंग्रेजी भाषा में पाठ्यपुस्तकें भी प्रकाशित की जा रही हैं। प्रकाशन कार्यक्रम के तहत कुछ नए प्रकाशन जैसे आईआईएमसी न्यूज़लैटर, संचार सृजन और राजभाषा विमर्श का भी प्रकाशन किया जा रहा है। आईआईएमसी ने हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तक प्रकाशन कार्यक्रम की शुरूआत की है। जैसा कि परिकल्पना की गई है, उच्च स्तरीय गुणवत्ता प्राप्त करने और पुस्तकों के मानक को बनाए रखने हेतु पाठ्यपुस्तकों को अनुमोदित सामग्री के अनुसार ही तैयार किया जाएगा। उच्च स्तरीय गुणवत्ता बनाए रखते हुए प्रकाशन से जुड़ी सभी संबंधित गतिविधियों को एक समय सीमा की प्रणाली में पूरा किया जाना है। प्रकाशनों की विस्तृत श्रृंखला (पाठ्यपुस्तकें, लोकप्रिय पुस्तकें, तकनीकी बुलेटिन, रिपोर्ट, आवधिक पत्रिकाएं और मोनोग्राफ इत्यादि) के कार्य में तेजी

लाने के लिए, संपादकों, प्रूफ-रीडर, अनुवादकों और ऑफसेट प्रिंटरों को पैनलबद्ध करने हेतु विस्तृत संदर्भ शर्तों को तैयार किया गया है। ।

इंडियन साइटेशन इंडेक्स में कम्युनिकेटर पत्रिकाओं के सूचीकरण हेतु इनपुट

'कम्युनिकेटर' अब भारतीय इंडियन साइटेशन इंडेक्स में सूचीबद्ध है। इंडियन साइटेशन इंडेक्स (आईसीआई) लगभग 1000 शीर्ष भारतीय विद्वानों की पत्रिकाओं के बहु-विषयक वस्तुनिष्ठ सूचना/ज्ञान सामग्री वाला एक स्वदेशी सार और उद्धरण डेटाबेस है। यह मूल रूप से शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं, निर्णय-निर्माताओं आदि को खोज और मूल्यांकन करने के लिए एक सुदृढ़ सर्च इंजन प्रदान करता है। यह कम्युनिकेटर के लिए एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि यह देशभर की शीर्ष संचार पत्रिकाओं में अपनी पहुंच, प्रभावी कारक और लोकप्रियता को बढ़ाएगा। आईसीआई में हमारी प्रमुख पत्रिका को सूचीबद्ध किया जाना हमारी पत्रिका के प्रभाव कारक को बढ़ाने और आगे ले जाने की दिशा में एक कदम है।

मुद्रणालय

संस्थान में मौजूद एक स्वचालित प्रिंटिंग प्रेस और ग्राफिक्स विंग संस्थान के छात्रों को मुद्रण तकनीक और डेस्कटॉप प्रिंटिंग में प्रशिक्षण देने के अलावा ग्राफिक डिजाइन, ऑफसेट और सिल्क स्क्रीन प्रिंटिंग की सुविधाएं प्रदान करता है।

प्रिंटिंग प्रेस में प्रोसेसिंग और बाइंडिंग सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के सभी प्रश्नपत्र, सेमेस्टर परीक्षा के सभी प्रश्नपत्र और आईआईएमसी के अधिकांश प्रकाशन इन-हाउस प्रिंटिंग प्रेस में ही मुद्रित किए जाते हैं।

आईआईएमसी की प्लान स्कीम

'अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप आईआईएमसी का उन्नयन' करने की योजना को ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में शामिल किया गया। इसके लिए कुल 62.00 करोड़ रुपए की राशि अनुमोदित की गई, जिसमें 51.50 करोड़ रुपए की सरकारी अनुदान सहायता देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है।

इस योजना के प्रस्तावों में नई दिल्ली में आईआईएमसी परिसर का उन्नयन अर्थात मौजूदा मुख्य भवनों के ऊपर एक अतिरिक्त मंजिल का निर्माण, व्याख्यान खंड का निर्माण और खाली ज़मीन पर नये भवनों का निर्माण किया जाना शामिल था। इस योजना में ओड़िशा के ढेंकनाल स्थित आईआईएमसी के पूर्वी परिसर में नये भवनों का निर्माण और साथ ही जम्मू में उत्तरी क्षेत्रीय परिसर का निर्माण, केरल में दक्षिणी क्षेत्रीय परिसर का निर्माण, मिजोरम में पूर्वोत्तर क्षेत्रीय परिसर और महाराष्ट्र में पश्चिमी क्षेत्रीय परिसर का निर्माण सहित आईआईएमसी के चार नए क्षेत्रीय परिसरों की शुरुआत शामिल था।

- नई दिल्ली स्थित आईआईएमसी मुख्यालय में अतिरिक्त मंजिलों और व्याख्यान खंड का निर्माण वर्ष 2011 में पूरा हो गया। रिज प्रबंधन बोर्ड से एनओसी प्राप्त करने में देरी के कारण नई दिल्ली परिसर में खाली पड़ी भूमि में नए भवनों का निर्माण रुका हुआ था। अब सेंटर एम्पावर्ड कमेटी ने परियोजना को मंजूरी दे दी है और उम्मीद है कि निर्माण कार्य वर्ष 2023 में शुरू हो जाएगा। ढेंकनाल में नए भवन का निर्माण वर्ष 2014 में पूरा हो गया।
- दो नए क्षेत्रीय परिसर अर्थात महाराष्ट्र में अमरावती और मिजोरम में आइज़ोल अगस्त 2011 से प्रारंभ हो गए, जबकि अन्य दो क्षेत्रीय परिसर, एक जम्मू में और दूसरा केरल में अगस्त 2012 से प्रारंभ हो गए हैं।
- ये सभी क्षेत्रीय परिसर संबंधित राज्य सरकारों/स्थानीय विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान किए गए अस्थायी परिसरों में स्थित थे।
- इस बीच, आईआईएमसी ने केरल, जम्मू-कश्मीर और मिजोरम में स्थायी परिसरों के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है।
- कोट्टायम, केरल में स्थायी परिसर का काम पूरा हो चुका है और 2019-2020 के सत्र से कक्षाएं नवनिर्मित परिसर से संचालित की गई हैं।
- आइजोल का स्थायी परिसर लगभग पूरा हो गया है और 2022-23 का सत्र नए परिसर से शुरू होगा।
- जम्मू में नए भवन का निर्माण लगभग पूरा हो गया है और 2022-23 सत्र नए परिसर से शुरू होगा।
- अमरावती महाराष्ट्र में क्षेत्रीय परिसर का निर्माण विभिन्न कारणों से शुरू नहीं किया जा सका, जिसे अब सुलझा लिया गया है और अनुमान है कि निर्माण कार्य वर्ष 2023 में शुरू हो जाएगा।

स्वच्छ भारत मिशन

स्वच्छ भारत मिशन के एक भाग के रूप में, 16 से 31 जनवरी, 2022 तक आईआईएमसी में स्वच्छता पखवाड़ा 2022 का आयोजन किया गया, जिसके दौरान आईआईएमसी की वेबसाइट पर स्वच्छता संदेश प्रदर्शित करना, सभी के द्वारा स्वच्छता शपथ लेना, मुख्यालय और क्षेत्रीय परिसरों में विशेष स्वच्छता अभियान, विशेष वृक्षारोपण अभियान कर्मचारियों और छात्रों के लिए प्रतियोगिताएं, फोटो प्रदर्शनी इत्यादि जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं इसके अलावा, प्रत्येक सप्ताह नियमित रूप से स्वच्छता गतिविधियों का भी आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

आईआईएमसी नई दिल्ली मुख्यालय और इसके सभी क्षेत्रीय परिसरों ढेंकनाल (ओडिशा), आइजोल (मिजोरम), अमरावती (महाराष्ट्र), जम्मू (जम्मू और कश्मीर) और कोट्टयम (केरल) में इनके अधिकारियों, संकाय, प्रशिक्षु आईआईएस अधिकारियों और कर्मचारियों के द्वारा पूरे जोश के साथ 21.06.2021 को सातवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) मनाया गया। इसके अलावा, इस अवधि के दौरान आईआईएमसी के अपना रेडियो द्वारा भी योग कार्यक्रमों की एक श्रृंखला प्रसारित की गई।

वेलनेस सेंटर

दिल्ली परिसर में एक वेलनेस सेंटर कार्यरत है जहां एलोपैथिक, आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक डॉक्टर सोमवार से शुक्रवार तक उपलब्ध रहते हैं। इसी तरह की सुविधा ढेंकनाल परिसर में भी उपलब्ध है। सभी परिसरों में आपातकालीन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

नागरिक /ग्राहक चार्टर और शिकायत निवारण तंत्र

नए दिशानिर्देशों के अनुसार जनवरी, 2022 में नया नागरिक चार्टर तैयार किया गया और आईआईएमसी की वेबसाइट पर डाला गया है। इस नागरिक चार्टर के अनुसार, कोई भी नागरिक संस्थान से संबंधित अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है और शिकायत निवारण की मांग कर सकता है। संस्थान के एक अधिकारी को लोक शिकायत अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। संस्थान द्वारा प्राप्त शिकायतों की जांच की जाती है और सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से निवारण किया जाता है। आईआईएमसी के लोक शिकायत अधिकारी का पता है:

अपर महानिदेशक
भारतीय जन संचार संस्थान
अरूणा आसिफ अली मार्ग, नई दिल्ली – 110067

कोई भी व्यक्ति जो आईआईएमसी की किसी सेवा से संतुष्ट नहीं है, या संस्थान की किसी भी कार्रवाई से असंतुष्ट है, लोक शिकायत अधिकारी को संबोधित करके अपनी शिकायत के निवारण की मांग कर सकता है। ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को शिकायत प्राप्त होने की तारीख से 30 दिनों की अवधि के भीतर उसकी शिकायत पर की गई कार्रवाई के बारे में सूचित करने का अधिकार होगा।

यदि कोई समाज/संस्थान का सदस्य अपनी शिकायत के संबंध में लोक शिकायत अधिकारी से मिलना चाहता/चाहती है, तो वह सभी कार्य दिवसों में बिना किसी पूर्व नियोजित भेंट के कार्यालय में मिल सकता/सकती है।

आंतरिक शिकायत समिति

महिलाओं का कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतितोष और प्रतिषेध) अधिनियम, 2013 के संदर्भ में शिकायत निवारण तंत्र के हिस्से के रूप में 2021 के दौरान आईआईएमसी में एक गैर-सरकारी सदस्य के साथ पांच सदस्यीय आंतरिक शिकायत समिति का पुनर्गठन किया गया है।

जागरूकता फैलाने के लिए उठाए गए कदम

- कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।
- इस विषय पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- भारतीय जन संचार संस्थान के दिल्ली के परिसर और सभी क्षेत्रीय परिसरों में सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों स्थानों पर इस समस्या पर 'कड़ा रुख अपनाने' के पोस्टर लगाए गए।

शिकायत निवारण प्रकोष्ठ

आईआईएमसी के सभी कर्मचारियों और संकाय की शिकायतों को दूर करने हेतु आईआईएमसी में एक शिकायत निवारण प्रकोष्ठ मौजूद है।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

जहां तक सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के कार्यान्वयन का संबंध है, प्रो. (डॉ.) वीरेंद्र कुमार भारती को सीपीआईओ; आरटीआई अधिनियम के तहत पारदर्शिता अधिकारी के रूप में महानिदेशक और अपीलीय प्राधिकारी के रूप में अपर महानिदेशक को नामित किया गया है।

डीओपीटी के दिनांक 1/34/2013-आईआर के आदेश अनुसार, स्वत: संज्ञान प्रकटीकरण की तृतीय पक्ष पारदर्शिता लेखापरीक्षा (अधिनियम द्वारा अधिदेशित है और सभी को संस्थानों को उनकी वेबसाइट पर जानकारी अपलोड करके इसका अनुपालन करना होगा) मंत्रालय/विभाग/सार्वजनिक प्राधिकरण के तहत और राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के सभी प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा की जानी है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, इस वर्ष आईआईएमसी को सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत 23 सार्वजनिक प्राधिकरणों के लिए पारदर्शिता लेखा परीक्षा का कार्य सौंपा गया था। इसके अलावा, आईआईएमसी ने 10 अन्य लोक प्राधिकरणों की तृतीय पक्ष पारदर्शिता लेखा परीक्षा की है और लगभग 4.25 लाख रु. की आय सृजित की है।

पारदर्शी लेखा परीक्षा का कार्य एक समयबद्ध, महत्वपूर्ण और विस्तीर्ण कार्य है और इस पूरे कार्य को इस कार्य हेतु विशेष रूप से गठित एक विशेष प्रकोष्ठ द्वारा पूर्ण किया जाता है।

आचार संहिता

पेशेवर मीडिया प्रशिक्षण के क्षेत्र में आईआईएमसी एक उत्कृष्ट संस्थान है और इसलिए, मीडिया क्षेत्र के व्यवसायिक पाठ्यक्रमों के सही और समयबद्ध प्रचालन हेतु अनुशासन और आचरण के उच्चतम मानक सुनिश्चित किए जाने आवश्यक हैं। इसलिए, शैक्षणिक मामलों और व्यक्तिगत व्यवहार के संबंध में छात्रों से अपेक्षित अपेक्षाओं का एक स्पष्ट और पारदर्शी विवरण प्रदान करने हेतु भारतीय जनसंचार संस्थान के छात्रों के लिए आचार संहिता और अनुशासनात्मक नीतियों को तैयार किया गया है। संस्थान, इसके छात्रों और कर्मचारियों आचार संहिता संस्थान या इसके छात्रों और कर्मचारियों से संबंधित या उन्हें प्रभावित करने वाले सभी कार्यों और गतिविधियों के संबंध में यह आचार संहिता आईआईएमसी, नई दिल्ली और इसके क्षेत्रीय परिसरों के सभी छात्रों पर लागू होती है। यह आईआईएमसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

अनुशासनात्मक समिति

आईआईएमसी के छात्रों से जुड़े अनुशासनात्मक मामलों के निपटान हेतु संस्थान में एक अनुशासनात्मक समिति का गठन किया गया है।

एससी/एसटी प्रकोष्ठ

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्रों के हितों की रक्षा करने और दिल्ली परिसर और क्षेत्रीय परिसरों में उनकी शिकायतों/समस्याओं के निपटान हेतु एक अलग अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ सृजित किया गया है।

परिशिष्ट "क"

भारतीय जन संचार संस्थान

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठयक्रम 2020-21 की पुरस्कार सूची

हिन्दी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठयक्रम

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री अदिति अग्निहोत्री
2	पंडित बनारसीदास चतुर्वेदी पुरस्कार	श्री अभिषेक वर्मा
3	श्री अशोक जी पुरस्कार	श्री अनुराग मिश्रा

उर्दू पत्रकारिता, नई दिल्ली में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1	आईआईएमसी पुरस्कार	कुमारी शबीना अंजुम

विज्ञापन और जन संपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	श्री अचिन गांगुली मेमोरियल पुरस्कार	सुश्री तनीषा कुमार
2.	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री तबीना उफ़क
3.	श्री अनिल बसु मेमोरियल पुरस्कार	सुश्री तान्या अदलखा
4.	पीआरएसआई पुरस्कार	सुश्री तारिणी वालिया
5.	पीएसपीआरएफ पुरस्कार	सुश्री मुस्कान भाटिया सुश्री नंदिनी अग्रवाल
6.	बाबा साहेब डॉ. बी आर अम्बेडकर पुरस्कार	सुश्री इतिसा सरकार

रेडियो और टीवी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री अनुष्का श्रीवास
2.	जीटीवी पुरस्कार	श्री वैभव माथुर
3.	टीवी टुडे पुरस्कार	श्री कुमार शुभम
4.	सीएनएन पुरस्कार	श्री राहुल त्रिपाठी
5.	जीटीवी पुरस्कार	सुश्री तान्या राणा
6.	प्रसार भारती पुरस्कार	श्री हिमांशु जैन

अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, नई दिल्ली

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	श्री रुशिल सैनी
2.	द हिन्दू पुरस्कार	सुश्री पूर्वी सपड़ा
3.	डेक्कन हेराल्ड पुरस्कार	सुश्री शुभ्रा पर्णा देब

अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, ढेंकनाल परिसर (ओडिशा)

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री ख्याति सेंगर
2.	बाबा साहेब डॉ बी आर अम्बेडकर पुरस्कार	सुश्री दिव्या
3.	नाल्को पुरस्कार	सुश्री स्वयं सम्पूर्ण नंदा

अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, आइज़ोल परिसर (मिजोरम)

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	श्री अनमोल सिंगला

अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, अमरावती परिसर (महाराष्ट्र)

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री दीप्ति यादव

अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, जम्मू परिसर (जम्मू और कश्मीर)

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री महक पाल

अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम कोट्टयम परिसर (केरल)

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	श्री अक्षय गोपाल बी एस

उड़िया पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, ढेंकनाल परिसर (ओडिशा)

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	श्री याज्ञसेनी धल
2.	डॉ. हरेकृष्ण महताब स्मारक पुरस्कार	श्री आदित्य जेना
3.	बाबा साहेब डॉ बी आर अम्बेडकर पुरस्कार	श्री शुभंकर जेना

मराठी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, अमरावती परिसर (महाराष्ट्र)

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री कोमल जगदेव इंगळे

मलयालम पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, कोट्टयम परिसर (केरल)

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री लक्ष्मीप्रिया पी मोहन

परिशिष्ट 'ख'

संकाय
नई दिल्ली

महानिदेशक
प्रो. संजय द्विवेदी

अपर महानिदेशक
श्री सतीश के. नम्बूदिरिपाड (जनवरी 23, 2020 -अक्टूबर 24, 2021)
श्री आशीष गोयल (अवधि : अक्टूबर 25, 2021 से)

आईआईएमसी संकाय

1.	प्रो. (डॉ.) मृणाल चटर्जी	क्षेत्रीय निदेशक, ढेंकनाल परिसर
2.	प्रो. (डॉ.) गोविंद सिंह	डीन अकादमिक एवं पाठ्यक्रम निदेशक, आरटीवी
3.	प्रो. (डॉ.) आनंद प्रधान	पाठ्यक्रम निदेशक, हिंदी पत्रकारिता
4.	प्रो. (डॉ.) शाश्वती गोस्वामी	विभागाध्यक्ष, कम्युनिकेशन रिसर्च
5.	प्रो. (डॉ.) सुनेत्रा सेन नारायण	प्रोफेसर
6.	प्रो. (डॉ.) अनुभूति यादव	पाठ्यक्रम निदेशक, विज्ञापन एवं जनसंपर्क
7.	प्रो. (डॉ.) सुरभि दहिया	पाठ्यक्रम निदेशक, अंग्रेजी पत्रकारिता
8	प्रो. (डॉ.) वीरेंद्र कुमार भारती	विभागाध्यक्ष, प्रकाशन
9	प्रो. (डॉ.) प्रमोद कुमार	पाठ्यक्रम निदेशक, उर्दू पत्रकारिता/विभागाध्यक्ष, आउटरीच एक्टीविटीज डिपार्टमेंट/विभागाध्यक्ष, प्लेसमेंट सेल
10	प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार	पाठ्यक्रम निदेशक, विकास पत्रकारिता/निदेशक, प्रशासन एवं परीक्षा
11	प्रो. (डॉ.) संगीता प्रणवेंद्र	विभागाध्यक्ष, अपना रेडियो
12	प्रो. (डॉ.) अनिल सौमित्र	क्षेत्रीय निदेशक , अमरावती परिसर
13	प्रो. (डॉ.) राकेश गोस्वामी	क्षेत्रीय निदेशक , जम्मू परिसर
14	डॉ. रिंकु पेगु	आईआईएस विभाग
15	डॉ. पवन कौंडल, सह आचार्य	प्रकाशन एवं राजभाषा (15 मार्च, 2022 से)
16	डॉ. राकेश उपाध्याय, सह आचार्य	हिन्दी पत्रकारिता (15 मार्च, 2022 से)

17	डॉ. रचना शर्मा, सह आचार्य	डिजिटल मीडिया (17 मार्च, 2022 से)
18	डॉ. दिलीप कुमार, सह आचार्य	आईआईएमसी जम्मू (17 मार्च, 2022 से)
19	डॉ. राजेश कुशवाहा, सह आचार्य	आईआईएमसी अमरावती (21 मार्च, 2022 से)
20	डॉ. मीता उज्जैन, सह आचार्य	विज्ञापन एवं जनसंपर्क (22 मार्च, 2022 से)
21	डॉ. विनीत कुमार झा उत्पल, सह आचार्य	आईआईएमसी जम्मू (21 मार्च, 2022 से)

ANNUAL REPORT

2021-2022

INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION

New Delhi

INTRODUCTION

The Indian Institute of Mass Communication (IIMC), registered as a Society under the Societies Registration Act, 1860 (XXI of 1860), came into existence on August 17, 1965. It was established with the basic objective of teaching, training and undertaking research in the areas of media and mass communication.

The Institute began with a modest staff strength of four Professors and one Consultant from UNESCO, besides the Director. The Institute organized training courses for the Central and State Information Service Officers, as well as some foreign trainees under the Colombo Plan and also undertook research studies on a small scale. Over the last 57 years, the Institute has graduated into conducting a number of specialized courses for meeting the diverse and demanding requirements of the rapidly expanding and changing media industry in modern times, in keeping with its original mandate "to provide media training to the personnel of the Central and State Governments, to make available facilities for training and research to meet the information and publicity needs of the public and private sector industries."

As on 31st March, 2022, apart from training officers of the Indian Information Service, the Institute is conducting a number of Post-Graduate Diploma Courses in Print Journalism (English, Hindi, Odia, Urdu, Marathi and Malayalam), Radio & T.V. Journalism and Advertising & Public Relations. The Institute also conducts a Diploma Course in Development Journalism for middle-level working journalists from Asian, African, Latin American and East European countries, sponsored by the Ministry of External Affairs, Government of India presently under the ITEC, SCAAP and TCS of Colombo Plan Schemes. A number of specialized short-term courses, ranging from one week to four weeks, are also organized especially for defence officers and police officers and also to meet the ever-growing training needs of communication professionals working in various media, publicity and operational outfits of the Central and State Governments, as well as Public Sector Organizations. The Institute also collaborates with different national and international agencies in conducting trainings, seminars, workshops, etc. and in undertaking of joint research projects.

In recent times, mass communication has undergone a paradigm shift and has emerged as a major area of activity which greatly impacts the process of decision-making. It has rapidly acquired importance and prominence and has become a major attraction for students across academic disciplines. The Information Technology revolution has significantly contributed to the expansion and changing of contours of the mass media landscape. This has posed major challenges for students, teachers and practitioners of the discipline. Rapidly changing technology is transforming the very complexion of the discipline in a manner unknown to any other area of academic activity. The need of the hour undoubtedly is to respond effectively to the emerging challenges for maintaining and enhancing the effectiveness of mass media, while simultaneously exploring and expanding the engagement with the new media.

Accordingly, the Institute continuously evaluates and revises its course curricula so as to effectively meet contemporary challenges thrown up by the fast-changing environment. This enables the effectiveness of the Courses being run by the Institute, even in the changed scenario.

The Institute equips individuals who aspire to be associated with a variety of media institutions with the basic skills and techniques requires and provides them insights into different dimensions of the field. An attempt is made by the Institute to help its students develop into useful members of the society, with the dissemination of information and communication being aptly considered to be a crucial ingredient of the development process. This is what gives the Institute and its alumni a distinct identity and character.

The Institute continuously endeavours to contribute towards the creation and strengthening of an information structure suitable not only for

Indian requirements, but also for those of other developing countries. IIMC provides its expertise and consultancy services to other institutions, in response to requests received from departments and entities of the Central and State Governments, Public Sector Organizations, Universities and other academic Institutions.

With the growing popularity of the Institute's training activities and to meet regional aspirations, the Institute opened, in 1993, a Regional Campus at Dhenkanal, (Odisha), which was followed by setting up of Regional Campuses at Amravati (Maharashtra), Kottayam (Kerala), Aizawal (Mizoram) and Jammu (J & K). The Regional Campuses conduct two Courses - are Post-graduate Diploma Courses in Journalism (English & Odia) at Dhenkanal campus, Journalism in English & Marathi at Amravati campus and Journalism in English & Malayalam at the Kottayam campus. Regional Campuses of IIMC at Aizawl and Jammu, are offering Post-graduate Diploma Courses in Journalism in English only.

Through its continuous hard work over the half century of its existence and as a result of its excellent delivery mechanisms, the Institute has consistently retained the enviable reputation of a Centre of Excellence in the arena of communication teaching, training and research.

TRAINING OF INDIAN INFORMATION SERVICE OFFICERS

Phase I Induction Training of 2020 batch

The IIS Training Division has successfully conducted the Phase I Induction Training for 16 Indian Information Service Officers (Group A) during the second wave of COVID Pandemic. The 10-month long Induction Training Programme which began in January, 2021 at IIMC was completed on 14th December, 2021. Due to COVID-19 situation, the training was prominently on online mode till the situation normalized.

Highlights of the Training

- Attachment with Parliament Research & Training Institute for Democracies (PRIDE) with an objective to familiarize the OTs with the conduct of Business in Parliament and various related procedures.

- Attachment with Film and Television Institute of India, Pune for a 3-week-long online course in Film Appreciation and Smartphone Film Making.
- Three-week long special module on Social Sector and Economic Sector Communication was organized with a view to provide the OTs a 360-degree understanding of the challenges involved in communicating about the social welfare schemes and developmental initiatives of the government. The Module was conducted by senior bureaucrats and eminent experts from the field of policy communication, behaviour change communication, and from international organizations.
- One-week-long special module on Internal

Security, Crisis Communication & Psy-ops was organized with resource persons from the Ministry of Home Affairs who discussed with the OTs the need to handle the communication challenges with sensitivity, expertise and professionalism.

- One-week module on Defence & Strategic Communication and Public Diplomacy was organized with the support of the Ministry of Defence.
- One-week module on Organizational Management Principles and Leadership Skills was organized with the support of Management Development Institute (MDI), Gurugram. In addition, a week-long workshop was held on Leadership Theories, Attributes and Behaviour.
- Special sessions on Social Media Communication with focus on managing different platforms, creating infographics, data analytics and online tools for identifying fake news, were organized.
- Various Sessions on Media Ethics, Media Laws, Regulatory Policies and other statutory provisions related to media and communication were conducted. Also, sessions were organised on Emerging Technologies in Communication including Artificial Intelligence, OTT and data visualization.
- The training also included sessions on Office Administration and Procedures, File Management, Financial Management and Civil Service Conduct Rules among others.
- The OTs also visited media organizations under the Ministry of Information & Broadcasting such as Prasar Bharati, Registrar of Newspaper for India, Directorate of Publications Division, Press Information Bureau, Central Bureau of Communication, Directorate of Films Festivals, Electronic Media and Monitoring Centre, and the New Media Wing.
- Organizations outside Delhi, such as the Films Division, Mumbai and the Satyajit Ray Film & Television Institute (SRFTII), Kolkata arranged special online sessions for the OTs as part of the familiarization training.
- In addition, separate Workshops on Gender Sensitization & Communication, Technology Foresights were organized. The OTs also visited a Community Radio Station and interacted with the local people.

- At the end of their online class-room sessions, the OTs proceed for the Regional Attachment in four separate groups. The 3-week-long assignment was aimed at providing the OTs a close view of the regional communication perspective and practices. They visited various organizations – PIB, ROB, RNUs - under the Ministry of I&B located in Hyderabad/ Jammu/ Bhubaneshwar/Jaipur. They interacted with various functionaries and participated in communication programmes in the regions.
- In continuation of the online attachment with FTII, the OTs attended a one-week long offline module with FTII, Pune.
- During the training, the OTs were also given exposure to a foreign language (Mandarin/ Spanish). The language classes continued through online format during their On-the-Job Training as well.
- On-the-Job Training (OJT) - At the end of the classroom sessions and Regional Attachment, the OTs proceeded on to OJT with various media organizations under the Ministry of I&B.
- All the sessions in the Training were organized with a view to help the OTs acquire a wide perspective of the emerging paradigms and approaches of media and mass communication

and its vital role in ensuring citizen-welfare, social cohesion and development in the country. The training also intended to instill in the OTs the required set of ethical values and attitude suitable for a Civil Servant.

Phase I Induction Training of 2021 batch

The IIS Training Division at present is organizing the Phase I Induction Training for 21 Indian Information Service Officers (Group A). The Officer Trainees are from the recruitment batches of 2020 and 2021. The present Training has started on March 21, 2022. In the initial week, the OTs interacted with senior Civil Servants, senior officials of Indian Information Service, and eminent communication experts so that they acquire an understanding of the mandate, the functions, and the evolving role of the Ministry of Information and Broadcasting with the emphasis on Indian Information Service in reaching out to citizens with authentic information on behalf of Government of India. The OTs were also sent on short-trips such as Delhi Darshan and Visit to Surajkund Crafts Mela.

The training programme was formally inaugurated on March 25, 2022 in a well-organized function presided over by Shri Apurva Chandra, Secretary, M/o I&B. The Director General, IIMC, the Heads of various Media Directorates under the Ministry of I&B, and the faculty members and officials of IIMC were also present on the occasion.

Termination of Probation

During the period, 19 IIS Group 'A' Officer Trainees of 2018 & 2019 Batch received their regular posting consequent upon their successful completion of their Induction Training.

POST-GRADUATE DIPLOMA COURSES

Since its inception, the Institute has carved out a niche for itself in the area of media and communication education through its continuous and relentless efforts aimed at improving the content and delivery mechanisms of its training. Today, IIMC enjoys place of pride among the galaxy of institutions engaged in imparting knowledge in the field of media and mass communication. It offers various Post-graduate Diploma Courses in Journalism – Hindi, English, Odia, Marathi, Malayalam and Urdu, Advertising & Public Relations, Radio & TV Journalism–to aspiring professionals in these disciplines.

The courses offered by the Institute represent a meaningful blend of classroom teaching, duly supplemented by practical orientation through rigorous exercises, lab journals, projects, field visits, etc. This is intended to equip the students with the skills needed to excel in their careers and to provide them with an opportunity to relate the classroom teaching to the ground realities of the environment in which the media and communication industry functions. The courses, besides providing a professional perspective, aim at defining the role of media professionals in society. The curricula of the courses are continually reviewed and revised by incorporating emerging trends and technologies in the rapidly developing field in order to maintain the relevance of the courses even in changed circumstances. While designing the courses, the diverse requirements of industry are considered, so as to make the students aware of the field realities, as well as the ethical considerations of their profession. The courses also aim to imbue a sense of responsibility among the students, so that they are in a position to discharge their respective roles effectively and responsively in a multi-lingual, multi-religious and a multi-ethnic society.

The Institute assists its students in securing internships/placements that usually lead to gainful employment in Newspapers, TV Channels and Media Houses, as well as Advertising and Public Relations Agencies, through campus placements and otherwise.

PG Diploma Course in Journalism (Hindi)

One of the oldest and unique, the PG Diploma Course in Hindi Journalism was started in 1987-88 to fulfill the growing need for skilled and professionally trained experts for Hindi news media. The initial focus was on fast-growing Hindi print media, especially newspapers and magazines, but later on, with expansion of Hindi news television and now Digital news media, it was quickly adapted to include Broadcast Journalism as well as Digital Journalism in the curriculum. With regular updation and revision of the curriculum and pedagogy, this course always tries to incorporate new trends and subjects in the teaching/training to make it relevant for the industry.

The primary focus of the course is to impart theoretical knowledge and professional skills required in the processes of news gathering, its production and dissemination. It stresses on inculcating ethical norms, high professional standards and the understanding of media laws in the trainees.

During the year 2021-22, the Journalism course in Hindi had 68 trainees. The department successfully conducted and completed the first semester training through online mode due to the pandemic.

The initial phase of the course emphasized on the theory and concepts of communication, language and communication, research methods and the history, laws, and ethics of journalism. It also included theoretical as well as practical training in core areas of journalism like reporting and editing. The theoretical and practical components were equally distributed over the two semesters. The Department laid emphasis on updating students with the latest developments in the media industry. Special workshops and sessions were held on Data Journalism, Mobile Journalism and Fact-checking.

Students' Projects

More than 10 lab journals/newsletters were produced during the two semesters with dedicated issues for Economic Survey and Finance Budget in February 2022. More importantly, students published a magazine on Republic Day.

PG Diploma Course in Journalism (English)

The PG Diploma Course in Journalism (English) is meant to prepare professionals in journalism and media industry by teaching them features and strategies of this domain. The English Journalism Course has facilitated students in developing their portfolios via numerous channels so that they can endure through and fare well in the field. The online classes in this year made it possible to bring in faculties from across the country and even from abroad for the nuanced understanding of concepts. Students could interact with intellectuals from far and wide across the globe.

Major Initiatives

International

- EJ Department, IIMC organised (World Journalism Education Council) WJEC-UNESCO- IIMC Roundtable on "Journalism Education in India: Issues and Challenges" on 10th-11th August 2021 with 100 noted International and National Speakers. A Report was also published and formally released by DG, IIMC in January 2022.
- A Seminar on "The Entrepreneurial Women in an Uncertain World' was organised by the Department of English Journalism, IIMC and

University of Newcastle, UK on 6thJuly 2021. Prof. Karen Ross from UK and Dr. Surbhi Dahiya took this initiative together. Resource Persons included Ms. Ashai Dua, Ms. Preeta Ghosal and Ms. Shabia Walia.

- The Department organized a U.S. Embassy-

sponsored, one-week virtual course on "Digital Media Storytelling and Investigative Journalism" from May 17 to 21, 2021. Award-winning journalist and Vice President of the Wilson Center in Washington, DC, Linda Roth was the resource person.

EJ Classes

The Department conducted online classes through Google Meet for the students of 2020-21 batch as well as for the students of 2021-22 batch (for the first semester till Feb 2022). There were 163 students overall (Delhi- 66, Jammu-11, Amravati-11, Dhenkanal-53, Kottayam-13 and Aizawl-09). The batch was divided into Section A (Delhi- 66, Jammu-11, Amravati-11) and Section B (Dhenkanal-53, Kottayam-13 and Aizawl-09). The classes were conducted separately as well as often combined for special sessions. The Department of English Journalism, Delhi Campus ran Section A and Dhenkanal ran Section B for the first semester (till Feb 22). From 7th March 22 onwards, IIMC resumed physical classes and all the Campuses started conducting physical classes. The Department organised multiple National and International seminars, workshops and special lectures on specialised reporting for students of Delhi, Jammu, Amravati, Dhenkanal, Kottayam and Aizawl. Prof Sangeeta Pranvendra was appointed as Head of the Department w.e.f 7th March 2022 as Prof Surbhi Dahiya proceeded on Child care leave.

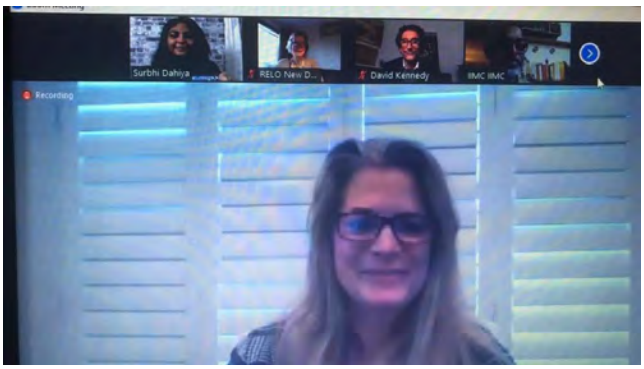

Niche Lab Journals and Magazines

As part of the curriculum, the students of EJ (Batch 2020-21) produced 108 Lab Journals and 50 Lab Journals were produced by the first semester students of 2021-22 batch (between September 2021-Feb 2022), which were released by DG, IIMC in Feb 2022. The students also interviewed around 150 Radio Jockeys for the departmental magazine Odyssey in April 2021.There were special sessions organised by the Department on various beats (Health, Environment, Political, City Reporting, etc.).

Workshops

- A special workshop on Drone Journalism was conducted on 18th June 2021. The resource persons were Group Captain MJ Augustine Vinod VSM (Rtd.) and Sq Leader Varsha Kukreti (Rtd.). Two more workshops on DRONE Journalism (DOJO)were organized on 15th and 29th December 2021 for the new batch.

- Keeping in mind the current trends of the industry, EJ also organized two workshops on Mobile Journalism (MOJO), conducted by Mr. Vishal Arora (Editor, Newsreel Asia) on 2nd July, 2021 and 14th December, 2021.
- A two-day long Comic Journalism Workshop was conducted by Sh. Sharad Sharma (Founder: World Comics India) in December, 2021.
- An enthralling two-day long workshop on Visual Storytelling and Photo Journalism (Part 1 &

2) was organized in February 2022 which was conducted by Dr. Tabeenah Anjum Qureshi (Sr. Journalist /Visual Storyteller).

- A series of workshops over two weeks were organised which covered multiple practical aspects of Graphic Designing and hands-on practice of InDesign, Quark Express, Photoshop and Illustrator. These were conducted by Sh. Suresh Chaudhary from 7th June to 19th June 2021.
- A workshop on Research Methodology was conducted by Prof. (Dr.) Umesh Arya (Chairperson, Faculty of Media Studies, GJUST) on 16th Nov 2021.
- To give a hands-on experience on the emerging trend of Podcasts, a workshop on Podcast Journalism was conducted on 20th December, 2021 by Prof. (Dr.) Ujjwala Barve of Savitri Bai Phule Pune University.
- Keeping in mind the automation effect on the industry and robotic trend of the present time, EJ organized a workshop on Emerging Technologies: Artificial Intelligence, Blockchain and BOTS on 21st December, 2021 which was conducted by Sh. Rohit Gandhi (Editor in Chief: Democracy News Life).
- In the endeavour to cover all the niche areas of the syllabus in a unique manner, EJ organized a Workshop on Cyber Security and Data Science on 27th December, 2021 which was conducted by Sh. Kanishk Karan (Cyber Security Specialist: Twitter) and Dr. Abhay Chawla (Digital Security Expert).

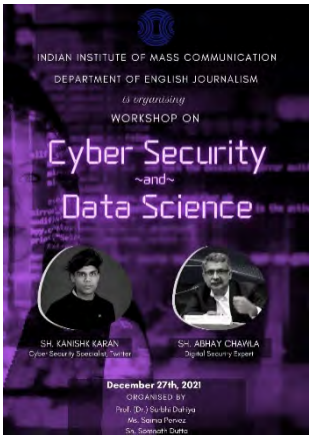

- An exhaustive and informative two-day long workshop on Data Journalism (Part 1 & 2) was organized on 12th and 17th Jan, 2022 which was conducted by Sh. Harikishan Sharma (Assistant Editor, Indian Express) and Dr. Uma Shankar Pandey (Assistant Professor,Surendranath College for Women).

Participation and Awards

The Department of English Journalism bagged the second prize in the Swatchta ka Pakhwada competition. The department organized an Essay Writing Competition which saw participation of students from all five campuses of IIMC.EJ Students actively participated in the glorious 'Vijay Parv'at India Gate organized by the Indian Army on the occasion of the 50th Anniversary of "Bangladesh Liberation War, 1971" on 15th Dec, 2021.

PG Diploma Course in Advertising and Public Relations

The Department of Advertising and Public Relations stands out as one of the most sought-after departments of IIMC. Since long the Department has produced the finest professionals in the advertising and PR industry. The curriculum is designed to bring out the best in the students. Each paper caters to various dimensions in the field of Advertising and Public Relations and also introduces the students with industry requirements and changes. It is of utmost importance to the department that a gap should not exist between the skill requirements of the professional world and the learning curve of the students.

The students are taught in detail about Advertising, Public Relations, Marketing, Corporate Communication, Government Communication, Digital Marketing, Consumer Behaviour, Designing, Strategic Planning, New Media, Media Planning, Production, Creativity and Research.

Course structure balances the best of classroom teaching and industry exposure which remains the hallmark of the course. Students are continuously motivated to take up activities which enhance their practical skills and knowledge.

The PG diploma course in Advertising and Public Relations had 76 students enrolled in the year 2021-2022. The students underwent rigorous classroom learning, training and hands-on skill development exercises in ten papers that comprise the syllabus of the course. The best faculty from the industry was drawn into augment classroom teaching, along with the in-house faculty.

Projects and Assignments

"THE BATON" (Departmental Magazine): The students worked on two issues of departmental magazine 'THE BATON' this year and each issue had a specific theme. The first issue on the theme - Crisis Communication: Sailing Through the Storms - was released on 10th March 2022 by Prof. Sanjay Dwivedi, DG, IIMC in the presence of Prof. Anubhuti Yadav, Course Director and Founder Editor, Prof. Govind Singh, Dean Academics and Prof. Pramod Kumar, DSW & HOD-Outreach and Placement. The theme of the second issue was "Media Startups".

Campaign Planning: For Campaign Planning Project, the students worked with the brands – SUGAR Cosmetics, DD News, QNT Sports, CIET-NCERT and Plan India. They presented their final work and all the creatives developed during the process to a group of internal and external experts.

Government Communication Week (2021-2022)

In its bid to provide students the exposure to the Government Communication System, the department organized Government Communication Week from 13th December 2021 to 17th December 2021. Senior bureaucrats and Indian Information Services (IIS) officers were invited to conduct the sessions. They spoke on varied topics and aspects of the functioning of government media system and also inspired and motivated the students to join the services.

The keynote speakers were:

- Mr. Mayank Agrawal, Director General, Doordarshan, Ministry of Information and Broadcasting.
- Prof. Jaishri Jethwaney, Former Professor, IIMC.
- Mr. B. Narayanan, Additional Director General, Press Information Bureau, Ministry of Information and Broadcasting.
- Prof. Anubhuti Yadav, Course Director, ADPR.
- Mr. K. Satish Nambudiripad, Additional Director

General, Central Bureau of Communication, Ministry of Information and Broadcasting.

- Mr. Akash Luxman, Additional Director General, AIR, Ministry of Information and Broadcasting.
- Mr. Chaitanya Prasad, ADG, DFF, Ministry of Information and Broadcasting.
- Mr. Ashish Goyal, Additional Director General, IIMC, Ministry of Information and Broadcasting.
- Dr. Nimish Rustagi, Director, PIB, Ministry of Information and Broadcasting.
- Ms. Veena Jain, Former DG, Doordarshan(News), Ministry of Information and Broadcasting.
- Mr. Akshay Rout, Former DG, Swachh Bharat Mission.
- Mr. Nitin Mantri, CEO, AvianWe.
- Col. Rohit Dev, Military Veteran
- Mr. Rakesh Renu, Deputy Director, Publication Division, Ministry of Information and Broadcasting.
- Mr. Siddharth Mishra, Adjunct Prof. and Chair, VIPS.
- Mr. Dhiraj Singh, ADG, PIB, Ministry of Information and Broadcasting.
- Mr. Tushar Karmarkar, Regional Officer, CBFC.
- Mr. Rajith Chandran, Joint Director, IIMC Kottayam Campus.

E-Dialogue/Workshops(2021-2022)

1. AD & PR Department organized Students Media Unconvention-2021 with the theme-"Building a sustainable media business post-Covid", in collaboration with the Confederation of Indian Industry (CII) on 29th October 2021.
2. The Department, in collaboration with Gandhi Smriti and Darshan Samiti, organized E-dialogue on Media and Information Literacy on 12th December 2021, to promote culture of peace and non-violence. Prof. Art Silver Blatt, Mr. Frank W. Baker introduced students to the various aspects of Media and Information Literacy.

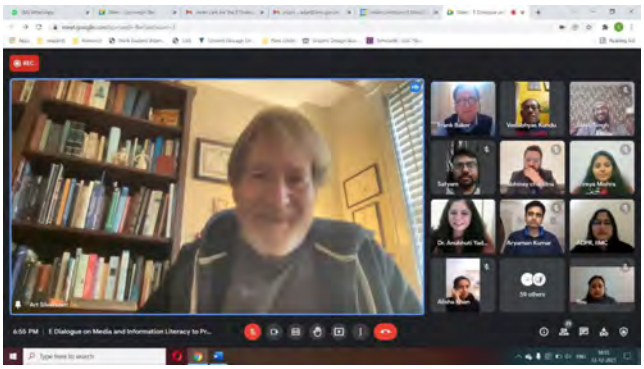

3. Workshop on Visual Storytelling was conducted by distinguished photojournalist and visual story teller Ms. Tabeenah Anjum on 10th January, 2022.

4. Workshop on Mobile Communication was conducted by seasoned journalist, writer, photojournalist, and videographer, Mr. Vishal Arora on 14th January, 2022.

Special Sessions

- PIB collaborated with AD & PR Department to bring out daily newsletter for the IFFI held from 20th November to 28th November, 2021. Students worked on the content development, editing and graphic designing.

- Students from AD & PR participated as anchors for various events held at India Gate to commemorate the 50th Vijay Diwas which is celebrated on 16th December every year.
- PRCI and Public Relations Society Delhi, in collaboration with AD & PR Department, held an on-ground event "Talent Hunt Competition" as part of "Naresh Kumar Memorial-All India Talent Hunt Webinar" at IIMC, Delhi Campus on 16th March, 2022.

The Advertising and PR Department always strives for excellence in imparting knowledge and skills to its students. This is reflected by the fact that today its alumni are well placed in the industry.

PG Diploma Course in Radio and TV Journalism

The PG Diploma in Radio and Television Journalism was launched in 1997 and since then it is imparting hands-on training to audio-visual communicators of the nation. The Department has produced several well-known faces of the broadcast journalism in the country and has a rich alumnus thread to connect current RTV students with the industry experts and secure placements. The PG Diploma course in Radio and Television Journalism (RTV) at IIMC provides strong theoretical understanding and extensive practical modules to the students to give them a balanced approach and vision of broadcast journalism. The RTV department invites several broadcast media stalwarts from the news and entertainment industry to provide the students with current industry insights and train them accordingly.

The Department always thrives to accommodate new trends of the news industry in its syllabus and this year the Department has included Data Journalism, Entrepreneurship Journalism, Mobile Journalism (MOJO) and YouTube Journalism sections in its course. The Department has separate TV and Radio studio facility, where students learn and produce news bulletins, documentaries, talk shows, news discussion programs and rehearse Live TV bulletins with the help of in-house PCR.

This course is presently being offered at IIMC headquarters at Delhi. Prof. (Dr.) Govind Singhis the Course Director of Radio & TV Journalism Department. Due to Covid-19 pandemic, the course started in online mode from October 2021.Later, the course was conducted in off-line mode from March, 2022 as per the Government guidelines.

Highlights of the course during 2021-22 session

- An English language proficiency workshop was conducted for RTV students by John Stuetz, English Language Fellow from Philadelphia in collaboration with US Embassy, New Delhi.
- One-week workshop conducted by Linda Roth of Wilson Centre, a prominent think tank of USA with the help of US Embassy, New Delhi
- A workshop on online media and news writing was conducted by Mr. Suresh Kumar, Ex-Editor, India Today Group Online.
- A workshop on Mobile Journalism (MOJO) was conducted by Vishal Arora, Senior TV professional.
- A Workshop on documentary film making was conducted by Kamlesh Kumar Mishra, a senior Film maker.

- A one-day workshop was conducted by famous YouTuber Siddhartha.
- A workshop on Anchoring was conducted by Maha Siddiqui, Senior Anchor and Editor, International Affairs at CNN- News 18.
- A workshop on Video Editing was conducted by Sh. Yudhvir Singh, Chief Video Editor, News Nation TV Channel.
- A workshop on Radio Jockeying was conducted by Sh. OP Rathore, a senior radio jockey with FM Gold and Rainbow.
- A Workshop on Copy Writing was conducted by Kumar Saurabh, Senior Manager, Adani Digital Labs.
- RTV students contributed as interns in the Uttar Pradesh 2019 Assembly Elections for the Network 18 group.
- IIMC has its own Community Radio station called 'Apna Radio', where students of RTV department contribute by making radio programs for the station and enhance their skills.
- Many industry experts were invited to deliver lectures including Naghma Sehar (NDTV), Rehan Fazal (BBC), Senior Journalist Sarjana Sharma, Uma Shankar Singh (NDTV), RJ Kavya, RJ Divya, Ravi Parashar, Harshendra Vardhan, Shivani Rawat, Sanjay Pandey, Abha Negi (One World), Varun Vagish, Sanjay Vohra, Apoorva Krishna, Dhirendra Pundir (News Nation), Raj Kumar Bhardwaj (CEC), Shishir Sinha (Hindu Businessline), Naseem Naqvi (AIR), etc.

PG Diploma Course in Urdu Journalism

The foundation of Urdu Journalism in the Indian Institute of Mass Communication was laid in the year 2013 with the introduction of a diploma course. After the successful experiment for several years, it was converted into a Post Graduate Diploma Course in the year 2017. Like other PG Diploma courses of IIMC, it is also a one-year course.

The prime objective of Urdu Journalism is to train the media professionals who can work as per the changing needs of the technology-driven Urdu media. The curriculum has been designed to provide a wider perspective on communication, emphasize the role of journalists in promoting involvement and participation through effective communication, familiarize and equip them with a wide range of skills, develop proper communication strategies in priority areas, define opportunities for journalists/communicators in view of the emerging technologies, and to give exposure to them regarding the evolving techniques of reporting/ editing/production/distribution.

Highlights of the course during 2021-22 session

- The Board of Studies for Urdu Journalism Department was constituted in September, 2021. Accordingly, the syllabus of Urdu Journalism was reviewed as per the changing needs of the Urdu Media with the approval from the Board of Studies.
- A total of 12 students got admission in Urdu Journalism during 2021-22 academic session.

- The prominent industry leaders who have taught UJ students during the current batch include Mr. Tehsin Munavar from 'Network 18', Mr Laeeq Rizvi from 'Alami Sahara', Mr. Khursheed Rabbani from 'ETV Bharat', Mr Shadab Nazmi from 'BBC', Mr. Anand Prakash from 'Adfactors PR', Mr Irfan Sheikh from 'Zee Salam', Mr Abbas Mehadi Rizvi from 'Zee Salam', Mr Umesh Chaturvedi from 'All India Radio', Mr. Amlesh Raju from 'Jansatta', senior journalist and former associate editor of 'Dainik Jagran' Dr. Ravindra Agrawal, among others.
- The students of batch 2021-22 visited the National Institute of Social Defence (NISD) to join a day-long workshop on the issues of transgenders on March 30, 2022.
- Urdu Journalism students also attended a two-day internship with 'Network 18' from March 10 to 11, 2022.

- UJ students joined the month-long English learning classes organised in collaboration with Regional English Language Office (RELO)

under Public Affairs Section of the US Embassy in India in December 2021.

- Urdu students prepared a number of lab journals. The first lab journal was released by DG IIMC Prof. Sanjay Dwivedi.
- Urdu Journalism students also prepared special Radio Bulletins on different contemporary issues.
- UJ Students of 2020-21 batch visited the Newsroom of DD News on April 1, 2021 to have first-hand information about the functioning of a TV news newsroom. They were explained the Newsroom functioning by the DD News senior officials.
- Seven out of ten students of previous batch (2020-21) have been placed in jobs. They were placed in 'Zee Salam', 'Adfactors PR', 'I-PAC' and 'NEWJ'. One student has started his own YouTube Channel.
- Some students of previous batch conducted special campaign in social media to promote admissions in UJ course for the 2021-22 batch.

IIMC REGIONAL CAMPUSES

IIMC Dhenkanal Campus, Odisha

Odia Journalism (2019-2020) - 2nd Semester - offline classes began from 12 April and continued till 19 April, 2021. As pandemic restrictions were put in place by the competent authorities, offline classes were discontinued. Classes were resumed online on 26 April, 2021. Besides regular classes, several webinars and online workshops were organized.

Webinars

- *Public Relations for Public Awareness: Let us build a Covid-free World* on the occasion of the National PR Day Celebration in association with PRSI, Bhubaneswar on 21 April 2021.

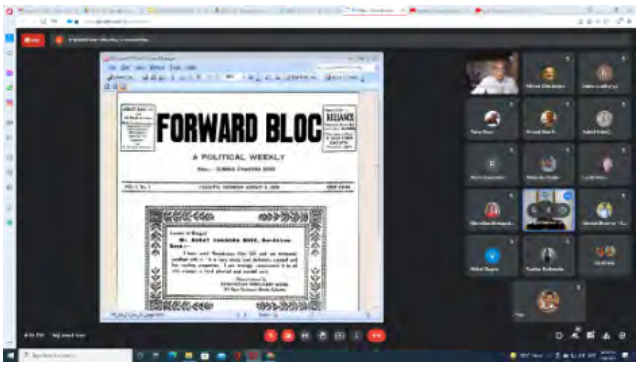

- *Socialism to Spiritualism: Journey of an Author* - Manoj Das on 8th May, 2021.
- On the occasion of 125th Birth Anniversary of Netaji Subhas Chandra Bose, a webinar on "Netaji: Reflections and Musings" was organized in association with Sambad Sahitya Ghar, Angul on 23rd January, 2022 and another webinar on "Netaji Subhash Chandra Bose: A Great Communicator" was organized in association with Communication Today on 12th February, 2022.
- On the occasion of World Radio Day, a webinar on "Radio and Trust" was organized in collaboration with Radio Bhubaneswar (An Internet Radio) on 13th February. 2022.

Online Workshops

- A workshop on "India's Development Paths and Dilemmas" by Prof. S. N. Mishra from KIIT Bhubaneswar was organised from 7th-9th June, 2021.

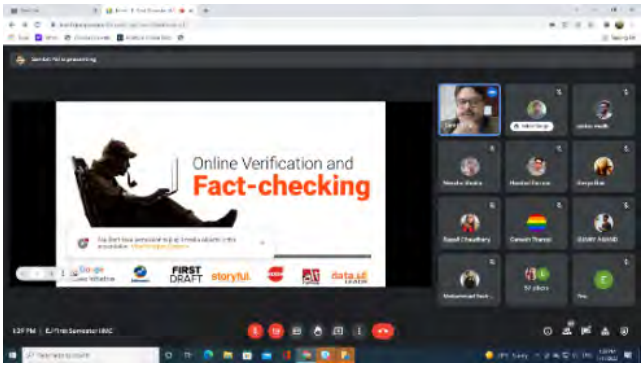

- A workshop was organised on "Fact-Checking and Fake News Verification" in Collaboration with Google News Initiative (GNI) India Training Networks conducted by Sambit Pal,

Associate Professor, MIT ADT University, Pune on 27th June, 2021 and again on 11th January, 2022 for the 2021-2022 batch.

- Visual Storytelling and Photo Journalism Workshop was conducted on 5-9 February, 2022. The workshop was curated by Dr. Tabeenah Anjum Qureshi, Senior Journalist; Himanshu Vyash, Adjunct Professor, HJU, Jaipur and Amit Chatterjee, Assistant Professor, VSSUT University, Sambalpur. An e-Photo Book and 2nd Lab Journal were released on 11th January, 2022.

Special Lectures

- Privacy, Protection, Policy: Issues Concerning Data Protection Law by Prof. (Dr.) S. N. Mishra, KIIT, Bhubaneswar on 3rd July, 2021.
- On the occasion of Odia Journalism Day, a lecture was organized on Journalism and Literature by Prof. Jatindra Nayak, Author and Former Professor of English, Utkal University, Bhubaneswar on 4th August, 2021.
- 6th Prof. K. M. Shrivastava Memorial Lecture was organized on "Communication Media: Vocal for Local" by Dr. Kanchan K. Malik, Department of Communication, University of Hyderabad on 31st August 2021.
- A lecture on Organ Donation was delivered by Pravash Acharya,The Samaja, Cuttack on 27th January, 2022.
- As Anand Bazar Patrika completed 100 years of its publication, a special lecture tracing its history and role-played during freedom struggle was delivered by Subir Ghosh on 14th March, 2022.

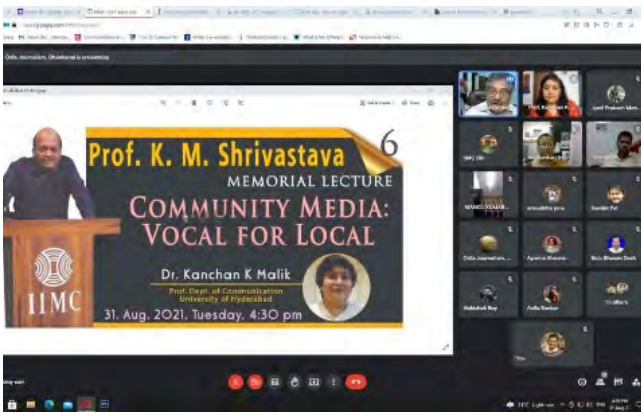

Campus Selection

IIMC Dhenkanal conducted campus placement process from 5th July to 16th July, 2021. Media Organisations viz. Argus News, Kanak TV, Orissa Post, Dharitri, and Odisha Livelihood Mission selected students from Odia and English Journalism. 100% placement record was achieved in the academic year 2021-22 for Odia Journalism Students.

Other Activities

- Academic and administrative staff celebrated International Yoga Day on 21st June, 2021.
- Radhanath Rath Fellowship was awarded to Ms. Jagyanseni Dhal (OJ) and Dr. Satya Mahapatra Memorial Fellowship to Ms. Khyati Sanger (EJ) on 4th August, 2021.
- An open-air Library named "Khusi" was inaugurated by Subodh Pattnaik of Natya Chetana and Dinesh Das of Alternative Rhythm Theatre on 16th November, 2021.
- A mural of Madhubani Paintings depicting stories from the Ramayana was inaugurated on 26th January, 2022 after the celebration of Republic Day.

2021-2022

Postgraduate Diploma in English Journalism for

three campuses (Dhenkanal, Aizawl and Kottayam) and Odia Journalism for the 2021-2022 batch commenced on 7th October 2021 in online mode. All Regional Directors welcomed and addressed the newly admitted students. This is the first time that Dhenkanal Regional Center has conducted online classes for the students of three campuses and successfully completed the first semester. The offline classes for the second semester started on 7th March 2022 at the respective campuses. Regular TV, Radio bulletin and Daily Reporter have started publishing from 14th March, 2022. The Pledge for Integrity for Organisation, Rashtriya Ekta Diwas and Constitution Day had been taken by all the staff members of IIMC, Dhenkanal on 26th October, 29th October and 26th November 2022 respectively.

IIMC Aizawl Campus, Mizoram

The Indian Institute of Mass Communication (IIMC), North-Eastern Regional (NER) Campus began functioning from the Mizoram University (MZU) Campus at Tanhril, Aizawl on the 8th of August, 2011. Its opening was a big step forward for higher education in Mizoram, North East in general, and also for the growth of the illustrious IIMC brand. The Institute has been functioning from a temporary campus on the MZU premises. Subsequently the Mizoram University has allocated eight acres of land to IIMC for a permanent campus. The construction of the permanent campus which began in 2015 with all facilities including students hostels and faculty housing is nearing completion. Works on campus beautification and landscaping are underway. Since its inception in 2011, the Institute is on the right track of catering to the demand for skilled manpower brought about by a huge spurt in the growth of the media, both print and television, over the last few years in Mizoram and the North East as a whole.

The Indian Institute of Mass Communication, North Eastern Regional (NER) Campus began the 2021-22 session online due to the pandemic situation across the country and the SOP which was put in place by the Government. In the first semester, the IIMC NER Campus was part of English Journalism course conducted along with Dhenkanal and Kottayam Campuses. The online classes and other blended academic activities for EJ were fulfilled under the efficient guidance of Prof. Mrinal Chatterjee, Regional Director and Academic Head, Dhenkanal Campus.

During the first semester, the faculty and students of IIMC NER Campus were able to enthusiastically participate in the vibrant and engaging online academic activities. The second semester for the 2021-22 session commenced offline

Since the commencement of the academic session, offline administrative as well as academic duties were accomplished satisfactorily. On 25th January, 2022, the NER Campus staff and faculty headed by Shri. L R Sailo, Regional Director took the Election Pledge on the occasion of Voters' Day.

Swachhta Pakhwada activities were undertaken during 16th to31st, January, 2022. On 17th January,

2022 IIMC, the Faculty and Staff of NER Campus took the Swachhta Pledge headed by Shri. L.R. Sailo. Right from the start of the fortnight observation of the cleanliness drive, the NER Campus took due care of cleanliness and standard Swachhta Protocol. Students, staff and faculty were actively involved in the Swachhta Pakhwada activities. On 25th January, 2022, special tree plantation drive was carried out at the new campus. As part of the Swachhta Pakhwada activities, cleanliness work was performed by students, faculty and staff on a weekly basis. A poster making competition for students on cleanliness was also organised. The students also created Swachhta Pakhwada theme related radio jingle as part of their daily radio news bulletin exercise. The monthly Lab Journal prepared by the students also covered Swatchhta Pakhwada theme articles.

The NER Campus was invited to take part in the inauguration of Ailawng Film City on 22nd March, 2022. Shri LR Sailo along with faculty, staff and students attended the program. The event was graced by various prominent guests from the I&PR Department and Mizoram Film Forum. The students took photographs and made reports of the event. They participated in the highlights of the event liked dance and singing; they were also taken for sight-seeing around the village after the event ended.

On 25th March, the Mass Communication department of Mizoram University organized a Film Festival where students of IIMC NER Campus attended the screening of three movies in different languages.

The IIMC NER permanent campus within the Mizoram University premises had been taken over from CPWD on 7th April, 2022. The construction work of the buildings is completed while beautification work is under way and the construction of boundary walls and furnishing are yet to be done. It is likely that the new session will begin in the new campus.

It is heartening to mention that an alumnus of the campus, Aditya Gautam of 2017-2018 batch has become an internationally published author. His debut novel, A Dream of Duplicity, has been published by Aesthetic Press, and is available in paperback for readers in the US and Europe.

Year after year, students from the Aizawl campus are proving their capabilities by securing placements in reputed media organizations like Reuters, Doordarshan, All India Radio, Indian Express, New Indian Express, India Today, ETV and others. Apart from the regular curriculum, the North Eastern Campus is offering students an opportunity to witness and experience the diversity of the rich and vibrant Indian culture, which is an important learning experience for budding journalists.

IIMC Jammu Campus, J&K

Extending its reach to other parts of the country, IIMC set up its new Regional Centre at Jammu during 2012-13. The Government of Jammu & Kashmir provided rent-free accommodation to IIMC for academic facilities, students' hostel and guest house. The permanent campus is under

construction on a 15-acre land allotted to the Institute by the state government. The campus is likely to get completed by the beginning of 2022-23 session.

The Indian Institute of Mass Communication, Jammu aims at setting global standards for media education and research using state-of-the-art technology to build a knowledge-driven information society, contributing to human development, empowerment and participatory democracy, that is anchored in pluralism, universal values and ethics. The objective is to create a dynamic learning and working environment which nurtures new ideas, creativity, research, scholarship and develops leaders and innovators in the domain of media and mass communication.

Major activities

Independence Day

The Independence Day was celebrated on the Jammu campus on 15th August, 2021. Regional Director Prof. Rakesh Goswami hoisted the national flag. The faculty members and the staff took part in the programme. Speaking on the occasion, Prof. Goswami urged the staff members to work with more zeal and enthusiasm to contribute towards the development of the nation and to always keep the country first.

Hindi Fortnight Celebrations

IIMC Jammu campus celebrated Hindi Fortnight from 14thto 28thSeptember, 2021. As part of this fortnight, all name plates on the campus were made bilingual, in Hindi and English, and a seminar was organized on 22nd September on the topic "Future of Language Press". Eminent Hindi writer and poet, Dr. Agnishekhar was the chief guest and the veteran TV journalist Ashwani Kumar was the guest of honour on the occasion. A writing competition was also organized for the staff during the fortnight and prizes were distributed to the winners.

Gandhi Jayanti Celebrations

Gandhi Jayanti was celebrated on 2nd October, 2021 to mark the birth anniversary of Mahatma Gandhi. During this event, the faculty garlanded the portrait of Mahatma Gandhi and pledged to imbibe the values propounded by the Father of the Nation.

Visit of DG and ADG

Director General of IIMC Prof.(Dr.) Sanjay Dwivedi and Additional Director General Sh. Ashish Goyal visited the Jammu campus on 2nd December, 2021 and took stock of the developments going on in the campus. They also reviewed the progress of the ongoing construction work of the new campus building at Keran, Bantalab and directed the engineers to complete the project at the earliest. The DG interacted with the faculty at

the Jammu Centre and encouraged them to work towards making the Regional Centre the best in the country.

Republic Day

The Republic Day was celebrated at Jammu campus on 26th January, 2022. The Regional Director, Prof. Rakesh Goswami unfurled the tricolor on the occasion. The function was attended by the faculty and staff members.

Swachhata Abhiyan

As part of the Plan of Action for Swachhta Abhiyan, the Jammu campus undertook cleanliness drives every week throughout the year.

IIMC Kottayam Campus, Kerala

Indian Institute of Mass Communication's Regional Centre in South India was founded at Kottayam – the land of letters, latex and lakes – in 1995. It was established to impart quality training to working journalists, Public Relations professionals and State Information Officers. In 2012, for the first time, IIMC Kottayam opened its doors to graduate students with the introduction of Postgraduate Programme in English Journalism. Since then, IIMC Kottayam has been consistently nurturing journalism talent with commitment, quality and industry-readiness.

In the year 2017, Postgraduate Programme in Malayalam Journalism was launched in the Regional Campus with a view to set new quality standards in journalism training in the regional milieu. This is the first-ever Journalism Course offered in Malayalam medium, with specific focus on providing quality training in regional language media on a national scale. The course has earned a good reputation with its students pursuing careers in major media organizations within the country.

In 2019, the new and permanent Southern Regional Campus of IIMC was made functional in the 10-acre lush green and scenic locale at Pampady, around 12 km away from Kottayam. It is a residential campus with an Academic-cum-Administrative Block, Students' Hostel, Guest Suites, Staff Quarters and other facilities. With the new campus, IIMC Kottayam envisions to enhance its stature by initiating a bunch of new short-term courses for communication professionals from the public and private sector. In the coming years, IIMC Kottayam aspires to be the main hub of mass communication and media training in South India.

Academic Activities

Due to Covid-19 pandemic, the new academic session was conducted mostly in online mode. On March 7, 2022, the campus was re-opened for starting offline classes. The students were exposed to a combination of orientation lectures and expository sessions by experts on the nuances of Journalism and Mass Communication. In addition to the regular classes by the in-house faculty, workshops and interactive sessions were arranged to provide the students a 360-degree understanding of the profession.

- **First Devji Bhimji Memorial Oration:** As a tribute to the pioneering contributions of Devji Bhimji in the field of journalism in Kerala, IIMC Kottayam instituted the maiden Devji Bhimji Memorial Oration on 15th July, 2021 on the topic Nation, Nationality and Media: Issues and

Challenges. The maiden lecture was delivered online by Dr. C.V. Ananda Bose, IAS (Rtd.).

- **First Chengulathu Kunjirama Menon Memorial Oration:** To acknowledge the contribution of Shri C Kunjirama Menon in the development of Journalism in Kerala, IIMC, Kottayam organized the maiden Oration named after Shri Menon. The lecture was delivered by Shri. K. Jayakumar, IAS, former Chief Secretary, Govt. of Kerala on 20th January, 2022.
- **Three-day workshop on Videography Techniques:** With a view to impart videography skills to the students, a three-day workshop led by noted Cinematographer Shri. Unni Madavoor was organized.
- **Three-day workshopon Editing Techniques:** To impart skills of linear and non-linear editing in FCP Pro and Adobe Premiere Pro, a workshop led by noted Film Editor Shri. Sivaram Mony, was organized.
- **The Scholar-in-Campus Programme** was initiated with a view to provide the students opportunities to interact and engage with persons of eminence - academicians, social workers, scientists, scholars, and experts in various disciplines. This year Prof. Kaviyoor Sivaprasad, Head-Film Appreciation, K.R. Narayanan Institute of Visual Arts and Science, Kottayam, Kerala interacted with students as part of the programme on 10th March, 2022.

Celebrations in the Campus

- **International Yoga Day** was celebrated by the staff in their homes (in view of the pandemic restrictions) as per Yoga Protocol on 21stJune,2021.
- **Onam Celebrations** were organized while strictly following the COVID Protocol; Students made Athapookkalam (traditional flower arrangements)at IIMC Kottayam; Regional Director and Dy. Director delivered Onam messages to the students and Staff.
- **Hindi Diwas** was observed on 14th September, 2021 with the Regional Director and Dy. Director addressing the staff on the occasion.
- **Vigilance Awareness Week** was observed during 26th October – 1st November, 2021. As part of the programme, Integrity Pledge was administered to the staff by the Regional Director.
- **National Youth Day** – Students and staff remembered Swami Vivekananda and his inspiring message on the occasion to commemorate his birth anniversary on 12th January, 2022.
- **Republic Day** - National flag was hoisted by the Regional Director on 26thJanuary, 2022. The Joint Director along with other staff members participated in the event.
- **International Women's Day** was celebrated on 8thMarch, 2022. As part of the event, Smt. Kochurani Joy, the longest-serving woman staff at IIMC Kottayam was honoured for her dedication, hard work, and service to the Institute.
- **Guruvandanam Programme** initiated with a view to express students' reverence for their gurus who initiate them to a world of learning.
- **Know our Language Programme** aimed at imparting basic communication skills in Malayalam for non-Kerala students.

Swachh Bharat Pakhwada

As part of the Swachh Bharat Fortnight, the Swachhata pledge was administered by the Regional Director to the staff and faculty members. As part of the Fortnight, the Institute also organized various competitions such as Essay Writing, Poster Designing etc. for English and Malayalam Journalism students on swachhata related themes. In addition, cleaning drives are regularly organized in the campus.

Students' Lab Journals -IIMC Voice and Ezhuthola

As part of the training to write, edit, and design

newspapers and magazines, the students of IIMC Kottayam designed and published a number of Lab Journals in English as well as Malayalam such as IIMC Voice and Ezhuthola respectively.

Social Media

The Institute has a vibrant presence on social media with a verified Facebook Page, an active Twitter Account, and a verified Instagram Account. All significant activities at the Institute are communicated and publicized through the social media platforms. In fact, IIMC Kottayam is the first regional campus of IIMC to have verified social media profiles for communication.

Roadmap for future

The Institute plans to enhance its collaborative network, thereby, creating necessary linkages with other academic institutions and universities. A bilingual research journal covering various issues, challenges, and solutions in the communication sphere is also in pipeline. The Community Radio Station needs to be established in a full-fledged manner. IIMC Kottayam aims to go many steps further in fulfilling its vision towards building a knowledge-driven information society and also living up to its stature as an institute of excellence in the field of mass communication and media training.

IIMC Amravati Campus, Maharashtra

IIMC's Western Regional Centre in Amravati opened its doors to graduate students with the introduction of the Postgraduate Diploma Programme in English Journalism in 2011. Since then, IIMC Amravati has been consistently nurturing journalism talents with commitment, quality and industry-readiness. In the year 2017, Postgraduate Diploma Programme in Marathi Journalism was launched here with a view to set new quality standards in journalism training in the regional milieu with specific focus to impart quality training in language media on a national scale. This decision paved the way for students across Maharashtra to get quality education in Journalism from the most reputed institute. The courses have earned a good reputation with its students' pursuing careers in major media organizations within the country. Presently it is being operated from the Sant Gadge Baba Amravati University Campus. Land for constructing a permanent campus has been allotted at the Badnera (Amravati). It is envisaged that after the completion of the new campus, the media education and research center equipped with world-class facilities will benefit media aspirants of the state of Maharashtra state as well as from adjacent states.

The center is blessed with a dedicated teaching and non-teaching staff and continuously strives to earn glory through innovative approaches in teaching. The presence of students at various social, cultural, political, educational events taking place in the city helped the institute take its identity among the masses. All academic and non-academic activities are being conducted professionally with the active association of students, expert outsourced faculties and in-house faculties.

Major activities and achievements

- Under the Communication Research paper, 11 English Journalism students and 13 Marathi Journalism students successfully completed research projects on subjects ranging from Journalism, New Media, Development Journalism, Branding, Advertising and PR.
- Amidst the challenges arising out of COVID situation, IIMC Amravati kept the commitment to create outstanding budding media professionals. Lab Journals were produced in online mode.
- A special live lecture for IIMC Amravati Marathi journalism students was conducted by Station Coordinator, Mr Sanjay Gharde, 90.4 FM, Community Radio, Krishi Vigyan Kendra, Bandera Amravati. Motive was to introduce the students with the set-up of equipment and production process of a radio station.
- The birth anniversary of Dr Babasahab Bhimrao Ambedkar was celebrated on 14 April, 2021. IIMC Amravati was given the honor to host a special lecture under Friday Dialogue which is

usually organized by the Outreach Department of IIMC Delhi. Eminent ideologue and Editor of Saaptahik Vivek- Mumbai, Shri Ramesh Patange was invited as a keynote speaker on the occasion. Prof. (Dr.) V. K. Bharti, Head, Publications and Editor, Communicator, IIMC Delhi chaired this event.

- On the occasion of Maharashtra Day on 1st May 2021, eminent editor of Maharashtra Times and former Member of Rajya Sabha, Dr Bharatkumar Raut were invited for a Special Lecture. Dr Sudhir Gavhane, Ex-Vice Chancellor, MGM University Aurangabad and YCMOU, Nashik presided over this session. More than 250 media educators, journalists and students attended the programme through Google Meet and Facebook Live.
- IIMC Amravati organized a two-day workshop on 'Cultural Reporting' in collaboration with South Central Zone Cultural Centre (SCZCC) Nagpur for the students across all the campuses of IIMC. A total number of 128 students registered for the workshop and certificates were provided by the SCZCC.

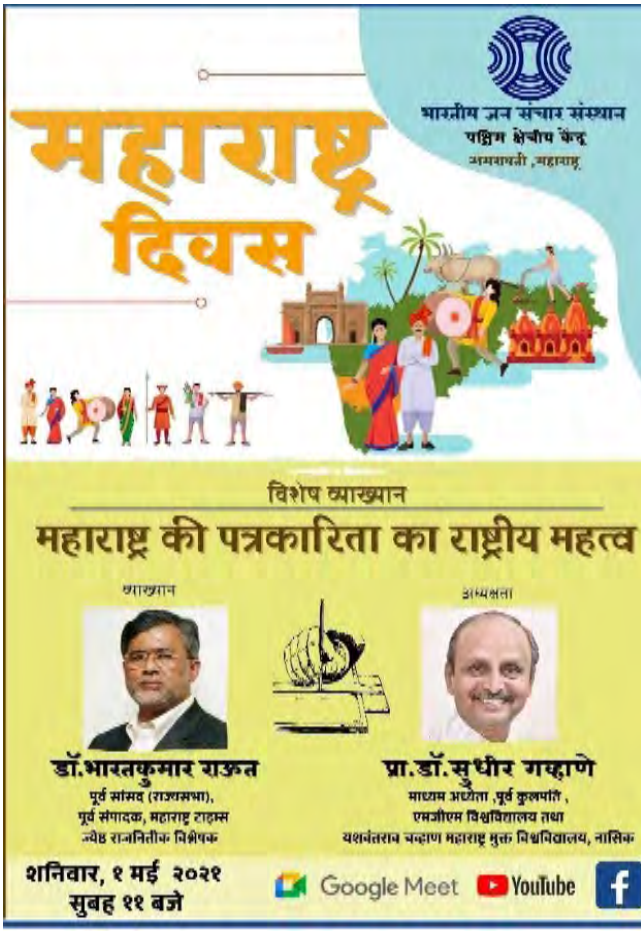

- UNICEF and Indian Institute of Mass Communication, Amaravati partnered for 4 months (August-November 2021) Online Orientation Program (Total 8 Orientation Programs) for Media Students on issues like Learning Crisis, Climate Action, Child Rights, Women, Child and Adolescent Health. Following webinars were organized under this programme:

Webinar 1: The Reopening of Primary Schools: New Possibilities and Obstacles: This webinar was meant for the media students. This webinar aims at educating media students about the effect of COVID-19 on the primary education system and learning crisis in primary education. This webinar was organized on 07.09.2021 in which Shri Anil Gulati, Communication Specialist, Unicef Madhya Pradesh, Ms. Reshma Agrawal, Education specialist, Unicef Maharashtra, Shri. Froagh Ahman Jami, Education specialist, UNICEF, Madhya Pradesh and Regional Director, IIMC Western Regional Campus, Amravati along with students and faculties participated.

Webinar 2: Climate Change & Indian perspective: This webinar aims at educating Media students about the role of natural climate solutions in mitigating climate change. This webinar was organized on 22.09.2021 in which Yusuf Kabir, Programme Specialist – Water supply, Sanitation and Hygiene UNICEF Mumbai, Mr. Bodhisatva Ganesh Khanderao, Young environmental activist UNICEF Maharashtra, Sh. Swami Vishalanand, Program Coordinator Prison Reform – Divya Jyoti Sansthan IIMC Amravati, Sh. Yadav Tarte Patil, Founder & President – Disha foundation Amravati (Working for wildlife, environmentalist) and Regional Director, IIMC Western Regional Campus, Amravati along with students and faculties participated.

Webinar 3: The Media Dialogue on The Status of Children in India: The webinar aimed at educating Media students about the rights of children and the efforts made for them. This webinar was organized on 30.09.2021 in which Dr Vrushali Joshi, Wardha Medical College, Mumbai, Shri Anil Gulati, Communication Specialist, Unicef Madhya Pradesh and Regional Director, IIMC Western Regional Campus, Amravati along with students and faculties participated.

Webinar 4: Adolescence - Health and Social Perspective: The webinar aimed at educating Media students about making them aware of their rights. This webinar was organized on 17.10.2021 in which Prof. Anju Verma, Lecturer Home Science Raghu Nath Girls Inter College, Meerut, Dr. Mona Chimote , H.O.D Marathi & Hindi, Sant Gadge Baba Amarvati University, Dr. Manoj Sudhir Tatwadi, Professional Content and Creative Writer, Prof. Ashwini Kamble, Assistant Professor, Shivaji university Kolhapur, Mrs. Netra Dao Communication Specialist and Regional Director, IIMC Western Regional Campus, Amravati along with students and faculties participated.

Webinar 5: Importance of Focus on Sports in Primary Schools: The webinar aimed at creating awareness and educating media students about the aspect which was previously neglected i.e., Importance of Focus on Sports in Primary Schools. This webinar was organized on 30.10.2021 in which Dr. Tanuja Raut, Associate Prof. & Head SGB Amravati University, Dr. Manoj Sudhir Tatwadi, Professional Content and Creative Writer and Regional Director, IIMC Western Regional Campus, Amravati along with students and faculties participated.

Webinar 6: Combating Climate Change Through Education: The webinar aimed at creating awareness and educating media students about the aspect which was previously neglected i.e., climate action education in school curriculum to combat against climate change. This webinar was organized on 28.11.2021 in which Dr P.K. Verma, Mr Kishore Rithe and Regional Director, IIMC Western Regional Campus, Amravati along with students and faculties participated.

Webinar 7: Violence against Children - The Problem and The Prevention: The webinar aimed at creating awareness and educating media students about the aspect which was previously neglected i.e., violence against children. This webinar was organized on 07.12.2021 in which Ms. Suchita Barve, Social Worker-Amravati, Shri Vijay Doiphode, Ex-Chairman: CWC-Mumbai and Regional Director, IIMC Western Regional Campus, Amravati along with students and faculties participated.

- Prof. (Dr.) Virender Kumar Bharti took over the additional charge of Regional Director, IIMC Western Regional Campus, Amravati on 28.02.2022.
- Students visited seven farms in different villages of Washim and wrote stories and also made a documentary.

SHORT-TERM COURSES, WORKSHOPS, SEMINARS AND CONFERENCES ORGANISED

With a view to contribute towards better understanding of different issues pertaining to media and mass communication in the context of India and other developing countries, and in order to enhance the awareness of personnel from different fields regarding emerging trends and techniques and sharpening their skills, the Institute has been organizing a variety of short-term courses, workshops, seminars and conferences on various themes related to communication. The Institute also runs regular short-term academic programmes for personnel from different Media Units of the Ministry of Information and Broadcasting.

Development Journalism

In 1969, IIMC started a major international training programme, the Post-Graduate Diploma Course in Journalism for Developing Countries, for middle level working journalists from Afro-Asian countries, to meet the requirements of the Non-Aligned countries in the context of imbalance and distortion in news coverage. This is one of the premier

courses under the ITEC schemes of the Government of India. The Development Journalism Course is an endeavour towards promoting international cooperation and understanding, especially among countries of the developing world, through the exchange of experience, expertise and innovations in the field of harnessing communication as a tool of development. Over the years, IIMC has trained over 1,706 foreign journalists from 127 countries, ranging alphabetically from Afghanistan to Zimbabwe.

During 2021-22, the Department of Development Journalism at IIMC could not conduct any course because of various restrictions, particularly travel and visa restrictions owing to COVID-19 pandemic.

DEPARTMENT OF SHORT COURSES

The Indian Institute of Mass Communication has been organizing a variety of short-term courses on various themes related to communication and media. These specialized short-term courses, ranging from one-week to four weeks duration are designed to meet the professional training needs of officers of armed forces, police personnel of various states and those working in various media and publicity organizations of Central and State Governments, as well as Public Sector Enterprises. Every year around eight to ten such courses are conducted by the Institute to fulfill the training needs of different organizations related to media.

These short-term courses incorporate various sessions of the eminent speakers from the academia and media industry to provide hands-on experience to the participants according to their requirements. Since its inception, the Institute has organized around 712 such courses, and has trained around 15,225 persons from India and abroad.

Inspite of the pandemic in the last academic year, the Indian Institute of Mass Communication has organized 10 Media and Communication Courses under the supervision of the Course Director Prof. (Dr.) Rajesh Kumar and Prof. (Dr.) Govind Singh. The courses were designed, coordinated and conducted by the team of the Department of Short Courses.

Starting from the overall media landscape, the participants of these Media & Communication Courses attend sessions on Media Management and Ownership Pattern, Social Media Ecosystem, New Trends in Media World, Handling Media in the Digital Age, Fact Checking, Understanding tools of effective Public Relations, Elements of Press Release, Online Mock Press Conference, Digital Media & Emerging Technologies & Indian Perspective of Communication & Content Creation for Media. The following courses were conducted during the reporting period:

- A 12-day programme on Media & Communication for DPR officers of the Ministry of Defence was organized from 07th to 18th June, 2021, which was attended by 37 participants.
- A one–week programme on Media & Communication for CRPF officers of the Indian Armed Forces was organized from 12th to 16th July, 2021, which was attended by 20 participants.
- A one–week programme on Media & Communication for the Coast Guard officers of Indian Armed Forces was organized from 23rd to 27th August, 2021, which was attended by 10 participants.
- A one–week programme on Media &Communication for the Senior Officers (General Rank) of the Indian Armed Forces was organized from 06th to 10th September, 2021, which was attended by 32 participants.
- A three-week programme on Media & Communication for the Officers & Staff Appts/ PRO/Instructor of Indian Armed Forces was

organized from 27th September to 15th October 2021, which was attended by 12 participants.

- A two–week programme on Media & Communication for the Senior Officers (General Rank) of the Indian Armed Forces was organized from 22nd November to 03rd December, 2021, which was attended by 17 participants.
- A two-week programme on Media & Communication for the Middle level Officers & Staff Appts/PROs/Instructors of the Indian Armed Forces was organized from 13th to 24th December, 2021, which was attended by 17 participants.
- A three-week programme on Media & Communication for Officers & Staff Appts/ PROs/Instructors of the Indian Armed Forces was organized from 10th to 28th January, 2022, which was attended by 16 participants.
- A one–week programme on Media & Communication for the Information and Public Relations Officers, J&K Govt. was organized from 14th to 18th February, 2022, which was attended by 42 participants.
- A one–week programme on Media & Communication for Information and Public Relations Officers, Indian Railway (WCR & NWR) was organized in March 2022, which was attended by 22 participants.

DEPARTMENT OF COMMUNICATION RESEARCH

The Department of Communication Research focuses on the systematic study of communication and media as an integral part of the Institute's research agenda. The Department's efforts are directed towards analyzing mass media policies, and communication programmes of the Government to assess their impact on salient development issues. The Department has established a benchmark for research in communication in the last 55 years with more than 200 research studies on different topics. The study and evaluation of media campaigns of the media units of the Ministry of I&B and other ministries is a distinct feature of Department's research programme.

The Department works through a system of collaboration with professional communicators, academicians and researchers who collaborate on research initiatives and training workshops under the Department's leadership.

Following are the major research activities undertaken by the Department during the reporting period:

A) NATIONAL RESEARCH PROJECTS

1. Phase –I of Evaluation study on "Using Media as a Tool for Advocacy and Demand Generation of Health-Seeking Behaviour for South Eastern Coalfields Limited (SECL), Chhattisgarh. *Commissioned by South Eastern Coalfields Limited (SECL), Government of Chhattisgarh*

This study evaluated South Eastern Coalfields Limited's health-related Corporate Social Responsibility (CSR) activities in various districts of Chhattisgarh. The activities were executed by the Centre for Advocacy and Research (CFAR), an implementing agency, which conducted SECL's CSR activities primarily related to women and child health in Chhattisgarh. The aim and focus of the CSR activities was to increase public and policy engagement with the State Health Department's RMNCHA+N (reproductive, maternal, new born, child, adolescent health and nutrition) programme by using media advocacy as a strategic tool to achieve scaling-up of service for, and accountability towards the most vulnerable people in various districts. According to CFAR, this project was implemented for 24 months in a phased manner. Phase-1, the phase whose activities were evaluated by IIMC, comprised of 6 months during which CFAR had proposed to conduct a number of activities over a span of 52 days in 2021-22. Of these, CFAR had completed four activities within the given timeline, reports/articles/campaigns of which were evaluated by IIMC.

2. Effectiveness of TV Health Programmes on Health Literacy: An Impact Evaluation of

Lok Sabha TV's Healthy India Programme, *Commissioned by the Ministry of Health & Family Welfare, Government of India.*

This study explored the effectiveness of the Healthy India Programme on television in an environment infused with a variety of media platforms offering a plethora of health-related information. The study is important in terms of evaluating whether health programmes broadcast on television have any effect on health literacy among viewers. The study, thus helped to understand whether knowledge levels about ways of identifying health conditions and using the knowledge gathered for prevention, protection and improving health conditions is higher among viewers versus non-viewers. The findings of this study aimed at suggesting any changes required to programming content and/or format of the Healthy India show for greater consumption and effectiveness.

3) Evaluation and Impact Assessment of Mass Media Campaign on Safe and Legal Migration, Commissioned By Ministry of External Affairs, Government of India.

This study aimed to evaluate and analyse the reach and effectiveness of the safe and legal migration campaign launched by the MEA in 2009. States with high rates of ECR category migrants in each region were selected and primary research was conducted for this purpose. To understand appropriateness of the campaign, media plan analysis was done based on ECR data from MEA website and other sources such as Indian Readership Survey (IRS), Audit Bureau of Circulation (ABC) and Census 2011.

B) ONGOING RESEARCH PROJECTS

1. Effective Communication for Low-Income, Low-Literacy, Remote, Indigenous Communities of Meghalaya, Community Led Landscape Management Project (CLLMP), Meghalaya Basin Management Agency (MBMA). *Commissioned by Government of Meghalaya.*

2. Impact Assessment of the Jago Grahak Jago Campaign through Post Offices. *Commissioned by the Ministry of Consumer Affairs, Food and Public Distribution, Government of India.*

ADMISSION TO POST-GRADUATE DIPLOMA COURSES

The process of admission to the following Post-graduate Diploma Courses for the Academic Year 2021-22 commenced with the publication of advertisement for the same in online portal, social media, etc. in the month of July 2021. The last date for the receipt of application forms was 9th August, 2021. The PG Diploma Courses offered:

1. Post-graduate Diploma Course in Journalism (Hindi) at Delhi.
2. Post-graduate Diploma Course in Journalism (English) at Delhi, Dhenkanal, Aizawl, Amravati, Jammu and Kottayam.
3. Post-graduate Diploma Course in Advertising and Public Relations at Delhi
4. Post-graduate Diploma Course in Radio & TV Journalism at Delhi
5. Post-graduate Diploma Course in Journalism (Odia) at Dhenkanal
6. Post-graduate Diploma Course in Urdu Journalism at Delhi
7. Post-graduate Diploma Course in Marathi Journalism at Amravati
8. Post-graduate Diploma Course in Malayalam Journalism at Kottayam

A total 5345 candidates applied for the Entrance Examinations for different courses.

The All-India Entrance Examination for the above courses was conducted on 29th August, 2021 as an Online Computer-Based Test by the National Testing Agency (NTA). The final result of all PG Diploma Courses was declared on 10th September, 2021.

The Orientation Session for the new batch of students continued from October 25-29, 2021. Eminent persons from the field of mass communication addressed the orientation sessions.

IIMC PLACEMENT CELL

The Indian Institute of Mass Communication (IIMC) conducted both online and offline placement drive for the 2020-21 batch from April 2021 to December 2021. The long duration of the placement drive was due to the Covid-19 crisis worldwide and the varying times at which companies approached for recruitment.

This time, the placement cell even included students from the 2019-20 batch, who could not find placement opportunity earlier. Regardless of the unprecedented Covid situation, the Cell organised an online Placement Fortnight towards the end of the session from 15th to 30th July, 2021.

Given the concerted efforts of the Placement Cell team, a robust placement was achieved with prominent media companies hiring students from IIMC. These included mainstream news channels, government organisations, public sector organisations, public and private media companies, private public relations and advertising companies, corporate organisations, research organizations, and non-governmental organisations.

Percentage of Campus Placement: 55%

Percentage of average Off campus Placement: 24%

Total Placements: 79%

Highest Package offered: Rs 8.60 LPA

Average Package Offered: RS 4.00 LPA

A total of 220 students were placed through the Campus, including 15 students from the previous 2019-20 batch as on February 2022. Additionally, about 100 students have been placed off-campus through their own efforts. The highest package was Rs. 8.60 LPA offered by the National Thermal Power Corporation Limited (NTPC). The average package remained around Rs. 4.00 LPA for all courses.

Recruiters adopted a two-tier system of a written test and an interview to complete the process. The process was mostly held online, but some companies also held offline interviews at their offices depending on the Covid situation in the country.

IMPORTANT MILESTONES

- The Placement Cell formulated comprehensive Placement and Internship Guidelines.
- Created an exhaustive data bank of companies for placement.
- The Cell now has data of around 200 media companies.
- Conceptualised and designed two e-brochures, including IIMC brochure and student brochure, for the purpose of placement.
- IIMC LinkedIn account activated for placements after a gap of over two years.
- Placement of students from the 2019-20 batch.
- Two students from English Journalism placed at Thomson Reuters.
- Several students placed in big corporates including TCS and Accenture, PSUs like NTPC and NMDC, and other national bodies like the Election Commission of India.
- Almost 40 students placed in different divisions of Prasar Bharti including DD News, etc.

Major Challenges Faced

Covid induced time constraints for advance planning: A lot of companies could not join the Placement Fortnight in July 2021 as hiring was frozen at a number of places during that time due to Covid pandemic. Thus, some well reputed companies came for hiring after the Fortnight, which led to missed opportunities for some students who got placed elsewhere before or during the Fortnight.

Round-the year Placement requests: Each company follows its own hiring timeline and thus, the Placement Cell had to continue the placement drive for a long duration. Thus, a round-the-year approach was followed to ensure the placement opportunity for the students throughout the year.

KEY COMPANIES

ABP News, ZEE Media, Tata Consultancy Services, NTPC, NMDC, India TV, InShorts,

Election Commission of India, Prasar Bharati, Adfactors PR, MSL Newzera, Madmen, RuderFinn, The New Indian, Amar Ujala, India Today Group, Hindustan, ET Media Labs, Scatter, BCCL, Adworth Media, Hindustan Times Digital, ESS Sewa Bharat, The Pioneer, The Telegraph, The Hindu Businessline, Network 18, Storytailors, Informist Media (Cogencis), The SocialBooth, CafeMutual, The BlueBeans, Career 360, Dentsu, BrandComm, WeberShandwick, The Lallantop, Gensis BCW, I-PAC, The Free Press Journal, SoSChildren's Village, Metro Rail News, Torque Communications, The Practice, Mirchi Brewery, PHD Chamber of Commerce Industry, Accenture, Ola Electric, Thomson Reuters, Asian News International, JLL, TV 9 Digital, Dainik Bhaskar, etc.

The team of NMDC visited IIMC for campus placement on December 16, 2021.

Initiatives for the Current Batch (2021-22)

- Organised special online interaction with the students of current batch in March 2022 to explain to them the Placement Process.
- Guidelines for Placements and Internship have been amended.
- Special IIMC Brochure for the purpose of Placements has been updated for the current batch.
- Data of the Media Houses/companies for the placement process for current batch has been updated.

ANNUAL DAY CELEBRATIONS

IIMC celebrated its 57th Foundation Day on 17.08.2021. The Foundation Day lecture on "Media Education: The Road Ahead" was delivered by Shri Shashi Shekhar, Editor-in-Chief, Hindustan Times Media Ltd.

INDEPENDENCE DAY CELEBRATIONS

The 75thIndependence Day was celebrated with great zeal and enthusiasm at IIMC's headquarters and the five Regional Campuses on 15th August 2021. Director General Prof. Sanjay Dwivedi hoisted the tricolor and exhorted the students to inculcate a sense of ownership with regard to the society and the nation.

OFFICIAL LANGUAGE DEPARTMENT

In accordance with the Government policy, all efforts aimed at progressively increasing the use of Hindi in official work were made during the year. The employees of the Institute were encouraged to increase usage of Hindi in their day-to-day functioning. Hindi workshops were arranged for the officers/employees in order to remove hesitation to work in Hindi.

Hindi workshops organised

- Dr. C. Jaya Sankar Babu, HoD, Hindi Department, Pondicherry University was invited as a guest speaker in the Hindi Workshop held online on 25th June, 2021. It was attended by 10 participants.
- Hindi Workshop was organized in the Institute for the trainee officers of Indian Information Service on 21st September, 2021. Dr. C. Jaya Sankar Babu, HoD, Hindi Department, Pondicherry University was invited as the guest speaker.
- Shri Pradeep Agarwal, DGM (Retd.), IDBI

Bank was invited as a guest speaker in the Hindi Workshop held on 16th December, 2021. It was attended by 9 participants.

- On March 8, 2022, on the occasion of International Women's Day, Hindi Workshop was organized for the women employees of the Institute. In this workshop, Ms. Rakhi Bakshi, Communication Consultant, IIPA was invited as a guest speaker. It was attended by 23 participants.

Hindi Pakhwara

Hindi Pakhwara (Hindi Fortnight) was observed at the Institute from 14th to 28th September 2021. At the inaugural function of Hindi Pakhwara on September 14, a webinar on "Bhartiya Bhashaon ki Patrakarita ka Bhavishya" was organized. During the valedictory function on 28th September, another webinar on "Digital Duniya main Hindi ka Bhavishya" was organized. During the Hindi Pakhwara various activities and competitions like Nibandh Pratiyogita, Hindi Tippan Evam Praroop Lekhan Pratiyogita, Hindi Kavya Path Pratiyogita, Hindi Tankan Pratiyogita, etc. were organized. Faculty members and staff actively participated in these activities and competitions. Exhibition of Hindi books, magazines and journals was organized in the library. The Dhenkanal Regional Campus celebrated Hindi Saptah (Hindi Week) from 14-18 September, 2021. "Hindi Divas" was celebrated on 14th September, 2021 in other Regional Campuses of the Institute i.e. Aizawl, Amravati, Jammu and Kottayam.

Activities related to Town Official Language Implementation Committee (TOLIC)

The Indian Institute of Mass Communication is the Head of the Town Official Language Implementation Committee South Delhi-3. Half-yearly meetings of TOLIC were organized on 21st June, 2021 and 23rd November, 2021. In the first meeting, the Heads and the representatives of 52 member-offices participated and in the second meeting, 48 member-offices participated. Both meetings were organized through Google Meet.

Inspection by the Parliamentary Committee on Official Language

The Inspection by the Parliamentary Committee on Official Language was conducted on June 29, 2021 at Vigyan Bhawan, New Delhi. IIMC successfully coordinated with three other Offices for preparation of questionnaire and arrangement of venue, transportation, manpower, etc.

Meetings of the Official Language Implementation Committee

The meeting of the Official Language Implementation Committee of the Institute is organized once in every quarter. These meetings are held under the chairmanship of the Director General of the Institute. From April 2021 to March 2022, four meetings of the Official Language Implementation Committee were held in the Institute. Due to the Covid-19 pandemic, the meeting of 28th June, 2021 was conducted through online mode. Whereas the meetings on 29th September, 2021 and 15th December 2021 were conducted through offline mode. The meeting of 22nd March was conducted through hybrid mode. Fruitful discussions were held in these meetings on promoting the progressive use of Hindi.

STRENGTHENING OF INFRASTRUCTURE

The Institute strives continuously for the creation of adequate and suitable infrastructure support for enabling its students to face the emerging challenges in the field with confidence. Owing to the rapid changes taking place in view of the IT revolution, there is a constant need to upgrade and strengthen the infrastructure created for the purpose. The use

of these different contemporary tools and facilities provide greater effectiveness to teaching.

CONSTRUCTION OF REGIONAL CAMPUSES

While IIMC is running from its own campuses in New Delhi, Kottayam in Kerala and Dhenkanal in Odisha, the Regional Campuses in Jammu (J&K), Aizawl (Mizoram) and Amravati (Maharashtra) are running from temporary premises provided by the respective state governments/Universities. With an endevour to strengthen its infrastructure and create permanent campuses for all the regions, the Institute is building its own campuses in all these three places.

The construction work at the Northern Regional Campus in Jammu is almost complete. On completion, the work of furnishing the Campus and creating the desired infrastructure for classrooms, computer laboratories, library and other areas shall begin. The 2022-23 session shall be started from the new Campus.

The primary construction of the main building at the North Eastern Regional Campus at Aizawl, Mizoram is also almost complete. Some additional work is in progress which shall also be completed. The 2022-23 session shall be started from the new Campus.

At Amravati, Maharashtra, the state government has provided six hectares of land for construction of a permanent Western Regional Campus. The construction of the building shall begin soon.

TEACHING AIDS/FACILITIES

In consonance with its reputation of being one of the premier national-level institutes for imparting quality education and undertaking research in the field of media, mass communication and journalism, the Institute has well-defined and adequate facilities which encompass an entire spectrum of infrastructure needed for classrooms and practical orientation in communication education. Constant up-gradation of these facilities is undertaken.

Global networks are converging towards a single integrated platform for voice, video and data. To keep pace with the developments in the fast-changing technology in the field of Information and Communication and its application in different areas of education and research, the Institute has acquired the latest computers with internet facility, which facilitates round-the-year connectivity for its students and faculty. This equipment and connectivity is the backbone of the educational tools and teaching aids for training students in electronic news editing, web journalism, multimedia, designing, publishing and graphics. A combination of state-of-the-art desktop machines facilitates the training of students in the areas of multimedia, computer graphics, desktop publishing, etc.

IT TOOLS

During 2011-12, IIMC joined the National Knowledge Network (NKN), a state-of-the-art, multi-gigabit, pan-India broadband network for providing a unified high speed network backbone for all knowledge-related institutions in the country. Being part of the National Knowledge Network, IIMC receives broadband internet seamlessly at speeds of 1Gbps or higher. The purpose of such a knowledge network goes to the very core of the country's quest for building quality institutions with requisite research facilities and creating a pool of highly-trained professionals. The high speed NKN enables scientists, researchers, communicators and students from different backgrounds and diverse geographies to work closely for advancing human development in critical and emerging areas for generation and dissemination of knowledge in various fields. The Institute also has a back-up of 2Mbps broadband internet connection through the NIC.

These facilities provide learning opportunities for the students of the Institute and inter-alia include three Workplaces – several Computer Labs, Multimedia and DTPs available to different groups at a time. The website of the Institute, providing useful information about its programmes and other activities, can be accessed at www.iimc.gov.in.

TV AND VIDEO PRODUCTION

With a view to developing a high impact and good knowledge base amongst its students and trainees in the field of electronic journalism, the Institute has a modern production studio, equipped with digital cameras with sync and special effects generators. The editing consoles comprise of iMac, FCP Mac-Pro digital video editing systems and on-line digital video editing.

The Institute has partially upgraded its analogue tape-based equipment to modern digital technology. This provides students with hands-on experience on digital cameras and non-linear editing that are universally employed in T.V. channels today.

For strengthening the infrastructure available with the Institute, it has acquired high-end FCP Mac Pro video edit machines for a network-based digital non-linear video editing system at New Delhi, with stand-alone, non-linear edit systems and a high-end digital graphic support system for T.V. and print media. Digital still cameras, along with accessories, were also acquired for sufficiently strengthening the training in audio-visual and print areas. Digital video and still cameras, teleprompter machines and iMacs for non-linear editing have also been procured for Regional Campuses at Aizawl, Amravati, Jammu and Kottayam.

RADIO

For radio transmission, the Institute has separate sound recording, FM and voice-over studios, which are used for imparting training in Radio and TV technology. The Institute is equipped with the requisite facilities for radio news-gathering: professional tape and digital recorders, microphones and other accessories. The sound studio has reasonably comprehensive facilities:

- YAMAHA 03D full track console recorder.
- Sony 8 channel Audio Mixer MXP-290 for standby recording.
- A six channel On-Air console with specialization facilities.
- Portable Sony IC recorders that record directly into MP3 and WAV Sound formats.
- Shure Microphones SM 58.
- Adobe Audition Software units with Editing and Recording facilities for programme production.
- Multitrack TASCAM containing a mini disc player, CD player, cassette player for transmission.
- Specialised broadcast equipment.

COMMUNITY RADIO STATION (APNA RADIO 96.9 FM)

The Community Radio Station (CRS) Apna Radio 96.9 FM at New Delhi has been upgraded with the state-of-the-art equipment.

Apna Radio 96.9 FM has played a vital, supportive, entertaining and informative role for the community during the year 2021. Exhaustive Covid awareness programmes were made, especially during the second wave. They were related to aspects like treatment, busting misinformation and providing correct information, vaccinations, diet, cheering of Covid warriors, physical and mental health, Yoga, care for children. Special focus was on promoting government guidelines from time to time.

TOKYO 2020 Olympics: Apna Radio 96.9 FM made extensive programmes on Tokyo 2020 Olympics - the biggest event in the world to celebrate the spirit of sportsmanship. The programmes aimed

at celebrating the spirit of sportsmanship, cheering the Indian Squad and celebrating their success. The Tokyo 2020 programming by Apna Radio 96.9 FM started before the Indian Squad left for Tokyo and continued till, they returned, laden with highest ever tally of medals, amid glory.

- Tokyo Olympics 2020 – 39 programmes – 10 hours programming
- Tokyo Paralympics 2020 – 13 programmes – 3.5 hours programming

As part of this programming, Apna Radio interviewed many athletes like the Hockey win celebration with former Olympic Medalist Harvinder Singh and Dhanraj Pillay, Neeraj Chopra, Mirabai Chanu, P.M Interaction with Sports Persons, Olympic Theme Song, Olympic Preparations, Vinesh Phogat, Sania Mirza and Rani Rampal, Shivpal Singh, Mirabai Chanu, Tajinderpal Singh Toor and many more.

Azadi ka Amrit Mohotsav: Several programmes related to Azadi Ka Amrit Mahotsav like Rashtragaan Upload, Patriotic Lori, Mentoring Yuva Scheme and Deshbhakti Geet Lekhan were made by Apna Radio 96.9 FM.

A series of 52 episodes of special programmes titled 'Anubhav' was made by Apna Radio for Vigyan Prasar in association with Algappa University. These were made especially for senior citizens. The programmes were made according to the needs put forth by Vigyan Prasar and covered aspects like promoting interest in science, health and wellness, interactive programmes that showcased the talents and experiences of the senior citizens and also feedback episodes from the target community about the programmes. These 52 episodes are also available on Spotify.

A training programme was also conducted for senior citizens in Delhi to teach them about podcasting. This was part of a nationwide project by the Ministry of Social Justice. This was a paid training.

Programmes based on PM's Independence Day speech, Public- oriented programmes, telling people what an individual can do and how every person's contribution matters were made on topics like - Water Conservation, River Rejuvenation, Single Use Plastic Waste Management.

Special and commemorative days: Special programmes were created for commemorative days even during the situation of pandemic and lockdown. Some of them are Swachhta Pakhwada, Republic Day, Independence Day, World Women's Day, Doctors' Day, Yoga Day, etc.

Initiated efforts for an eco-friendly, zero-waste green campus through consensus building amongst primary stakeholders. This was done in two ways – One, by making Radio Programmes about recycling and cutting down on waste and, two, through organising training for gardeners and canteen staff about organic waste recycling and making manure. As a result, IIMC has demarcated an area for making organic manure out of campus waste.

Amplification of the CRS programmes is

consistently being done through Social Media platforms. Additional amplification can be expected as iRadio - is broadcasting the programmes of Apna Radio 96.9 FM through its portal for free. This is presently in the trial stages.

Internship / training programme: The programme that had been abandoned due to COVID situation was taken up once again.

Efforts towards setting up CRSs at 5 Regional Campuses of IIMC:

- Establishing CRS at all 5 Regional Campuses is a priority that is being followed up. Out of the 5 Regional Campuses - LOI was issued to Aizwal and Amravati. Taking it forward, we now have got LOI for Frequency Allocation for these two places.
- The process to get LOI to establish CRS for remaining 3 Campuses, namely Jammu, Dhenkanal and Kottayam is being followed up.
- There are frequency related issues regarding Dhenkanal and Kottayam, which will be sorted out at the earliest.
- Jammu is now all set to have its own building. So, getting CRS established there would be taken up on priority.
- The Community Radio Empowerment and Resource Centre has recently entered into an MoU with CS Cell of MIB for the capacity building of stakeholders at various levels.

DEPARTMENT OF OUTREACH ACTIVITIES

- During the year 2021-22, a total of 15 'Friday Dialogues' were delivered by eminent

personalities including Prof. Ramesh C. Bharadwaj, Smt Monika Arora, Dr. Indumathi Rao, Dr. Shashank Heda, Shri Balendu Sharma Dadhich, Shri Vijay Manohar Tiwari, Prof. Makkhan Lal, Shri Girish Upadhyaya, Dr. Nivedita Bhide, Prof. Kripa Shankar Chaube, Dr. J.K. Bajaj, Dr. Sushil Trivedi, Shri Vinay Upadhyaya, Major General Dhruv C. Katoch, and Ms. Manisha Kapoor. Most of the 'Friday Dialogues' were organised online due to Covid pandemic. But now, as the Campus has opened in March 2022, offline events are also being organised.

- A total of ten special events were organised from April 2021 to March 2022. They included special lecture on the birth anniversary of Dr. BR Ambedkar by Shri Ramesh Patange, Media in post Covid Era, First Pledge of Hindi Journalism: For the Good of Countrymen, Coverage of Covid-19 Pandemic in India by Western Media, Sapre Prasang, IIMC Foundation Day Lecture by Shashi Shekhar, Special lecture by Joint Secretary in I&B Ministry Shri Vikram Sahay on Digital Media Ethics Code-2021, Birthday Celebration of Deendayal Upadhyaya, Dharmapal Prasang and Pravasi Deshon mein Ram.

- Hon'ble Union Minister of State for I&B Dr. L. Murugan visited IIMC on September 25, 2021. He paid homage to Pt. Deendayal Upadhyaya. He also released a book 'Deendayal Upadhyaya World of Literature: Annotated Bibliography' authored by Prof. (Dr.) Pramod Kumar, HoD, Outreach Activities, IIMC.

- Special Events were organised to celebrate 'Azadi ka Amrit Mahotsav'.

- The Department of Outreach Activities conducted special research on the Coverage of vid-19 Pandemic in India by the Western Media in the month of June 2021. Nine selected newspapers from the West were studied as part of the study. This research, along with the discussion with eminent journalists of India on

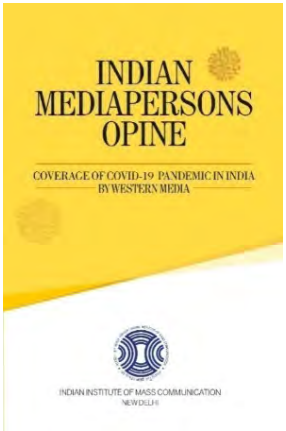

the same topic, has been published in a special Report titled 'Indian Media Persons Opine' in the month of January 2022.

- The lectures delivered as part of the 'Friday Dialogue' have been compiled in a separate 369- page book.

PT. YUGAL KISHORE SHUKLA LIBRARY AND KNOWLEDGE RESOURCE CENTRE

The Institute has the largest specialized library in mass communication in the country. It has collected about **37948** volumes of Books and bound Journals on different aspects of mass communication and allied subjects such as print media, broadcasting, advertising, communication, communication research, public relations, radio and television, film, information technology and traditional media in Hindi and English Language.

The library subscribes to over **111** Journals/ magazines and 33 leading newspapers. It has also been providing a newspaper-clipping service to its users, including complete record of news items and lead articles on Mass Communication published in various leading professional journals and periodicals.

The library is fully computerized and has automated its housekeeping and service operations through the latest version of Library software LIBSYS 10, On-line Public Access Catalogue (OPAC) and Online Journals, which are available for students and faculty members.

The library has also developed a state-of-the-art Multimedia, Reference and Research section for students, faculty and research scholars.

During the year 2021-22, the library organized following activities:

- IIMC Delhi HQ Library was named as "Pt. Yugal Kishore Shukla Library and Knowledge Resource Centre".
- Procured around 335 new books in Hindi/
- English on Media, Communication and Literature.
- Organized Hindi Books and Journals exhibition during Hindi Pakhwara
- Won Swachchta Award of the year.
- Library Committee meetings for selection of books and renewal of subscription of Journals / Magazines/Newspapers were held in the month of November 2021 and February 2022.

DEPARTMENT OF PUBLICATIONS

The Department of Publications at the Indian Institute of Mass Communication strives to add to the communication discourse and contribute to the current media debates in India and South Asia. The department attempts to promote the discipline of Mass Communication and Journalism by disseminating information and creating awareness about the various media-related issues, innovations and ideas. The department publishes and sells journals, magazines and books at affordable prices to various subscribers, scholars and media institutions in India and abroad. The department has been publishing various books related to mass communication and journalism in English and Hindi. The prime objectives of the Department of Publications are:

- Encouraging dialogue between academicians, media practitioners and policymakers.
- Providing rich and authentic resources for academic and industrial use.
- Encouraging Indian scholarship for the betterment of contemporary media research in the nation.
- Providing outreach to wider audiences to propagate the importance of media as a discipline.

MAJOR ACTIVITIES

1. **Research Journals**

Communicator

Launched in 1965, Communicator is a peer-reviewed journal of the Indian Institute of Mass Communication (IIMC) that publishes original research on mass communication. It is published by

the Department of Publications, IIMC. The flagship journal of IIMC endeavours to publish the best literature available in the field of communication and its related branches for the greater benefit of scholars, practitioners and policymakers. It is the oldest communication journal published in India. In order to maintain its high standard of scholarship, Communicator follows a rigorous procedure of blind peer review. Communicator is a UGC-CARE listed journal that publishes authentic and standard research studies.

Four issues of Communicator; Volume LVI (2) April - June 2021, Volume LVI (3) July-September 2021, Volume LVI (4) October-December 2021 and Volume LVII (1) January-March 2022 were published during 2021-22. A total of 61 research articles have been published in these issues.

Sanchar Madhyam

Sanchar Madhyam is a leading peer-reviewed research journal published in Hindi on the media and related issues. It is a major platform for the expression and publication of various types of views, comments and research papers on topics related to communication, media and journalism. Sanchar Madhyam is a UGC-CARE listed journal that publishes authentic and standard research studies in the Hindi language.

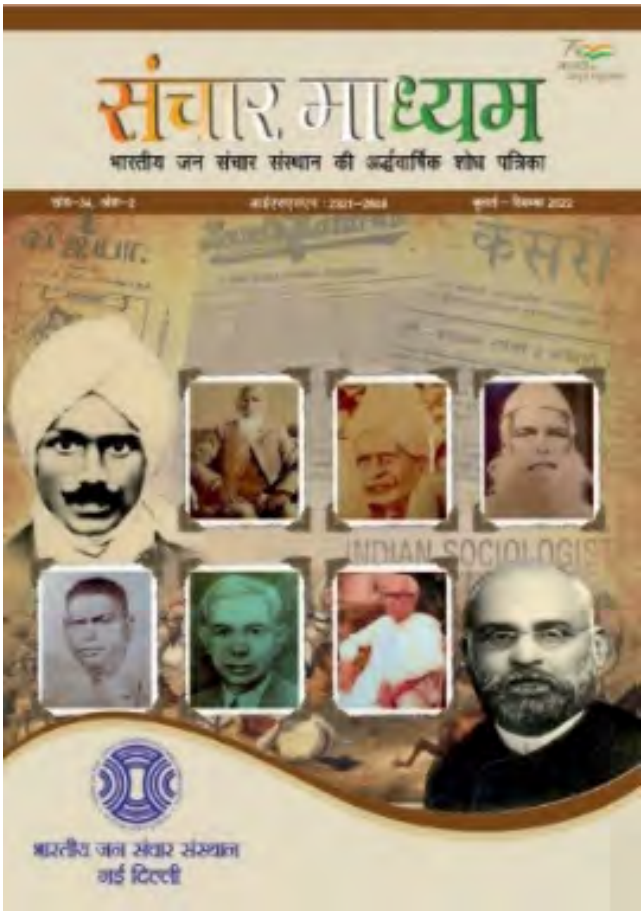

Two issues - Volume 33(1) January-June 2021 and Volume 33(2) July-December 2021 of Sanchar Madhyam were published during 2021-22. A total of 36 research articles were published in both the issues.

2. Magazines

Sanchar Srijan

The Department of Publications has launched the first issue of Sanchar Srijan Volume 1 Issue 1 (quarterly) in the month of December 2021. Dedicated to contemporary media issues,

this magazine includes articles on major media - related activities in India and abroad, book reviews, photo features, etc.

RajbhashaVimarsh

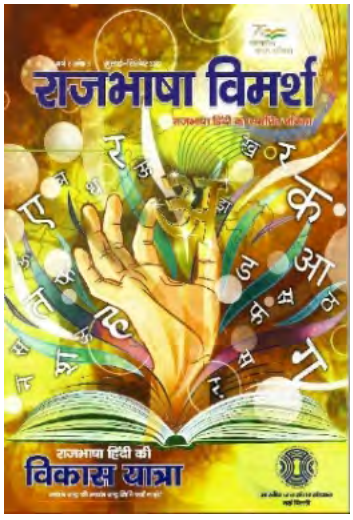

The Department of Publications has launched the first issue of RajbhashaVimarsh Volume 1 Issue 1 (quarterly) in the month of December 2021. This magazine is dedicated to the Official Language Hindi which includes articles on Hindi Language and its implementation in Central Government offices, Hindi literature, famous stories, book reviews, etc.

IIMC Newsletter

The first issue of IIMC News was brought out by the Publications Department in July 2021. The IIMC News consists of information of all activities being taken up at the IIMC Hqrs as well as at the various regional centres. The information on Workshops/Meetings/ Conferences/ Symposia/ Seminars organized/ Friday Dialogue, MoUs, Capacity Building Programmes, New Initiatives, Profile of IIMC Regional Centres, Celebrations, notable personal achievements of IIMC faculty and staff like published books, awards, Ph.D. awarded, Visits, Training/ courses/short programmes organized, Appointments/ Transfers/Retirement/Promotion, IIMC Library and new arrivals (books/journals), Alumni speaks, etc. are being regularly published on quarterly basis.

NEW INITIATIVES

Impactful changes in the IIMC research journals

Many aesthetical changes have been implemented in the look and design of journals including the format, the masthead, quality etc. Enhanced visibility of the journal in terms of visually appealing design with standardized components has saved the print space and provided a far-reaching opportunity to accommodate various quality papers in the volume. To get the most benefit out of these improvements made in the journal, it is encouraged to publish more practice-based articles, state-of-the-art content and critical review articles including commentaries. The prime objective of these changes is to score high on performance measures and moving up in journal ranking lists.

Text Book Programme

There has always been a demand for quality textbooks in the field of journalism and mass communication, but a huge gap has been observed in the demand and supply of standard textbooks. Presently, there are many textbooks on journalism and mass communication published by Indian publishers but there is a lack of quality textbooks in Hindi and other Indian languages written by subject matter experts, professionals and academicians. Keeping this in view, in order to provide quality standard text-books in various Indian languages including Hindi to various stakeholders, the Department of Publications of Indian Institute of Mass Communication has developed a 'Text Book Publishing Program' to publish quality text books on Journalism and Mass Communication in Hindi, Marathi, Malayalam, Oriya and Urdu languages. The program is being started with Hindi books, followed by writing of books in other Indian languages. The purpose of writing these text books is to create a synergy in the curriculum of all the students of mass communication. Thus, the books published by the Indian Institute of Mass Communication will be helpful in increasing the knowledge of mass communication and media students and other media personnel.

Monitoring the parameters for Communicator and Sanchar Madhyam

A detailed Authors' Guidelines for Communicator and Sanchar Madhyam have been published. The objective of the authors' guidelines is to strengthen the visibility of the journals globally as well as to provide clear directions to the prospective authors. Changing technologies have given rise to many more platforms, hence it is necessary to have the well-structured guidelines for authors. These guidelines have been prepared after taking inputs from concerned professionals.

Empanelment of Editors, Proof-readers, Translators and Offset Printers

The Department of Publications at IIMC is presently publishing two research journals Communicator and Sanchar Madhyam which are peer-reviewed and are UGC-CARE listed journals which are being published on quarterly and bi-annual basis respectively. Apart from these journals, textbooks are also being published in English language. Under the publication programme, some new publications are also to be brought out like the IIMC Newsletter, Sanchar Srijan and Rajbhasha Vimarsh. IIMC has launched a textbook publishing programme in Hindi and other Indian languages. As envisaged, the textbooks will be designed according to the approved syllabus in order to achieve high degree of quality and maintain the standard of books. All the related activities connected with publication are to be accomplished within a time frame manner maintaining high degree of quality. In order to expedite the work of wide range of publications (Textbooks, Popular books, Technical Bulletins, Reports, Periodicals and Monographs, etc.), detailed Terms of Reference have been prepared to empanel the Editors, Proof-readers, Translators and Offset Printers.

Indexing of Communicator Journal in the Indian Citation Index

The Communicator is now listed in the Indian Citation Index. Indian Citation Index (ICI) is a homegrown abstract and citation database, with multidisciplinary objective information/knowledge contents from about 1000 top Indian scholarly journals. It provides a powerful search engine to perform search and evaluation for researchers, policymakers, decision-makers etc. It is a major achievement for the Communicator as it will increase its reach, impact factor and popularity among the top communication journals across the nation. Indexing of our flagship journal in ICI is a step forward in bringing and enhancing the impact factor of our journal.

Printing Press

An automated printing press and graphics wing at the Institute provides facilities for graphic design, offset and silk-screen printing, besides imparting training in printing techniques and desktop printing to the students of the Institute.

The printing press is also equipped with processing and binding facilities. All question papers for the All-India Entrance Examination, all the End-Semester Examination question papers and most publications of IIMC are printed at the in-house printing press.

PLAN SCHEME OF IIMC

The Plan Scheme 'Up-gradation of IIMC to International Standard' was included in the 11th Five Year Plan and approval was accorded for a total amount of Rs.62.00 crores, out of which the Government grant support is pledged at Rs. 51.50 crores.

The proposals of the scheme included up-gradation of IIMC Campus at New Delhi, i.e. construction of an additional floor on the existing main buildings, construction of lecture block and construction of new buildings in the vacant land. The scheme also included construction of new buildings in Eastern Regional Campus of IIMC at Dhenkanal, Odisha, construction of Northern Regional Campus at Jammu, construction of Southern Regional Campus at Kerala, construction of North East Regional Campus at Mizoram and construction of Western Regional Campus at Maharashtra.

- Construction of additional floors and the

lecture block of IIMC Headquarter at New Delhi was completed in the year of 2011. Construction of new buildings in the vacant land at New Delhi Campus was held up due to delay in obtaining NOC from the Ridge Management Board. Now the Central Empowered Committee has approved the project and it is expected that the construction work shall begin in the year 2023. Construction of new building at Dhenkanal was completed in the year of 2014.

- Two new Regional Campuses i.e. Amravati in Maharashtra and Aizawl in Mizoram became operational from August 2011, while the other two Regional Campuses, one in Jammu and other in Kerala became operational from August 2012.
- All these Regional Campuses were located in temporary premises provided by the respective state governments / local Universities.
- Meanwhile, IIMC began the process of construction of permanent campuses in Kerala, J & K and Mizoram.
- The permanent Campus at Kottayam, Kerala has been completed and classes for the session of 2019-2020 were conducted from the newly constructed Campus.
- The permanent Campus of Aizawl is almost complete and the 2022-23 session shall begin from the new campus.
- The construction of the new building at Jammu is almost complete and the 2022-23 session shall begin from the new campus.
- The construction of the Regional Campus at Amravati Maharashtra could not be started due to various reasons, which have now been resolved and it is anticipated the construction work will start in the year 2023.

SWACHH BHARAT MISSION

As a part of Swachh Bharat Mission, Swachhta Pakhwada 2022 was organized in IIMC from Jan 16-31, 2022 during which various activities like display of Swachhta Message on IIMC's Website, taking of Swachhta Pledge by all, Special Cleanliness Drives in Hqrs. and Regional Campuses, Special Tree Plantation Drive, Competitions for Employees and Students, Photo Exhibition, etc. were organized. Apart from this, Swachhta Activities were also regularly undertaken every week.

INTERNATIONAL YOGA DAY

Seventh International Yoga Day (IDY) was observed by the officers, faculty, IIS OTs and staff of IIMC Hqrs. at New Delhi and in all its Regional Campuses at Dhenkanal (Odisha), Aizawl (Mizoram), Amravati (Maharashtra), Jammu (J&K) and Kottayam (Kerala) on 21.06.2021 with full vigour. Apart from this, Apna Radio of IIMC had also aired a series of programmes on Yoga during this period.

WELLNESS CENTRE

Wellness Centre is functional at Delhi Campus where allopathic, ayurvedic and homeopathic doctors visit from Monday to Friday. A similar facility is available at the Dhenkanal Campus. Emergency medical facilities are made available at all campuses.

CITIZEN'S / CLIENT'S CHARTER & GRIEVANCES REDRESSAL MECHANISM:

The new Citizens' Charter has been prepared in January, 2022 as per the new guidelines and posted on the IIMC website. As per the Citizens' Charter, any citizen can address and seek redressal of his / her grievance pertaining to the Institute. An officer from the Institute has been nominated as Public Grievance Officer. Grievances received are examined by the Institute and redressed with the approval of the Competent Authority. The address of the Public Grievance Officer of the IIMC is:

Additional Director General
Indian Institute of Mass Communication
Aruna Asaf Ali Marg, New Delhi – 110 067

Any person not satisfied with any service of IIMC, or aggrieved by any action of the Institute, may seek redressal of his / her grievance by addressing it to the Public Grievance Officer. Every such person shall be entitled to be informed

about the action taken on his / her grievance within a period of 30 days from the date on which the complaint is received.

If any member of the Public / Institute desires to meet the Public Grievance Officer in connection with his / her grievance, he / she can do so without any prior appointment on all working days in the office.

INTERNAL COMPLAINTS COMMITTEE

A five-member Internal Complaints Committee has been reconstituted in IIMC during 2021 with one non-official member, as part of the Grievances Redressal mechanism in accordance with the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013.

Steps followed to spread awareness

- A Seminar on sexual harassment in the workplace was organized.
- A poster making competition on the issue was organized.
- Posters on 'Zero Tolerance' have been displayed at all important areas in the Delhi Campus and at all regional campuses of IIMC.

GRIEVANCE REDRESSAL CELL

There is a Grievance Redressal Cell in IIMC to address the grievances of all the staff and faculty of IIMC.

RIGHT TO INFORMATION ACT, 2005

As far as implementation of the Right to Information Act 2005] is concerned, Prof. (Dr.) Virender Kumar Bharti has been nominated as CPIO; Additional Director General as the Appellate Authority and Director General as the Transparency Officer under the RTI Act.

As per DoPT order dated No.1/34/2013-IR, Third Party Transparency Audit of Suo Moto disclosure (mandated by the Act and that all institutions have to follow by uploading the information on their website) is to be undertaken by all Training Institutes under the Ministry/Department/ Public Authority and across all the states and Union territories. In view of the above order, this year IIMC was tasked to do a Transparency Audit for the 23 Public Authorities under the Ministry of Information and Broadcasting. Apart from this, IIMC has done the Third-Party Transparency Audit of 10 other Public Authorities and has generated about Rs. 4.25 lakh of income.

The task of Transparency Audit is a time-bound, crucial and voluminous task and the whole task was completed by an exclusive cell constituted especially for this task.

CODE OF CONDUCT

IIMC is an institute of excellence in the field of professional media training and as such, is required to ensure the highest standards of discipline and conduct to allow time-bound and rigorous administration of professional courses in the field of media. Therefore, the Code of Conduct and disciplinary policies for the students of Indian Institute of Mass Communication have been formulated to provide a clear and transparent statement of the Institute's expectations from students with respect to academic matters and individual behaviour. The Code of Conduct applies to all students of IIMC, New Delhi and its Regional Campuses, with respect to all actions and activities relating to or impacting the Institute or its students and employees. It is available on IIMC website.

DISCIPLINARY COMMITTEE

A Disciplinary Committee has been constituted in the Institute to deal with the matters pertaining to disciplinary cases involving students of IIMC.

SC/ST CELL

To safeguard the interests of the SC/ST category students and to redress their complaints/grievances at the Delhi Campus and at the Regional Campuses, a separate SC/ST Cell has been created.

Appendix "A"

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठयक्रम 2020-21 की पुरस्कार सूची

Award list of PG Diploma Courses 2020-21

हिन्दी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठयक्रम

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री अदिति अग्निहोत्री
2	पंडित बनारसीदास चतुर्वेदी पुरस्कार	श्री अभिषेक वर्मा
3	श्री अशोक जी पुरस्कार	श्री अनुराग मिश्रा

Post-graduate Diploma Course in Urdu Journalism, New Delhi

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1	IIMC Award	कुमारी शबीना अंजुम

Post-graduate Diploma Course in Advertising and Public Relations

Sl. No.	Name of Award	Name of Student
1	Shri Achin Ganguly Memorial Award	Ms. Tanisha Kumar
2	IIMC Award	Ms. Tabina Ofaque
3	Shri Anil Basu Memorial Award	Ms. Tanya Adlakha
4	PRSI Award	Ms. Tarini Walia
5	PSPRF Award	Ms. Muskaan Bhatia Ms. Nandini Aggarwal
6.	Baba Saheb Dr B R Ambedkar Award	Ms. Itisa Sarkar

Post-graduate Diploma Course in Radio & TV Journalism

Sl. No.	Name of Award	Name of Student
1	IIMC Award	Ms. Anushka Shrivas
2	ZEE TV Award	Mr. Vaibhav Mathur
3	TV Today Award	Mr. Kumar Shubham
4	CNN Award	Mr. Rahul Tripathi
5	ZEE TV Award	Ms. Tanya Rana
6	Prasar Bharati Award	Mr. Himanshu Jain

Post-graduate Diploma Course in English Journalism, New Delhi

Sl. No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Ms. Rushil Saini
2.	The Hindu Award	Ms. Poorvi Sapra
3.	Deccan Herald Award	Ms. Subhra Parna Deb

Post-graduate Diploma Course in English Journalism, Dhenkanal campus (Odisha)

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Ms. Khyati Senger
2.	Baba Saheb Dr B R Ambedkar Award	Ms. Divya
3.	NALCO Award	Ms. Swayam Sampurna Nanda

Post-graduate Diploma Course in English Journalism, Aizawl campus (Mizoram)

Sl. No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Mr. Anmol Singla

Post-graduate Diploma Course in English Journalism, Amravati campus (Maharashtra)

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Ms. Deepti Yadav

Post-graduate Diploma Course in English Journalism, Jammu campus (J&K)

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Ms. Mehak Pal

Post-graduate Diploma Course in English Journalism, Kottayam campus (Kerala)

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Mr. Akshay Gopal B S

Post-graduate Diploma Course in Odia Journalism, Dhenkanal campus (Odisha)

Sl. No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Ms. Jajnaseni Dhal
2.	Baba Saheb Dr B R Ambedkar Award	Mr. Subhankar Jena
3.	Dr Harekrushna Mahtab Memorial Award	Mr. Aditya Jena

Post-graduate Diploma Course in Marathi Journalism, Amravati campus (Maharashtra)

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1	IIMC Award	Ms. Komal Jagdeo Ingale

Post-graduate Diploma Course in Malayalam Journalism, Kottayam campus (Kerala)

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1	IIMC Award	Ms. Lakshmipriya P Mohan

THE FACULTY

New Delhi

Director General

Prof. (Dr.) Sanjay Dwivedi

Additional Director General

Shri K Satish Nambudiripad (January 23, 2020 – October 24, 2021)
Sh. Ashish Goyal (Term: October 25, 2021 onwards)

IIMC FACULTY

1.	Prof. (Dr.) Mrinal Chatterjee	Regional Director, Dhenkanal Campus
2.	Prof. (Dr) Govind Singh	Dean Academics and Course Director, RTV
3.	Prof. (Dr.) Anand Pradhan	Course Director, Hindi Journalism
4.	Prof. (Dr.) Shashwati Goswami	HOD, Communication Research & Outreach Activities
5.	Prof. (Dr.) Sunetra Sen Narayanan	Professor
6.	Prof. (Dr.) Anubhuti Yadav	Course Director, ADPR
7.	Prof. (Dr.) Surbhi Dahiya	Course Director, English Journalism
8.	Prof. (Dr.) Virendra Kumar Bharati	HOD, Publications
9.	Prof. (Dr.) Pramod Kumar	Course Director, Urdu Journalism HoD Outreach Activities Department HoD Placements Cell
10.	Prof. (Dr.) Rajesh Kumar	Course Director, Development Journalism Director, Admissions & Examinations
11.	Prof. (Dr.) Sangeeta Pranvendra	HOD Apna Radio and IT Cell
12.	Prof. (Dr.) Anil Saumitra	Regional Director, Amravati Campus
13.	Prof. (Dr.) Rakesh Goswami	Regional Director, Jammu Campus
14.	Dr. Rinku Pegu, Associate Professor	IIS Department

15.	Dr. Pawan Koundal, Associate Professor	Publications and Official Language (Joined on March 15, 2022)
16.	Dr. Rakesh Upadhyay, Associate Professor	Hindi Journalism (Joined on March 15, 2022)
17.	Dr. Rachna Sharma, Associate Professor	Digital Media (Joined on March 17, 2022)
18.	Dr. Dilip Kumar, Associate Professor	IIMC Jammu (Joined on March 17, 2022)
19.	Dr. Rajesh Kushwaha, Associate Professor	IIMC Amravati (Joined on March 21, 2022)
20.	Dr. Meeta Ujjain, Associate Professor	Advertising and PR (Joined on March 22, 2022)
21.	Dr. Vinit Kr. Jha Utpal, Assistant Professor	IIMC Jammu, (Joined on March 21, 2022)

वार्षिक लेखा 2021-22

Annual Accounts 2021-22

आरएडीएएम एंड एसोसिएट
सनदी लेखाकार

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में,

सदस्यगण ,

भारतीय जन संचार संस्थान,

जेएनयू, अरूणा आसिफ अली मार्ग

नई दिल्ली - 110067

अभिमत

हमने **भारतीय जन संचार संस्थान** (इसके बाद 'आईआईएमसी' के रूप में संदर्भित) के संलग्न वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है, जिसमें 31 मार्च, 2022 तक की बैलेंस शीट और तत्कालीन समाप्त वर्ष का आय और व्यय खाता और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और बही संबंधी टिप्पणियों का एक सारांश शामिल हैं।

हमारे विचार में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2022 तक और इस तिथि को समाप्त वर्ष के घाटे/अधिशेष के रूप में संस्था के मामलों की स्थिति की आयकर अधिनियम, 1961 ("अधिनियम") द्वारा यथा अपेक्षित रीति में अपेक्षित जानकारी प्रदान करते हैं और इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी किए गए लेखांकन मानकों और भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत अन्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करते हैं।

परिमित अभिमत के लिए आधार

हमने वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा आईसीएआई द्वारा विनिर्दिष्ट लेखापरीक्षा मानकों (एसए) के अनुसार की है। इन मानकों के अंतर्गत हमारे दायित्वों को हमारी रिपोर्ट के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के संबंध में लेखापरीक्षक के दायित्वों में वर्णित किया गया है। हम अधिनियम के प्रावधानों और उसके तहत निर्मित नियमों के अंतर्गत वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के लिए प्रासंगिक स्वतंत्र आवश्यकताओं के साथ इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी आचार संहिता के अनुरूप एक स्वतंत्र संस्था हैं और हमने इन आवश्यकताओं और 'आईसीएआई की आचार संहिता' के अनुरूप अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हमारा मानना है कि हमें प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य वित्तीय विवरणों पर हमारी लेखा परीक्षा मत प्रकट किए जाने के लिए आधार प्रदान करने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

लेखा परीक्षा की अवधि के दौरान हमारा पर्यवेक्षण:

1. हम वाउचरों को बुकलेट में बाइंड करके उन पर नियंत्रण संवर्धन हेतु लेखा विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना करते हैं।

2. हम निम्नलिखित के संबंध में लंबित आयकर कार्यवाही की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं:

पीएएन संख्या	**संबंधित मूल्यांकन वर्ष हेतु**
AAATI0156P	**2013-14, 2014-15, 2015-16, 2017-18, 2018-19**

3. हमने व्यय और आय को सत्यापित और संप्रमाणित है, तत्संबंधी निम्नलिखित अवलोकन किये हैं:

(i) श्री नितेश ओझा के दिनांक: 13.10.2021 वी.सं. 397/- के माध्यम से कोरे टीए बिल (टीए मांग प्रपत्र) के संबंध में परिवहन भत्ते की प्रतिपूर्ति की गई।

(ii) वर्ष के दौरान इंडस टावर लिमिटेड से किराया आय और बिजली शुल्क के रूप में 12,38,631/- रुपये की राशि एकत्र हुई, जिस पर 82,522/- रुपये की टीडीएस कटौती की गई और शुद्ध प्राप्त राशि रु. 11,56,109/- रही जिसके संबंध में निम्नलिखित अवलोकन हैं:

(क) संस्थान ने उपभोग आधार पर किराएदार/पट्टाधारी बिजली शुल्क की प्रतिपूर्ति की, जो कि न तो प्राप्तियों का तत्व आय/लाभ का हिस्सा था और न ही प्राप्ति व्यापार प्रकृति की थी, इस प्रतिपूर्ति का 8.80 प्रति यूनिट वाणिज्यिक दर के अनुसार बिजली बोर्ड को भुगतान किया गया और यह टीडीएस कटौती हेतु दायी नहीं होना चाहिए।

लेकिन वेंडर ने धारा 194(सी) के तहत 2% की दर से टीडीएस कटौती की।

(ख) वर्ष के दौरान 6810/- रु राशि प्राप्त हुई जिस पर किराये की आय पर लागू धारा 194 (ख) के तहत 10% की दर से टीडीएस कटौती की गई लेकिन 7,15,075/- की राशि पहले ही प्राप्त हो चुकी थी। हमारे अवलोकन के अनुसार समान राशि बिजली प्रतिपूर्ति से संबंधित हो सकती है जिस पर 10% टीडीएस कटौती की गई लेकिन इस तरह के लेनदेन के संबंध में किसी प्रकार की टीडीएस कटौती अपेक्षित नहीं थी।

4. लेखा परीक्षा के दौरान हमने पाया है कि वित्तीय वर्ष 2020-21 की सांविधिक लेखा परीक्षा रिपोर्ट संबंधी की गई कार्रवाई रिपोर्ट के अनुसार 18 बिंदुओं में से 8 बिंदु/अर्हताएं ऐसे हैं जो अगली लेखा परीक्षा के लिए ज्यों के त्यों बने हुए हैं।

(नोट : बिन्दु सं. 3(iii), 6(i), 7, 10, 11, 13, 14, 16)

वित्तीय विवरणों और इस पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के अलावा सूचना

अन्य सूचनाओं को तैयार किए जाने के लिए निदेशक मंडल जिम्मेदार है। अन्य सूचनाओं में बोर्ड की रिपोर्ट के अनुलग्नक सहित बोर्ड की रिपोर्ट में शामिल प्रबंधन विचार-विमर्श और विश्लेषण शामिल है, लेकिन इसमें वित्तीय विवरण और उस पर हमारी लेखा परीक्षक रिपोर्ट शामिल नहीं है।

वित्तीय विवरणों पर हमारे विचार में अन्य सूचना शामिल नहीं है और हम उस पर किसी भी प्रकार के आश्वासन निष्कर्ष व्यक्त नहीं करते हैं।

वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संबंध में, अन्य सूचना को पढ़ा जाना और ऐसा करते हुए विचार करना हमारी ज़िम्मेदारी है कि क्या वित्तीय विवरणों या हमारी

लेखा परीक्षा प्रक्रिया के दौरान प्राप्त हमारी जानकारी के साथ अन्य सूचना वास्तविक रूप से असंगत है अथवा अन्यथा वास्तविक रूप से गलत प्रतीत होती है।

यदि, हमारे द्वारा निष्पादित कार्य के आधार पर, हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इस अन्य जानकारी का एक वास्तविक गलत विवरण है; तो हमें उस तथ्य की रिपोर्ट करने की आवश्यकता है। हमारे पास इस संबंध में रिपोर्ट करने के लिए कोई सूचना नहीं है।

वित्तीय विवरणों के संबंध में प्रबंधन के दायित्व

आईआईएमसी के प्रबंधन पर इन वित्तीय विवरणों, जो इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटस ऑफ इंडिया द्वारा समय-समय पर जारी किए गए लेखांकन मानकों और अन्य लेखांकन घोषणाओं, जहां तक लागू हो के अनुसार इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने का दायित्व है जो आईआईएमसी की वित्तीय स्थिति और वित्तीय कार्य निष्पादन की निष्पक्ष तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। इस जिम्मेदारी में वित्तीय विवरण जो एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करते हैं और वास्तविक मिथ्या कथन से परे होते हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, को तैयार करने और वित्तीय विवरणों को प्रस्तुत करने हेतु प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है।

वित्तीय विवरणों को तैयार करने में, प्रबंधन गोइंग कन्सर्न के रुप में जारी रखने हेतु संस्थान की क्षमता का आकलन, प्रकटीकरण, जैसा भी लागू हो, गोइंग कन्सर्न और तब तक लेखांकन के गोइंग कन्सर्न आधार का उपयोग करने से संबंधित मामले, जब तक प्रबंधन या तो संस्थान को समाप्त करने या संचालन को बंद करने का इरादा नहीं रखता है, या ऐसा करने के लिए कोई वास्तविक विकल्प न रहा हो, के लिए ज़िम्मेदार हैं।

विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या वित्तीय विवरण संपूर्ण रुप से मिथ्या कथन, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करने, जिसमें हमारी राय भी शामिल है, के लिए है से मुक्त है। युक्तिसंगत आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि एसए के अनुसार की गई लेखा परीक्षा हमेशा मिथ्या कथन का पता लगाएगी, जब यह मौजूद हो। मिथ्या कथन धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकते हैं और महत्वपूर्ण तब माना जाता है यदि, व्यक्तिगत रूप से या एकीकृत रुप में, वे इन वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने के लिए युक्तिसंगत रूप से अपेक्षित हो सकती हैं।

लेखांकन मानकों के अनुसार एक लेखा परीक्षा के भाग के रूप में, हम पेशेवर निर्णय लेते हैं और पूरे लेखा परीक्षा में व्यावसायिक संशयात्मकता बनाए रखते हैं। साथ ही हम-

- वित्तीय विवरणों के मिथ्या कथन, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण, के जोखिमों, उन जोखिमों के लिए जिम्मेदार डिज़ाइन और निष्पादन लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं की पहचान करते हैं और उनका आकलन करते हैं और लेखा परीक्षा साक्ष्य भी प्राप्त करते है जो हमारे अभिमत के लिए आधार प्रदान करने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त होते है। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप मिथ्या कथन का पता नहीं लगाने का जोखिम, त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाले मिथ्या कथन की तुलना में अधिक होता है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलत बयानी, या आंतरिक नियंत्रण की अवहेलना(ओवरराइड) शामिल हो सकती हैं।
- उपयोग की जाने वाली लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन एवं निदेशक मंडल द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित खुलासों की तर्कशीलता का मूल्यांकन भी करते हैं।

- लेखांकन के गोइंग कन्सर्न आधार का प्रबंधन द्वारा उपयोग की उपयुक्तता, और प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य के आधार पर, क्या वास्तविक अनिश्चितता उन घटनाओं या स्थितियों से संबंधित है जो गोइंग कन्सर्न के रुप में समूह की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह उत्पन्न कर सकते हैं, के संबंध में भी निष्कर्ष निकालते है। यदि हम निष्कर्ष निकालते हैं कि वास्तविक अनिश्चितता मौजूद है, या राय संशोधित करने के लिए, यदि इस तरह के खुलासे अपर्याप्त हैं, तो हमें वित्तीय विवरणों में ध्यान आकर्षित करना होगा।

- प्रकटीकरणों से संबंधित अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट में ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता होती है। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर आधारित होते हैं। हालाँकि, भविष्य में होने वाली घटनाएं या स्थितियां संस्थान को गोइंग कन्सर्न के रुप में जारी रखने को रोकने का कारण बन सकती हैं।

- वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का प्रकटीकरण सहित समग्र मूल्यांकन भी करते है, और यह भी पता लगाते हैं कि क्या वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं का प्रतिनिधित्व उस रुप में करता है, जिससे निष्पक्ष प्रस्तुति प्राप्त कर सकते हैं।

मैटेरियलिटी, वित्तीय विवरणों में गलत बयानों का परिमाण है, जोकि व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से हो सकती है, यह संभव बनाती है कि वित्तीय विवरणों के एक उचित जानकार उपयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय प्रभावित हो सकते हैं। हम

(i) अपने लेखापरीक्षा कार्य के दायरे की योजना बनाने और अपने काम के परिणामों का मूल्यांकन करने में; और (ii) वित्तीय विवरणों में किसी भी पहचाने गए गलत विवरण के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए मात्रात्मक मैटेरियलिटी और गुणात्मक कारकों पर विचार करते हैं ।

हम अन्य मामलों के अलावा, ऑडिट के नियोजित दायरे और समय और महत्वपूर्ण ऑडिट निष्कर्षों, जिसमें आंतरिक नियंत्रण में कोई भी महत्वपूर्ण कमियां शामिल हैं जिनकी हम अपनी लेखा परीक्षा की पहचान करते हैं, के बारे में शासन के उन प्रभारित अधिकारियों को सूचित करते हैं।

हम प्रशासन के उन प्रभारित अधिकारियों को एक वक्तव्य भी उपलब्ध कराते हैं कि हमने स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है, और उन सभी संबंधों और अन्य मामलों के संबंध में सूचित करते हैं, जिन्हें हमारी स्वतंत्रता का पालन करने, और जहां भी लागू हो, संबंधित सुरक्षा उपाय के लिए उचित माना जा सकता है।

शासन के उन प्रभारित अधिकारियों के साथ संप्रेषित मामलों से, हम उन मामलों का निर्धारण करते हैं जो वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे और इसलिए प्रमुख लेखापरीक्षा मामले हैं। हम अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में इन मामलों का वर्णन करते हैं जब तक कि कानून या विनियमन मामले के संबंध में सार्वजनिक प्रकटीकरण को रोकता नहीं है या जब, अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में, हम यह निर्धारित करते हैं कि हमारी रिपोर्ट में किसी मामले को संप्रेषित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से इस तरह की सूचना के सार्वजनिक हित के लाभों से अधिक प्रतिकूल परिणामों की समुचित अपेक्षा है।

अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं संबंधी रिपोर्ट

(क) हमने उन सभी सूचनाओं और स्पष्टीकरणों को प्राप्त किया है जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजनों हेतु आवश्यक थे;

(ख) हमारी राय में, जैसा कि यह उन बहियों में हमारी जाँच से प्रकट होता है आईआईएमसी द्वारा कानून द्वारा यथा अपेक्षित लेखों की उचित बही अभी तक रखी गई हैं;

(ग) 31 मार्च, 2022 तक की बैलेंस शीट और इस रिपोर्ट संबंधित आय और व्यय खाते, बहीखातों के अनुरूप हैं।

(घ) हमारी राय में, 31 मार्च, 2022 तक की बैलेंस शीट और आय और व्यय खाता इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटस ऑफ इंडिया द्वारा समय-समय पर जारी लेखांकन मानकों और अन्य लेखांकन घोषणाओं, जहां तक लागू हों, का अनुपालन करते हैं।

आर ए डी ए एम एंड एसोसिएट्स

कृते

चार्टर्ड अकाउंटेंट्स

फर्म पंजीकरण संख्या- 008280C

सी ए रवि कांत गुप्ता

(पार्टनर)

सदस्यता संख्या-077206

स्थान – गाजियाबाद

दिनांक-07/10/2022

यूडीआईएन संख्या-

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

To

The Members,

INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION

JNU, ARUNA ASIF ALI MARG

NEW DELHI - 110067

Opinion

We have audited the accompanying Financial Statements of **INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION** (hereinafter referred as 'IIMC') which comprise the Balance Sheet as at March 31, 2022 and the Income and Expenditure Account for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and notes to accounts.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanation given to us, the aforesaid financial statements give the information required by the Income Tax Act, 1961 ("the Act") in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the Accounting Standards issued by Institute of Chartered Accountants of India (ICAI), and other accounting principles generally accepted in India, of the state of affairs of the Entity as at March 31,2022, and its deficiency /Surplus for the year ended on that date.

Basis for Qualified Opinion

We conducted our audit of financial statements in accordance with the Standards on Auditing (SAs) specified by ICAI. Our responsibilities under those Standards are further described in the Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements section of our report. We are independent of the Entity in accordance with the Code of Ethics issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) together with the Independence requirements that are relevant to our audit of the financial statements under the provisions of the Act and the Rules made there under, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the 'ICAI's Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the financial statements.

Our observation during course of audit:

1. We would like to appreciate the initiative taken by the accounts department to increase their controls on vouchers by binding them into the booklet.

2. We would like to bring your kind attention on Income tax pending proceedings in respect of following:

PAN Number	For relevant Assessment year
AAATI0156P	2013-14, 2014-15, 2015-16, 2017-18, 2018-19

3. We have vouched and verified the expenses and Income, following are the observation on the same:

   (i) Reimbursement of Transport allowances was made to Mr. Nitesh Ojha against the blank TA bill (TA Requisition form) vide V.No. 397/- Dated: 13.10.2021

   (ii) During the year rental income and electricity charges collected from Indus Tower Ltd amounting to Rs. 12,38,631/- on which TDS deducted amounting to Rs. 82,522/- and the net amount received were Rs. 11,56,109/-In respect of which following are the observations:

      (a) Institute made reimbursement with the tenant/ lessee of electricity charges on the basis of their consumption neither the element of receipts were part of Income/ profit nor the receipt were of trade nature, the same reimbursement paid to the electricity board at the rate of Rs. 8.80 per unit as per commercial rate and it should not be liable to deduct TDS.

      But the vendor deduct TDS @ 2% under section 194(C).

      (b) During the year the amount receive Rs. 6810/- on which TDS was deducted @ 10% under section 194 I(B), the section apply on rental income but the rental income of Rs. 7,15,075/- were already received. As per our observation the same amount may belong to electricity reimbursement on which TDS was deducted at 10%, but such transaction was not required any TDS deduction.

4. During the course of audit we have found that there are 8 points/ qualifications out of 18 points which remain continue for the next audit as per the action taken report of the Statutory Audit report for the FY 2020-21.

   (Note: Point No. 3(iii), 6(i), 7, 10, 11, 13, 14, 16)

Information other than the Financial Statements and Auditors' Report thereon

The Board of Directors is responsible for the preparation of the other information. The other information comprises the information included in the Management discussion and analysis, Board's Report including Annexure to Board's Report, but does not include the financial statements and our auditor's report thereon.

Our opinion on the financial statements does not cover the other information and we do not express any form of assurance conclusion thereon.

In connection with our audit of the financial statements, our responsibility is to read the other information and, in doing so, consider whether the other information is materially inconsistent with the financial statements or our knowledge obtained during the course of our audit or otherwise appears to be materially misstated.

If based on the work we have performed, we conclude that there is a material misstatement of this other information; we are required to report the fact. We have nothing to report in this regard.

Responsibilities of Management for the Financial Statements

Management of IIMC is responsible for the preparations of these financial statements that give a fair view of the financial position and financial performance of IIMC in accordance with Accounting Standards and other accounting pronouncements, to the extent applicable, issued by the Institute of Chartered Accountants of India from time to time. This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal controls relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, management is responsible for assessing the Institute's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the Entity or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

Auditor's Responsibility for the Audit of Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional scepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.
- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.
- Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Entity's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our

conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the Entity to cease to continue as a going concern.

- Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

Materiality is the magnitude of misstatements in the financial statements that, individually or in aggregate, makes it probable that the economic decisions of a reasonably knowledgeable user of the financial statements may be influenced. We consider quantitative materiality and qualitative factors in

(i) planning the scope of our audit work and in evaluating the results of our work; and (ii) to evaluate the effect of any identified misstatements in the financial statements.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

From the matters communicated with those charged with governance, we determine those matters that were of most significance in the audit of the financial statements of the current period and are therefore the key audit matters. We describe these matters in our auditor's report unless law or regulation precludes public disclosure about the matter or when, in extremely rare circumstances, we determine that a matter should not be communicated in our report because the adverse consequences of doing so would reasonably be expected to outweigh the public interest benefits of such communication.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

(a) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.

(b) In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the IIMC so far as it appears from our examination of those books.

(c) The Balance Sheet as at 31st March, 2022 and the Income and Expenditure Account dealt with by this Report are in agreement with the books of account.

(d) In our opinion, The Balance Sheet as at 31st March, 2022 and the Income and Expenditure Account comply with the Accounting Standards and other accounting pronouncements, to the extent applicable, issued by the Institute of Chartered accountants of India from time to time.

For and on behalf of

R A D A M & Associates

Chartered Accountants

FRN: 008280C

CA Ravi Kant Gupta

Partner

Membership number: 077206

Place: Ghaziabad

Date: 07/10/2022

UDIN:

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 का तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication

BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

समग्र/पूंजीगत निधि एवं देयताएँ CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES	तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
समग्र/पूंजीगत निधि			
CORPUS/CAPITAL FUND	1	1,23,20,01,559.00	1,10,79,52,684.00
आरक्षित एवं अधिशेष			
RESERVE AND SURPLUS	2	-	-
उद्दिष्ट/अक्षय निधि			
EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	3	7,31,43,305.00	10,02,52,475.00
सुरक्षित कर्ज एवं उधार			
SECURED LOANS AND BORROWINGS	4	-	-
असुरक्षित कर्ज एवं उधार			
UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	5	-	-
आस्थगित जमा देयताएँ			
DEFFERED CREDIT LIABILITIES	6	-	-
चालू देयताएँ एवं प्रावधान			
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	7	4,10,57,557.00	4,12,67,818.00
कुल **TOTAL**		**1,34,62,02,421.00**	**1,24,94,72,977.00**
परिसम्पत्तियाँ **ASSETS**			
स्थायी परिसम्पत्तियाँ			
FIXED ASSETS	8	1,23,10,53,237.00	1,10,70,04,362.000
निवेश-उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश			
INVESTMENT-FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	9	15,62,713.00	15,62,713.00

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 का तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication

BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

परिसम्पत्तियाँ ASSETS		तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
निवेश-अन्य INVESTMENT-OTHERS	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	10	-	-
चालू परिसम्पत्तियाँ, कर्ज, अग्रिम इत्यादि CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC		11	11,35,86,470.00	14,09,05,902.00
विविध खर्च MISCELLANEOUS EXPENDITURE *(बट्टे खाते में न डाली गई या समायोजित)* *(To the extent not written off or adjusted)*			-	-
कुल **TOTAL**			**1,34,62,02,421.00**	**1,24,94,72,977.00**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES		25	-	-
आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा टिप्पणियाँ CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS		26		

कृते आर ए डी ए एम एण्ड एसोसिएट
For R A D A M & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-008280C

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
(रविकांत गुप्ता)	संजय द्विवेदी	आशिष गोयल	रितेश पाठक
Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
(Ravi Kant Gupta)	**Sanjay Dwivedi**	**Ashish Goyal**	**Ritesh Pathak**
भागीदार	महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	सह कुलसचिव
Partner	**Director General**	**Addl. Director General**	**Assistant Registrar**
M. NO - 077206			**(DDO)**

स्थान : नई दिल्ली/**Place : New Delhi**
तारीख : 07-10-2022/**Date : 07.10.2022**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 तक आय और व्यय लेखा (अन्य केन्द्रीय व्यय)

Indian Institute of Mass Communication

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2022

(Other Central Expenditure)

(राशि रुपये)

(Amount-Rs.)

	तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
आय			
INCOME			
विक्रय एवं सेवाओं से आय			
INCOME FROM SALES/SERVICES	12	1,46,66,332.00	25,17,477.00
अनुदान/आर्थिक सहायता			
GRANTS/SUBSIDIES	13	27,15,15,264.00	25,32,50,000.00
शुल्क/अभिदान			
COURSE FEES/SUBSCRIPTION	14	3,74,03,557.00	2,90,70,359.00
निवेशों से आय (उद्दिष्ट अ.भ.नि. को छोड़कर अक्षय निधि से निवेश पर आय)			
INCOME FROM INVESTMENTS (from earmarked/endowment funds)	15	-	-
रायल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय			
INCOME FROM SALE OF APPLICATION FORM & PUBLICATION ETC.	16	25,184.00	43,56,990.00
प्राप्त ब्याज			
INTEREST EARNED	17	3,91,515.00	3,97,216.00
अन्य आय (शुद्ध अं.भ.नि. आय)			
OTHER INCOME	18	-	-
तैयार माल एवं डबल्यु आई पी में वृद्धि/(कमी)			
INCREASE/(DECREASE) IN FINISHED GOODS AND WIP	19	-	-
कुल (क)			
TOTAL (A)		**32,40,01,852.00**	**28,95,92,042.00**
व्यय			
EXPENDITURE			
स्थापना खर्च			
ESTABLISHMENT EXPENSES	20	11,54,71,622.00	10,79,59,670.00
अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि			
OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC	21	10,48,57,096.00	10,52,17,621.00
अनुदान, आर्थिक सहायता इत्यादि पर खर्च			
EXPENDITURE ON GRANTS, SUBIDIES ETC	22	-	-
ब्याज			
INTEREST	23	-	-

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 को आय और व्यय लेखा (अन्य केन्द्रीय व्यय)

Indian Institute of Mass Communication

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2022

(Other Central Expenditure)

(राशि रुपये) / (Amount-Rs.)

		तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	गत वर्ष Previous Year
मूल्यह्रास (वर्ष के अंत में शुद्ध जोड़- तालिका 8 के अनुसार) DEPRECIATION (Net total at the year end-corresponding to schedule 8)	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*		-	-
कुल (ख) **TOTAL (B)**			**22,03,28,718.00**	**21,31,77,291.00**
शेष व्यय से आय की अधिकता होने पर (ग) **EXCESS OF INCOME OVER EXPENDITURE (C)**			**10,36,73,134.00**	**7,64,14,751.00**
पूर्व अवधि वस्तु PRIOR PERIOD ITEMS		24	-	-
विशेष रिजर्व में स्थानांतरण (प्रत्येक स्पष्ट करें) TRANSFER TO SPECIAL RESERVE (specify each)			-	-
सामान्य रिजर्व से/को स्थानांतरण TRANSFER TO/FROM GENERAL RESERVE			-	-
समग्र/पूंजीगत निधि में लाया गया पूंजीगत खर्च CAPITAL EXPENDITURE CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND			12,75,59,875.00	8,19,84,037.00
अनुदान सहायता का अप्रयुक्त शेष (अन्य केंद्रीय व्यय) UNSPENT BALANCE OF GRANT-IN-AID (Other Central Expenditure)			(2,38,86,741.00)	(55,69,286.00)
सम्रग/पूंजीगत निधि में डाली गई अ.भ.नि के तौर पर शेष BALANCE BEING CPF INCOME CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND				
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES		25		
आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा टिप्पणियाँ CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS		26		

कृते आर ए डी ए एम एण्ड एसोसिएट
For R A D A M & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-008280C

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
(रविकांत गुप्ता)	संजय द्विवेदी	आशिष गोयल	रितेश पाठक
Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
(Ravi Kant Gupta)	**Sanjay Dwivedi**	**Ashish Goyal**	**Ritesh Pathak**
भागीदार	महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	सह कुलसचिव
Partner	**Director General**	**Addl. Director General**	**Assistant Registrar**
M. NO - 077206			**(DDO)**

स्थान : नई दिल्ली/**Place : New Delhi**
तारीख : 07-10-2022/**Date : 07.10.2022**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 को समाप्त अवधि का आय और व्यय लेखा (एनसीओई)

Indian Institute of Mass Communication

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2022 (NCOE)

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

	तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
आय/INCOME			
अनुदान/आर्थिक सहायता GRANTS/SUBSIDIES		2,33,72,706.00	2,33,72,706.00
निविदाओं की बिक्री से आय INCOME FROM SALE OF TENDERS		-	-
अन्य कोई आय ANY OTHER INCOME			-
कुल (क) \TOTAL (A)		**23,372,706.00**	**2,33,72,706.00**
व्यय/EXPENDITURE			
अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC		33,04,112.00	-
समग्र/पूंजीगत निधि में लाया गया पूंजीगत खर्च CAPITAL EXPENDITURE CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND			-
कुल (ख)/TOTAL (B)		**33,04,112.00**	**-**
अप्रयुक्त शेष (क-ख) Unspent Balance (A-B)		**2,00,68,594.00**	**2,33,72,706.00**

कृते आर ए डी ए एम एण्ड एसोसिएट
For R A D A M & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-008280C

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
(रविकांत गुप्ता)	संजय द्विवेदी	आशिष गोयल	रितेश पाठक
Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
(Ravi Kant Gupta)	**Sanjay Dwivedi**	**Ashish Goyal**	**Ritesh Pathak**
भागीदार	महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	सह कुलसचिव
Partner	**Director General**	**Addl. Director General**	**Assistant Registrar**
M. NO - 077206			**(DDO)**

स्थान : नई दिल्ली/**Place : New Delhi**
तारीख : 07-10-2022/**Date : 07.10.2022**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 तक प्राप्ति और भुगतान का लेखा

Indian Institute of Mass Communication

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2022

प्राप्तियाँ RECEIPTS YEAR	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
1. प्रारम्भिक शेष		
I. OPENING BALANCES		
क) नकद		
a) Cash in Hand	34,661.00	23,048.00
ख) बैंक शेष		
b) Bank Balances	-	-
1) चालू खाते में		
I) In Current Accounts	-	-
2) सावधि जमा खाते में		
II) In Deposits Accounts	-	-
3) बचत खाते में		
III) Saving Accounts	13,19,28,038.00	14,20,99,477.00
ग) डाक टिकट		
c) Postage Stamps	-	-
2. प्राप्त अनुदान		
II. GRANTS RECEIVED		
क) भारत सरकार से (अन्य केंद्रीय व्यय)		
a) From GOI (Other Central Expenditure)	27,15,15,264.00	25,32,50,000.00
सरकार से (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम)		
From GOI (Central Sector Scheme)	-	-
ख) राज्य सरकारों से		
b) From State Government	-	-
ग) अन्य स्रोतों से		
c) From other Sources	-	-
3. निवेश से आय		
III. INCOME ON INVESTMENTS FROM		
क) समग्र/पूंजीगत निधियों से		
a) Earmarked/Endow Funds	81,683.00	1,96,771.00
ख) निजी निधियों से		
b) Own Funds	-	-

भुगतान PAYMENTS YEAR	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
1. अन्य केंद्रीय व्यय के तहत खर्चे		
I. EXPENSES UNDER OTHER CENTRAL EXPENDITURE		
क) स्थापना खर्च		
a) Establishment Expenses	11,54,71,622.00	10,79,59,670.00
ख) प्रशासनिक खर्च		
b) Administrative Expenses	10,48,57,096.00	10,52,17,621.00
ग) वेतन के आलावा स्त्रोत पर आयकर		
c) TDS other than salary	-	-
घ) विविध व्यय		
d) Sundry Payable		-
ड.) अन्य खर्चे		
e) Other Expense	-	-
2. केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम के तहत व्यय		
II. EXPENDITURE UNDER CENTRAL SECTOR SCHEME		
क) केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम		
a) Central Sector Scheme GIA General	-	-
ख) केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम द्वारा संपत्ति की निर्माण		
b) Central Sector Scheme Creation of Assets	-	-
ग) एनसीओई		
c) NCOE	33,04,112.00	-
3. परियोजनाओं और लघु पाठ्यक्रम के लिए निधियों से किया गया खर्च		
III. PAYMENTS MADE UNDER PROJECTS & SHORT COURSES		
क) परियोजना		
a) Projects	34,90,165.00	9,22,957.00
ख) लघु पाठयक्रम		
b) Short Courses	41,46,327.00	25,52,814.00

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 को प्राप्ति और भुगतान का लेखा

Indian Institute of Mass Communication

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2022

प्राप्तियाँ RECEIPTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
		(अग्रानीत) *(Brought forward)*			
4. प्राप्त ब्याज **IV. INTEREST RECEIVED**			**4. निवेश और जमा** **IV. INVESTMENTS AND DEPOSITS MADE**		
क) बैंक जमा पर a) On Bank Deposits	43,25,775.00	43,48,019.00	क) उद्दिष्ट एवं अक्षय निधि से a) Out of Earmarked/Endowment Funds	-	-
ख) कर्ज, अग्रिम पर b) Loans, Advances	-	-	ख) निजी निधियों से (निवेश-अन्य) b) Out of Own Funds (INVESTMENTS-OTHERS)		
5. अन्य आय **V. OTHER INCOME**			**5. स्थायी परिसम्पत्तियां पर व्यय** **V. EXPENDITURE ON ASSETS**		
क) शिक्षा शुल्क a) Tution Fee	3,74,03,557.00	2,89,94,359.00	क) गैर-योजना के तहत अचल सम्पत्तियाँ a) Fixed Assets Under Other Central Expenditure	12,75,59,875.00	8,19,84,037.00
ख) प्रकाशनों/आवेदन पत्रों की बिक्री b) Sale of Application Form/Publications	25,184.00	43,56,990.00	ख) अग्रिम, ऋण और जमा b) Advance, Loan & Deposits	21,70,970.00	21,58,418.00
ग) छात्रावास/सभागार शुल्क c) Hostel/Auditorium Fee	12,98,643.00	6,88,713.00	**6. अधिशेष राशि/कर्ज की वापसी** **VI. REFUND OF SURPLUS MONEY/LOANS**		
घ) विविध प्राप्तियों			क) भारत सरकार को		
d) Misc. Office Receipt	1,33,67,689.00	18,28,765.00	a) To the GOI	-	1,85,42,193.00
6. निधि और देनदारियों के तहत प्राप्तियां **VI. RECEIPTS UNDER FUNDS & LIABILITIES**			ख) राज्य सरकार को b) To the State Government	-	-
योजना के तहत विविध प्राप्तियां			ग) अन्य निधि दाताओं को		
Miscelleneous Receipts under plan	-	-	C) To Other Providers of Funds	-	-
प्रतिभूतियों, जमा और अन्य वर्तमान देनदारियों की प्राप्ति			**7. निवेश में वृद्धि**		
Receipts of Securities, Deposits and			**VII. INCREASE IN INVESTMENT**		
Other Current Liabilities	31,60,158.00	20,86,000.00	जमा में गलत डाले गए निवेश		
पुरस्कार एवं छात्रवृति के अंतर्गत प्राप्तियां			INVESTMENT WRONGLY ACCOUNTED		
Receipts Under Awards & Scholorship	76,307.00	1,26,000.00	IN DEPOSITS	-	-
छात्र कल्याण निधि/पूर्व छात्र निधि के अंतर्गत प्राप्तियां Receipts Under Students Welfare Fund/			**8. निधियों और देनदारियों के तहत भुगतान** **VIII. PAYMENTS UNDER LIABILITIES & FUNDS**		
Alumini Funds	15,27,047.00	13,93,000.00	जमा सहित मौजूदा देनदारियां		
7. परियोजनाओं और लघु पाठ्यक्रम के तहत प्राप्तियां **VII. RECEIPTS UNDER PROJECTS & SHORT COURSES**			Current Liabilities including Deposits	1,85,54,050.00	21,83,219.00
			पुरस्कार और छात्रवृत्ति		
			(अग्रेनीत) *(Carried over)*		

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 को प्राप्ति और भुगतान का लेखा

Indian Institute of Mass Communication

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2022

प्राप्तियाँ RECEIPTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS (अग्रानीत) (Brought forward)	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
-योजनाओं के तहत प्राप्ति			Awards & Scholarship	22,118.00	2,50,000.00
-Receipt under Projects	80,33,328.00	12,83,741.00	छात्र कल्याण निधि		
-लघु पाठ्यक्रमों के तहत प्राप्ति			Students Welfare Fund	1,80,069.00	1,63,300.00
-Receipt under Short-Courses	64,56,693.00	86,67,478.00	**9. अंत शेष**		
8. संपत्ति की प्राप्ति			**IX. CLOSING BALANCES**		
VIII. RECEIPTS OF ASSETS			क) नकद		
ऋण, अग्रिम एवं जमा की प्राप्तियां			a) CASH IN HAND	26,800.00	34,661.00
-Receipts of Loan, Advances & Deposits	42,98,401.00	45,54,568.00	ख) फ्रेंकिग मशीन के टिकट		
-परिपक्व निवेश			b) STAMP IN FRANKING MACHINE	-	-
-Investment Matured	-	-	ग) बैंक जमा		
9. अन्य प्राप्तियां			c) BANK BALANCES		
IX. OTHER RECEIPTS	-	-	1) चालू खाते में		
			I) IN CURRENT ACCOUNTS	-	-
			2) सावधि जमा खाते में		
			II) IN DEPOSITS ACCOUNTS	-	-
			3) बचत खाते में		
			III) SAVINGS ACCOUNTS	10,37,49,224.00	13,19,28,038.00
कुल TOTAL	**48,35,32,428.00**	**45,38,96,928.00**	**कुल TOTAL**	**48,35,32,428.00**	**45,38,96,928.00**

कृते आर ए डी ए एम एण्ड एसोसिएट
For R A D A M & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-008280C

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
(रविकांत गुप्ता)	संजय द्विवेदी	आशिष गोयल	रितेश पाठक
Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
(Ravi Kant Gupta)	**Sanjay Dwivedi**	**Ashish Goyal**	**Ritesh Pathak**
भागीदार	महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	सह कुलसचिव
Partner	**Director General**	**Addl. Director General**	**Assistant Registrar**
M. NO - 077206			**(DDO)**

स्थान : नई दिल्ली/**Place : New Delhi**
तारीख : 07-10-2022/**Date : 07.10.2022**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष **Current Year**	पिछले वर्ष **Previous Year**
तालिका 1-समग्र/पूंजीगत निधि :		
SCHEDULE 1-CORPUS/CAPITAL FUND:		
वर्ष के आरम्भ में शेष		
Balance at the beginning of the year	1,10,79,52,684.00	1,02,64,43,541.00
जोड़ें : समग्र/पूंजीगत निधि में योगदान		
Add: Contributions towards Corpus/Capital Fund	12,40,48,875.00	8,15,09,143.00
जोड़ें/(घटायें) : आय और व्यय लेखे से अंतरित शुद्ध आय/(व्यय) शेष Add/(Deduct): Balance of net CPF income/(expenditure) transferred from the Income and Expenditure Account	-	-
वर्ष की समाप्ति पर शेष **BALANCE AS AT THE YEAR END**	**1,23,20,01,559.00**	**1,10,79,52,684.00**
तालिका 2 आरक्षित एवं अधिशेषः		
SCHEDULE 2-RESERVES AND SURPLUS:		
1. पूंजीगत रिजर्वः		
1. Capital Reserve:		
पिछले लेखे के अनुसार		
As per last Account	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त		
Addition: during the year	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान कटौती		
Less: Deduction during the year	-	-
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्वः		
2. Revaluation Reserve:		
पिछले लेखे के अनुसार		
As per last Account	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त		
Addition: during the year	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान कटौती	*(अग्रेनीत)*	
Less: Deduction during the year	*(Carried over)*	-

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
3. विशेष रिजर्व:	*(अग्रानीत)*	
3. Special Reserve:	*(Brought forward)*	
पिछले लेखे के अनुसार		
As per last Account	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त Addition: during the year	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान कटौती Less: Deduction during the year	-	-
4. सामान्य रिजर्व:		
4. General Reserve:		
पिछले लेखे के अनुसार		
As per last Account	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त		
Addition: during the year	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान कटौती Less: Deduction during the year	-	-
कुल **TOTAL**	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 3-उद्दिष्ट/अक्षय निधियाँ SCHEDULE 3-EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	अनुदान Grants		आवर्ती निधि Revolving Fund		पुरस्कार निधि Award Fund	
	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
क) निधियों की रोकड़ जमा (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम) a) Opening balance of the funds (Central Sector Scheme)	-	1,85,42,193.00	-	-	-	-
अन्य केंद्रीय व्यय (Other Central Expenditure)	6,95,77,395.00	7,51,46,681.00	52,62,413.00	52,54,813.00	20,39,961.00	20,81,912.00
1) दान/अनुदान प्राप्ति (अन्य केंद्रीय व्यय) i. Donations/Grants Received (Other Central Expenditure)	27,15,15,264.00	25,32,50,000.00	-	-	-	-
2) दान/अनुदान (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम) ii. Donations/Grants (Central Sector Scheme)	-	-	-	-	-	-
3) निधि लेखे के निवेश से प्राप्त आय iii. Income from investments made on account of funds	-	-	-	7,600.00	81,683.00	1,89,171.00
4) अन्य परिवर्धन (स्पष्ट करें) iv. Other Additions (Specify)						
केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम स्कीम के तहत आय Receipt under Central Sector Scheme	-	-				
कमी और अतिरेक Short & excess	-	-				
अं.भ.निधि की आय से अतिरिक्त अन्य आय (अन्य केंद्रीय व्यय) Other Income (Other Central Expenditure)	5,24,86,588.00	3,63,42,042.00	-			
5) अं.भ.निधि की आय में जमा v) Addition to CPF income	-	-	-		-	-
कुल TOTAL	**39,35,79,247.00**	**38,32,80,916.00**	**52,62,413.00**	**52,62,413.00**	**21,21,644.00**	**22,71,083.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	अनुदान Grants		परिक्रमी निधि Revolving Fund		भविष्य निधि CPF	
तालिका 3-उद्दिष्ट/अक्षय निधियाँ SCHEDULE 3-EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
ख) निधियों के उद्देश्य हेतु उपयोग/व्यय **b) Utilisation/Expenditure towards objectives of funds**		*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*				
1) पूंजीगत व्यय i. Capital Expenditure						
-अग्रिम सहित अचल संपत्ति (अन्य केंद्रीय व्यय) -Fixed Assets including advances (Other Central Expenditure)	12,75,59,875.00	8,19,84,037.00	-	-	-	-
-अग्रिम सहित अचल संपत्ति (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम) -Fixed Assets including advances (Central Sector Scheme)	-	-				
2) राजस्व खर्च (अन्य केंद्रीय व्यय) ii. Revenue Expenditure (Other Central Expenditure)			-	-	-	-
-वेतन, मजदूरी तथा भत्ते इत्यादि -Salaries, Wages and Allowances etc.	11,54,71,622.00	10,79,59,670.00	-	-	-	-
-किराया/पूर्व अवधि वस्तु -Rent/Prior Period item	-	-	-	-	-	-
-अन्य प्रशासनिक खर्च -Other Administrative Expenses	10,48,57,096.00	10,52,17,621.00	-	-	-	2,31,122.00
3. राजस्व खर्च (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम) iii. Revenue Expenditure (Central Sector Scheme)	-	-				
4. अनुदान वापसी (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम) iv. Grant refunded (Central Sector Scheme)	-	1,85,42,193.00				
(अन्य केंद्रीय व्यय) (Other Central Expenditure)	-	-				
कुल (ख) Total (b)	**34,78,88,593.00**	**31,37,03,521.00**				
वर्ष की समाप्ति पर शेष (क-ख) **NET BALANCE AS AT THE YEAR END (a-b)**	**4,56,90,654.00**	**6,95,77,395.00**	**52,62,413.00**	**52,62,413.00**	**21,21,644.00**	**20,39,961.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	अनुदान Grants		परिक्रमी निधि Revolving Fund		भविष्य निधि CPF	
तालिका 3-उद्दिष्ट/अक्षय निधियाँ SCHEDULE 3-EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
		(अग्रानीत) *(Brought forward)*				
अनुदान सहायता का अप्रयुक्त शेष (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम) Unspent Balance of Grant-in-Aid (Central Sector Scheme)	-	-				
अनुदान सहायता का अप्रयुक्त शेष (अन्य केंद्रीय व्यय) Unspent Balance of Grant-in-Aid (Other Central Expenditure)	4,56,90,654.00	6,95,77,395.00				
उद्दिष्ट निधियाँ का समूहीकरण - तालिका 3 **GROUPING FOR EARMARKED FUNDS...SCHEDULE 3**						
उद्दिष्ट/अक्षय निधियां **Earmarked/Endowment Funds**						
1. आवर्ती निधि का अंत शेष 1. Closing Balance of Revolving Fund	52,62,413.00					
2. अनुदान का शुद्ध अप्रयुक्त शेष 2. Net Unspent Balance of Grants						
आईआईएमसी IIMC	4,56,90,654.00					
एनसीओई NCOE	2,00,68,594.00					
3. पुरस्कार निधि की जमा शेष 3. Closing Balance of Award Funds	21,21,644.00					
कुल/Total	**7,31,43,305.00**					

टिप्पणियां/Notes

1) प्रकटन अनुदान से जुड़ी शर्तों पर आधारित संगत शीर्षों के अंतर्गत किये जाएँ ।
1) Disclosure shall be made under relevant heads based on conditions attaching to the grants.

2) केन्द्र/राज्य सरकारों से प्राप्त केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम निधियों को पृथक निधियों के रूप में दर्शाया जाए तथा किसी अन्य निधि के साथ न मिलाया जाए ।
2) Central Sector Scheme Funds received from the Central/State Governments are to be shown as separate Funds and not to be mixed up with any other Funds.

3) वर्ष 2020-21 के दौरान केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम और अन्य केंद्रीय व्यय के अनप्रयुक्त शेष की आंरभिक राशि वापस कर दी गई है।
3) Opening Balance of Unspent Balances of Other Central Expenditure and Central Sector Scheme adjusted during the financial year 2020-21.

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 4-सुरक्षित कर्ज एवं उधारः **SCHEDULE 4-SECURED LOANS AND BORROWINGS:**		
1. केन्द्र सरकार 1. Central Government	-	-
2. राज्य सरकार (स्पष्ट करें) 2. State Government (Specify)	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं 3. Financial Institutions		
क) आवधिक कर्ज a) Term Loans		
ख) प्रोद्भूत एवं देय ब्याज b) Interest Accrued and Due	-	-
4. बैंक : 4. Banks:		
क) आवधिक कर्ज a) Term Loans		
-प्रोद्भूत एवं देय ब्याज -Interest Accrued and Due	-	-
ख) अन्य कर्ज (स्पष्ट करें) b) Other Loans (specify)		
-प्रोद्भूत एवं देय ब्याज -Interest Accrued and Due	-	-
5. डिबेंचर एवं बांड 5. Debentures and Bonds	-	-
6. अन्य (स्पष्ट करें) 6. Others (Specify)	-	-
कुल **TOTAL**	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 5- असुरक्षित कर्ज एवं उधार:		
SCHEDULE 5-UNSECURED LOANS AND BORROWINGS:		
1. केन्द्र सरकार		
1. Central Government	-	-
2. राज्य सरकार (स्पष्ट करें)		
2. State Government (Specify)	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं		
3. Financial Institutions	-	-
4. बैंक :		
4. Banks:		
क) सावधिक कर्ज		
a) Term Loans	-	-
ख) अन्य कर्ज (स्पष्ट करें)		
b) Other Loans (specify)	-	-
5. अन्य संगठन एवं एजेंसियाँ		
5. Other Institutions and Agencies	-	-
6. अन्य (स्पष्ट करें)		
6. Others (Specify)	-	-
कुल		
TOTAL	-	-

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 6-अस्थगित ऋण देयताएँ:		
SCHEDULE 6-DEFFERED CREDIT LIABILITIES:		
क) पूंजीगत उपकरणों तथा अन्य परिसम्पत्तियों के मालबंधन द्वारा प्राप्त स्वीकृतियाँ		
a) Acceptances secured by hypothecation of capital equipment and other assets	-	-
ख) अन्य		
b) Others	-	-
कुल		
TOTAL	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 7-चालू देयताएँ एवं प्रावधानः SCHEDULE 7-CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS:		
क. चालू देयताएँ A. CURRENT LIABILITIES		
1. स्वीकृतियाँ 1. Acceptances	-	-
2. विविध लेनदार 2. Sundry Creditors		
क) वस्तुओं के लिए a) For Goods	-	
ख) अन्य (परियोजनाओं/पाठ्यक्रमों के अप्रयुक्त शेष) b) Others (Unspent balance of project/courses)	1,45,55,415.00	2,10,24,571.00
3. प्राप्त अग्रिम 3. Advances Received	-	-
4. प्रोद्भूत ब्याज पर देय नहीं 4. Interest accrued but not due on:		
क) सुरक्षित कर्ज/उधार a) Secured Loans/Borrowings	-	-
5. ढेंकनाल विप्रेषण खाता 5. Dhenkanal Remittance A/c	-	-
6. कानूनी देयताएँ: 6. Statutory Liabilities:		
क) अतिशेष (अं.भ.नि शेष) a) Overdue (CPF Balance)	-	-
ख) अन्य b) Others	-	-
7. अन्य चालू देयताएँ 7. Other Current Liabilities	2,65,02,142.00	2,02,43,247.00
कुल (क) **TOTAL (A)**	**4,10,57,557.00**	**4,12,67,818.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
प्रावधान **PROVISIONS**	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*		
1. कराधान हेतु 1. For Taxation		-	-
2. उपदान 2. Gratuity		-	-
3. अधिवर्षिता/नकद पाना 3. Superannuation/Encashment		-	-
4. संचयी छुट्टी नकदीकरण 4. Accmulated Leave Encashment		-	-
5. व्यापार आश्वस्ति/दावे 5. Trade Warranties/Claims		-	-
6. अन्य 6. Others		-	-
कुल (ख) **TOTAL (B)**		-	-
कुल (क+ख) **TOTAL (A+B)**		**4,10,57,557.00**	**4,12,67,818.00**

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

अन्य चालू देयताओं का समुह (तालिका-7) GROUPING OF OTHER CURRENT LIABILITIES (SCHE-7)	(राशि-रुपये) (Amount-Rs.) (चालू वर्ष) Current Year
क) जमानती राशियों से प्राप्ति	
A) SECURITY DEPOSITS RECEIVED	
1. पुस्कालय जमानती राशि (मुख्यालय)	
1. LIBRARY SECURITY (HEAD OFFICE)	62,35,200.00
2. पुस्कालय जमानती राशि (ढेंकानाल)	
2. LIBRARY SECURITY (DHENKANAL)	84,300.00
3 छात्रावास जमानती राशि (आइजोल)	
3. LIBRARY SECURITY (AIZAWL)	5,000.00
4. छात्रावास जमानती राशि (मुख्यालय)	
4. HOSTEL SECURITY (HEAD OFFICE)	2,82,000.00
5. छात्रावास जमानती राशि (ढेंकानाल) मुख्यालय में	
5. HOSTEL SECURITY (DHENKANAL) AT H.O	1,52,000.00
6. छात्रावास जमानती राशि ढेंकानाल में	
6. HOSTEL SECURITY AT DHENKANAL	1,34,000.00
7. छात्रावास जमानती राशि जम्मू में	
7. HOSTEL SECURITY AT JAMMU	85,000.00
8. छात्रावास जमानती राशि अमरावती में	
8. HOSTEL SECURITY AT AMRAVATI	-
9. छात्रावास जमानती राशि कोट्टायम में	
9. HOSTEL SECURITY AT KOTTAYAM	58,500.00
10. जमानती राशि (ढेंकानाल)	
10. SECURITY DEPOSIT (DHENKANAL)	1,31,686.00
11. प्रतिधारण राशि जमा	
11. RETENTION MONEY DEPOSIT	8,16,575.00
12. पेरागी/बयान (मुख्यालय)	
12. EARNEST MONEY DEPOSIT (HEAD OFFICE)	16,75,339.00
13. पुरस्कार (प्रायोजित)	
13. AWARD (SPONSORED)	5,000.00
14. छात्र कल्याण निधि	
14. STUDENT WELFARE FUND	43,29,896.00
ख) अन्य देयताएँ	
B. OTHER LIBILITIES	
छात्रवृत्ति	
SCHOLARSHIP	3,65,881.00
अनुदान पर अर्जित ब्याज वापिस होगा (20-21)	
INTEREST EARNED ON GRANT TO BE REFUNDED (20-21)	27,52,355.00
अनुदान पर अर्जित ब्याज वापिस होगा (एनसीओई)	
INTEREST EARNED ON GRANT TO BE REFUNDED (NCoE)	18,64,345.00
अनुदान पर अर्जित ब्याज वापिस होगा (21-22)	
INTEREST EARNED ON GRANT TO BE REFUNDED (21-22)	20,69,915.00
रोक लगाई रकम	
WITHHELD AMOUNT OF EMPLOYEES	1,42,160.00

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

अन्य चालू देयताओं का समुह (तालिका-7) GROUPING OF OTHER CURRENT LIABILITIES (SCHE-7)		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.) (चालू वर्ष) Current Year
देय टीडीएस TDS PAYABLE	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	4,12,760.00
आईआईएमसी संघ देय खाता IIMC ASSOCIATION PAYABLE ACCOUNT		(550.00)
केपीए लीगल सर्विसेज KPA LEGAL SERVICES		200.00
श्री राधाकृष्ण एसोसिएट्स देय SHRI RADHAKRISHNA ASS PAYABLE		1,28,935.00
अनुदान अव्ययित शेष राशि (एमजेडयू से प्राप्त) Grant Unspent Balance (Received from MZU)		35,11,000.00
सीजीईजीआईएस (आईआईएस परिषीक्षार्थी) CGEGIS (IIS PROB)		26,400.00
सीजीएचएस (आईआईएस परिषीक्षार्थी) CGHS (IIS PROB)		1,49,500.00
एनपीएस NPS		90,357.00
एसआरएस का देय खाता SRS PAYBLE ACCOUNT		-
सीपीएफ को देय PAYABLE TO CPF		9,93,288.00
कुल TOTAL		**2,65,02,142.00**

परियोजनाओं एवं अल्पावधि पाठ्यक्रमों का अनप्रयुक्त शेष
UNSPENT BALANCE OF PROJECTS & SHORT COURSES:

परियोजनाएँ (मुख्यालय) **PROJECTS (H.O)**	
एनसीओई NCOE	-
पेयजल और स्वच्छता DRINKING WATER AND SANITATION	1,37,557.00
बांग्लादेश प्रो कोर्स खाता BANGLADESH PRO COURSE ACCOUNT	23,994.00
स्त्री का आधारभूत अध्ययन BASELINE STUDY OF WOMEN	5,59,250.00
कोविड-19 के प्रभाव का आंकलन IMPACT ASSE STUDY OF COVID 19	5,21,616.00
स्वास्थय और परिवार कल्याण मंत्रालय MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE	75,713.00
विदेश मंत्रालय का प्रभाव अध्ययन IMPACT STUDY OF MIN OF OVERSEAS	9,108.00

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

अन्य चालू देयताओं का समुह (तालिका-7) GROUPING OF OTHER CURRENT LIBILITIES (SCHE-7)	(राशि-रुपये) (Amount-Rs.) (चालू वर्ष) Current Year
डीपीडी के जर्नल के सर्वेक्षण एवं मार्किट मूल्यांकन SURVEY & MKT ASS OF DPD JOURNALS	1,61,862.00
एमबीएमए मेघालय परियोजना MBMA MEGHALAYA PROJECT	21,67,720.00
जागो ग्राहक जागो परियोजना JAGO GRAHAK JAGO PROJECT	25,39,094.00
यूनेस्को स्वान UNESCO SWAN	98,782.00
टीवी स्वास्थ्य कार्यक्रम का ईएफएफ EFF OF TV HEALTH PROGMM	2,20,224.00
म्यामांर में मीडिया विकास कार्यशाला MEDIA DEVLP IN MYANMAR WORKSHOP	2,55,517.00
जलपूर्ति और स्वच्छता WATER SUPPLY & SANITATION	1,31,408.00
अल्पावधि पाठ्यक्रम **SHORT COURSES**	
राष्ट्रीय स्तर पर मीडिया कार्यशाला NATIONAL LEVEL MEDIA WORKSHOP	4,10,919.00
राष्ट्रीय मीडिया संकाय विकास केंद्र NATIONAL MEDIA FACULTY DEV CENTRE	45,947.00
भारतीय भाषा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी NATIONAL SEMINAR ON INDIAN LANGUAGE	(3,00,513)
अपना रेडियो APNA RADIO	56,900.00
आंकड़ों के विश्लेषण पर कार्यशाला WORKSHOP ON DATA ANALYSIS	20,810.00
भारतीय सूचना सेवा पाठ्यक्रम IIS OFFICERS COURSES	2,35,524.00
आइटेक ITEC	14,35,682.00
सेना के लिए मीडिया कम्यूनिकेशन कोर्स MEDIA COMM COURSE FOR ARMY	16,52,301.00
एनएडीपी के लिए मीडिया संचार पाठ्यक्रम MEDIA COMM COURSE FOR NADP	2,96,907.00
एसएसबी कोर्स SSB COURSE	3,01,883.00
एफटीआईआई FTII	8,58,247.00
छत्तीसगढ़ अधिकारी पाठ्यक्रम CHATTISGARH OFFICERS COURSES	6,00,000.00
लघु पाठ्यक्रम (ढेंकनाल) SHORT COURSES (DHENKANNAL)	1,79,871.00

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

अन्य चालू देयताओं का समुह (तालिका-7)
GROUPING OF OTHER CURRENT LIBILITIES (SCHE-7)

	(राशि-रुपये) (Amount-Rs.) (चालू वर्ष) Current Year
मीडिया महाकुंभ मेला MEDIA MAHAKUMBH FEST	4,26,982.00
एफटीआईआई पुणे सम्बद्धता FTII PUNE ATTACHMENT	2,57,772.00
मिज़ोरम पीआरओ पाठ्यक्रम MIZORUM PRO COURSE	2,87,000.00
राजभाषा समिति RAJ BHASHA SAMITI	1,07,998.00
मीडिया संचार एवं एमजीएमटी पाठ्यक्रम पीआरओ एमओडी और डीआरडीओ MEDIA COMM & MGMT COURSE PRO MOD & DRDO	7,79,340.00
कुल TOTAL	**1,45,55,415.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

तालिका 8-स्थायी परिसम्पत्तियाँ
SCHEDULE 8-FIXED ASSETS

(राशि-रुपये)
Amount-Rs.

विवरण Description	कुल खंड GROSS BLOCK				मूल्य ह्रास DEPRECIATION				शुद्ध खंड NET BLOCK	
	लागत/मूल्यांकन वर्ष के प्रारम्भ में Cost/Valuation As at beginning of the year	वर्ष के दौरान वृद्धियाँ Additions during the year	वर्ष के दौरान घटाव Deduction during the year	लागत/मूल्यांकन वर्ष के अंत में Cost/valuation at the year end	वर्ष के प्रारम्भ में As at the beginning of the year	वर्ष के दौरान वृद्धियाँ On add during the year	वर्ष के दौरान घटाव On ded during the year	वर्ष के दौरान योग Total up to the year	चालू वर्ष के अंत में As at the current year end	पिछले वर्ष के अंत में As at the previous year end
क. स्थायी परिसम्पत्तियाँ:										
A. FIXED ASSETS:										
1. भूमि:										
1. Land:										
क) पूर्ण स्वामित्व										
a) Freehold	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे पर										
b) Leasehold	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. भवन										
2. Building				-	-	-	-	-	-	-
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर										
a) On Freehold Land	11,09,23,659.00	-	-	11,09,23,659.00	-	-	-	-	11,09,23,659.00	11,09,23,659.00
ख) पट्टे वाली भूमि पर										
b) On Leasehold Land	20,58,41,622.00	12,11,911.00	-	20,70,53,533.00	-	-	-	-	20,70,53,533.00	20,58,41,622.00
ग) फ्लैट/परिसरों का स्वामित्व										
c) Ownership Flats/Premises	-			-	-	-	-	-	-	-
घ) गैरमालिकाना भूमि पर अधिरचना										
d) Superstructures on land not belonging to the entity	-			-	-	-	-	-	-	-
3. प्लांट, मशीने एवं उपकरण										
3. Plant, Machinery & Equipment	10,32,81,036.00	1,35,98,063.00	-	11,68,79,099.00	-	-	-	-	11,68,79,099.00	10,32,81,036.00
4. वाहन										
4. Vehicles	38,82,912.00	-	-	38,82,912.00	-	-	-	-	38,82,912.00	38,82,912.00
5. फर्नीचर और फिक्सचर										
5. Furniture & Fixtures	2,81,44,210.00	61,94,208.00	-	3,43,38,418.00		-	-	-	3,43,38,418.00	2,81,44,210.00
6. कम्प्यूटर संबंधी										
6. Computer Peripherals	5,75,03,752.00	1,47,21,239.00	-	7,22,24,991.00	-	-	-	-	7,22,24,991.00	5,75,03,752.00
7. पुस्तकालय की पुस्तकें										
7. Library Books	1,53,74,443.00	7,86,301.00	-	1,61,60,744.00	-	-	-	-	1,61,60,744.00	1,53,74,443.00
8. ट्यूबवेल एवं जल वितरण										
8. Tubewells & W. Supply	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

तालिका 8-स्थायी परिसम्पत्तियाँ
SCHEDULE 8-FIXED ASSETS

(अग्रानीत)
(Brought forward)

(राशि-रुपये)
Amount-Rs.

विवरण Description	कुल खंड GROSS BLOCK				मूल्य ह्रास DEPRECIATION				शुद्ध खंड NET BLOCK	
	लागत/मूल्यांकन वर्ष के प्रारम्भ में Cost/Valuation As at beginning of the year	वर्ष के दौरान वृद्धियाँ Additions during the year	वर्ष के दौरान घटाव Deduction during the year	वर्ष के अंत में लागत/मूल्यांकन Cost/valuation at the year end	वर्ष के प्रारम्भ में As at the beginning of the year	वर्ष के दौरान वृद्धियाँ On add during the year	वर्ष के दौरान घटाव On ded during the year	वर्ष के दौरान कुल योग Total up to the year	चालू वर्ष के अंत में As at the current year end	पिछले वर्ष के अंत में As at the previous year end
9. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ 9. Other Fixed Assets	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
चालू वर्ष का कुल योग (क) **TOTAL OF CURRENT YEAR(A)**	**52,49,51,634.00**	**3,65,11,722.00**	**-**	**56,14,63,356.00**	**-**	**-**	**-**	**-**	**56,14,63,356.00**	**52,49,51,634.00**
ख. पूंजीगत कार्य में प्रगति **B. CAPITAL WORK IN PROGRESS**										
1. सी.सी.डबल्यु. (आकाशवाणी) एवं अन्य को भवन परियोजना हेतु अग्रिम 1. Advance to CCW(AIR) & others for Building Project	58,05,97,885.00	8,57,18,600.00	-	66,63,16,485.00	-	-	-	-	66,63,16,485.00	58,05,97,885.00
2. अपना रेडियो के उन्नयन के लिए बेसिल को अग्रिम 2. Advance to BECIL for Apna Radio upgradation	14,54,843.00	18,18,553.00	-	32,73,396.00	-	-	-	-	32,73,396.00	1,454,843.00
चालू वर्ष का कुल योग (ख) **TOTAL OF CURRENT YEAR(B)**	**58,20,52,728.00**	**8,75,37,153.00**	**-**	**66,95,89,881.00**	**-**	**-**	**-**	**-**	**66,95,89,881.00**	**58,20,52,728.00**
कुल (क+ख)TOTAL (A+B)	**1,10,70,04,362.00**	**12,40,48,875.00**	**-**	**1,23,10,53,237.00**	**-**	**-**	**-**	**-**	**1,23,10,53,237.00**	**1,10,70,04,362.00**

टिप्पणियां/Notes :

1. प्लांट एवं मशीनों में प्रिंटिंग प्रेस उपकरण, दृश्य-श्रव्य उपकरण एवं ऑफिस उपकरण शामिल हैं ।
1. Plant & Machinery includes printing press equipments, audio visual equipments, office equipments.
2. "परिसम्पतियों को केंद्रीय क्षेत्र की योजना में डालना" का विभाजन भवन, कम्प्यूटर्स एवं सहायक उपकरण, फर्नीचर एवं फिक्चर, प्लांट, मशीनों एवं उपकरण में किया गया है।
2. "CENTRAL SECTOR SCHEME CREATION OF CAPITAL ASSETS" has been bifurcated into building, computers & perpherals, furniture & fixtures, plant, machinery & equipment.

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

स्थायी परिसम्पत्तियाँ/अग्रिम
FIXED ASSETS/ADVANCES (ADDITIONS DURING THE YEAR)

(राशि-रुपये)
Amount-Rs.

विवरण **Description**	केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम (क) Central Sector Scheme (A)	अन्य केंद्रीय व्यय Other Central Expenditure		कुल Total	कुल Total		
	चालू वर्ष Current Year	ढेंकानाल Dhenkanal	मुख्यालय At H.O.	अन्य केंद्रीय व्यय Other Central Expenditure (B)	(क+ख) (A+B)	लोप Deletions	शुद्ध राशि Net Amount
1. भवन 1. Building	-	-	12,11,911.00	12,11,911.00	12,11,911.00	-	12,11,911.00
2. फर्नीचर एवं फिक्सचर 2. Furniture & Fixtures	-	2,05,100.00	59,89,108.00	61,94,208.00	61,94,208.00	-	61,94,208.00
3. पुस्तकें 3. Books	-	23,583.00	7,62,718.00	7,86,301.00	7,86,301.00	-	7,86,301.00
4. कम्प्यूटर 4. Computers	-	-	1,47,21,239.00	1,47,21,239.00	1,47,21,239.00	-	1,47,21,239.00
5. वाहन 5. Vehicles	-	-	-	-	-	-	-
6. प्लांट,मशीनरी एवं उपकरण 6. Plant, Machinary & Equipment	-	7,500.00	1,35,90,563.00	1,35,98,063.00	1,35,98,063.00	-	1,35,98,063.00
7. भवन निर्माण हेतु सीपीडब्ल्यू डी को अग्रिम 7. Advance to CPWD for building Project	-	-	8,92,29,600.00	8,92,29,600.00	8,92,29,600.00	35,11,000.00	8,57,18,600.00
8. अपना रेडियो के उन्नयन के लिए बेसिल को अग्रिम 8. Advance to BECIL for upgradation of Apna Radio	-	-	18,18,553.00	18,18,553.00	18,18,553.00	-	18,18,553.00
कुल **TOTAL**	**-**	**2,36,183.00**	**12,73,23,692.00**	**12,75,59,875.00**	**12,75,59,875.00**	**35,11,000.00**	**12,40,48,875.00**

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 9-उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश **SCHEDULE 9- INVESTMENT FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS**		
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
1. In Government Securities	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में		
2. Other Approved Securities (fixed deposit of awards fund in scheduled banks)	15,62,713.00	15,62,713.00
3. शेयर		
3. Shares	-	-
4. डिबेंचर एवं बांड		
4. Debenturs and Bonds	-	-
5. गौण एवं संयुक्त उद्यम		
5. Subsidiaries and Joint Ventures	-	-
6. अन्य		
6. Others	-	-
कुल **TOTAL**	**15,62,713.00**	**15,62,713.00**

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 10-निवेश-अन्य **SCHEDULE 10- INVESTMENT-OTHERS**	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
1. In Government Securities	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में (अनुसूचित बैंको में सावधि जमा)		
2. Other Approved Securities (Fixed Deposit at Scheduled Banks)		-
3. शेयर		
3. Shares	-	-
4. डिबेंचर एवं बांड		
4. Debenturs and Bonds	-	-
5. गौण एवं संयुक्त उद्यम		
5. Subsidiaries and Joint Ventures	-	-
6. अन्य		
6. Others	-	-
कुल **TOTAL**	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
उद्दिष्ट निधियों से तालिका-9 समूहों में निवेश **GROUPING OF SCH-9 INVESTMENT FROM EARMARKED FUNDS**		
1. बैंको मे सावधिक जमा (पुरस्कार राशि)		
1. Fixed Deposit with Bank (Award Fund)	-	-
क) मुख्यालय		
A) Head Office	12,12,713.00	12,12,713.00
ख) ढेंकनाल		
B) Dhenkanal	3,50,000.00	3,50,000.00
कुल **TOTAL**	**15,62,713 .00**	**15,62,713 .00**
तालिका 10 समुहों में निवेश एंव अन्य **GROUPING OF SCH-10 INVESTMENT OTHERS**		
1. पी.डब्ल्यू.डी मे सावधिक जमा		
1. Fixed Deposit at PWD	-	-
2. अल्पावधि सावधिक जमा		
2. Short Term Fixed Deposits	-	-
कुल **TOTAL**	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 11 चालू परिसम्पत्तियाँ, कर्ज और अग्रिम इत्यादि SCHEDULE 11- CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES ETC.		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
क. चालू परिसम्पत्तियाँ			
A. CURRENT ASSETS:			
1. वस्तु सूची			
1. Inventories			
क. भंडार एवं अतिरिक्त			
a) Stores and Spares		-	-
ख. माल व्यापार में			
b) Stock-in-Trade		-	-
- तैयार माल			
- Finished Goods			
-कार्य में प्रगति			
-Work-in-Progress			
- कच्चा माल			
- Raw Materials			
2. विविध देनदार			
2. Sundry Debtors:			
क. छः महीने से अधिक अवधि का बकाया कर्ज			
a) Debts outstanding for a period exceeding six months		-	-
ख. अन्य (परियोजनाओं/पाठ्यक्रमों की वसूलने योग्य अनुदान/निधियाँ)			
b) Others (Grants/Funds for project/courses recoverable)		12,63,387.00	12,68,355.00
ग. नकद शेष (चेक/ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)			
3. Cash balances in hand (including cheques/drafts and imprest)		17,926.00	26,342.00
4. बैंक शेष:			
4. Bank Balances:			
क. अनुसूचित बैंकों में:			
a) With Scheduled Banks:			
- चालू खाते में			
- On Current Accounts		-	-
- सावधि खाते में (मार्जिन राशि सहित)			
- On Deposit Accounts (includes margin money)		-	-
- बचत खाते में			
- On Saving Accounts			
- प्रधान कार्यालय (सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया)			
- Head Office (CBI)		10,10,82,227.00	12,92,96,180.00
- सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया - पुरस्कार निधि			
- Central Bank of India-Award Fund		-	-
- ढेंकनाल बैंक			
- Dhenkenal Bank		10,75,869.00	10,40,173.00
- सीपीएफ बैंक शेष	*(अग्रेनीत)*		
- CPF Bank Balance	*(Carried over)*	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
5. आईसीएसएसआर फेलोशिप पुरस्कार खाता (रिंकू पेगु) 5. ICSSR Felloship Award A/c (Rinku Pegu)	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	26,948.00	26,948.00
6. अवकाश यात्रा भत्ता अग्रिम 6. LTC Advance		15,336.00	-
7. सोत्र पर कर कटौती वापसी 7. TDS Refund		52,10,689.00	45,10,080.00
8. अनुदान प्राप्त करने योग्य 8. Grant Receivable		-	-
कुल (क) **TOTAL (A)**		**10,86,92,382.00**	**13,61,68,078.00**

ख. कर्ज, अग्रिम और अन्य परिसम्पत्तियाँ
B. LOANS, ADVANCES AND OTHER ASSETS

1. कर्ज : 1. Loans:				
क) कर्मचारी (आवर्ती निधि) a) Staff (Revolving Fund)		-		-
ख) गतिविधियों/उद्देश्यों में लगे हुए अन्य तत्त्व जो उन तत्त्वों के समान हों b) Other entities engaged in activities/objectives similar to that of the entity		-		-
ग) अन्य c) Others		-		-
2. नकद या माल के रूप में या प्राप्त मूल्य हेतु वसूलने योग्य अग्रिम या अन्य राशियाँ 2. Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or for value to be received				
क) पूंजीगत लेखे रूप में a) On Capital Account		-		-
ख) पूर्व भुगतान b) Prepayments	3,09,942.00		2,62,442.00	
ग) अन्य c) Others	29,84,144.00	32,94,086.00	28,75,378.00	31,37,820.00
3. प्रोद्भूत आय 3. Income Accrued:				
क) उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश पर (अं.भ.नि. के प्रोद्भूत ब्याज) a) On Investment from Earmarked/Endowment Funds (Accrued interest of award fund)	-	-	-	-
ख) निवेश/अन्य (संस्थान की पुरस्कार निधि एवं खजाना पर प्रोदभूत ब्याज) b) On Investments-Others	-	-	-	-
	(अग्रेनीत) *(Carried over)*			

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	(अग्रानीत) (Brought forward)	चालू वर्ष Current Year		पिछले वर्ष Previous Year
ग) अन्य (अप्राप्य देय राशि शामिल हैं रु.)				
c) Others (includes income due unrealised-Rs.)		-		-
ADVANCE TO BRANCHES				
4. कोट्टयम विप्रेषण खाता				
4. Kottayam Remittance A/c Advance to Branches	-	-	-	-
Cash	1,058.00	-	1,058.00	-
Bank	498,943.00	-	4,98,943.00	-
5. अमरावती विप्रेषण खाता				
5. Amravati Remittance A/c	-	-	-	-
Cash	264.00	-	2,719.00	-
Bank	2,99,736.00	-	2,97,282.00	-
6. जम्मू विप्रेषण खाता				
6. Jammu Remittance A/c	-		-	
Cash	2,937.00	-	8,358.00	-
Bank	4,97,063.00	-	4,91,643.00	-
7. आइजोल विप्रेषण खाता				
7. Aizwal Remittance A/c	-	-	-	-
Cash	4,615.00		4,615.00	
Bank	2,95,386.00	16,00,002.00	2,95,386.00	16,00,004.00
8. विद्यार्थी कल्याण कोष खाता				
8. Student Welfare Fund A/c		-		-
9. अंतरराष्ट्रीय मीडिया विश्वविद्यालय				
9. International Media University		-		-
कुल (ख) TOTAL (B)		**48,94,088.00**		**47,37,823.00**
कुल (क+ख) TOTAL (A+B)		**11,35,86,470.00**		**14,09,05,902.00**

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

	चालू वर्ष/Current Year	(राशि-रुपये)/(Amount-Rs.)
वर्तमान परिसम्पत्तियों का समूह (तालिका 11)		
GROUPLING OF CURRENT ASSETS (SCHEDULE 11)		
परियोजनाओं/अल्पकालिक पाठ्यक्रमों पर अधिखर्च शेष		
OVERSPENT BALANCE OF PROJECTS/ SHORT COURSES		
बीपीआरडी कार्यशाला खाता		
BPRD Workshop A/c		73,155.00
वॉटसन परियोजना		
Watson Project		8,34,688.00
राजभाषा सम्मेलन		
RAJ BHASHA SAMEELAN		58,519.00
आईजीएनएफए, देहरादून		
IGNFA, DHERADUN		29,190.00
पंचायती राज सशक्तीकरण		
Empowering Panchayati Raj		2,67,835.00
कुल		
TOTAL		**12,63,387.00**
नकद शेष		
CASH BALANCES		
मुख्यालय		
Head Office		805.00
ढेंकनाल		
Dhenkanal		17,121.00
फ्रेंकिग मशीन में टिकट		
Stamps in Franking Machine		-
कुल		
TOTAL		**17,926.00**
बैंक शेष		
BANK BALANCES		
1.मुख्यालय		
1.Head Office		
सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया		
Central Bank of India		6,32,91,118.00
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया		
State Bank of India		1,58,58,171.00
2.एनसीओई		
2. NCOE		2,19,32,938.00
3.ढेंकनाल		
3.DHENKANAL		10,75,869.00
कुल	*(अग्रेनीत)*	
TOTAL	*(Carried over)*	**10,21,58,096.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

		चालू वर्ष **Current Year**
क) आवर्ती निधि		
A) REVOLVING FUND	*(अग्रानीत)*	
आवर्ती निधि से अग्रिम का इतिशेष	*(Brought forward)*	
Closing Balance of Revolving fund Advances		-
ख) नकद या वस्तुओं के रूप में (अन्य) अग्रीमों की वसूली		
B) ADVANCES RECOVERABLE IN CASH OR KIND (Others)		
मुख्यालय		
HEAD OFFICE		
भारत दर्शन अध्ययन दौरा		
Bharat Darshan Study Tour		-
खाते से अग्रिम (खरीद)		
On A/c Advance (Purchase)		10,75,772.00
खाते से अग्रिम (अन्य केंद्रीय व्यय)		
On A/c Advance (Other Central Expenditure)		-
खाते से अग्रिम (टीपी एमडीआई गुड़गांव)		
On A/c Advance (To MDI Gurgaon)		-
खाते से अग्रिम (आईआईएस)		
On A/c Advance (IIS)		4,40,580.00
पर्व अग्रिम		
Festival Advance		-
बामर लॉरी को अग्रिम		
Advance to Balmer Lowrie		12,98,092.00
अल आर साईलो प्राप्य खाता		
L R Sailo Receivable Account		-
एनसीओई प्राप्य खाता		
NCOE Receivable Account		1,12,000.00
एलटीसी अग्रिम		
LTC Advance		-
चिकित्सा व्यय के लिए अग्रिम		
Advance for Medical Expenses		57,700.00
आईआईएस चुनाव सम्बद्धता		
IIS Election Attachment		-
कुल (क)		
TOTAL (A)		**29,84,144.00**
ढेंकनाल		
DHENKANAL		
ओ वाई टी जमा		
OYT Deposit		-
	(अग्रेनीत)	
	(Carried over)	

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

		चालू वर्ष Current Year
कर्मचारियों को अग्रिम Advances to employees	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	-
कुल (ख) **TOTAL (B)**		-
कुल (क+ख) **TOTAL (A+B)**		**29,84,144.00**
नकदी या वस्तु के रूप में प्राप्य अग्रिम **ADVANCES RECOVERABLE IN CASH OR IN KIND**		
1.पूर्व भुगतान, प्रतिभूतियों का भुगतान **1.Prepayments, Security Deposits Paid**		
मुख्यालय Head Office		2,27,130.00
ढेंकनाल Dhenkanal		82,812.00
कुल **TOTAL**		**3,09,942.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2022 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2022

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 12- बिक्री/सेवाओं से आय **SCHEDULE 12-INCOME FROM SALES/SERVICES**		
1. बिक्री से आय		
1. Income from Sales		
क) तैयार माल की बिक्री से		
a) Sale of Finished Goods	-	-
ख) कच्चे माल की बिक्री से		
b) Sale of Raw Material	-	-
ग) कबाड़ की बिक्री से		
c) Sale of Scraps	-	-
2. सेवाओं से आय		
2. Income from Services		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
a) Labour and Processing Charges	-	-
ख) व्यावसायिक/परामर्श सेवाएँ		
b) Professional/Consultancy Services		-
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
c) Agency Commission and Brokerage	-	-
घ) रखरखाव सेवाएँ (उपकरण/संपत्ति)		
d) Maintenance Services (Equipment/Property)	-	-
ड.) अन्य (स्पष्ट करें)		
e) Others (Specify)		
-छात्रावास किराया		
-Hostel Rent	5,47,890.00	8,75,313.00
-लघु पाठ्यक्रमों एवं परियोजनाओं-सहित		
-Misc Receipt including Short Courses & Projects	1,33,67,689.00	18,28,765.00
-सभागार का किराया		
-Rent of Auditorium	7,50,753.00	(1,86,600.00)
ढ) आईआईएमसी पुरस्कार पर प्राप्त ब्याज		
f) Interest received on award IIMC	-	-
कुल **TOTAL**	**1,46,66,332.00**	**25,17,477.00**

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2022 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

	चालू वर्ष Current Year (राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
तालिका 12 के समूह **GROUPING OF SCHEDULE 12**	
छात्रावास का किराया **HOSTEL RENT**	
अधिकारीयों के अतिथि गृह का किराया Officers Guest House Rent	2,08,501.00
छात्र छात्रावास किराया Student Hostel Rent	(1,60,781.00)
मकान किराया योगदान House Rent Contribution	97,020.00
छात्रावास सीट का किराया (ढेंकनाल) Hostel Seat Rent (Dhen.)	3,87,400.00
छात्रावास सीट का किराया (अमरावती) Hostel Seat Rent (Amravati)	-
छात्रावास सीट का किराया (जम्मू) Hostel Seat Rent (Jammu)	-
छात्रावास सीट का किराया (कोट्टयम) Hostel Seat Rent (Kottayam)	15,750.00
कुल (क) **TOTAL (A)**	**5,47,890.00**
सभागार/सम्मेलन कक्ष/लाउंज का किराया **RENT OF AUDITORIUM/CONFERENCE ROOM/LOUNGE**	
सभागार की बुकिंग Booking of Auditorium	35,000.00
लाउंज की बुकिंग Booking of Lounge	-
इंडस टावर से किराया Rent from Indus Tower	7,15,753.00
कुल (क) **TOTAL (A)**	**7,50,753.00**
विविध प्राप्ति **MISC. RECEIPT**	
विविध कार्यालय प्राप्ति Misc. Office Receipt	1,09,96,299.00
वेतन के विरूद्ध प्राप्ति Receipt against Salary	-
विविध कार्यालय रसीद (शाखा) Misc. Office receipt (Branches)	-

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2022 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2022

	चालू वर्ष (राशि-रुपये) Current Year (Amount-Rs.)
ओआईएस अधिकारी का प्रशिक्षण (ढेंकनाल) Training of OIS Officer (Dhenkenal)	-
आरटीआई प्रकोष्ठ RTI Cell	23,71,390.00
कुल (क) **TOTAL (A)**	**1,33,67,689.00**

तालिका 13-अनुदान/आर्थिक सहायता **SCHEDULE 13- GRANTS/SUBSIDIES**	**चालू वर्ष** **Current Year**	**पिछले वर्ष** **Previous Year**
(प्राप्त अटल अनुदान एवं आर्थिक सहायता) (Irrevocable Grants & Subsidies Received)		
1. केन्द्र सरकार (अन्य केंद्रीय व्यय) 1. Central Government (Other Central Expenditure)	18,99,00,000.00	12,56,50,000.00
2. केन्द्र सरकार (पूंजीगत परिसंपत्तियों के लिए अन्य केंद्रीय व्यय) 2. Central Government (Other Central Expenditure for capital assets)	8,16,15,264.00	12,76,00,000.00
कुल (1+2) **TOTAL (1+2)**	**27,15,15,264.00**	**25,32,50,000.00**
3. केन्द्र सरकार (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम) 3. Central Government (Central Sector Scheme)	-	-
4. राज्य सरकार 4. State Governments	-	-
5. सरकारी एजेंसियाँ 5. Government Agencies	-	-
6. संस्थाएं/कल्याण निकाय 6. Institutions/Welfare Bodies	-	-
7. अंतरराष्ट्रीय संगठन 7. International Organisations	-	-
8. अन्य (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम के तहत विविध प्राप्ति) 8. Others (Misc. receipt under Central Sector Scheme)	-	-
कुल **TOTAL**	**27,15,15,264.00**	**25,32,50,000.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2022 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2022

(राशि-रुपये) (Amount-Rs

तालिका 14- शुल्क/चंदा SCHEDULE 14-FEE/SUBSCRIPTION	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1. प्रवेश शुल्क 1. Entrance Fee	-	-
2. वार्षिक शुल्क/चंदे 2. Annual Fees/Subscriptions	3,74,03,557.00	2,90,70,359.00
3. संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क 3. Seminar/Program fees	-	-
4. परामर्श शुल्क 4. Consultancy Fees	-	-
5. अन्य (स्पष्ट करें) 5. Others (specify)	-	-
कुल TOTAL	**3,74,03,557.00**	**2,90,70,359.00**

तालिका 14 के समूह GROUPING OF SCHEDULE 14	(राशि-रुपये)(Amount-Rs.) चालू वर्ष Current Year
वार्षिक शुल्क/चंदा ANNUAL FEES/SUBSCRIPTIONS	
शिक्षा शुल्क (मुख्यालय) TUTION FEES (HEAD OFFICE)	3,74,03,557.00
शिक्षा शुल्क (ढेंकनाल) मुख्यालय में TUTION FEES (DHEN) AT HEAD OFFICE	-
शिक्षा शुल्क (ढेंकनाल) TUTION FEE (DHENKANAL)	-
प्रकाशन शुल्क PUBLICATION FEES	-
विलंब शुल्क LATE FEES	-
कुल **Total**	**3,74,03,557.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2022 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ **SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2022**

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 15-निवेशों से आय **SCHEDULE 15- INCOME FROM INVESTMENTS**	उद्दिष्ट निधि से निवेश **Investment from Earmarked Fund**		अन्य निवेश **Investment-Others**	
(उद्दिष्ट/अक्षय से स्थानांतरित निधि से निवेश पर आय) (Income on Invest. from Earmarked/Endowment Funds transferred to Funds)	चालू वर्ष **Current Year**	पिछले वर्ष **Previous Year**	चालू वर्ष **Current Year**	पिछले वर्ष **Previous Year**
1. ब्याज 1. Interest				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर a) On Govt. Securities	-	-	-	-
ख) अन्य बांड एवं डिबेंचर b) Other Bonds/Debentures	-	-	-	-
2. लाभांश 2. Dividends:				
क) शेयरों पर a) On Shares	-	-	-	-
ख) पारस्परिक निधि प्रतिभूतियों पर b) On Mutual Fund Securities	-	-	-	-
3. किराया 3. Rents				
4. सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में निवेश पर ब्याज 4. Interest on Investment with CBI	-	-	-	-
5. अन्य (अल्पावधि जमा ब्याज) (मुख्यालय) 5. Others (Interest on Short Term Deposit) (Head Office)	-	-	-	-
6. अल्पावधि जमा ब्याज (ढेंकानाल) 6. Interest on Short Term Deposit (Dhenkanal)	-	-	-	-
कुल **TOTAL**	-	-	-	-
उद्दिष्ट/अक्षय निधियों में स्थानांतरित Transferred to Earmarked/Endowment Funds	-	-	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2022 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2022

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय SCHEDULE 16- INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION ETC.	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1. रॉयल्टी से आय 1. Income from Royalty	-	-
2. आवेदन एवं प्रकाशन से आय 2. Income from sale of application & publication	25,184.00	43,56,990.00
3. अन्य (स्पष्ट करें) 3. Others (Specify)	-	-
कुल TOTAL	**25,184.00**	**43,56,990.00**
तालिका 16 के समूह GROUPING OF SCHEDULE 16		
प्रकाशनों से हुई आय INCOME FROM PUBLICATION		
आवेदन पत्रों की बिक्री SALE OF APPLICATION FORM		3,800.00
प्रकाशनों की बिक्री SALE OF PUBLICATION		21,384.00
कुल **TOTAL**		**25,184.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2022 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2022

(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)

तालिका 17-अर्जित ब्याज SCHEDULE 17- INTEREST EARNED	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1. सावधि जमाः		
1. On Term Deposits:		
क) अनुसूचित बैंकों में		
a) With Scheduled Banks		
मुख्यालय		
Head Office	5,567.00	3,30,837.00
ढ़ेकनाल		
Dhenkenal	-	-
ख) गैर अनुसूचित बैंकों में		
b) With Non-Scheduled Banks	-	-
ग) संस्थाओं में		
c) With Institutions	-	-
घ) अन्य		
d) Others	-	-
2. बचत खातों में:		
2. On Saving Accounts:		
क) अनुसूचित बैंकों में		
a) With Scheduled Banks		
मुख्यालय		
Head Office	3,85,948.00	29,691.00
ढ़ेकानाल		
Dhenkenal	-	36,688.00
ख) गैर अनुसूचित बैंकों में		
b) With Non-Scheduled Banks	-	-
ग) डाकखाने में बचत खाते		
c) Post Office Savings Accounts	-	-
घ) अन्य		
d) Others	-	-
3. कर्ज परः		
3. On Loans:		
क) कर्मचारी/स्टाफ		
a) Employees/Staff	-	-
ख) अन्य		
b) Others	-	-
4. पुरस्कार खाते पर ब्याज		
4. Interest on Award A/c	-	-
कुल **Total**	**3,91,515.00**	**3,97,216.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2022 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2022

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 18-अन्य आय **SCHEDULE 18-OTHER INCOME**	**चालू वर्ष** **Current Year**	**पिछले वर्ष** **Previous Year**
1. बिक्री पर लाभ/परिसम्पत्तियों का निपटान: 1. Profit on Sale/Disposal of Assets:		
क) निजी परिसम्पत्तियाँ a) Owned Assets	-	-
ख) निधियों से अर्जित या मुफ्त प्राप्त परिसम्पत्तियाँ b) Assets acquired out of grants or received free of cost	-	-
2. निर्यात प्रोत्साहन वसूली 2. Export Incentives Realized	-	-
3. विविध सेवाओं के लिए शुल्क 3. Fees for Miscellaneous Services	-	-
4. विविध आय (अं.भ. निधि से आय) 4. Miscellanous Income	-	-
कुल **TOTAL**	-	-

	चालू वर्ष **Current Year**	**पिछले वर्ष** **Previous Year**
तालिका 19-स्टॉक तैयार माल एवं डबल्यु आई पी में वृद्धि/कमी **SCHEDULE 19-INCREASE/(DECREASE) IN STOCK OF FINISHED GOODS & WIP**		
क) अन्तिम स्टॉक a) Closing Stock		
-तैयार माल -Finished Goods	-	-
-चल रहे कार्य -Work-in-Progress	-	-
ख) घटाए : प्रारंभिक स्टॉक b) Less: Opening Stock		
-तैयार माल -Finished Goods	-	-
-कार्य में प्रगति -Work-in-Progress	-	-
शुद्ध वृद्धि/(कमी) (क-ख) **NET INCREASE/(DECREASE) [a-b]**	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2022 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2022

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 20-स्थापना खर्चे **SCHEDULE 20-ESTABLISHMENT EXPENSES**	**चालू वर्ष** **Current Year**	**पिछले वर्ष** **Previous Year**
क) वेतन एवं मजदूरी a) Salaries and Wages	5,84,13,030.00	5,56,08,566.00
ख) भत्ते एवं बोनस b) Allowances and Bonus	3,23,43,260.00	2,49,94,379.00
ग) भविष्य निधि/एनपीएस में अंशदान c) Contribution to Provident Fund/NPS	1,08,20,522.00	50,52,722.00
घ) अन्य निधियों में अंशदान d) Contribution to Other Fund	-	-
ड.) कर्मचारी कल्याण खर्चे e) Staff Welfare Expenses	-	-
च) कर्मचारी सेवानिवृत्ति तथा सेवांत लाभों पर खर्च f) Expenses on Employees' Retirement and Terminal Benefits	80,07,862.00	1,41,36,961.00
छ) अन्य g) Others	58,86,948.00	81,67,042.00
कुल **TOTAL**	**11,54,71,622.00**	**10,79,59,670.00**

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 20 के समूह **GROUPING OF SCHEDULE 20**	**चालू वर्ष** **Current Year**
तनख्वाह एवं मजदूरी **SALARIES & WAGES**	
मुख्यालय एवं ढेंकनाल के खाते **BOOKS OF HEAD OFFICE & DHENKANAL**	
अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन Pay to Officers/Staff	2,88,76,723.00
संकाय का वेतन Pay to Faculty	2,92,97,057.00
आईआईएस को भुगतान Pay to IIS	-
कर्मचारियों को मानदेय Hon. to Staff	2,39,250.00
कुल **Total**	**5,84,13,030.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान
Indian Institute of Mass Communication

31.03.2022 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2022

	(अग्रानीत) *(Brought forward)*	(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
तालिका 20 के समूह GROUPING OF SCHEDULE 20		चालू वर्ष Current Year
भत्ते एवं बोनस **ALLOWANCE & BONUS**		
मंहगाई भत्ता DA		1,53,47,093.00
मकान किराया भत्ता HRA		1,16,97,258.00
समयोपरि भत्ते Overtime Allowances		39,660.00
परिवहन भत्ते Transport Allowances		46,67,452.00
धुलाई भत्ते Washing Allowances		1,00,000.00
दिव्यांग भत्ते Handicap Allowances		54,144.00
बोनस Bonus		4,37,653.00
कुल **Total**		**3,23,43,260.00**
भविष्य निधि और नई पेंशन योजना के लिए अंशदान **CONTRIBUTION TO PROVIDENT FUND AND NEW PENSION SCHEME**		
मुख्यालय Head Office		19,21,998.00
ढेंकनाल Dhenkanal		-
नई पेंशन योजना New Pension Scheme		88,98,524.00
कुल **Total**		**1,08,20,522.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

	चालू वर्ष Current Year
कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और सेवा समाप्ति लाभ *(अग्रानीत)* **EXPENSES ON EMPLOYEES RETIREMENT & TERMINAL BENEFITS** *(Brought forward)*	
आनुतोषिक Gratuity	53,97,409.00
अवकाश वेतन एवं पेंशन अंशदान Leave Salary & Pension Contribution	-
छुट्टी भुनाना Leave Encashment	26,10,453.00
जमा से संबद्ध बीमा योजना Deposit Linked Insurance Scheme	-
कुल **Total**	**80,07,862.00**
अन्य **OTHERS**	
चिकित्सा खर्च Medical Expenses	46,82,719.00
यात्रा खर्च (एलटीसी) Travelling Expenses (LTC)	78,574.00
शिक्षा शुल्क वापिसी Tution Fee Reimbursement	9,99,000.00
छुट्टी भुनाना Leave Encashment	1,26,655.00
कुल **Total**	**58,86,948.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2022 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ **SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2022**

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 21-अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि **SCHEDULE 21- OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC.**	**चालू वर्ष** **Current Year**	**पिछले वर्ष** **Previous Year**
क) खरीद (फोटोग्राफी सामग्री) a) Purchases (Photographic material)	-	-
ख) श्रम एवं प्रोसेसिंग खर्चे b) Labour and Processing Expenses	-	-
ग) ढुलाई एवं आवक गाड़ी c) Cartage and Carriage Inwards	-	-
घ) पावर एवं बिजली एवं पानी के खर्चे d) Electricity and Power & Water charges	1,00,42,080.00	78,07,464.00
ड.) जल प्रभार e) Water Charges	-	-
च) बीमा f) Insurance	-	-
छ) मरम्मत एवं रखरखाव g) Repair and Maintenance	1,28,34,349.00	1,46,04,319.00
ज) उत्पाद शुल्क h) Excise Duty	-	-
झ) किराया, दरें एवं कर I) Rent, Rates and Taxes	36,030.00	36,030.00
ञ) वाहन संचालन एवं रखरखाव j) Vehicles Running and Maintenance	8,00,561.00	9,24,136.00
ट) डाक टिकटें, टेलीफोन एवं संचार प्रभार k) Postage,Telephone and Communication Charges	8,02,046.00	6,08,772.00
ठ) छपाई और लेखन सामग्री l) Printing and Stationery	16,06,751.00	20,14,649.00
ड) यात्रा और वाहन पर खर्च m) Travelling and Conveyance Expenses	7,53,285.00	12,44,295.00
ण) अध्ययन दौरे और यात्राओं पर खर्च n) Expenses on Study Tour & Travels	15,600.00	-
त) समाचार पत्र और पत्रिकाओं पर अभिदान खर्च o) Subscription Expenses of News Papers & Perodical	6,31,791.00	22,66,409.00
थ) लेखा परीक्षक के पारिश्रमिक सहित कानूनी और पेशेवर शुल्क पर व्यय p) Expenses on Legal and Professional Fee including auditor remuneration	4,45,965.00	7,93,200.00
ध) आतिथ्य सत्कार खर्च q) Hospitality Expenses	2,58,912.00	4,12,538.00

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2022 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2022

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 21-अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि **SCHEDULE 21- OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC.**		**चालू वर्ष** **Current Year**	**पिछले वर्ष** **Previous Year**
न) व्यावसायिक (विजिटिंग फैकल्टी) शुल्क r) Professional (Visiting Faculty) Fee	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	44,51,236.00	26,50,707.00
प) अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों हेतु प्रावधान s) Provision for Bad and Doubtful Debts/Advances		-	-
फ) अवसूलीय शेष बट्टे खाते में डाला गया t) Irrecoverable Balances Written off		-	-
ब) पैकिंग खर्च u) Packing Expenses		-	-
भ) वितरण खर्चे v) Distribution Expenses		-	-
म) विज्ञापन एवं प्रचार w) Advertisement and Publicity		2,10,907.00	55,136.00
य) विविध x) Miscellaneous		23,76,774.00	31,31,719.00
र) कैजुयल कर्मचारियों की मजदूरी y) Wages to Casual Staff		5,40,39,073.00	4,56,47,912.00
ल) संपत्तिकर z) Property Tax		34,25,234.00	34,25,233.00
व) कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर इत्यादि पर खर्च za) Expenses on computer software, etc.		13,66,583.00	6,87,109.00
श) एसएपी zb) SAP		2,00,000.00	1,00,000.00
ष) शाखा व्यय zc) Branch Expenses		1,05,59,919.00	1,64,49,987.00
ह) प्रवेश परीक्षा पर व्यय zd) Expenditure on entrance exam		-	23,58,006.00
कुल **TOTAL**		**10,48,57,096.00**	**105,217,621.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2022

(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)

तालिका-21 के समूह GROUPING OF SCH-21	चालू वर्ष Current Year
बिजली और पानी **ELECTRICITY & WATER**	
मुख्यालय Headoffice	95,81,275.00
ढेंकनाल Dhenkanal	4,60,805.00
कुल **TOTAL**	**1,00,42,080.00**
मरम्मत और रखरखाव **REPAIR AND MAINTENANCE**	
क. अन्य केंद्रीय व्यय **A. OTHER CENTRAL EXPENDITURE**	
भवन BUILDING	
मुख्यालय HO	88,76,011.00
ढेंकनाल Dhenkenal	4,39,979.00
	(A) 93,15,990.00
उपकरण EQUIPMENT	
मुख्यालय HO	31,48,761.00
ढेंकनाल Dhenkenal	3,59,415.00
	(B) 35,08,176.00
फर्नीचर मुख्यालय FURNITURE H.O	10,183.00
कुल **TOTAL**	**1,28,34,349.00**
ख. केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम पर व्यय **B. CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE**	
उपकरणों की मरम्मत और पट्टा लाइनों का किराया Service Repair of Equipment and Lease Line Rent	-
कुल (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम+अन्य केंद्रीय व्यय) **TOTAL (CENTRAL SECTOR SCHEME+OTHER CENTRAL EXPENDITURE)**	**1,28,34,349.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2022

(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)

तालिका-21 के समूह GROUPING OF SCH-21			चालू वर्ष Current Year
वाहन परिचालन एवं रखरखाव VEHICLE RUNNING & MAINTENANCE	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*		
ईंधन की लागत Cost of fuel			5,94,069.00
मरम्मत एवं रखरखाव Repair and Maintenance			
मुख्यालय HO		1,22,822.00	
ढेंकनाल Dhenkenal		83,670.00	2,06,492.00
कुल TOTAL			**8,00,561.00**
डाक टिकट, टेलीफोन और टेलीप्रिंटर के खर्चे POSTAGE, TELEPHONE AND TELEPRINTER CHGS			
क. अन्य केंद्रीय व्यय A. OTHER CENTRAL EXPENDITURE			
डाक टिकट एवं तार खर्चे POSTAGE & TELEGRAPHIC CHARGES			
मुख्यालय HO			91,757.00
ढेंकनाल Dhenkenal			5,769.00
			(A) 97,526.00
दूरभाष खर्च TELEPHONE EXPS			
मुख्यालय HO			5,58,081.00
ढेंकनाल Dhenkenal			1,46,439.00
			(B) 7,04,520.00
ख. केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम B. CENTRAL SECTOR SCHEME			-
कुल (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम+अन्य केंद्रीय व्यय) TOTAL (CENTRAL SECTOR SCHEME+OTHER CENTRAL EXPENDITURE)			**8,02,046.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2022 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2022

(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)

तालिका-21 के समूह GROUPING OF SCH-21	चालू वर्ष Current Year
मुद्रण एवं लेखन सामग्री *(अग्रानीत)* PRINTING & STATIONERY *(Brought forward)*	
क. अन्य केंद्रीय व्यय A. OTHER CENTRAL EXPENDITURE	
मुख्यालय Head Office	15,21,361.00
ढेंकनाल Dhenkenal	85,390.00
ख. केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम पर व्यय B. CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE	-
कुल (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम पर व्यय+अन्य केंद्रीय व्यय) TOTAL (CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE + OTHER CENTRAL EXPENDITURE)	**16,06,751.00**
यात्रा एवं परिवहन TRAVELLING & CONVEYANCE	
क. अन्य केंद्रीय व्यय A. OTHER CENTRAL EXPENDITURE	
मुख्यालय HEAD OFFICE	
स्थानीय यात्रा Local Travel	5,30,771.00
बाहरी यात्राएँ Outstation Travels	2,04,982.00
विदेश यात्राएँ Foreign Travel	-
ढेंकनाल DHENKENAL	-
स्थानीय यात्रा Local Travel	-
बाहरी यात्राएँ Outstation Travels	17,532.00
ख. केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम पर व्यय B. CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE	-
कुल (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम व्यय+अन्य केंद्रीय व्यय) TOTAL (CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE+OTHER CENTRAL EXPENDITURE)	**7,53,285.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2022 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2022

(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)

समूहों मे तालिका-21 GROUPING OF SCH-21		चालू वर्ष Current Year
अध्ययन दौरा एवं यात्राएँ STUDY TOUR & TRAVELS	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	
मुख्यालय Head Office		-
ढेंकनाल Dhenkenal		15,600.00
ढेंकनाल में सेमिनार का खर्च Seminar Expense at Dhenkenal		-
कुल **TOTAL**		**15,600.00**
सदस्यता व्यय **SUBSCRIPTION EXPENSES**		
अखबार एवं पत्रिकाएं **NEWSPAPER & PERIODICALS**		
क. अन्य केंद्रीय व्यय **A. OTHER CENTRAL EXPENDITURE**		
मुख्यालय Head Office		5,92,393.00
यू.एन.आई टेलिप्रिंटर का किराया Rent of Uni Teleprinter		-
ढेंकनाल Dhenkanal		39,398.00
	Total	**6,31,791.00**
ख. केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम व्यय **B. CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE**		-
कुल (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम व्यय+अन्य केंद्रीय व्यय) **TOTAL (CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE+ OTHER CENTRAL EXPENDITURE)**		**6,31,791.00**
मनोरंजन/ आतिथ्य **ENTERTAINMENT/HOSPITALITY**		
मुख्यालय Head Office		1,85,497.00
ढेंकनाल Dhenkenal		73,415.00
कुल **TOTAL**		**2,58,912.00**
	(अग्रेनीत) *(Carried over)*	

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2022 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2022

(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)

समूहों मे तालिका-21 GROUPING OF SCH-21			चालू वर्ष Current Year
पेशेवर शुल्क PROFESSIONAL FEE	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*		
क. अन्य केंद्रीय व्यय A. OTHER CENTRAL EXPENDITURE			
बाहरी/अतिथि वक्ताओं (मुख्यालय) का मानदेय/शुल्क Hon/Fee to Guest Speakers/Outside (H.O)			10,11,286.00
बाहरी/अतिथि वक्ताओं (ढेंकानाल) का मानदेय/शुल्क Hon/Fee to Guest Speakers/Outside (Dhenkenal)			-
		Total	**10,11,286.00**
मुख्यालय H.O			
विज्ञापन जन संपर्क ADPR			9,07,200.00
आउटरीच गतिविधियाँ Outreach Activities			30,000.00
हिंदी पत्रकारिता HJ			4,29,000.00
रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता RTV			2,99,000.00
अंग्रेजी पत्रकारिता EJ			15,28,750.00
उर्दू URDU			2,46,000.00
प्रकाशन PUBLICATION			-
		Total	**34,39,950.00**
ख. केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम व्यय B. CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE			-
अतिथि संकाय को मानदेय (ढेंकनाल) Fee to Guest Faculty			-
मानदेय/मज़दूरी Hon/Wages			-
कुल (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम व्यय+अन्य केंद्रीय व्यय) TOTAL (CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE + OTHER CENTRAL EXPENDITURE			**44,51,236.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2022 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2022

(राशि-रुपये)(Amount-Rs.)

GROUPING OF SCH-21/तालिका-21 के समूह		Current Year/चालू वर्ष
विविध खर्चे		
MISCELLENAEOUS EXPENSES	*(अग्रानीत)*	
क. अन्य केंद्रीय व्यय	*(Brought forward)*	
A. OTHER CENTRAL EXPENDITURE		
बैंक प्रभार		
Bank Charges		
मुख्यालय		
HO		17,248.00
ढेंकनाल		
Dhenkenal		684.00
	Total	**17,932.00**
विविध खर्चे		
Misc Exps		
मुख्यालय		
HO		21,32,775.00
ढेंकनाल		
Dhenkenal		89,821.00
	Total	**22,22,596.00**
वर्दी		
Liveries		40,000.00
पुरस्कार खर्च		
Award Expense		96,246.00
सदस्यों और सदस्यता खर्चे		
Members & Subs. Expenses		-
छात्र कल्याण खर्च (ढेंकनाल)		
Student Welfare Expense (Dhenkenal)		-
फोटोग्राफी सामग्री		
Photography Material		-
कम और अतिरिक्त		
Short & Excess		-
	Total	**23,76,774.00**
ख. केन्द्रीय क्षेत्रक **स्कीम व्यय**		
B. CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE		-
कुल (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम+अन्य केंद्रीय व्यय)		
TOTAL (CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE+OTHER CENTRAL EXPENDITURE)		**23,76,774.00**
आकस्मिक कर्मचारियों की मजदूरी		
WAGES TO CASUAL STAFF		
मुख्यालय		
HO		4,98,34,508.00
ढेंकनाल		
Dhenkenal		41,50,298.00
आकस्मिक कर्मचारियों के लिए बोनस		
Bonus to Casual Staff		54,267.00
कुल		
TOTAL		**5,40,39,073.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2022 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ **SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2022**

(राशि-रुपये)(Amount-Rs.)

तालिका 21 क केंद्रीय क्षेत्र योजना खर्च SCHEDULE 21 A-CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1 संपत्ति का निर्माण केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम 1 Central Sector Scheme Creation of Assets	-	-
2 सामान्य केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम 2 Central Sector Scheme General	-	-
कुल TOTAL	-	-

नोट : वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान केंद्रीय क्षेत्र की योजना का अन्य केंद्रीय व्यय में विलय

Note : Central Sector Scheme merged with other Central Expenditure during the financial year 2020-21.

तालिका 22-अनुदान एवं आर्थिक सहायता इत्यादि पर खर्च SCHEDULE 22- EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES ETC.	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
क) संस्थाओं/संगठनों को दिया गया अनुदान a) Grants given to Institutions/Organisations	-	-
ख) संस्थाओं/संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता b) Subsidies given to Institutions/Organisations	-	-
कुल TOTAL	-	-

टिप्पणी: संस्थाओं के नाम, उनकी गतिविधियाँ तथा अनुदान/आर्थिक सहायता की राशि बताई जाएँ
Note: Name of the Entities, their Activities along with the amount of Grants/Subsidies are to be disclosed

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2022 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2022

(राशि-रुपये)(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 23-ब्याज **SCHEDULE 23- INTEREST**		
क) स्थायी परिसम्पत्तियों पर a) On Fixed Assets	-	-
ख) अन्य कर्जों पर (बैंक प्रभार सहित) b) On Other Loans (Including Bank Charges)	-	-
ग) अन्य c) Others	-	-
कुल **TOTAL**	-	-

(राशि-रुपये)(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 24- पूर्व अवधि वस्तुओं का विवरण **SCHEDULE 24- DETAILS OF PRIOR PERIOD ITEMS**		
क) अंशदायी भविष्य निधि का ब्याज अंतर a) Interest Differnce of CP Fund	-	
ख) स्वस्थ भारत परियोजना खाता एवं भारत निर्माण का त्वरित आंकलन b) Swasth Bharat Project Account & Rapid Ass. of Bharat Nirman	-	-
ग) ढेंकनाल विप्रेषण c) Dhenkanal Remittance	-	
कुल **TOTAL**	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2022 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ **SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2022**

तालिका-25

SCHEDULE-25

क. 31.3.2022 को समाप्त वर्ष के लिए महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

A: SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES (Y.E. 31.3.2022):

1. लेखे मंत्रालय के दिनांक 31.8.2005 के पत्र सं. 10(1) मिसलेनियस/2005 (टीए/606) द्वारा प्रेषित नए प्रारूप के अनुसार तैयार किये गए हैं।

1. Accounts has been provided as per new format provided by Ministry vide letter Dated 10(1) MISC/2005 (TA/606) dated 31.08.2005.

2. आंकड़ों को, आवश्यकतानुसार पुनःसमूहबद्ध/पुनःव्यवस्थित किया गया है।

2. Figures have been regrouped/rearranged wherever considered necessary.

3. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त अनुदान, तुलनपत्र में एकीकृत आँकड़ो मे दर्शाए गए हैं हालांकि उनके पृथक विवरण मदों में विस्तार से दिए गए हैं।

3. Grants-in-Aid from the Ministry of I & B as shown at one consolidated figure in the balance sheet though separate details are given in detailed accounts under various heads.

4. सभी अंशदायी भविष्य निधि लेखे सोसाईटी की लेखा बही से अलग कर दिये गए हैं।

4. Contributory Provident Fund account has been separated from books of account of society.

5. कर्मचारियों को दिया जाने वाला उपदान और छुट्टी के बदले नकद भुगतान नकद आधार पर दर्ज किया गया है।

5. Gratuity and Leave encashment is booked on cash basis.

6. केवल पुरस्कार निधि एवं खजाना जमा पर प्राप्त ब्याज को छोड़कर, जिन्हें प्रोद्भूत आधार पर दर्शाया गया है। आय और व्यय लेखे की सभी मदें नकद आधार पर हैं।

6. All item of income and expenditure are accounted for on cash basis except the interest on Fixed Deposits of Award fund and Khajana deposit which is accounted for on accrual basis.

7. स्थायी परिसम्पत्तियाँ लागत मूल्य पर हैं और उनमें नकद आधार पर मूल्य ह्रास प्रभार नहीं लगाया गया है।

7. Fixed Assets are stated at cost and no depreciation is accounted for on cash basis.

8. खर्च को अन्य केंद्रीय व्यय, केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम या अन्य प्रोजेक्टों में डालना गतिविधियों की प्रकृति/अनुदान की शर्तों के आधार पर है।

8. The charging of expenses to Other Central Expenditure, Central Sector Scheme and other projects are on the basis of nature of activities/terms of grant.

9. वर्ष के दौरान व्यय और पूंजीगत खर्च के मुकाबले आय की अधिकता को भारत सरकार से प्राप्त अनुदान राशि से पूरा किया गया। उसे न तो आय और व्यय लेखे में ले जाया गया है तथा न ही मंत्रालय के प्रारूप के अनुसार आरक्षित लेखे में अंतरित किया गया है।

9. Excess of Income over expenditure and capital expenditure during the year is met out of the Grant-in-Aid received from the Government of India. The same is not routed through Income and Expenditure account and not been transferred to Reserves account as per format provided by ministry.

10. अनुदान के अप्रयुक्त शेषों को या तो सरकार को वापस कर दिया गया या सरकार द्वारा आने वाले वर्ष की अंतिम किश्त से घटा दिए।

10. Any Unutilised balances of Grants are either refunded to the government or deducted by the government from the last installment during the subsequent year.

11. पिछले अभ्यास के अनुसार, हमने आय और व्यय खाते में एनसीओई की शेष अनुदान राशि को आगे बढ़ाया है, जो पिछले वर्षों से संबंधित है और बाद के वर्ष में वापस किया जा सकता है।

11. As per out previous practice followed, we have carried forward the balance grant amount of NCOE in Income & Expenditure account which pertains to Earlier years and may refund in subsequent year.

12. परियोजनाओं/पाठ्यक्रमों के लिए अनुदान का अधिक प्रयुक्त/अप्रयुक्त शेष अंतिम समायोजन के आधार पर होगा।

12. The Overspent/Unspent balance of Grants received for projects/Courses are subject to final settlement.

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2022 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ **SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2022**

तालिका 26-आकस्मिक देयताएँ तथा लेखों पर टिप्पणियाँ

SCHEDULE-26-CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS

1. आकस्मिक देयताएँ

1. CONTINGENT LIABILITIES

1.1 संस्था के दावे जिन्हें ऋण के रूप में अस्वीकृत किया गया रु. शून्य

1.1 Claims against the Entity not acknowledged as debts-Rs. .....NIL….

वर्ष के दौरान क्योंकि सभी बकाया मामले संस्थान के पक्ष में रहे थे, अतः उक्त राशि शून्य रु. दर्शाई गई है।

During the year as all pending cases have been in favour of the Institute, hence the said amount is shown as Rs. NIL

1.2 **निम्नलिखित के संबंध में विवादित माँग**

1.2 Disputed demand in respect of:

आय कर शून्य रुपये पिछले वर्ष शून्य रुपये

बिक्री कर शून्य रुपये पिछले वर्ष शून्य रुपये

नगरपालिका कर शून्य रुपये पिछले वर्ष शून्य रुपये

Income tax Rs NIL Previous year Rs NIL

Sales tax Rs NIL Previous year Rs NIL

Municipal Taxes……NIL……Previous year Rs……NIL….

1.3 विभिन्न पक्षों द्वारा निष्पादित न किए गए दावों को संस्थान ने खारिज किया

शून्य रुपये पिछले वर्ष शून्य रुपये

13 In respect of claims from parties for non-execution of orders, but contested by the entity

Rs NIL Previous year Rs. NIL

2. पूंजीगत वचनबद्धता

2. CAPITAL COMMITMENTS

पूंजीगत लेखे में निष्पादन हेतु अवशिष्ट ठेकों का अनुमानित मूल्य जिन्हें अग्रिमों की श्रेणी में नही रखा गया

शून्य रुपये पिछले वर्ष शून्य रुपये

Estimated value of contracts remaining to be executed on capital account and not provided for net of advances

Rs NIL Previous year Rs. NIL

3. पट्टेदारी की बाध्यता

3. LEASE OBLIGATIONS

प्लांट और मशीनरी हेतु वित्त लीज व्यवस्था के तहत भविष्य में किराये की बाध्यता शून्य रु. पिछले वर्ष शून्य रु.

Future obligations for rentals under finance lease arrangements for plant and machinery amount to Rs.NIL Previous year Rs.NIL

4. चालू परिसम्पत्तियां, कर्जे एवं अग्रिम

4. CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES

प्रबंधन के मत में चालू परिसम्पत्तियां, कर्जे, अग्रिमों का मूल्य सामान्यतः वसूला जाएगा जो कम से कम तुलनपत्र में दिखायी गई कुल राशि के बराबर होगा।

In the opinion of the Management, the current assets, loans and advances have a value on realisation in the ordinary course of business, equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.

5. कराधान

5. TAXATION

आयकर अधिनियम 1961, के अनुसार कर योग्य कोई आय न होने पर आयकर के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं होगा
In view of there being no taxable income under Income tax Act 1961, No provision for income tax has been considered necessary.

6. विदेशी मुद्रा में लेन देन

6. FOREIGN CURRENCY TRANSACTIONS

6.1	**आयात का परिकलित मूल्य सी. आई. एफ. आधार पर**	
6.1	**Value of Imports calculated on C.I.F basis:**	
	तैयार माल की खरीद	शून्य
	Purchase of Finished Goods	NIL
	पारगमन सहित कच्चा माल एवं उपकरण	शून्य
	Raw Material & Components including in transit	NIL
	पूंजीगत माल	शून्य
	Capital Goods	NIL
	भंडार, अतिरिक्त एवं उपभोज्य वस्तु	शून्य
	Stores, Spares and Consumbles	NIL
6.2	**विदेशी मुद्रा में खर्च**	
6.2	**Expenditure in Foreign Currency**	
	यात्रा	शून्य
	Travel	NIL
	वित्तीय संस्थाओं/बैंकों को विदेशी मुद्रा में प्रेषण एवं ब्याज भुगतान	
	Remittances and interest payment to Financial Institutions/Banks in Foreign currency	
	अन्य खर्चे	
	Other expenditure:	
	बिक्री पर कमीशन	शून्य
	Commission on Sales	NIL
	कानूनी एवं व्यावसयिक खर्चे	शून्य
	Legal and Professional Expenses	NIL
	विविध खर्चे	शून्य
	Miscellaneous Expenses	NIL
6.3	**आयः**	
6.3	**Earnings:**	
	एफ ओ बी आधार पर निर्यात का मूल्य	शून्य
	Value of Exports on FOB basis	NIL

फार्म से संलग्न 1 से 26 तक की संलग्न तालिकाएं 31.03.2022 के तुलनपत्र के तथा आय और व्यय लेखे के अभिन्न अंग है ।
Schedules 1 to 26 are annexed to and form an integral part of the Balance sheet as at 31.03.2022 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date.

आर ए डी ए एम एंड एसोसिएट
सनदी लेखाकार

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में

सदस्यगण,
भारतीय जन संचार संस्थान, सीपीएफ कार्यकारी समिति
जेएनयू, अरूणा आसिफ अली मार्ग
नई दिल्ली - 110067

अभिमत

हमने **अंशदायी भविष्य निधि (सीपीएफ)** – भारतीय जन संचार संस्थान (इसके बाद 'आईआईएमसी-सीपीएफ' के रूप में संदर्भित) के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है, जिसमें 31 मार्च, 2022 तक की बैलेंस शीट और तत्कालीन समाप्त वर्ष का आय और व्यय खाता और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और बही संबंधी टिप्पणियों का एक सारांश शामिल हैं।

हमारे विचार में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2022 तक और इस तिथि को समाप्त वर्ष के घाटे/अधिशेष के रूप में संस्था के मामलों की स्थिति की आयकर अधिनियम, 1961 ("अधिनियम") द्वारा यथाअपेक्षित रीति में अपेक्षित जानकारी प्रदान करते हैं और इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी किए गए लेखांकन मानकों और भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत अन्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निक्षपक्ष दृष्टिकोण प्रदान करते हैं।

परिमित अभिमत के लिए आधार

हमने वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा आईसीएआई द्वारा विनिर्दिष्ट लेखापरीक्षा मानकों (एसए) के अनुसार की है। इन मानकों के अंतर्गत हमारे दायित्वों को हमारी रिपोर्ट के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के संबंध में लेखा परीक्षक के दायित्वों में वर्णित किया गया है। हम अधिनियम के प्रावधानों और उसके तहत निर्मित नियमों के अंतर्गत वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के लिए प्रासंगिक स्वतंत्र आवश्यकताओं के साथ इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी आचार संहिता के अनुरूप एक स्वतंत्र संस्था हैं और हमने इन आवश्यकताओं और 'आईसीएआई की आचार संहिता' के अनुरूप अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हमारा मानना है कि हमें प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य वित्तीय विवरणों पर हमारी लेखा परीक्षा मत प्रकट किए जाने के लिए आधार प्रदान करने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

लेखा परीक्षा की अवधि के दौरान हमारा पर्यवेक्षण:

हम निम्नलिखित के संबंध में लंबित आयकर कार्यवाही की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं:

पीएएन संख्या	संबंधित मूल्यांकन वर्ष हेतु
AAATI5072Q	2016-17, 2017-18, 2018-19, 2021-22

वित्तीय विवरणों और इस पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के अलावा सूचना

अन्य सूचनाओं को तैयार किए जाने के लिए निदेशक मंडल जिम्मेदार है। अन्य सूचनाओं में बोर्ड की रिपोर्ट के अनुलग्नक सहित बोर्ड की रिपोर्ट में शामिल प्रबंधन विचार-विमर्श और विश्लेषण शामिल है, लेकिन इसमें वित्तीय विवरण और उस पर हमारी लेखा परीक्षक रिपोर्ट शामिल नहीं है।

वित्तीय विवरणों पर हमारे विचार में अन्य सूचना शामिल नहीं है और हम उस पर किसी भी प्रकार के आश्वासन निष्कर्ष व्यक्त नहीं करते हैं।

वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संबंध में, अन्य सूचना को पढ़ा जाना और ऐसा करते हुए विचार करना हमारी ज़िम्मेदारी है कि क्या वित्तीय विवरणों या हमारी लेखा परीक्षा प्रक्रिया के दौरान प्राप्त हमारी जानकारी के साथ अन्य सूचना वास्तविक रूप से असंगत है अथवा अन्यथा वास्तविक रूप से गलत प्रतीत होती है।

यदि, हमारे द्वारा निष्पादित कार्य के आधार पर, हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इस अन्य जानकारी का एक वास्तविक गलत विवरण है; तो हमें उस तथ्य की रिपोर्ट करने की आवश्यकता है। हमारे पास इस संबंध में रिपोर्ट करने के लिए कोई सूचना नहीं है।

वित्तीय विवरणों के संबंध में प्रबंधन के दायित्व

आईआईएमसी के प्रबंधन पर इन वित्तीय विवरणों, जो इंस्टीटयूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटस ऑफ इंडिया द्वारा समय-समय पर जारी किए गए लेखांकन मानकों और अन्य लेखांकन घोषणाओं, जहां तक लागू हो के अनुसार इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने का दायित्व है जो आईआईएमसी की वित्तीय स्थिति और वित्तीय कार्य निष्पादन की निष्पक्ष तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। इस जिम्मेदारी में वित्तीय विवरण जो एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करते हैं और वास्तविक मिथ्या कथन से परे होते हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, को तैयार करने और वित्तीय विवरणों को प्रस्तुत करने हेतु प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है।

वित्तीय विवरणों को तैयार करने में, प्रबंधन गोइंग कन्सर्न के रुप में जारी रखने हेतु संस्थान की क्षमता का आकलन, प्रकटीकरण, जैसा भी लागू हो, गोइंग कन्सर्न और तब तक लेखांकन के गोइंग कन्सर्न आधार का उपयोग करने से संबंधित मामले, जब तक प्रबंधन या तो संस्थान को समाप्त करने या संचालन को बंद करने का इरादा नहीं रखता है, या ऐसा करने के लिए कोई वास्तविक विकल्प न रहा हो, के लिए ज़िम्मेदार हैं।

विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या वित्तीय विवरण संपूर्ण रुप से मिथ्या कथन, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण, लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करने, जिसमें हमारी राय भी शामिल है, के लिए है, से मुक्त है और युक्तिसंगत आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि एसए के अनुसार की गई लेखा

परीक्षा हमेशा मिथ्या कथन का पता लगाएगी, जब यह मौजूद हो। मिथ्या कथन धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकते हैं और महत्वपूर्ण तब माना जाता है यदि, व्यक्तिगत रूप से या एकीकृत रुप में, वे इन वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने के लिए युक्तिसंगत रूप से अपेक्षित हो सकती हैं।

लेखांकन मानकों के अनुसार एक लेखा परीक्षा के भाग के रूप में, हम पेशेवर निर्णय लेते हैं और पूरे लेखा परीक्षा में व्यावसायिक संशयात्मकता बनाए रखते हैं। साथ ही हम-

- वित्तीय विवरणों के मिथ्याकथन, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण, के जोखिमों, उन जोखिमों के लिए जिम्मेदार डिज़ाइन और निष्पादन लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं की पहचान करते हैं और उनका आकलन करते हैं और लेखा परीक्षा साक्ष्य भी प्राप्त करते है जो हमारे अभिमत के लिए आधार प्रदान करने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त होते है। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप मिथ्याकथन का पता नहीं लगाने का जोखिम, त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाले मिथ्याकथन की तुलना में अधिक होता है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलत बयानी, या आंतरिक नियंत्रण की अवहेलना(ओवरराइड) शामिल हो सकती हैं।

- उपयोग की जाने वाली लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन एवं निदेशक मंडल द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित खुलासों की तर्कशीलता का मूल्यांकन भी करते हैं।

- लेखांकन के गोइंग कन्सर्न आधार का प्रबंधन द्वारा उपयोग की उपयुक्तता, और प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य के आधार पर, क्या वास्तविक अनिश्चितता उन घटनाओं या स्थितियों से संबंधित है जो गोइंग कन्सर्न के रुप में समूह की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह उत्पन्न कर सकते हैं, के संबंध में भी निष्कर्ष निकालते है। यदि हम निष्कर्ष निकालते हैं कि वास्तविक अनिश्चितता मौजूद है, या राय संशोधित करने के लिए, यदि इस तरह के खुलासे अपर्याप्त हैं, तो हमें वित्तीय विवरणों में प्रकटीकरणों से संबंधित अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट में ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता होती है। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर आधारित होते हैं। हालाँकि, भविष्य में होने वाली घटनाएं या स्थितियां संस्थान को गोइंग कन्सर्न के रुप में जारी रखने को रोकने का कारण बन सकती हैं।

- वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का प्रकटीकरण सहित समग्र मूल्यांकन भी करते है, और यह भी पता लगाते हैं कि क्या वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं का प्रतिनिधित्व उस रुप में करता है, जिससे निष्पक्ष प्रस्तुति प्राप्त कर सकते हैं।

  मैटेरियलिटी, वित्तीय विवरणों में गलत बयानों का परिमाण है, जोकि व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से हो सकती है, यह संभव बनाती है कि वित्तीय विवरणों के एक उचित जानकार उपयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय प्रभावित हो सकते हैं।

  हम (i) अपने लेखापरीक्षा कार्य के दायरे की योजना बनाने और अपने काम के परिणामों का मूल्यांकन करने में; और (ii) वित्तीय विवरणों में किसी भी पहचाने गए गलत विवरण के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए मात्रात्मक मैटेरियलिटी और गुणात्मक कारकों पर विचार करते हैं ।

  हम अन्य मामलों के अलावा, ऑडिट के नियोजित दायरे और समय और महत्वपूर्ण ऑडिट निष्कर्षों, जिसमें आंतरिक नियंत्रण में कोई भी महत्वपूर्ण कमियां शामिल हैं जिनकी हम अपनी लेखा परीक्षा की पहचान करते हैंके बारे में शासन के उन प्रभारित अधिकारियों को सूचित करते हैं।

- हम प्रशासन के उन प्रभारित अधिकारियों को एक वक्तव्य भी उपलब्ध कराते हैं कि हमने स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है,

और उन सभी संबंधों और अन्य मामलों के संबंध में सूचित करते हैं, जिन्हें हमारी स्वतंत्रता का पालन करने, और जहां भी लागू हो, संबंधित सुरक्षा उपाय के लिए उचित माना जा सकता है।

शासन के उन प्रभारित अधिकारियों के साथ संप्रेषित मामलों से, हम उन मामलों का निर्धारण करते हैं जो वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे और इसलिए प्रमुख लेखा परीक्षा मामले हैं। हम अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में इन मामलों का वर्णन करते हैं जब तक कि कानून या विनियमन मामले के संबंध में सार्वजनिक प्रकटीकरण को रोकता नहीं है या जब, अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में, हम यह निर्धारित करते हैं कि हमारी रिपोर्ट में किसी मामले को संप्रेषित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से इस तरह की सूचना के सार्वजनिक हित के लाभों से अधिक प्रतिकूल परिणामों की समुचित अपेक्षा है।

अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं संबंधी रिपोर्ट

(क) हमने उन सभी सूचनाओं और स्पष्टीकरणों को प्राप्त किया है जो हमारे सर्वोत्त्म ज्ञान और विश्वास के अनुसार हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजनों हेतु आवश्यक थे;

(ख) हमारी राय में, जैसा कि यह उन बहियों हमारी जाँच से प्रकट होता है आईआईएमसी द्वारा कानून द्वारा यथा अपेक्षित लेखों की उचित बही अभी तक रखी गई हैं;

(ग) 31 मार्च, 2022 तक की बैलेंस शीट और इस रिपोर्ट संबंधित आय और व्यय खाते, बहीखातों के अनुरूप हैं।

(घ) हमारी राय में, 31 मार्च, 2022 तक की बैलेंस शीट और आय और व्यय खाता इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटस ऑफ इंडिया द्वारा समय-समय जारी लेखांकन मानकों और अन्य लेखांकन घोषणाओं, जहां तक लागू हों, का अनुपालन करते हैं।

आर ए डी ए एम एंड एसोसिएट्स

कृते

चार्टर्ड अकाउंटेंट्स

फर्म पंजीकरण संख्या- 008280C

सी ए रवि कांत गुप्ता

(पार्टनर)

सदस्यता संख्या-077206

स्थान – गाजियाबाद

दिनांक-07/10/2022

यूडीआईएन संख्या-

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

To
The Members,
INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION CPF Executive Committee
JNU, ARUNA ASIF ALI MARG
NEW DELHI - 110067

Opinion

We have audited the accompanying Financial Statements of **Contributory Provident Fund (CPF) - INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION** (hereinafter referred as 'IIMC- CPF') which comprise the Balance Sheet as at March 31, 2022 and the Income and Expenditure Account for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and notes to accounts.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanation given to us, the aforesaid financial statements give the information required by the Income Tax Act, 1961 ("the Act") in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the Accounting Standards issued by Institute of Chartered Accountants of India (ICAI), and other accounting principles generally accepted in India, of the state of affairs of the Entity as at March 31,2022, and its deficiency /Surplus for the year ended on that date.

Basis for Qualified Opinion

We conducted our audit of financial statements in accordance with the Standards on Auditing (SAs) specified by ICAI. Our responsibilities under those Standards are further described in the Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements section of our report. We are independent of the Entity in accordance with the Code of Ethics issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) together with the Independence requirements that are relevant to our audit of the financial statements under the provisions of the Act and the Rules made there under, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the 'ICAI's Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the financial statements.

Our observation during course of audit:

We would like to bring your kind attention on Income tax pending proceedings in respect of following:

PAN Number	For relevant Assessment year
AAATI5072Q	2016-17, 2017-18, 2018-19, 2021-22

Information other than the Financial Statements and Auditors' Report thereon

The Board of Directors is responsible for the preparation of the other information. The other information comprises the information included in the Management discussion and analysis, Board's Report including Annexure to Board's Report, but does not include the financial statements and our auditor's report thereon.

Our opinion on the financial statements does not cover the other information and we do not express any form of assurance conclusion thereon.

In connection with our audit of the financial statements, our responsibility is to read the other information and, in doing so, consider whether the other information is materially inconsistent with the financial statements or our knowledge obtained during the course of our audit or otherwise appears to be materially misstated.

If based on the work we have performed, we conclude that there is a material misstatement of this other information; we are required to report the fact. We have nothing to report in this regard.

Responsibilities of Management for the Financial Statements

Management of IIMC is responsible for the preparations of these financial statements that give a fair view of the financial position and financial performance of IIMC in accordance with Accounting Standards and other accounting pronouncements, to the extent applicable, issued by the Institute of Chartered Accountants of India from time to time. This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal controls relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, management is responsible for assessing the Institute's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the Entity or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

Auditor's Responsibility for the Audit of Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional scepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.
- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.
- Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Entity's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the Entity to cease to continue as a going concern.
- Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

Materiality is the magnitude of misstatements in the financial statements that, individually or in aggregate, makes it probable that the economic decisions of a reasonably knowledgeable user of the financial statements may be influenced. We consider quantitative materiality and qualitative factors in

(i) planning the scope of our audit work and in evaluating the results of our work; and (ii) to evaluate the effect of any identified misstatements in the financial statements.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

From the matters communicated with those charged with governance, we determine those matters that were of most significance in the audit of the financial statements of the current period and are therefore the key audit matters. We describe these matters in our auditor's report unless law or regulation precludes public disclosure about the matter or when, in extremely rare circumstances, we

determine that a matter should not be communicated in our report because the adverse consequences of doing so would reasonably be expected to outweigh the public interest benefits of such communication.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

(a) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.

(b) In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the IIMC so far as it appears from our examination of those books.

(c) The Balance Sheet as at 31st March, 2022 and the Income and Expenditure Account dealt with by this Report are in agreement with the books of account.

(d) In our opinion, The Balance Sheet as at 31st March, 2022 and the Income and Expenditure Account comply with the Accounting Standards and other accounting pronouncements, to the extent applicable, issued by the Institute of Chartered accountants of India from time to time.

For and on behalf of
R A D A M & Associates
Chartered Accountants
FRN: 008280C

CA Ravi Kant Gupta
Partner
Membership number: 077206
Place: Ghaziabad
Date: 07/10/2022
UDIN:

भारतीय जन संचार संस्थान

कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि

31.03.2022 को तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication

EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND

BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(राशि रुपये) (Amount-Rs.)

देयताएँ LIABILITIES		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
कर्मचारी अभिदान शेष (तालिका 'ख' के अनुसार) EMPLOYEES SUBSCRIPTION BALANCE (as Per Schedule "B")		3,58,46,047.00	3,45,97,733.00
नियोक्ता अभिदान शेष (तालिका 'ख' के अनुसार) EMPLOYERS CONTRIBUTION BALANCE (as Per Schedule "A")		2,52,48,271.00	2,63,55,715.00
भुगतान योग्य सी.पी.एफ. CPF PAYABLE		-	-
अदावी सी.पी.एफ. UNCLAIMDED CPF		-	-
वर्तमान देनदारियां CURRENT LIABILITIES		-	-
1.4.2020 को लाभ/हानि PROFIT/LOSS AS ON 1.4.2020	**(7,41,016.00)**	-	-
जोडें : आय की अपेक्षा खर्चे की अधिकता ADD: EXCESS OF EXPENDITURE OVER INCOME	**6,51,217.00**	(89,799.00)	(7,41,016.00)
कुल **TOTAL**		**6,10,04,519.00**	**6,02,12,432.00**

कृते आर ए डी ए एम एण्ड एसोसिएट
For R A D A M & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-008280C

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
(रविकांत गुप्ता)	संजय द्विवेदी	आशिष गोयल	रितेश पाठक
Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
(Ravi Kant Gupta)	**Sanjay Dwivedi**	**Ashish Goyal**	**Ritesh Pathak**
भागीदार	महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	सह कुलसचिव
Partner	**Director General**	**Addl. Director General**	**Assistant Registrar**
M. NO - 077206			**(DDO)**

स्थान : नई दिल्ली/**Place : New Delhi**
तारीख : 07-10-2022/**Date : 07.10.2022**

भारतीय जन संचार संस्थान
कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि
31.03.2022 को तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication
EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(राशि रुपये) (Amount-Rs.)

परिसम्पत्तियां ASSETS	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
निवेश (लागत पर)		
INVESTMENTS (AT COST)		
प्रथम श्रेणी		
FIRST CATEGORY		
6.05% सरकारी 12.06.2019		
6.05% GOI 12.06.2019	-	-
7.8% पंजाब राज्य औद्योगिक विकास कॉरपोरेशन		
7.8% PUNJAB STATE INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORP	15,00,000.00	15,00,000.00
7.5% केटीडीएफसी त्रैमासिक ब्याज 14.02.20 पूर्ण 14.02.23		
7.5% KTDFC QTRLY INTT. 14/02/20 MATURE-14/02/23	80,00,000.00	80,00,000.00
7.5% हुडको 13.04.2019 संचयी		
7.5% HUDCO 13.04.2019 CUMULATIVE	-	-
द्वितीय श्रेणी		
SECOND CATEGORY		
9.35% सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 28.03.2019		
9.35% FD CBI 28.03.2019	-	-
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा		
SPECIAL DEPOSIT WITH STATE BANK OF INDIA	1,88,55,970.00	1,88,55,970.00
7.8% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 13.02.2020 पूर्ण 13.02.23		
7.8% PNB HOUSING FINANCE LTD 13-02-2020, MATURE-13.02.23	72,00,000.00	72,00,000.00
8% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 28.06.2019		
8% PNB HOUSING FINANCE LTD 28-06-2019	-	-
7.40% एलआईसी एचएफएल गैर संचयी 12.07.2020		
7.40% LIC HFL 12-07-2020 NON-CUMULATIVE	-	-
कुल (क)/TOTAL (A)	**3,55,55,970.00**	**3,55,55,970.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान
कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि
31.03.2022 को तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication
EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

परिसम्पत्तियां ASSETS	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	चालू वर्ष Current Year	पछले वर्ष Previous Year
प्रोद्भूत ब्याज लेकिन देय नहीं			
INTEREST ACCRUED BUT NOT DUE			
6.05% सरकारी 12.06.2019			
6.05% GOI 12-06-2019		-	-
7.8% पंजाब राज्य औद्योगिक विकास कारपोरेशन			
7.8% PUNJAB STATE INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORP		-	-
7.5% हुडको 13.04.2019			
7.5% HUDCO 13.04.2019 CUMULATIVE		-	-
8.35% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 05.04.2018 को संचयी			
8.35% LIC HOUSING FINANCE MATURE ON 05-04-2018 CUMULATIVE		-	-
9.65% सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 28.03.2019			
9.65% FD CBI 28.03.2019		-	-
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा			
SPECIAL DEPOSIT WITH STATE BANK OF INDIA		-	-
8.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 29.06.2017 संचयी			
8.25% LIC HOUSING FINANCE MATURE ON 29-06-2017 CUMULATIVE		-	-
कुल (क)/TOTAL (A)		-	-
प्रोद्भूत ब्याज लेकिन देय नहीं			
INTEREST DUE BUT NOT RECEIVED			
7.8% पंजाब राज्य विकास कार्पोरेशन 2016			
7.8% PUNJAB STATE INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORP 2016		3,79,849.00	3,79,849.00
8.8% स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा			
8.8% SPECIAL DEPOSIT WITH STATE BANK OF INDIA		27,09,033.00	27,09,033.00
8.25% केटीडीएफसी (24एम) 12.07.2020 को समाप्त तिमाही ब्याज			
8.25% KTDFC (24M) EXPIRES ON 12.07.2020 QTRLY INTT.		-	-

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि

31.03.2022 को तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication

EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND

BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

परिसम्पत्तियाँ ASSETS	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
7.5% केटीडीएफसी 14.02.2023 को समाप्त तिमाही ब्याज			
7.5% KTDFC EXPIRES ON 14.02.2023 QTRLY INTT.		50,000.00	50,000.00
7.2% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 24.01.2018			
7.2% PNB HOUSING FINANCE LTD 24-01-2018		-	-
9.4% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 15.03.2017			
9.4% PNB HOUSING FINANCE LTD 15-03-2017		-	-
7.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 19.02.2021, 19.02.2021 को समाप्त गैर संचयी			
7.25% LIC HOUSING FINANCE 19.02.20 MATURE ON 19-02-2021 NON CUMULATIVE		-	-
कुल(ख)/TOTAL (B)		**31,38,882.00**	**31,38,882.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान
कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि
31.03.2022 को तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication
EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

परिसम्पत्तियाँ ASSETS		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
चालू संपत्तियाँ CURRENT ASSETS	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*		
स्रोत पर कर कटौती की वापसी TDS REFUND		12,58,166.00	11,74,816.00
भारतीय जन संचार संस्थान से देय DUES FROM IIMC		9,90,132.00	9,90,132.00
कुल TOTAL		**22,48,178.00**	**21,64,948.00**
बैंक शेष **BANK BALANCES**			
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया STATE BANK OF INDIA		28,95,717.00	1,73,342.00
सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया CENTRAL BANK OF INDIA		1,47,59,392.00	1,68,43,767.00
एचडीएफसी बैंक HDFC BANK		24,06,380.00	23,35,522.00
कुल (घ)/TOTAL (D)		**2,00,61,489.00**	**1,93,52,632.00**
कुल (क+ख+ग+घ)/TOTAL (A+B+C+D)		**6,10,04,519.00**	**6,02,12,432.00**

कृते आर ए डी ए एम एण्ड एसोसिएट
For R A D A M & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-008280C

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
(रविकांत गुप्ता)	संजय द्विवेदी	आशिष गोयल	रितेश पाठक
Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
(Ravi Kant Gupta)	**Sanjay Dwivedi**	**Ashish Goyal**	**Ritesh Pathak**
भागीदार	महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	सह कुलसचिव
Partner	**Director General**	**Addl. Director General**	**Assistant Registrar**
M. NO - 077206			**(DDO)**

स्थान : नई दिल्ली/**Place : New Delhi**
तारीख : 07-10-2022/**Date : 07.10.2022**

भारतीय जन संचार संस्थान

कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि

31.03.2022 को आय और व्यय लेखा

Indian Institute of Mass Communication

EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2022

विवरण PARTICULARS		(राशि रुपये) (Amount-Rs.)
आय INCOME	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
निवेशों पर ब्याज INTEREST ON INVESTMENTS		
प्रथम श्रेणी FIRST CATEGORY		
6.05% सरकारी 2019 बांड		
6.05% GOI 2019 BOND	-	-
8.9% हडको 26.04.2017		
8.9%HUDCO 26.04.2017	-	-
10.5% केटीडीएफसी बांड 23.04.2017		
10.5% KTDFC BOND 23/04/2017	-	-
7.5% हडको 13.04.2019 संचयी		
7.5% HUDCO13.04.2019 CUMULATIVE	-	-
8.5% केटीडीएफसी (24 एम) 28.06.2018 को पूर्ण तिमाही ब्याज (171207)		
8.5% KTDFC(24M) EXPIRES ON 28.06.18 QTRLY INTT (171207)	-	-
8.5% केटीडीएफसी (24 एम) 24.01.2019 को समाप्त तिमाही ब्याज (171207)		
8.5% KTDFC(24M) EXPIRES ON 24.01.19 QTRLY INTT (171207)	-	1,86,027.00
7.5% केटीडीएफसी 14.02.2023 को पूर्ण तिमाही ब्याज (171207)		
7.5% KTDFC EXPIRES ON 14.02.23 QTRLY INTT (171207)	6,00,000.00	6,00,000.00
द्वितीय श्रेणी SECOND CATEGORY		
8.8% स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा		
8.8% SPECIAL DEPOSIT WITH STATE BANK OF INDIA	27,18,824.00	13,80,050.00
9.65% सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 28-03-2019		
9.65% CBI TERM DEPOSIT 28-03-2019	-	-
8.35% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 05.04.2018 संचयी		
8.35% LIC HOUSING FINANCE 05-04-2018 CUMULATIVE	-	-
8% आईसीआईसीआई असुरक्षित बांड 24.02.2018		
8% ICICI UNSECURED BONDS 24.02.2018	-	-

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान
कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि
31.03.2022 को आय और व्यय लेखा

Indian Institute of Mass Communication
EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2022

(अग्रानीत)
(Brought forward)

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष/Current Year	पिछले वर्ष/Previous Year
8% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 28.06.2019 तिमाही ब्याज		
8% PNB HOUSING FINANCE LTD 28.06.2019 QTERLY INTT.	-	-
7.8% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 13.02.2020 तिमाही ब्याज		
7.8% PNB HOUSING 13.02.2020 QTERLY INTT.	5,23,446.00	5,61,600.00
7.55% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 11.07.2020 तिमाही ब्याज		
7.55% PNB HOUSING FINANCE LTD 11.07.2020 QTERLY INTT.	-	1,50,425.00
7.40% एलआईसी एचएफएज गैर संचयी ब्याज 12.07.2020		
7.40% LIC HFL 12-07-2020 NON-CUMULATIVE INTEREST	39,287.00	16,544.00
7.25% एलआईसी हाउसिंग 19.02.2020 गैर संचयी		
7.25% LIC HOUSING 19-02-2020 NONCUMULATIVE	-	6,461.00
7.85% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 24.01.2018 गैर संचयी		
7.85% LIC HOUSING FINANCE 24-01-2018 NON-CUMULATIVE	-	-
बचत खातें और अन्य		
SAVING BANK & OTHERS		
बचत बैंक खातों दर पर प्राप्त ब्याज (एसबीआई)		
INTEREST RECEIVED ON SAVING BANK (SBI)	3,551.00	4,635.00
बचत बैंक खातों पर प्राप्त ब्याज (सीबीआई)		
INTEREST RECEIVED ON SAVING BANK ACCOUNTS (CBI)	7,058.00	19,581.00
स्वीप एफडी पर ब्याज (सीबीआई)		
INTEREST ON SWEEP FD (CBI)	8,04,310.00	20,29,463.00
एचडीएफसी बैंक खातों पर प्राप्त ब्याज		
INTEREST RECEIVED ON HDFC BANK ACCOUNTS	70,853.00	53,178.00
विविध प्राप्तियाँ/कम और अतिरिक्त		
MISCELLANEOUS RECEIPTS/SHORT & EXCESS	-	-
TOTAL (A)	**47,67,334.00**	**50,07,964.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि

31.03.2022 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय लेखा

Indian Institute of Mass Communication

EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2022

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष/Current Year	पिछले वर्ष/Previous Year
व्यय/ EXPENDITURE		
बैंक प्रभार BANK CHARGES	304.00	-
सदस्यों को ब्याज INTEREST CREDITED TO MEMBERS	41,15,813.00	44,75,751.00
कुल (ख) TOTAL (B)	**41,16,117.00**	**44,75,751.00**
व्यय (ख) से आय की अधिकता EXCESS OF INCOME OVER EXPENDITURE(A-B)	**6,51,217.00**	**5,32,213.00**

कृते आर ए डी ए एम एण्ड एसोसिएट
For R A D A M & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-008280C

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
(रविकांत गुप्ता)	संजय द्विवेदी	आशिष गोयल	रितेश पाठक
Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
(Ravi Kant Gupta)	**Sanjay Dwivedi**	**Ashish Goyal**	**Ritesh Pathak**
भागीदार	महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	सह कुलसचिव
Partner	**Director General**	**Addl. Director General**	**Assistant Registrar**
M. NO - 077206			**(DDO)**

स्थान : नई दिल्ली/**Place : New Delhi**

तारीख : 07-10-2022/**Date : 07.10.2022**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 तक प्राप्ति और भुगतान का लेखा

Indian Institute of Mass Communication

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2022

प्राप्तियाँ RECEIPTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
1. प्रारम्भिक शेष			I. कर्मचारी अंशदान निधि के भुगतान		
I. OPENING BALANCE :			I. Payment made from Employees subscription Fund	46,47,116.00	1,14,39,728.00
क) नकद			II) नियोक्ता अंशदान निधि से भुगतान		
a) Cash in Hand	-	-	II) Payment made from Employer Contribution Fund	43,95,613.00	92,94,926.00
ख) बैंक शेष			III) किया गया निवेश		
b) Bank Balances			III) Investment made	-	-
1) सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया			IV) सी.पी.एफ. अग्रिम/निकासी		
i) Central Bank of India	1,68,43,767.00	93,12,500.00	IV) CPF Advance/part Withdraw	36,15,954.00	30,11,000.00
2) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया			V) आईआईएमसी को देय		
ii) State Bank of India	1,73,342.00	1,68,707.00	V) Payale to IIMC	-	-
3) एचडीएफसी बैंक			VI) बैंक प्रभार		
iii) HDFC Bank	23,35,522.00	22,82,344.00	VI) Bank Charges	-	-
II) कर्मचारियों सीपीएफ अंशदान			VII) टीडीएस वापसी		
II) Subscription of CPF by employees	70,68,800.00	87,58,800.00	VII) TDS REFUND	-	-
III) नियोक्ता द्वारा सीपीएफ अंशदान			**1. जमा शेष**		
III) Contribution in CPF by employer	16,14,940.00	20,74,941.00	**I. CLOSING BALANCE :**		
IV) निवेशों से आय			क) नकद		
IV) Income from investment	38,72,017.00	16,43,914.00	a) Cash In Hand		
V) ब्याज प्राप्त हुआ					
V) Interest received					
(क) बैंक जमा पर	81,467.00	77,394.00	ख) बैंक शेष		
A) On Bank Deposits	7,30,500.00	19,79,685.00	b) Bank Balance		
(ख) कर्ज एवं अग्रिम पर			i) सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया		
B) On Loan & Advances			i) Central Bank of India	1,47,59,392.00	1,68,43,767.00
VI) निवेश पूर्ण			ii) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया		
VI) Investment Matured	-	1,68,00,000.00	ii) State Bank of India	28,95,717.00	1,73,342.00
VII) कर्मचारियों द्वारा सीपीएफ अग्रिम भुगतान की अदायगी			iii) एचडीएफसी बैंक		
VII) Repayment of CPF Adv. by employees	-	-	iii) HDFC Bank	24,06,380.00	23,35,522.00
VIII) विविध प्राप्तियों					
VIII) Miscellaneous Receipts	-	-			
IX) आईआईएमसी से प्राप्य					
IX) Receivable from IIMC	120.00	-			
कुल/Total	**3,27,20,476.00**	**4,30,98,286.00**	**कुल/Total**	**3,27,20,476.00**	**4,30,98,286.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 तक प्राप्ति और भुगतान का लेखा

Indian Institute of Mass Communication

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2022

प्राप्तियाँ RECEIPTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR

कृते आर ए डी ए एम एण्ड एसोसिएट
For R A D A M & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-008280C

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
(रविकांत गुप्ता)	संजय द्विवेदी	आशिष गोयल	रितेश पाठक
Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
(Ravi Kant Gupta)	**Sanjay Dwivedi**	**Ashish Goyal**	**Ritesh Pathak**
भागीदार	महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	सह कुलसचिव
Partner	**Director General**	**Addl. Director General**	**Assistant Registrar**
M. NO - 077206			**(DDO)**

स्थान : नई दिल्ली/**Place : New Delhi**

तारीख : 07-10-2022/**Date : 07.10.2022**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए अंशदायी भविष्य निधि निवेश

Indian Institute of Mass Communication

POSITION OF CPF INVESTMENTS FOR THE YEAR ENDED 31.03.2022

निवेश का नाम NAME OF INVESTMENT	राशि (रू) AMOUNT (RS)
श्रेणी-I **CATEGORY-I**	
6.05% सरकारी बांड 12.06.2019 6.05% GOI BONDS 12-06-2019	-
7.8% पंजाब राज्य औद्योगिक विकास निगम 7.8% PUNJAB STATE IND DEVELOPMENT CORP	15,00,000.00
7.5% हुडको 13.04.2019 संचयी 7.5% HUDCO 13.04.2019 CUMULATIVE	-
7.5% केटीडीएफसी (24एम) 14.02.2023 को समाप्त तिमाही ब्याज 7.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 14-02-2023, QTRLY INTT.	80,00,000.00
कुल **TOTAL**	**95,00,000.00**
श्रेणी-II **CATEGORY-II**	
9.35% सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 28.03.2019 9.35% CBI TERM DEPOSITS 28-03-2019	-
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया मे विशेष जमा SPECIAL DEPOSIT WITH SBI	1,88,55,970.00
7.55% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 11.07.2020 तिमाही ब्याज 7.55% PNB HOUSING FINANCE LTD 11-07-2020 QTRLY INTT.	-
7.8% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 13.02.2020 तिमाही ब्याज 7.8% PNB HOUSING FINANCE LTD 13-02-2020 QTRLY INTT.	72,00,000.00
7.40% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 12.07.2020 गैर संचयी ब्याज 7.40% LIC HOUSING FINANCE ON 12-07-2020 NON-CUMULATIVE INTEREST	-
कुल **TOTAL**	**2,60,55,970.00**
कुल योग **GRAND TOTAL**	**3,55,55,970.00**

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2022 को अंशदायी भविष्य निधि निवेश

Indian Institute of Mass Communication
INTEREST ON C.P. FUND INVESTMENT STATEMENT AS ON 31.03.2022

प्रतिभूति का नाम NAME OF SECURITY	निवेश राशि Amount Invest	लंबित लेकिन प्राप्त नही हुई Due But Not Recd. B/f	प्रोद्भूत ब्याज अग्रेनीत शेष Accrued Intt. B/f	बकाया बयाज Int. due	कुल ब्याज Total Int	टीडीएस TDS	बकाया और प्राप्ति Due & recd.	बकाया लेकिन प्राप्त नहीं Due but Not Recd.	प्रोद्भूत ब्याज अग्रेनीत Accrued Int. C/f
श्रेणी-I CATEGORY-I									
7.8% पीएसआईडीसी 2014, 2015-2016 7.8% PSIDC 2014, 2015-2016	15,00,000	3,79,849			3,79,849			3,79,849	
7.5% केटीडीएफसी (24एम) 14.02.2023 को समाप्त तिमाही ब्याज 7.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 14-02-2023, QTRLY INTT.	80,00,000	50,000		6,00,000	6,50,000		6,00,000	50,000	
श्रेणी-II CATEGORY-II									
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया मे विशेष जमा SPECIAL DEPOSIT WITH SBI	1,88,55,970	27,09,033		13,38,774	40,47,807		27,18,824	13,28,983	
7.8% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 13.02.2020 माह ब्याज 7.8% PNB HOUSING FINANCE LTD 13-02-2020 MONTHLY	72,00,000			5,13,906	5,13,906	9,540	5,23,446		
7.40% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 12.07.2020 गैर संचयी ब्याज 7.40% LIC HOUSING FINANCE 12-07-2020 NON CUMULATIVE INTEREST	8,00,000			39,287	39,287		39,287		
कुल Total	**3,63,55,970**	**31,38,882**		**24,91,967**	**56,30,849**	**9,540**	**38,81,557**	**17,58,832**	

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2022 को अंशदायी भविष्य निधि

Indian Institute of Mass Communication
CPF FUND AS AT 31.03.2022

		(अग्रानीत) (Brought forward)	(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
क कर्मचारियों का योगदान			
A. EMPLOYERS CONTRIBUTION			
1.4.2021 को प्रारंभिक शेष			
Opening Balance as on 1.4.2021		2,63,55,715.00	
जोड़ें : 1. वर्ष के दौरान प्राप्त अभिदान			
Add: 1. Contribution For the Year		16,14,940.00	
2. आईआईएमसी से प्राप्ति			
2. Receivable from IIMC		-	
2. ब्याज			
2. Interest		16,73,229.00	
कुल **Total**		**2,96,43,884.00**	
रकम की निकासी			
Amount Withdrawn	43,95,613.00		
		43,95,613.00	
कुल **Total**			**2,52,48,271.00**
ख कर्मचारियों का अभिदान			
B. EMPLOYEES SUBSCRIPTION			
1.4.2021 को प्रारंभिक शेष			
Opening Balance as on 1.4.2021		3,77,31,635.00	
जोड़ें : 1. वर्ष के दौरान प्राप्त अभिदान			
Add: 1. Subcription Received during the year	70,68,800.00		
2. अग्रिम की वापसी			
2. Refund of Advance	-		
3. ब्याज			
3. Interest	24,42,584.00	95,11,384.00	
कुल **Total**			**4,41,09,117.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2022 को अंशदायी भविष्य निधि

Indian Institute of Mass Communication

CPF FUND AS AT 31.03.2022

	(अग्रानीत) *(Brought forward)*		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
घटाएं : **Less :**			
1. सी.पी.एफ. अग्रिम/व्यवस्थापन (आंशिक/अंतिम) 1. CPF Advance/ Settlement (Part/Final)	82,63,070.00		
2. नई पेंशन योजना को स्थानांतरित राशि 2. Amount transfer to new pension scheme	-		
		82,63,070.00	
कुल (ख) **TOTAL (B)**			**3,58,46,047.00**
कुल सी.पी.एफ. शेष (क+ख) **TOTAL CPF Balance (A+B)**			**6,10,94,318.00**

IIMC Centres

New Delhi

Aizawl

Dhenkanal

Kottayam

Jammu

भारतीय जन संचार संस्थान
Indian Institute of Mass Communication
Aruna Asaf Ali Marg, JNU New Campus, New Delhi - 110067
Tel.: 26742920, E.mail: iimc1965@gmail.com, Website: www.iimc.gov.in

भारतीय जन संचार संस्थान
Indian Institute of Mass Communication

IIMC Aizawl

IIMC Jammu

New IIMC campuses launched in 2022